SIR WILLIAM JONES
MDCCXLVI–MDCCXCIV

सत्यमेव जयते
संस्कृति मंत्रालय
MINISTRY OF
CULTURE

वार्षिक प्रतिवेदन एवं लेखापरीक्षा प्रतिवेदन

Annual Report & Audit Report

2023-24

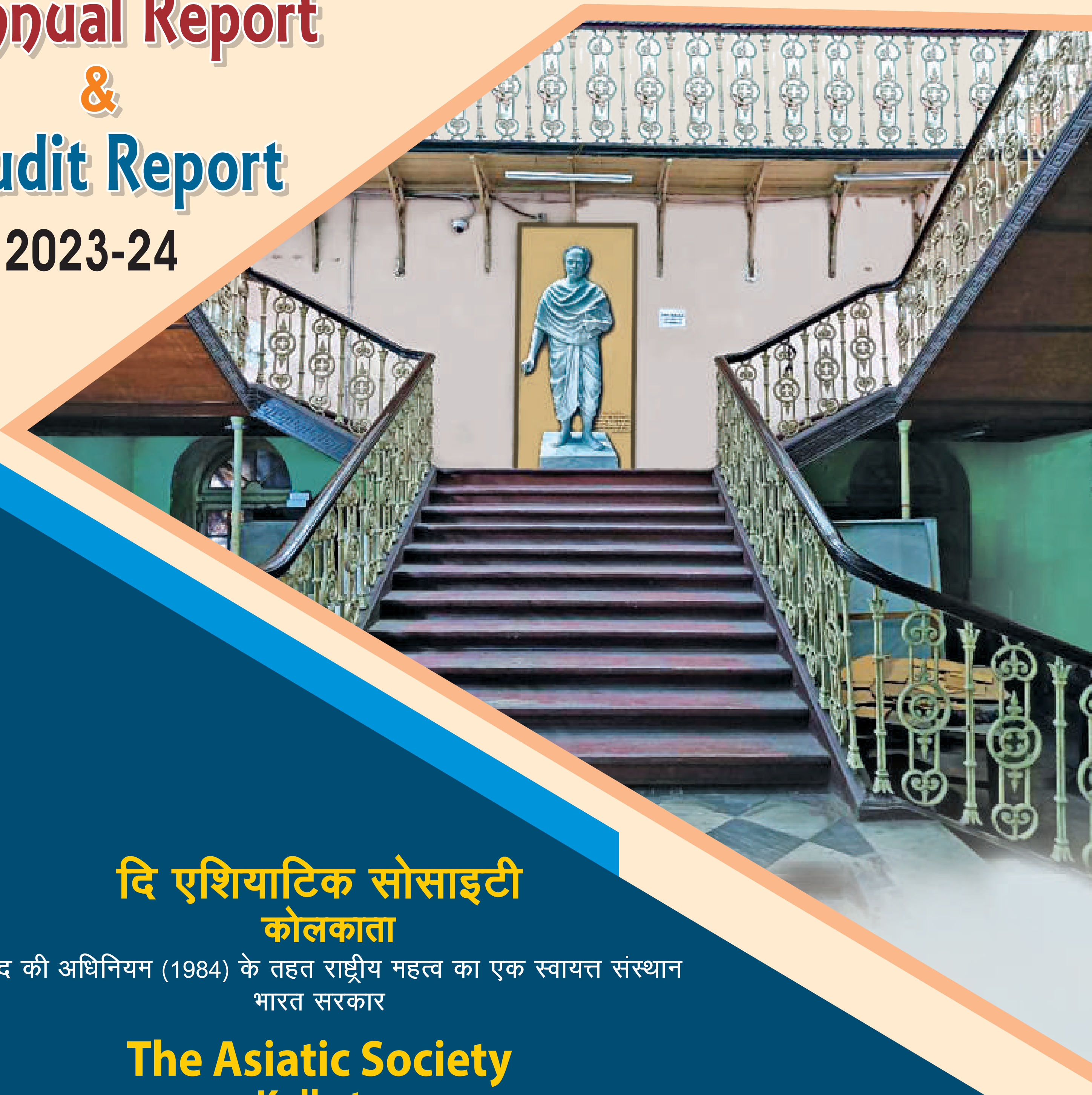

दि एशियाटिक सोसाइटी
कोलकाता

संसद की अधिनियम (1984) के तहत राष्ट्रीय महत्व का एक स्वायत्त संस्थान
भारत सरकार

The Asiatic Society
Kolkata

An Autonomous Institution of National Importance under an Act of Parliament (1984)

Government of India

दि एशियाटिक सोसाइटी

का

वार्षिक प्रतिवेदन एवं लेखापरीक्षा प्रतिवेदन 2023-2024

दि एशियाटिक सोसाइटी
का
वार्षिक प्रतिवेदन एवं लेखापरीक्षा प्रतिवेदन
2023-2024

दि एशियाटिक सोसाइटी
1 पार्क स्ट्रीट, कोलकाता 700 016

सत्यमेव जयते
संस्कृति मंत्रालय
MINISTRY OF CULTURE

प्रकाशक
लेफ्टिनेंट कर्नल अनन्त सिन्हा
प्रशासक
दि एशियाटिक सोसाइटी
1 पार्क स्ट्रीट
कलकाता 700 016

नवंबर, 2024

संकलक : डॉ प्रीतम गुड़े

कवर डिजाइन : धीमान चक्रबर्ती

मुदक
शैली प्रेस प्रा: लि:
4ए मानिकतला मेन रोड
कलकाता 700 054
Email : saileepress@yahoo.com

शोक संदेश

एशियाटिक सोसाइटी, कोलकाता, सोसाइटी के निम्नलिखित सदस्यों, प्रतिष्ठित व्यक्तित्वों, शुभचिंतकों, कर्मचारियों एवं भूतपूर्व कर्मचारियों के निधन पर अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त करती है।

स्वामी स्मरणानंद

प्रोफेसर बिकाश सिन्हा

डॉ. अरुण गांधी

श्री अजय घोष

श्री समर बागची

प्रोफेसर अमल कुमार मुखोपाध्याय

प्रोफेसर अमर कुमार चट्टोपाध्याय

डॉ. चंद्रकांता मुरासिंह

डॉ. पिनाकीनाथ मुखोपाध्याय

प्रोफेसर (डॉ.) स्पर्श मणि चटर्जी

प्रोफेसर अतुल चंद्र भौमिक

मोहम्मद हबीब

प्रोफेसर इमैनुएल ले रॉय लाडुरी

प्रोफेसर मृण्मय भट्टाचार्य

प्रोफेसर कमलेश दत्त त्रिपाठी

उस्ताद राशिद खान

श्री दीपंकर सुकुल

श्री पंकज उधास

प्रोफेसर पीयूषकांति दीक्षित

श्री सतीश कौशिक

प्रोफेसर सी.आर. राव

प्रोफेसर रणजीत गुहा

श्री प्रवराजिका अमलप्राना

प्रोफेसर दिलीप साहा

प्रोफेसर बदीउर रहमान

प्रोफेसर निर्मला बनर्जी

प्रोफेसर दीपक भट्टाचार्य

श्रीमती बनानी घोष

डॉ. प्रसाददास भट्टाचार्य

प्रोफेसर सौमेंद्र नाथ मुखर्जी

डॉ. शांति बंद्योपाध्याय

श्री गौतम हलदर

डॉ. मल्लार मित्रा

डॉ. अनूप घोषाल

प्रोफेसर महादेव चक्रवर्ती

श्रीमती श्रीला मजूमदार

श्री भबानी प्रसाद मजूमदार

प्रोफेसर अंजलिका मुखोपाध्याय

श्री पार्थ सारथी देब

विषय-सूची

1.	एशियाटिक सोसाइटी की यात्रा	...	9
2.	अध्यक्षीय संबोधन	...	12
3.	महासचिव का अभिभाषण	...	23
4.	एशियाटिक सोसाइटी की कार्यकारी परिषद (2022-24)	...	26
5.	योजना समिति और स्थायी वित्त समिति	...	28
6.	समितियां और उप-समितियां	...	30
7.	वर्ष 2023 के लिए पदकों, पट्टिकाओं और व्याख्यानाओं के लिए चयनित पुरस्कार विजेता	...	33
8.	अप्रैल 2023-मार्च 2024 के दौरान कार्यकारी परिषद द्वारा अपनाए गए प्रमुख संकल्प और प्रतिवेदित बस्तुएँ	...	36
9.	एशियाटिक सोसाइटी का प्रकाशन	...	40
10.	पुस्तकालय संभाग की गतिविधियाँ		
	पुस्तकालय	...	42
	संग्रहालय	...	45
	संरक्षण	...	47
	रेप्रोग्राफी	...	48
11.	शैक्षणिक विभाग की गतिविधियां		49
	A. आंतरिक अनुसंधान परियोजनाएं	...	50
	B. पोस्ट डॉक्टरल अनुसंधान परियोजना	...	52

C.	अनवरत जारी बाहरी अनुसंधान परियोजनाए	...	52
D.	आरंभ होने वाली अनुमोदित बाह्य परियोजनाएं	...	53
E.	बाह्य अनुसंधान परियोजना: एशियाटिक सोसाइटी द्वारा आयोजित	...	53
F.	व्याख्यान/सेमिनार/सम्मेलन / कार्यशालाएं /संगोष्ठी / वार्ता	...	53
12.	विशिष्ट गतिविधियां	...	61
13.	एशियाटिक सोसाइटी के कर्मचारी (2023-2024)	...	63
14.	वित्त, लेखा, बजट और लेखा परीक्षा	...	69
	झलक (दृश्य-श्रव्य)		

1

एशियाटिक सोसाइटी की स्थापना यात्रा

स्थापना

एशियाटिक सोसाइटी, कोलकाता भारत में शिक्षा का प्राचीनतम संस्थान है एवं भारतीय इतिहास के पुनरुद्धार एवं भारतीय नवजागरण के शंखनाद में इसका महत्वपूर्ण योगदान है। सर विलियम जोन्स, जो कि एक प्रख्यात भाषाविद और एंग्लो-वेल्श कुल के विद्वान थे, ने 15 जनवरी, 1784 को सुप्रीम कोर्ट, कलकत्ता के ग्रैंड जूरी हॉल में हुई बैठक में इसकी स्थापना की थी।

सर विलियम जोन्स (1746-1794) सुप्रीम कोर्ट, कलकत्ता में सहायक न्यायाधीश (प्युनी जज) के रूप में 1783 में नियुक्त हुए। सर जोन का ही यह विचार था कि प्राच्य अध्ययन के लिए एक स्थायी संगठन स्थापित किया जाए। तत्कालीन गवर्नर जनरल वारेन हेस्टिंग्स को स्वयं ही भारत के शास्त्रीय भाषाओं और साहित्य में गहन' रुचि थी। प्राच्य अध्ययन में कंपनी के अधिकारियों का एक वर्ग भी अत्यंत सक्रिय रूप से जुड़ा हुआ था। इसलिए जोन्स की उस विचारधारा को अत्यंत ही आसानी से लागू कर दिया गया।

15 जनवरी 1784 को, ऐसे तीस उत्सुक यूरोपीय कलकत्ता में सुप्रीम कोर्ट के ग्रैंड जूरी कक्ष में मिले एवं संस्थान के रूप में द एशियाटिक सोसाइटी की स्थापना के लिए जोन्स के प्रस्ताव को अंगीकार कर लिया।

एशिया की भौगोलिक सीमा में ही अन्वेषण कार्य होंगे और इन सीमाओं के भीतर इसकी जिज्ञासाओं का विस्तार किया जाए जिसमें मनुष्य द्वारा निष्पादित कार्य अथवा प्रकृति द्वारा सृजित घटनाएँ शामिल होंगी - इस ऐतिहासिक बैठक में एशियाटिक सोसाइटी के स्मृति ज्ञापन में निहित इस बयान को सर विलियम जोन्स द्वारा तैयार किया गया था। इस प्रकार एशियाटिक सोसाइटी, कोलकाता की स्थापना का मार्ग प्रशस्त हुआ।

शुरुआत के दिन

इस सोसाइटी के पहले अध्यक्ष विलियम जोन्स बने और वर्ष 1794 में अपनी मृत्यु पर्यंत इस पद पर बने रहे। सोसाइटी के पहले संरक्षक वॉरेन हेस्टिंग्स थे। तब से संरक्षक का पद गवर्नर जनरल के पास था एवं स्वतंत्रता के बाद यह पद पश्चिम बंगाल के राज्यपाल के पास चला गया है। प्रारंभ में, केवल यूरोपीय नागरिक ही सोसाइटी के सदस्य के रूप में थे। वर्ष 1829 में भारतीयों को भी सोसाइटी सदस्य के रूप में की अनुमति दी गई थी। वर्ष 1885 में, इस संगठन के पहले भारतीय अध्यक्ष राजेंद्रलाल मित्र हुए। यह संगठन अपनी स्थापना के आरंभिक वर्षों के दौरान, बिना भवन के ही कार्यरत था। वर्ष 1805 में सरकार द्वारा जमीन दिए जाने के बाद, इसका आधिकारिक भवन 1808 में निर्माण किया गया। सोसाइटी के वर्तमान भवन का निर्माण वर्ष 1961 में इसी स्थान पर किया गया था एवं 22 फरवरी 1965 को पूर्व भारतीय राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन ने इसका उद्‌घाटन किया था।

पिछली दो शताब्दियों के दौरान सोसाइटी के नाम में कई परिवर्तन हुए जैसे एशियाटिक सोसाइटी ऑफ बंगाल (1832-1935), द रॉयल एशियाटिक सोसाइटी ऑफ बंगाल (1936-1951) एवं एशियाटिक सोसाइटी के रूप में इसकी पहचान जुलाई 1952 में हुई।

विजन एवं मिशन

सोसाइटी के मुख्य कार्य हैं:

- एशिया महाद्वीप में मानविकी एवं विज्ञान में अनुसंधान कार्यों का आयोजन करना, पहल करना एवं प्रोत्साहन देना,
- अनुसंधान संस्थानों, रीडिंग रूम, संग्रहालयों, सभागारों एवं व्याख्यान कक्षों की स्थापना, निर्माण, विनिर्माण, विरचना, अनुरक्षण एवं संचालन करना,
- लक्ष्य पूरा करने के लिए व्याख्यान, सेमिनार, संगोष्ठी, चर्चा, बैठकें एवं पुरस्कार स्वरूप मेडल और छात्रवृत्ति प्रदान करना।
- किसी पत्रिका, पुस्तक या अन्य साहित्य का अधिग्रहण करना, वित्तपोषित करना या प्रकाशित करना जिसे सोसाइटी अपने कार्यो को प्रोत्साहित करने के लिए उपयुक्त समझता हो;

जैसे–जैसे समय व्यतित होता गया, एशियाटिक सोसाइटी को अपने कार्यों का विस्तार करता रहा एवं फलस्वरूप अनुसंधान के क्षेत्र का भी विस्तार करना पड़ा। भले ही यह अपने संस्थापक सर विलियम जोन्स द्वारा जारी किए गए मूल अधिदेश की सीमा से आगे नहीं बढ़ा है कि यह मनुष्य द्वारा निष्पादित कार्य अथवा प्रकृति द्वारा सृजित घटनाएँ के सिद्धांत पर कार्य कर रहा है। केंद्र की आवश्यकताओं के अनुरूप आधुनिक समय में मानव ज्ञान में निरंतर वृद्धि होने के पश्चात भी इस प्रासंगिक अधिदेश का पूरी तरह से पालन किया जा रहा है।

एशियाटिक सोसाइटी ने भारत के अतीत की खोज में अग्रणी एवं अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। एशियाटिक सोसाइटी के विलियम जोन्स, चालस विल्किंस, एच टी कोलब्रुक, बी-एच हॉडसन, फ्रांसिस विल्फोर्ड, सैमुअल डेविस, एच-एच विल्सन, जेम्स प्रिंसेप जैसे महान भारतीयविदों एवं प्राच्यविदों ने अपने बौद्धिक आश्चर्य के कार्य किए थे।

सोसाइटी देश की सांस्कृतिक विरासत के भंडार रूप में भी कार्य कर रहा है और अपने संसाधनो के माध्यम से पिछले २०० से अधिक वर्षों देश के सांस्कृतिक विरासत के प्रचार एवं प्रसार कार्य कर रही है, परिणामस्वरूप मूल्यवान पांडुलिपियों एवं अन्य दस्तावेजों का एक महान केंद्र बनकर उभरा है।

राष्ट्रीय महत्व के संस्थान

एशियाटिक सोसाइटी कई मायनों में इस देश में कई प्रमुख शैक्षणिक संस्थानों जैसे भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण, भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण, भारतीय प्राणी सर्वेक्षण, भारतीय वानस्पतिक सर्वेक्षण, भारतीय संग्रहालय, उष्णकटिबंधीय चिकित्सा विद्यालय, कलकता मेडिकल कॉलेज, इंडियन नेशनल साइंस एकदमी इत्यादि के प्रगति एवं विकास की जननी रही है।

इस सोसाइटी के महत्व एवं इसके कला और विज्ञान के सभी क्षेत्रों में इसके अपार योगदान की देखते हुए, भारत सरकार ने 1984 में सोसाइटी के द्विशताब्दी वर्ष के दौरान संसद के अधिनियम द्वारा एशियाई सोसाइटी को राष्ट्रीय महत्व के संस्थान के रूप में मान्यता दी। 1984 के एशियाटिक सोसाइटी अधिनियम के लागू होने से

भारत सरकार ने भविष्य में इसके अनुरक्षण और विकास के लिए आवश्यक वित्तीय सहायता प्रदान करने की जिम्मेदारी ली। वर्तमान में, संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार के तहत यह सोसाइटी एक स्वायत्त संस्थान के रूप में कार्य कर रही है।

शासन

यह सोसाइटी, सोसाइटी पंजीकरण अधिनियम, 1860 (1860 का विनियमन अधिनियम XXI) के तहत पंजीकृत है। यह एक सदस्यों की सोसाइटी है। सोसाइटी के सदस्यों द्वारा निर्वाचित एक बीस सदस्यीय परिषद है, जो सोसाइटी के प्रशासनिक, निदेशन एवं प्रबंधन संबंधी मामलों देखरेख करती है। इसका निर्वाचन हर दो वर्ष में होता है। इस प्रबुद्ध परिषद के सदस्य मुख्य रूप से विभिन्न एकादमिक विषयों के विशेषज्ञ होते हैं। इसके अलावा, परिषद में भारत सरकार द्वारा चार नामांकित व्यक्ति, पश्चिम बंगाल सरकार द्वारा एक नामांकित व्यक्ति और एशियाटिक सोसाइटी कर्मचारी संघ का एक प्रतिनिधि शामिल हैं। महीने में एक बार अनिवार्य रूप से इस परिषद की बैठक होती है। कई स्थायी समितियाँ हैं जो परिषद को उसके मिशन के कार्यान्वयन करने में सहायता करती हैं। इसके अलावा एशियाटिक सोसाइटी का एक प्लानिंग बोर्ड भी है जो इस सोसाइटी के विकास से संबंधित कार्यक्रमों की योजना और कार्यान्वयन के संबंध में परामर्श देती है।

इसी तरह, एक स्थायी वित्त समिति भी है जिसमें केंद्र सरकार, राज्य सरकार और परिषद के नामित सदस्य शामिल होते हैं, जो वित्तीय प्रभाव से संबंधी सभी मामलों पर परिषद को सलाह देते हैं।

सोसाइटी की विकास यात्रा अब भी जारी

महत्वपूर्ण क्षेत्रों जैसा कि पीयर रिव्यू कमेटी द्वारा स्वीकृत किया गया है, विशेष रूप से, भारतीय संस्कृति और सभ्यता की समृद्ध विरासत को तेजी से कवर किया जा रहा है। एक ओर डिजिटलीकरण के माध्यम से और दूसरी ओर वैश्विक शैक्षणिक समुदायों के साथ नेटवकिंग के माध्यम से मूल्यवान पुस्तकों, दस्तावेजों, पांडुलिपियों आदि के संरक्षण को आधुनिक बनाने पर विशेष जोर दिया गया है। सोसायटी की गतिविधियों का एक और महत्वपूर्ण क्षेत्र यह है कि इस देश के साथ-साथ विदेशों में भी अधिक से अधिक लोगों तक पहुँचने के लिए अधिक से अधिक सोशल मीडिया नेटवर्क का उपयोग करना रहा है।

11 जनवरी, 1984 को कोलकाता में सोसाइटी के द्विशताब्दी समारोह में, भारत की तत्कालीन प्रधान मंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी ने अपने उद्घाटन भाषण में कहा था, कुछ संस्थान इतिहास को दर्शाते हैं और कुछ इसमें योगदान करते हैं। इस सोसाइटी ने यह दोनों कार्य किया। अब तक, सोसायटी अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए सभी क्षेत्रों में अपने कार्यक्रमों आगे बढ़ाते हुए पुस्तकालय, संग्रहालय, प्रकाशन और वार्षिक शैक्षणिक गतिविधियों जैसे अपने लक्ष्यों को प्राप्त कर रही है।

2

अध्यक्षीय भाषण

बहुलवाद और बहुसंस्कृतिवाद में भारतीय समाज

19 वीं सदो के बंगाल में साहित्यिक समाज और सामाजिक विज्ञान साहित्य

माननीय न्यायमूर्ति श्यामल सेन, इलाहाबाद उच्च न्यायालय के पूर्व मुख्य न्यायाधीश एवं पश्चिम बंगाल के पूर्व राज्यपाल, डॉ. सत्यव्रत चक्रवर्ती, हमारे महासचिव, डॉ. सुजीत कुमार दास, हमारे कोषाध्यक्ष, पदक, पट्टिका एवं व्याख्यान के माननीय प्राप्तकर्ता, देवियों और सज्जनों .

सामाजिक प्रश्नों पर व्यवस्थित चिंतन एवं अनुसंधान की शुरुआत भारत में, विशेष रूप से बंगाल में, 19वीं शताब्दी में हुई। ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन, नए विचारों का प्रभाव, यहाँ ईसाई धर्म को लागू करने के लिए मिशनरियों के उत्साह ने स्वदेशी बुद्धिजीवियों के बीच सदियों पुरानी संस्थाओं एवं रीति-रिवाजों को नए सिरे से देखने के लिए नवजागरण की शुरुआत हुई । कुछ पुनरुत्थानवादियों ने प्रचलित व्यवस्था के समर्थन में नए औचित्य एवं नए तर्क देने देने का प्रयत्न करने लगे। कुछ परिवर्तन समर्थक या आधुनिकतावादी लोग भी थे जिन्होंने व्यवस्था को बदलने एवं पश्चिमी मूल्यों, विचारधाराओं एवं शैक्षिक प्रणालियों को अपनाने की वकालत की एवं कुछ ऐसे भी थे जिन्होंने पश्चिम के नए मानवीय मूल्यों एवं संस्थाओं को अपनाते हुए अपनी परंपरा के सर्वश्रेष्ठता को पुन: प्राप्त करने के लिए पुराने तथा नए के संयोग का समर्थन किया। परिणामस्वरूप, यदि हम १९वीं शताब्दी में सम्मति की प्रकृति को देखें, तो हमें अभिजात वर्ग के स्तर पर नवजागरण एवं इसमें अभूतपूर्व सामाजिक मंथन देखने को मिलता है।

कुछ विचारकों ने इस प्रक्रिया को बंगाल पुनर्जागरण के रूप में पहचाना है एवं इसकी तुलना 16वीं एवं 17वीं शताब्दी में यूरोप में हुई इसी समान प्रकार की प्रक्रिया से की है। लेकिन यह विवाद का विषय है कि क्या इस नई बौद्धिक जागरण की तुलना यूरोप में पुनर्जागरण की प्रक्रिया से की जा सकती है, क्योंकि इस बौद्धिक जागरण में शामिल लोगों की संख्या एवं प्रतिशत केवल शहर के उच्च वर्ग के लोगों तक ही सीमित था एवं ग्रामीण इलाकों में रहने वाले लोगों की बड़ी संख्या इस प्रक्रिया से अपेक्षाकृत अप्रभावित रही। निस्संदेह समाज एक उथल-पुथल से गुजर रहा था जिसका आम लोगों पर गहरा प्रभाव पड़ रहा था।

यूरोप में, फ्रांसीसी क्रांति एवं नवजागरण का प्रभाव समाज पर महसूस किया गया एवं मुद्दा यह था कि सामाजिक व्यवस्था को कैसे बनाए रखा जाए। इसने लोगों को समाज के मूल आधार को देखने के लिए प्रेरित किया, जिससे यह प्रश्न उठा कि समाज की रूप-रेखा कैसे संभव है। यूरोप में निस्बेट ने अपने द सोशियोलॉजिकल ट्रेडिशन में समाजशास्त्र के विकास की व्याख्या करते हुए कहा, यूरोपीय समाजशास्त्र के मूल विचारों को 19वीं शताब्दी की शुरुआत में औद्योगिकीकरण एवं क्रांतिकारी लोकतंत्र के संघर्ष के तहत प्राचीन व्यवस्था के पतन द्वारा बनाई गई व्यवस्था की समस्या के जवाब के रूप में सबसे अच्छी तरह से समझा जाता है ।

यूरोप में पुरानी व्यवस्था का समाप्त होने से - एक ऐसी व्यवस्था सामने आई जो रिश्तेदारी, भूमि, सामाजिक वर्ग, धर्म, स्थानीय समुदाय एवं राजशाही पर चल रही थी - सत्ता, धन एवं प्रतिष्ठा के विभिन्न तत्वों को मुक्त कर दिया, जो मध्य युग से ही, हालांकि अनिश्चित रूप से, संचित हो रहे थे। क्रांति से विस्थापित, औद्योगिकता एवं लोकतंत्र की ताकतों से उलझे इन तत्वों को नए एवं अधिक व्यवहार्य संदर्भों की खोज में 19वीं शताब्दी में यूरोप के राजनीतिक परिदृश्य में संघर्ष करते हुए देखा जा सकता है

भारत में ऐसा कुछ भी नहीं हुआ। औपनिवेशिक गुलामी की जंजीरें स्वतंत्रता एवं लोकतंत्र के रास्ते में खड़ी थी, स्वतंत्रता एवं समानता के क्रांतिकारी विचारों के प्रति कोई सीधा संपर्क नहीं था, धार्मिक एवं लौकिक प्राधिकरण के बीच लंबे समय तक संघर्ष की कोई परंपरा नहीं थी, कुछ सीमित सीमा को छोड़कर, परिवर्तन की नीयत विकास (ऑर्थोजेनेटिक) प्रक्रिया का कोई चलन नहीं था। फिर भी ऐसे अपेक्षाकृत स्थिर एवं अचल समाज पर पश्चिमीकरण का प्रभाव, शिक्षा की नई प्रणाली की शुरुआत एवं स्वदेशी अभिजात वर्ग का उदय हो रहा था। 19वीं शताब्दी के दौरान, हम इस प्रक्रिया का चलन था। बंगाल ऐसे ही भंवर के केंद्र में था, हालांकि पश्चिमी भारत में भी कुछ समानांतर पुनरुत्थान हुआ था। 19वीं सदी के बंगाल में उभरते अभिजात वर्ग की बौद्धिक चिंताओं की विशेषता थी - सामाजिक मुद्दों पर रुचि, सामाजिक प्रश्नों पर चिंतन एवं अनुसंधान तथा सामाजिक मुद्दों के प्रति गहन अनुभवजन्य प्रवृति। इस बौद्धिक चिंता की दो महत्वपूर्ण दिशाएँ थीं। सबसे पहले, उस दौर के कुछ प्रमुख बुद्धिजीवियों एवं समाज सुधारकों ने मौलिक सामाजिक प्रश्न उठाने शुरू किए। उनकी सबसे बड़ी संपत्ति एक तर्कसंगत एवं जिज्ञासु मानसिकता का होना था जिसकी मदद से वे सभी उस समय की सामाजिक वास्तविकता पर विचार कर रहे थे। उनमें से प्रमुख थे राममोहन राय (1771-1833), अक्षय कुमार दत्ता (1820-1886), ईश्वर चंद्र विद्यासागर (1820-91), भूदेव मुखोपाध्याय एवं कई अन्य। बंगाल इस तरह के सुधारवादी प्रवृति का केंद्र था। दूसरा, इस अवधि में यह था कि कई शैक्षणिक एवं पेशेवर समाज स्थापित हुए थे। ऐसे अकादमिक निकायों के कुछ उदाहरण -एशियाटिक सोसाइटी ऑफ बंगाल (1784), द एकेडमिक एसोसिएशन (1828), द तत्त्व बोधिनी सभा (1831), द बेथ्यून सोसाइटी (1851), द बंगाल सोशल साइंस एसोसिएशन (1866)। सामाजिक मुद्दों एवं सामाजिक समस्याओं के प्रति वैज्ञानिक दृष्टिकोण, समाज के विभिन्न हिस्सों के तथ्यात्मक पहलुओं के प्रति तर्कसंगत दृष्टिकोण ने इस समय को समाज के प्रति पहले के आध्यात्मिक एवं दार्शनिक दृष्टिकोण से अलग कर दिया। इस अवधि के कुछ महत्वपूर्ण विचारकों के व्यक्तिगत योगदान पर चर्चा करने से पहले हम ऐसे ही कुछ अकादमिक निकायों एवं स्कूलों के बारे में विस्तार से बात करेंगे।

ऐसा नहीं था कि इन निकायों एवं व्यक्तियों की रुचि केवल 'सामाजिक' वस्तुओं तक ही सीमित थी। 'वैज्ञानिक' चीजों में बढ़ती रुचि के इसके पुख्ता सबूत थे। 1840 में कलकत्ता जर्नल ऑफ नेचुरल हिस्ट्री की स्थापना की गई। द्वारकानाथ टैगोर, रामकमल सेन, दुर्गाचरण भट्टाचार्य एवं कुछ अन्य लोग इससे नजदीकी रूप से जुड़े थे। बेला दत्ता गुप्ता उन्नीसवीं सदी के मध्य के बौद्धिक परिवेश के संबंध में लिखते हुए कहती हैं, उस समय कलकत्ता का सम्पूर्ण बौद्धिक परिवेश वास्तव में विज्ञान एवं वैज्ञानिक वस्तुओं से समृद्ध था। व्यक्तिगत व्याख्यानों, पत्रिकाओं, समाचार-पत्रों में लेखों में, वैज्ञानिक ज्ञान के अध्ययन, अध्यापन एवं प्रचार-प्रसार की निरंतर मांग थी। तत्वबोधिनी पत्रिका के पृष्ठों में, संवाद प्रभाकर के स्तंभों में, तकनीकी विद्यालय, कृषि संस्थानों, कृषि के उन्नत तरीकों पर अनुसंधान के लिए तर्क बार-बार दोहराए जाते थे। 1854 में, इस देश में लोगों की अनुप्रयुक्त विज्ञान की मांग का एक महत्वपूर्ण सूचकांक बेथ्यून सोसाइटी के सामने पढ़ा गया, कर्नल गुडविन का 'विज्ञान, उद्योग एवं कला का मिलन' पर प्रकाशित शोधपत्र है। सर विलियम जोन्स द्वारा 1784 में एशियाटिक

सोसाइटी की स्थापना के पीछे, अपने सभी विविध रूपों में ज्ञान की एकीकरण का यह विचार था। विलियम जोन्स के लिए, 'इतिहास, विज्ञान एवं कला' मिलकर ही मानव शिक्षा या ज्ञान की त्रिमूर्ति का गठन करते हैं। उनके अपने शब्दों में, पहला (इतिहास) या तो प्राकृतिक उत्पादनों या साम्राज्य तथा राज्यों के वास्तविक अभिलेखों के आधार पर समझा जाता है; दूसरा (विज्ञान) नैतिकता एवं नियम के साथ शुद्ध एवं संयुक्त गणित के पूरे चक्र को समाहित कर लेता है, जहाँ तक वे तर्क करने की क्षमता पर निर्भर करते हैं जैसा कि सही कहा गया है कि 1784 में एशियाटिक सोसाइटी की स्थापना, अपनी 'धर्मनिरपेक्ष मुक्ति की खोज' के लिए महत्वपूर्ण है।

एशियाटिक सोसाइटी ... कई अन्य संगठनों के विकास में फिर से महत्वपूर्ण एवं एतिहासिक भूमिका निभाई। ऐसी सोसाइटियों में साहित्यिक, दार्शनिक एवं वैज्ञानिक ज्ञान के लिए अभूतपूर्व उत्साह था। वैज्ञानिक दृष्टिकोण के विकास के बाद जनमत का एक तर्कसंगत माहौल बना। लंबे समय से चली आ रही संस्थाओं पर सवाल उठाए जा रहे थे एवं उनकी तर्कसंगतता को चुनौती दी जा रही थी। इस प्रकार का समाज नवसिखुओं के सुधार हेतु उत्साही केंद्र बन गया।

एशियाटिक सोसाइटी के प्रकाशन प्रयास: एक शुरुआत

1784 में अपनी स्थापना के बाद एशियाटिक सोसाइटी का मुख्य आदर्श वाक्य जर्नलों एवं आवधिक पत्रिकाओं के माध्यम से सभी प्रकार के प्रकाशन था। एशियाटिक सोसाइटी के संस्थापक सर विलियम जोन्स ने अपने एक वार्षिक व्यक्तव्य में कहा था, ''यदि एशिया के विभिन्न भागों से प्रकृतिवादी, रसायनशास्त्री, पुरातत्ववेत्ता, भाषाशास्त्री एवं विज्ञान के लोग अपने विचारों को लिखकर कलकत्ता स्थित एशियाटिक सोसाइटी को भेजें तो इस सोसाइटी की प्रगति होगों, यदि ऐसा पत्राचार दीर्घकाल तक बाधित रहने से यह क्षीण हो जाएगी एवं यदि यह पूरी तरह बंद हो जाए तो यह समाप्त हो जाएगी।'' इस प्रकार विलियम जोन्स की अपेक्षाएं पूरी हुई, जिसके परिणामस्वरूप एशियाटिक सोसाइटी दो सौ चालीस वर्ष पुरानी संस्था बन गई ''जिसकी प्रतिष्ठा देश के सबसे प्राचीन एवं जीवंत प्रकाशन गृह के रूप में है।'' इस संदर्भ में डॉ आर सी मजूमदार की टिप्पणी गौर करने लायक है जब उन्होंने कहा कि ''एशिया के इतिहास एवं पुरावशेषों, कला, विज्ञान एवं साहित्य पर विद्वत्तापूर्ण लेखों एवं ग्रंथों के प्रकाशन होने से सर विलियम जोन्स का उच्च आदर्श की पूर्ति अपेक्षाओं से अधिक हुआ।''

बेशक सर विलियम जोन्स की उच्च अपेक्षाएं की पूर्ति तुरंत बाद पूरी नहीं हुईं। इस प्रकाशन में कुछ एवं वर्षों की देरी हुई। सितंबर 1788 में लिखे एक पत्र में जोन्स ने लिखा, 'सोसाइटी ने अभी तक कुछ भी प्रकाशित नहीं किया है, लेकिन दो क्वार्टो वॉल्यूम के लिए सामग्री है एवं मुझे उम्मीद है कि अगले वसंत ऋतु में इनमें से एक को यूरोप भेज दिया जाएगा।' यह 1788 की बात है कि 'एशियाटिक रिसर्च' (इसके स्थान पर मूल रूप से सर जोन्स 'एशियाटिक मिस्केलनी' सोचा था) शीर्षक के तहत पहला वॉल्यूम पहली बार प्रकाशित हुआ जैसा कि राजेंद्रलाल मित्रा ने बताया, 'एशियाटिक रिसर्च' के पहले 4 खंडों में उनके द्वारा कम से कम 29 शोधपत्रों का योगदान दिया गया था एवं मनु का उनका अनुवाद, सौ वर्षों की अवधि तक मानक संदर्भ पाठ्य पुस्तक रहा था। उन्होंने कालिदास की 'शकुंतला' एवं जयदेव की 'गीतगोविंद' का भी अंग्रेजी में अनुवाद किया।' लेकिन शुरू में इस पत्रिका का प्रकाशन अनियमित रूप से ही होता था, इस अनियमित प्रकाशन का मुख्य कारण धन की कमी थी।

यह जेम्स प्रिंसेप ही थे, जिन्होंने पत्रिका को एक नए रूप के साथ निकालने की योजना बनाई थी। जर्नल का पहला अंक 'जर्नल ऑफ द एशियाटिक सोसाइटी ऑफ बंगाल' नाम से पहली बार 1832 में प्रकाशित हुआ था, जिसका उद्देश्य 'ऐसे प्राच्य विषयों का प्रचार करना था जैसे कि पुरातत्व, भाषाविद्, यात्री एवं प्रकृतिवादी लोग दुनिया के इस हिस्से में विस्तृत क्षेत्र एशिया में, अपने संबंधित कार्य के लिए जानकारी प्राप्त कर सके, एवं जहाँ तक साधन उपलब्धता रहेगी, घरेलू स्तर पर विज्ञानों की प्रगति को बढ़ावा देना, विशेष रूप से ऐसे विज्ञानों को जो किसी भी तरह से एशिया से जुड़े हुए हैं। इस जर्नल ने 1832 से शुरू होकर, तीन चरणों को पार किया एवं 1953 में चौथे चरण में प्रवेश किया, जब इसका मूल नाम बदलकर, अर्थात जर्नल ऑफ द एशियाटिक सोसाइटी ऑफ बंगाल से बदलकर जर्नल ऑफ द एशियाटिक सोसाइटी कर दिया गया। इस जर्नल की शुरुआत के शुरुआती वर्षों में वापस जाएँ, तो वैज्ञानिक क्षेत्रों में लगभग सभी ऐतिहासिक खोजों एवं साहित्यिक एवं दस्तावेजी विश्लेषणों को जर्नल ऑफ द एशियाटिक सोसाइटी में प्रकाशित किया गया। जोन्स एवं प्रिंसेप के अलावा

हम ऐसे कुछ महत्वपूर्ण प्रकाशनों का उल्लेख कर सकते हैं, जिनका उल्लेख पहले ही किया जा चुका है। इस प्रकार हमारे पास एच एच विल्सन के ऐतिहासिक लेखन हैं, जिन्होंने अन्य रचनाओं के अलावा मेघदूत का एक सुंदर अनुवाद, ऋग्वेद के चौथे वॉल्यूम के बाद का अनुवाद एवं मैक्समूलर के वैदिक साहित्य की एक आलोचनात्मक समीक्षा की, राजेंद्रलाल मित्रा के अनुसार सोसाइटी के साथ इनका संबंध एक चौथाई सदी से अधिक समय तक रहा एवं जिनके कार्यकाल के दौरान सोसाइटी की स्थिरता एवं विश्वनीयता पूरी तरह से स्थापित हुई; एच. टी. कोलबरुक 1806 से 1815 तक दस वर्षों तक एशियाटिक सोसाइटी के अध्यक्ष रहे एवं जिन्होंने एशियाटिक सोसाइटी के कार्यों के लिए उन्नीस शोधपत्रों का योगदान दिया: वे एक महान गणितज्ञ, उत्साही खगोलशास्त्री एवं संस्कृत के प्रखर विद्वान थे एवं वे रॉयल एशियाटिक सोसाइटी ऑफ ग्रेट ब्रिटेन एंड आयरलैंड के संस्थापक थे; ब्रायन ह्यूगटन, का सोसाइटी के लिए योगदान अब तक अज्ञात साहित्यिक एवं वैज्ञानिक क्षेत्रों में काम करने में था एवं जिन्होंने सोसाइटी को कुल 112 शोधपत्रों के अलावा बड़ी संख्या में मूल्यवान पांडुलिपियां एवं प्राकृतिक इतिहास के नमूने दान में दिए थे। उपर्युक्त व्यक्तियों के अलावा, जर्नल में सबसे अधिक बार योगदान देने वालों में से श्री एच एच पिडिंगटन, डॉ एच फाल्कनर, डॉ. जे कैम्पबेल, श्री क्सोमा डे कोरोस, कैप्टन जे डी कनिंघम, जनरल ए कनिंघम, कर्नल आर एवरेस्ट, श्री डब्ल्यू टी हैनफोर्ड, डॉ आर मित्रा एवं श्री एच ब्लोचमैन शामिल थे। जैसा कि राजेंद्रलाल मित्रा ने अपनी शताब्दी समीक्षा में विचार किया है, कि समीक्षाधीन अवधि के दौरान, सोसाइटी ने प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से एवं सूचकांक सहित, जर्नल के 84 वॉल्यूम एवं प्रोसीडिंग के 19 वॉल्यूम प्रकाशित किए थे। इसमें 103 वॉल्यूम मोटे तौर पर सटीक मुद्रित सामग्री के कुल 50,000 पत्रों शामिल हैं, इसमें असंख्य निबंधों, पत्रों, मोनोग्राफ एवं रुचिपूर्ण नोट्स से भरे हुए हैं। राजेंद्रलाल मित्रा ने स्वयं वर्ष 1856 में इन वॉल्यूम को भौतिक रूप से पढ़ने की कठिनाई को कम करने के लिए, वॉल्यूम की अनुक्रमणिका सावधानीपूर्वक तैयार की थी। यह प्रयास तब से लेकर अगले 150 वर्षों तक लेखकों द्वारा तैयार की गई अनुक्रमणिकाओं के माध्यम से जारी रहा है, जिसमें शिबदास चौधरी द्वारा तैयार की गई अनुक्रमणिका भी शामिल है। इस तरह की नवीनतम तैयार की गई अनुक्रमणिका अभी प्रेस में है।

उक्त शताब्दी समीक्षा (1784-1884) में, राजेंद्रलाल मित्रा ने उस अवधि तक एशियाटिक सोसाइटी की प्रकाशित सामग्री का एक अनुमानन हिसाब भी लगाया था। जैसा कि वे कहते हैं, 'इसने कुल 354 वॉल्यूम प्रकाशित किए हैं, जिनमें एशियाटिक रिसर्च एंड इंडेक्स के 21 वॉल्यूम, जर्नल एवं इंडेक्स के 84 वॉल्यूम, प्रोसिडिंग के 19 वॉल्यूम, विभिन्न प्रकार के प्राच्य कार्यों के 167 वॉल्यूम, भारत से संबंधित विविध कार्यों के 31 वॉल्यूम, विभिन्न प्रकार के कैटलॉग के 14 वॉल्यूम एवं 'संस्कृत पांडुलिपियों की सूचनाएं' के 18 वॉल्यूम शामिल हैं।' जैसा कि मित्रा कहते हैं, 'यह विश्व के अन्य भागों में अन्य एवं पुरानी सोसायटियों के कार्यों की तुलना में अत्यंत ही अनुकूल है' (शताब्दी समीक्षा, पी-81)

एशियाटिक सोसाइटी जर्नल में प्रकाशनों के अलावा, सोसाइटी ने एशियाटिक सोसाइटी में प्रकाशनों की एक एवं श्रृंखला भी शुरू की जिसे बिब्लियोथेका इंडिका श्रृंखला के रूप में जाना जाता है। 19वीं शताब्दी के उत्तरार्ध में एवं उसके आसपास, सोसाइटी ने प्राच्य साहित्य, व्याकरण, शब्दकोशों एवं अध्ययनों के विभिन्न कार्यों एवं संस्कृत, पाली, प्राकृत, राजस्थानी, कश्मीरी, हिंदी, तिब्बती, फारसी, बंगला एवं अन्य भाषाओं के आलोचनात्मक संस्करणों को प्रकाशित करने का प्रयास किया।

इस श्रृंखला के अंतर्गत पंडित ईश्वर चंद्र विद्यासागर, डॉ. ए. स्प्रेंगर एवं जे.आर. बैलेंटाइन जैसे विद्वानों की कुछ रचनाएँ शामिल हैं। अल्मोड़ा में स्कोमा डी कोरोस के आगमन के बाद, तिब्बत में लंबे समय तक रहने के बाद, इस सोसाइटी द्वारा तिब्बती व्याकरण एवं शब्दकोश पर उनके विद्वत्तापूर्ण कार्यों को प्रकाशित किया गया। प्रकाशनों की इस श्रृंखला की उत्पत्ति का वर्णन राजेंद्रलाल मित्रा ने अपनी शताब्दी समीक्षा में इस प्रकार किया है, ''... उस समय 'बंबई की साहित्यिक सोसाइटी' के अध्यक्ष सर जेम्स मैकिंटोश, ने संस्कृत ग्रंथों के नियमित प्रकाशन के लिए एक योजना प्रस्तुत की एवं 2 जुलाई, 1808 को एशियाटिक सोसाइटी ने समय-समय पर, जहां तक धनराशि के अनुमोदन का प्रश्न होगा, एशियाटिक शोधों से अलग खंडों में, संस्कृत एवं अन्य एशियाई भाषाओं में लघु कार्यों के अनुवाद, या इन भाषाओं में बड़ी पुस्तकों के उद्धरण एवं वर्णनात्मक विवरण प्रकाशित करने का संकल्प लिया, जो सोसाइटी को प्रस्तुत किए जा सकते हैं एवं

प्रकाशन के योग्य प्रतीत होते हैं'' तथा इन प्रकाशनों को सभी एशियाई पुस्तकों को शामिल करने के लिए विस्तार दिया जा सकता है, 'वोल्यूम की श्रृंखला का शीर्षक 'बिब्लियोथेका एशियाटिका' या उद्धरणों एवं अनुवादों सहित एशियाई पुस्तकों की वर्णनात्मक सूची हो'' (राजेंद्रलाल मित्रा, शताब्दी समीक्षा, पृष्ठ-56)। 19वीं शताब्दी के चालीसवें दशक में शुरू की गई यह बिब्लियोथेका इंडिका श्रृंखला तब से लगातार काम कर रही है एवं बहुमूल्य पुस्तकों एवं पांडुलिपियों के प्रकाशन में सहायक रही है।

हिंदू कॉलेज एवं संबंधित गतिविधियाँ

हिंदू कॉलेज की स्थापना वर्ष 1817 में हुई थी। कॉलेज की स्थापना पश्चिमी शिक्षा की बढ़ती मांग का प्रतीक थी। शुरू से ही यह सुनिश्चित किया गया था कि हिंदू कॉलेज गहन हिंदू धर्मशास्त्र एवं तत्वमीमांसा नहीं पढ़ाएगा बल्कि ह्यूम, रीड, बेंथम, मिल या अन्य जैसे विचारकों को पढ़ाएगा। हिंदू कॉलेज के एक छात्र अधीर चंद्र दास ने अपने अनुभव के बारे में लिखते हुए बताया कि, ''मैंने पहले ही उदार शिक्षाओं का आशीर्वाद प्राप्त किया है ... एवं फिर भी मुझे जो शिक्षा मिली है, उसने मुझे ऐसे सिद्धांत सिखाए हैं जो मेरे पूर्वजों द्वारा बताए गए एवं अभ्यास किए गए सिद्धांतों के विपरीत हैं।'' बेशक, इस प्रक्रिया में पश्चिमी ज्ञान के लिए कोई मिश्रित प्रशंसा नहीं थी, बल्कि कई लोगों की ओर से पूर्वी एवं पश्चिमी विचारों के तत्वों को जोड़ने, प्राचीन एवं आधुनिक समय की सभ्यताओं को जोड़ने का प्रयास था। सामाजिक सुधार के लिए उत्साह एवं सामाजिक संस्थाओं एवं प्रक्रियाओं के अध्ययन के लिए तर्कसंगत दृष्टिकोण अपनाने के परिणामस्वरूप विभिन्न संघों की स्थापना हुई, जैसे तत्वबोधिनी सभा, द सोसाइटी फॉर द एक्विजिसन ऑफ जनरल नॉलेज, धर्म सभा, बंगाल ब्रिटिश इंडियन सोसाइटी या बेथ्यून सोसाइटी। ज्यादातर मामलों में, उन समितियों या संघों की शुरुआत एवं संचालन नए स्कूलों के पूर्व छात्रों द्वारा किया गया था।

इस प्रकार डेरोजियो एवं उनके छात्रों ने 1828 में अकादमिक एसोसिएशन की शुरुआत की। विभिन्न सामाजिक मुद्दों पर अपने अडिग रुख के कारण, यंग बेंगल्स, जैसा कि वे जाने जाते थे एवं उन्हें भारत के एथेनियन माना जाता था, उनकी पत्रिकाएँ, पार्थेनन एवं ज्ञानेश्वरन ने सामाजिक मुद्दों पर मुक्त अभिव्यक्ति मंच के रूप में काम किया। उनके नए भगवान बेकन, लोके, ह्यूम, स्मिथ, पेन या बेंथम थे। लेकिन अपने अधिकता के कारण, उन्होंने रूढ़वादियों एवं सुधारवादियों के क्रोध का सामना करना पड़ा एवं हेनरी डेरोजियो की अचानक मृत्यु के कारण, एसोसिएशन जल्द ही बंद हो गया।

हिंदू धर्म के खिलाफ उनके विद्रोह के नगण्य प्रभाव एवं रूढ़वादी हिंदू समाज के सख्त जवाबी कार्रवाई के प्रभाव से कुछ हद तक निराश होकर, अधिकांश डेरोजियन अंततः शराब के आदि हो गए। अरबिंद घोष ने व्यंग्यात्मक लहजे में उनके बारे में बताया है वे खूब पढ़ते थे, खूब लिखते थे, खूब सोचते थे एवं खूब शराब पीते थे। अकादमिक एसोसिएशन के बंद होने के बाद, सामान्य ज्ञान प्राप्ति के लिए सोसाइटी का गठन किया गया एवं इस संबंध में तारिणी चरण बनर्जी, रामगोपाल घोष, रामतनु लाहिड़ी, ताराचंद चक्रवर्ती एवं राज कृष्ण डे जैसे समकालीन बौद्धिक दिग्गजों ने पहल की। सोसाइटी का घोषित उद्देश्य अध्ययन के प्रति दृढ़ एवं सुव्यवस्थित प्रेम पैदा करना था, जो हमें सीखने की सतह से आगे बढ़कर गहराई तक ले जाएगा एवं हमें विषयों पर सम्मानजनक ज्ञान प्राप्त करने में सक्षम बनाएगा।

एवं हमें सामान्य एवं विशेष रूप से स्थानीय हित के मामलों पर एक सम्मानजनक ज्ञान प्राप्त करने में सक्षम बनाएगा। इस सोसाइटी के कार्यों से पता चलता है कि वहाँ प्रस्तुत पत्रों की प्रकृति कितनी विविध थी: शिक्षित मूल निवासियों में सुधार, श्रधेय केएम बनर्जी द्वारा 'ऐतिहासिक अध्ययनों की प्रकृति एवं महत्व', पीरी चंद मित्रा द्वारा 'हिंदू महिलाओं की स्थिति पर एक रेखांकन', प्रसन्नो कुमार मित्रा द्वारा 'सूक्ष्म विश्लेषण का दर्शन' आदि प्रस्तुत विषयों की विविधता एवं उनका अनुभवजन्य प्रवृति से पता चलता है कि वे अपने शोध के विषयों का चयन करने में कितने उद्देश्यपूर्ण एवं वैज्ञानिक थे।

यहाँ यह उल्लेख किया जा सकता है कि 1833 की शुरुआत में, उन्होंने वैज्ञानिक विषयों पर द्विभाषी मासिक 'विज्ञान स्वर संग्रह' भी निकाला। उनका उद्देश्य यूरोपीय साहित्य एवं विज्ञान की रचनाओं से ऐसे चयन प्रकाशित करना था जो उनकी नैतिक भावनाओं के दायरे को बढ़ा सकें।

तत्वबोधिनी सभा, तत्वबोधिनी पत्रिका एवं अक्षय कुमार दत्त

तत्वबोधिनी सभा की स्थापना 1830 में ब्रह्म समाज के उत्तराधिकारी के रूप में की गई थी। हालाँकि सभा का घोषित उद्देश्य था - 'ब्रह्म धर्म का व्यापक प्रचार-प्रसार' था, लेकिन अंततः यह सामाजिक कुरीतियों के विश्लेषण एवं सुधार का मंच बन गया। तत्वबोधिनी पत्रिका सभा की ऐसी सामाजिक चिंताओं का मुख्य पत्र बन गई। पत्रिका में प्रकाशित लेखों के अवलोकन से यह बात स्पष्ट हो जाएगी। आर.सी. दत्ता यह टिप्पणी की है, वैज्ञानिक लेख, नैतिक निर्देश, विभिन्न देशों एवं जनजातियों का विवरण, सजीव एवं निर्जीव रचनाओं की कहानियां - जो बंगाल की बौद्धिक क्षमता को बढ़ा सकती थीं एवं अज्ञानता एवं पूर्वाग्रहों को दूर कर सकती थीं, उन्हें तत्वबोधिनि पत्रिका में एक सुविधाजनक माध्यम मिल गया। पत्रिका के लेखों पर वैज्ञानिक प्रवृति एवं उनके सामाजिक सरोकारों ने उस समय प्रत्यक्षवादी प्रवृति का एक प्रमुख माध्यम बना दिया था। श्री एन.के. बोस ने यही कहा था, तत्वबोधिनी सभा एवं तत्वबोधिनी पत्रिका को बंगाल के नैतिक एवं बौद्धिक पुनर्निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभानी थी। इस पत्रिका में विज्ञान, इतिहास एवं सामाजिक मामलों पर जानकारी प्रकाशित की; ईसाई मिशनरियों द्वारा लगाए गए आरोपों का जवाब दिया गया एवं यद्यपि इसने रक्षात्मक भूमिका निभाई, इसने लोगों को अपनी सभ्यता के सुधार वाले रूप पर गर्व महसूस कराया, एवं पश्चिम देशों द्वारा प्रस्तुत सर्वोत्तम तत्वों को स्वीकार करने का आधार बनाकर गर्वान्वित करवाया। तत्त्वबोधिनी पत्रिका के पीछे मुख्य व्यक्ति अक्षय कुमार दत्ता (1820-1886) थे, जो पूरी तरह से बुद्धिवादी एवं स्वभाव से वैज्ञानिक थे। वह मनुष्य के बाहरी प्रकृति के साथ संबंधों से चिंतित थे एवं उनकी योजना में ईश्वर या किसी भी अलौकिक अस्तित्व का कोई महत्व नहीं है। उन्होंने निम्नलिखित समीकरण भी तैयार किया:

श्रम = फसल

प्रार्थना + श्रम = फसल

अतः, प्रार्थना = 0

अक्षय कुमार के सकारात्मक दृष्टिकोण ने उन्हें यह विश्वास दिलाया कि मानव अस्तित्व का एकमात्र आदर्श मानवता की सेवा करना है। यह ध्यान रखना दिलचस्प है कि विद्यासागर पत्रिका के संचालन में अक्षय कुमार के साथ जुड़े थे। वे दोनों पूरी तरह से धर्मनिरपेक्ष थे। एक बार, जब एक व्यक्ति ने पत्रिका चलाने के तरीके के बारे में देवेंद्रनाथ से शिकायत की, तो देवेंद्रनाथ ने टिप्पणी की, 'कोटोकगुली नास्तक मिले पत्रिका चलाछे' (कई नास्तिक लोग मिलकर पत्रिका चला रहे हैं)। अक्षय कुमार ने अपने लेखन के माध्यम से, अपराधशास्त्र एवं दंडशास्त्र, शिक्षा के समाजशास्त्र एवं व्यक्ति एवं समाज के बीच जैविक संबंध के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया। उन्होंने बंगाल में किसानों की दयनीय स्थिति एवं सामान्य कृषि स्थिति के बारे में भी जनता का ध्यान आकर्षित किया। हिंदू पैट्रियट ने अक्षय कुमार को बंगाल में विद्वानों के गणतंत्र का आभूषण बताया है।

बंगाल में बौद्धिक पुनर्जागरण एवं सामाजिक पुनर्निर्माण की प्रक्रिया में राममोहन, विद्यासागर एवं भूदेव मुखोपाध्याय की भूमिका को कई अन्य लोगों ने भी समान रूप से सहानुभूतिपूर्वक देखा है एवं हम यहां उनके बारे में विस्तृत चर्चा नहीं कर रहे हैं।

बेथ्यून सोसाइटी

मोवाट नाम के एक अंग्रेज व्यक्ति ने ड्रिंकवाटर बेथ्यून के सम्मान में 1851 में बेथ्यून सोसाइटी की स्थापना की थी। सोसाइटी का घोषित उद्देश्य बंगाल के शिक्षित मूल निवासियों में साहित्यिक एवं वैज्ञानिक गतिविधियों के प्रति रुचि को बढ़ावा देना एवं जिसे अन्य तरीकों से प्राप्त करने से अधिक स्वतंत्र बौद्धिक संवाद को प्रोत्साहित करना था। इस उद्देश्य से, सोसाइटी ने विभिन्न सामाजिक, आर्थिक एवं राजनीतिक मुद्दों पर चर्चा संबंधी कार्य शुरू किया। 1858-59 में, सोसाइटी की शैक्षणिक गतिविधियों को छह वर्गों में विभाजित किया गया था। ये इस प्रकार थे: (i) सामान्य शिक्षा (ii) साहित्य एवं दर्शन (iii) विज्ञान एवं कला (iv) चिकित्सा एवं स्वच्छता सुधार (v) समाजशास्त्र एवं (vi) महिला शिक्षा। रेव जेम्स लॉन्ग समाजशास्त्र अनुभाग के प्रभारी थे। जेम्स लॉन्ग का दृष्टिकोण पूरी तरह से अनुभवजन्य था। उन्होंने मूल निवासियों की सामाजिक स्थितियों की जांच की आवश्यकता वाले विषयों में 50 प्रश्न तैयार किए। वस्तुनिष्ठता इस नए अनुशासन का एकमात्र उद्देश्य था। उन्होंने कहा कि बारीकी से अवलोकन के अभ्यास के बिना, समाजशास्त्र में न के बराबर प्रगति होगी, जिसे पुस्तकों से नहीं

बल्कि व्यक्तियों एवं वस्तुओं के व्यक्तिगत अवलोकन से प्रस्तुत किया जाना चाहिए। जेम्स लॉन्ग द्वारा तैयार प्रश्नावली इतने विवरणों से भरी हुई थी कि जैसा कि सोसाइटी के अध्यक्ष आदरणीय ए. डफ ने टिप्पणी की, भले ही आधे प्रश्नों का ईमानदारी से उत्तर दिया गया हो, 'उनसे एक वॉल्यूम तैयार किया जा सकता है, जो प्राच्य साहित्य की कहानी को सँवारने का काम करेगा।' यहाँ यह उल्लेख किया जा सकता है कि प्रसिद्ध लाल बिहारी डे समाजशास्त्र अनुभाग के सचिव थे एवं उन्होंने ग्राम अध्ययन के क्षेत्र में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया। न्यायमूर्ति द्वारकानाथ मित्रा बेथ्यून सोसाइटी के 'महिला सुधार एवं सुधार अनुभाग' के अध्यक्ष थे, महान प्रत्यक्षवादी थे एवं बंगाल में प्रत्यक्षवादी आंदोलन की अग्रिम पंक्ति में थे जिसकी हम बाद में चर्चा करेंगे। बेथ्यून सोसाइटी के योगदानों का सारांश देते हुए, प्रो. बेला दत्ता गुप्ता कहते हैं, बेथ्यून सोसाइटी का पुनर्जागरण योगदान अद्वितीय था। कोई अन्य संगठन बेथ्यून सोसाइटी जैसी बौद्धिक जागृति एवं गतिविधियाँ नहीं ला सका। बेथ्यून सोसाइटी ने 1870 से काम करना बंद कर दिया।

बेथ्यून सोसाइटी से कुछ हद तक स्वतंत्र लेकिन वैज्ञानिक दृष्टिकोण एवं विश्लेषण के आधार पर कर्म सिद्धांत के विरासत को आगे बढ़ाते हुए, हम यहाँ ग्रामीण समाज एवं किसानों की स्थिति पर तीन अन्य कार्यों का उल्लेख करेंगे एवं ये सभी भारतीयों द्वारा किए गए थे। इसमें शामिल हैं प्रसिद्ध लाल बिहारी डे द्वारा बंगाल किसान जीवन (1872), रमेश चंद्र दत्ता द्वारा बंगाल का किसान (1874), अभय चरण दास द्वारा भारतीय रैयत (1881)। इन तीनों पुस्तकों ने ग्रामीण बंगाल में जीवन की पेचीदगियों एवं जटिलताओं को समझने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। लाल बिहारी डे की अन्य कृतियाँ, गोबिंद सामंत, ने चालस डेलविन, का भी ध्यान आकर्षित किया जिन्होंने यह टिप्पणी की, मुझे खुशी होगी यदि आप उन्हें मेरी ओर से हार्दिक बधाई कहे एवं कुछ साल पहले गोबिंद सामंत को पढ़ने से मुझे अत्यंत ही आनंद का अनुभव मिला एवं शिक्षा भी प्राप्त हुई। रमेश चंद्र दत्त की पुस्तक 'बंगाल का किसान' का उपशीर्षक इसकी प्रकृति के बारे में बताता है: हिंदू, मोहम्मडन एवं अंग्रेजी शासन के के अधीन उनकी स्थिति एवं उनके भविष्य की संभावनाओं को बेहतर बनाने के लिए गणना किए गए साधनों पर विचार किया गया। दूसरी किताब, यानी, द इंडियन रैयट्स में यूरोपीय देशों एवं भारत में कृषि की आर्थिक स्थिति की व्याख्या है। पुस्तक के प्रकाशित होने के समय ऐसा तुलनात्मक सुधार करना अकल्पनीय था। यह तुलनात्मक कृषि अर्थशास्त्र एवं ग्रामीण संस्थाओं पर एक अग्रणी अध्ययन है।

बंगाल सामाजिक विज्ञान संघ

आदरणीय जेम्स लॉन्ग एवं मिस मैरी कारपेंटर की पहल पर बंगाल सामाजिक विज्ञान संघ का गठन 1867 में किया गया था। इस संघ की शुरुआत 17 दिसंबर 1866 को एशियाटिक सोसाइटी में बंगाल के लेफ्टिनेंट गवर्नर एवं बड़ी संख्या में यूरोपीय एवं भारतीय लोगों की मौजूदगी में हुई थी, जहाँ इस तरह के संघ के गठन का प्रस्ताव लिया गया था, ताकि 'देश के लोगों एवं परिस्थितियों' का अध्ययन किया जा सके। अनंतिम समिति में यूरोपीय दिग्गजों के अलावा पीरी चंद मित्रा, राम चंद्र राम चंद्र मित्रा, केशव चौधरी सेन, मोनमोहन घोष, देबेंद्रनाथ टैगोर, राजेंद्र लाल मित्रा, ईश्वर चंद्र विद्यासागर एवं अन्य उपस्थित थे। संघ का उद्देश्य बंगाल के लोगों की सामाजिक, नैतिक एवं बौद्धिक स्थितियों से संबंधित तथ्यों की श्रृंखला को इकट्ठा करना, व्यवस्थित करना एवं वर्गीकृत करना था... संघ का सबसे स्पष्ट उद्देश्य बंगाल प्रेसीडेंसी में सामाजिक विज्ञान के विकास को बढ़ावा देना था। इन उद्देश्यों को साकार करने के लिए, चार शैक्षणिक अनुभाग बनाए गए थे (1) न्यायशास्त्र एवं कानून (2) शिक्षा (3) स्वास्थ्य (4) अर्थव्यवस्था एवं व्यापार। ये अनुभाग वार्षिक बैठक आयोजित करेंगे, शोधपत्र आमंत्रित करेंगे जिनके लिए निश्चित दिशा-निर्देश निर्धारित किए गए थे एवं विचार-विमर्श के बाद, इन्हें संघ के कार्य में मुद्रित किया जाएगा। प्रत्येक अनुभाग के लिए जांच के प्रमुख या प्रमुख निर्धारित किए गए थे एवं शोधपत्र आमंत्रित किए गए थे। उदाहरण के लिए, अर्थव्यवस्था एवं व्यापार वाले अनुभाग में, निम्नलिखित अकादमिक उपविभाग बनाए गए थे, अर्थात बैंकिंग एवं मुद्रा; श्रम; कृषि; सामाजिक अर्थव्यवस्था एवं प्रत्येक उपविभाग में, जांच क्षेत्रों की पहचान की गई थी। इन सत्रों में प्रस्तुत किए गए शोधपत्र वस्तुनिष्ठ, विश्लेषणात्मक एवं विस्तृत थे। वे सभी दिशा-निर्देशों का पालन करते थे, जैसे, उनमें (शोधपत्रों को) यथासंभव तथ्यों एवं प्रश्न से संबंधित अवलोकनों के संबंध तक सीमित रखा जाना चाहिए तथा जहाँ तक संभव हो, सामान्य सिद्धांतों, दार्शनिक सिद्धांतों एवं प्रतिबिंबों के उद्घोषणा से बचना चाहिए। वस्तुत: यह बिल्कुल

सच है कि सामाजिक विज्ञान के प्रचार-प्रसार के लिए यह आवश्यक है कि सुनिश्चित तथ्यों से निष्कर्ष निकाले जाएं... (पेपर के संबंध में विनियम, नियम 8)

1867 से 1878 तक एसोसिएशन के वार्षिक सत्रों के विभिन्न वर्गों में प्रस्तुत किए गए पेपरों का नाम लेने में ही दर्जनों पृष्ठ लग जाएंगे। साथ में, वे हिंदुओं एवं मुसलमानों, पुरुषों एवं महिलाओं, कारीगरों, मजदूरों एवं शिक्षितों, ग्रामीण एवं शहरी निवासियों, अर्थव्यवस्था एवं व्यापार सहित लोगों के सामाजिक, आर्थिक एवं राजनीतिक जीवन के विभिन्न पहलुओं पर मूल्यवान सूचना एवं पर्यवेक्षण हैं। जैसा कि कहा गया है बंगाल सामाजिक विज्ञान संघ के विभिन्न वर्गों में काफी महत्वपूर्ण पेपर प्रस्तुत किए गए थे। भारतीय समाज उनके अध्ययन का केंद्र था; इस प्रकार, मानवीय संबंधों से संबंधित हर चीज, जैसे भाषा एवं साहित्य, रीति-रिवाज एवं लोकगीत, रीति-रिवाज एवं अनुष्ठान, कहावतें एवं कथन, पुरुषों एवं महिलाओं का आर्थिक संगठन एवं अन्य का गहन अध्ययन किया जाने लगा एवं विभिन्न वर्गों में चर्चा की जाने लगी। फिर से, बंगाल सामाजिक विज्ञान संघ में पढ़े गए शोधपत्रों पर एक नजर डालने से कोई भी उनके तर्क, विद्वता एवं वस्तुनिष्ठता के उच्च मानक के आश्वस्त हो जाएगा। जैसे-जैसे यह परिपक्व होता गया, अनुभववाद एवं वस्तुनिष्ठता संघ के लगभग प्रमुख शब्द बन गए।''

बंगाल सामाजिक विज्ञान संघ लंबे समय तक नहीं चल सका एवं 1878 से अस्तित्व में नहीं रहा। आंतरिक कलह इसका एक मुख्य कारण था। 1867 में ही राजेंद्रलाल मित्रा ने एक प्रस्ताव पेश किया था कि संघ एक निकाय के रूप में किसी भी सामाजिक प्रश्न पर अपनी राय व्यक्त करने से परहेज करेगा जो उसके ध्यान में लाया जा सकता है एवं देश के किसी भी कानून या रीति - रिवाज में संशोधन के लिए कोई कार्रवाई नहीं करेगा। इस अनुरोध को खारिज किए जाने पर राजेंद्रलाल मित्रा, रोमनाथ टैगोर, दिगंबर मित्रा, ज्योतिंद्र मोहन टैगोर एवं ग्रीश चंद्र घोष ने संघ से इस्तीफा दे दिया। संघ को देशी बुद्धिजीवियों द्वारा भी संदेह की दृष्टि से देखा जाता था। उस समय व्यापक रूप से प्रसारित समकालीन समाचार पत्र 'हिंदू पैट्रियट' में एक लेख इस बात की पुष्टि करता है। संदेह यह था कि कुछ स्वार्थी देशी बुद्धिजीवी अंग्रेजों से अनुग्रह प्राप्त करने के लिए वहां एकत्र हुए थे। संदेह निराधार था लेकिन यह दुर्भाग्यपूर्ण था कि 1878 के बाद बंगाल सामाजिक विज्ञान संघ जारी नहीं रह सका।

बंगाल में प्रत्यक्षवादी आंदोलन

1860 के दशक के अंत से शुरू होकर, बंगाल में एक और आंदोलन हुआ, अर्थात प्रत्यक्षवादी आंदोलन। यूरोप में प्रत्यक्षवाद एवं कॉम्टे के प्रभाव के साथ-साथ, बंगाल में भी प्रत्यक्षवादियों का एक मजबूत समूह उभरा। संक्षेप में, जैसा कि दर्शनशास्त्र के विश्वकोश ने इसे परिभाषित किया है, प्रत्यक्षवाद का मानना है कि विज्ञान ही एकमात्र वैध ज्ञान है एवं तथ्य ही ज्ञान की एकमात्र संभावित वस्तु है, दर्शनशास्त्र में विज्ञान से भिन्न कोई पद्धति नहीं है एवं दर्शनशास्त्र का कार्य सभी विज्ञानों में सामान्य सिद्धांतों को खोजना है एवं इन सिद्धांतों को मानव आचरण के मार्गदर्शक के रूप में एवं सामाजिक संगठन के आधार के रूप में उपयोग करना है।

यह सत्य है, एक दृष्टिकोण के रूप में प्रत्यक्षवाद कॉम्टे से पहले यूरोप में मौजूद था। प्रत्यक्षवाद की उत्पत्ति कि बीज 17वीं सदी के बेकन, हॉब्स एवं लॉक तथा 18वीं सदी के कोंडोरसेट, जेम्स मिल, बेंथम एवं ह्यूम जैसे विचारकों में देखी जा सकती है। जैसा कि बेला दत्तगुप्ता कहती हैं, प्रत्यक्षवाद का सार संपूर्ण अनुभववादी परंपरा एवं विशेष रूप से 18वीं सदी के सनसनीखेज दर्शन में पाया जा सकता है। 19वीं सदी के प्रत्यक्षवादियों पर यह दायित्व आ गया कि वे इस बात का अन्वेषण करें एवं उसका विस्तार करें कि सभी ज्ञान इंद्रिय बोध से प्राप्त होते हैं।''

इसी तरह भारत में भी सत्य को जानने के साधन के रूप में इंद्रिय बोध को प्रमुखता दी गई, न कि ईश्वर जैसी किसी अतिरिक्त इंद्रिय एजेंसी को, जैसा कि पहले के दर्शनों में था। वैदिक काल में भी संशयवादी, अज्ञेयवादी एवं नास्तिक थे। चार्वाकों/लोकायतों ने ऐसी सभी पिछली विशेषताओं को आत्मसात कर लिया था एवं अंततः दर्शन की एक ऐसी प्रणाली का निर्माण किया जो पूरी तरह से तर्कसंगत थी एवं उन सभी सिद्धांतों के विपरीत थी जो इंद्रिय बोध पर आधारित नहीं थे।

अगर हम अक्षय कुमार दत्ता के कार्यों को देखें, तो ऐसा लगेगा कि वे बेकन के अनुयायी थे, बेकन एवं कॉम्टे के कार्यों को हमने

'हमारा शास्त्र' माना, ठीक वैसे ही जैसे भास्कर एवं आर्यभट्ट तथा न्यूटन एवं लाप्लास के कार्य थे। डेरोजियो एवं उनके शिष्यों की गतिविधियों में जीवन के प्रति एक संपूर्ण तर्कवादी दृष्टिकोण स्पष्ट था। सुशोभन सरकार ने डेरोजियो को हमारे पुनर्जागरण का तूफानी स्तंभ कहा है। डेरोजियनों के लिए, टॉम पेन का एज ऑफ रीजन नया सुसमाचार था। उनकी अल्पकालिक पत्रिका, द इन्क्वायरर एवं द्विभाषी पत्रिका 'ज्ञानवेशान' ने विद्यासागर से भी पहले विधवा पुनर्विवाह की जोरदार वकालत की थी। लेकिन एक एकीकृत दृष्टिकोण एवं एक दर्शन के रूप में प्रत्यक्षवाद को यूरोप में कॉम्टे के लेखन में एवं बंगाल में उन लोगों के माध्यम से प्रचारित किया गया, जो कॉम्टे के शिष्य होने का दावा करते थे। उन्हें हिंदू धर्म के सभी सिद्धांतों को चुनौती देने की जरूरत नहीं थी क्योंकि प्रत्यक्षवाद ने परंपरा एवं आधुनिकता के विवेकपूर्ण योग पर बल देता था। उनमें, हम न केवल जोगेंद्र चंद्र घोष, नागेंद्रनाथ घोष एवं कृष्णकमल भट्टाचार्य के नाम पाते हैं, बल्कि रवींद्रनाथ टैगोर के बहनोई जानकीनाथ घोषाल, प्रसिद्ध कवि हेमचंद्र बनर्जी एवं भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के पहले अध्यक्ष डब्ल्यू.सी. बनर्जी जैसे नाम भी पाते हैं। एक एवं नाम है, यानी ईश्वर चंद्र बनर्जी, जो फोबस के अनुसार, हमारे विद्यासागर के अलावा कोई नहीं, एवं द्वारका नाथ म्हरा, जो विद्यासागर के मित्र हैं एवं प्रसिद्ध वकील भी है, जिन्होंने अगस्त कॉम्टे को मूल रूप से पढ़ने के लिए फ्रेंच भाषा सीखी थी। बंगाल में प्रत्यक्षवाद के प्रचार - प्रसार में, स्थानीय बुद्धिजीवियों को प्रभावित करने वाले विदेशी रिचर्ड कांग्रेव, सैमुएल लॉब एवं के.एस. मैकडोनाल्ड हैं। उनसे सबसे अधिक प्रभावित गेरिश चंद्र घोष एवं न्यायमूर्ति द्वारकानाथ मित्रा थे। उनके प्रभाव में 1873 में कलकत्ता में एक प्रत्यक्षवादी क्लब की स्थापना की गई, जिसका आदर्श वाक्य था 'आधार के लिए व्यवस्था, सिद्धांतों के लिए प्रेम एवं लक्ष्य के लिए प्रगति।' विजय कृष्ण गोस्वामी, जो बाद में एक पूर्ण धार्मिक व्यक्ति निकले एवं उन्होंने प्रत्यक्षवाद के नास्तिक पहलुओं को अस्वीकार कर दिया, उसने उसी समय समाज सेवा एवं मानवता के धर्म के प्रत्यक्षवादी आदर्श को बनाए रखा। सतीश चंद्र ने हिंदू सामाजिक मामलों की प्रत्यक्षवादी दृष्टिकोण से व्याख्या करते हुए द डॉन में लेख प्रकाशित किए। कृष्णकमल भट्टाचार्य बंगाली में प्रत्यक्षवादी दृष्टिकोण से लेख लिख रहे थे एवं उन्होंने घोषणा की कि मैं नास्तिक हूँ, मैं प्रत्यक्षवादी हूँ। हिंदू संयुक्त परिवार एवं जाति व्यवस्था पर जोगेंद्र चंद्र घोष के लेख प्रत्यक्षवादी दृष्टिकोण से लिखे गए थे। ऐसा लगता है कि 1850 के दशक से 1870 के दशक तक बंगाली बौद्धिक परिदृश्य पर प्रत्यक्षवाद हावी रहा। कॉम्टे के दर्शन ने समकालीन बंगाल को प्रभावित किया एवं बंगाली में एक पत्र लिखते हुए एक प्रत्यक्षवादी ने पुष्टि की, कोई भी गंभीर जिज्ञासु 'कैटेचिज्म' एवं 'द कैटेचिज्म' जैसे कार्यों का अध्ययन नहीं कर सकता है। ' एवं 'प्रत्यक्षवादी राजनीति' में व्याप्त नैतिक उत्साह से प्रभावित हुए बिना कोई भी व्यक्ति इसे नहीं समझ सकता।' हालांकि, बंगाल में प्रत्यक्षवाद का कोई भी विवरण बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय के नाम का उल्लेख किए बिना पूरा नहीं होगा, जो एक सच्चे अर्थ में प्रत्यक्षवादी थे। हालांकि कॉम्टे के 'मानवता का धर्म' एक अवैयक्तिक ईश्वर के रूप में एवं नास्तिकता के सिद्धांतों पर आधारित है, लेकिन अंततः बंकिम के लेखन में इसकी पुष्टि नहीं हुई एवं हालांकि बंकिम, बेंथम एवं जेम्स मिल के उपयोगितावाद के इस सिद्धांत से अधिक प्रभावित थे, लेकिन बंकिम के विचार पर कॉम्टे के प्रभाव को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। ब्रजेंद्रनाथ सील कहते हैं, जाहिर है कि मिल, स्पेंसर एवं डार्विन जैसे विचारकों द्वारा मनुष्य एवं ब्रह्मांड पर रखे गए विचारों ने बंकिम चंद्र की हिंदू धर्म एवं दर्शन की व्याख्या को महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित किया है, लेकिन सबसे गहरा प्रभाव ऑगस्टे कॉम्टे का रहा है, जिनकी प्रत्यक्षवादी राजनीति एवं धर्म हमारे लेखक द्वारा घरेलू, सामाजिक एवं राजनीतिक विचारों एवं संस्थाओं एवं राष्ट्रीय जीवन के निर्माण एवं संरक्षण पर कही गई लगभग हर बात में दिखाई देते हैं।

बंकिम का प्रत्यक्षवाद के प्रति समर्पण उनके धर्मतत्व (1884-85) में सबसे अधिक स्पष्ट हुआ। बंकिम द्वारा दी गई धर्म की परिभाषा यह है: धर्म अपने आप में पूर्ण एकता की स्थिति को व्यक्त करता है जो एक व्यक्ति एवं समाज दोनों के रूप में मनुष्य के अस्तित्व की विशिष्ट पहचान है, जब उसकी प्रकृति के सभी घटक भाग, नैतिक एवं शारीरिक, आदतन एक ही सामान्य उद्देश्य की ओर अभिसरित हो जाते हैं। इसलिए धर्म की यह परिभाषा बुद्धिवादी एवं मानवतावादी दोनों है। उन्होंने कॉम्टे की तरह ही मनुष्य की प्रकृति के घटक भागों, नैतिक एवं शारीर से शुरुआत की, हालांकि उन्होंने उनका अभिसरण अमूर्त 'मानवता' (जैसा कि कॉम्टे ने किया था) में नहीं बल्कि एक व्यक्तिगत सर्वेश्वरवादी ईश्वर में चाहा। वास्तव में बंकिम के शुरुआती लेखों में भी कॉम्टे

का उल्लेख मिलता है। नवजीवन के शुरुआती अंक में बंकिम ने धर्मजिज्ञासा शीर्षक के तहत एक लेख लिखा, जिसमें धर्म की मानवतावादी परिभाषा के प्रति अपनी प्राथमिकता को स्पष्ट रूप से दर्शाया गया एवं कॉम्टे द्वारा प्रस्तावित परिभाषा को वास्तव में उद्धृत किया गया। प्रचार में भी उन्होंने 'हिंदू धर्म' शीर्षक से एक लेख लिखा, जिसमें उन्होंने उसी मानवतावादी दृष्टिकोण का अनुसरण करते हुए कहा कि 'केवल वही सच्चा धर्म है जो शारीरिक, मानसिक एवं सामाज में मानव विकास को आगे बढ़ाता है।' अपने धर्मतत्व (कृष्णचरित्र) के बारे में बिनॉय कुमार सरकार ने एक समीकरण प्रस्तुत किया:

'धर्मतत्व' (कृष्णचरित्र) = गीताद्धकॉम्टे,

अधिक विस्तृत चर्चा में जाए बिना यह कहा जा सकता है कि नास्तिकता के विचार को छोड़कर बंकिम जी, कॉम्टे से बहुत प्रभावित थे, जितना कि वे उपयोगितावाद से प्रभावित थे। ऐसे वैज्ञानिक मत जो प्रत्यक्षवाद में है, वैसी बंकिम के लेखन में थी। यह जानते हुए कि हिंदू दर्शन का आधार निगमनात्मक ज्ञान है, बंकिम ने इसका सामना करने के लिए वैज्ञानिक संस्कृति को विकसित करने की वकालत की।

उन्होंने दलील दी कि ब्रह्मांड कुछ अपरिवर्तनीय भौतिक नियमों द्वारा संचालित होते है एवं अपनी राय व्यक्त की, कि हिंदू दर्शन के अमूर्त, आध्यात्मिक, चिंतन पर 'नियम की संप्रभुता की अचल मान्यता' है, विज्ञान का ज्ञान एवं वैज्ञानिक सोच समय की अनिवार्य आवश्यकता थी। वैज्ञानिक सोच को लोकप्रिय बनाने के लिए बंकिम ने 'विज्ञान रहस्य' लिखा, जिसमें 'प्रोटोप्लाज्म', 'मनुष्य की आयु', 'आसमान में उड़ान', 'धूल' एवं ऐसे ही कई अन्य लेख शामिल हैं। इसका उद्देश्य विज्ञान को लोकप्रिय बनाना एवं वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित करना था। यह कहा जा सकता है कि यह बंकिम के प्रत्यक्षवादी दृष्टिकोण का एक और उदाहरण था।

इसलिए, अगर हम १९वीं सदी के सामाजिक विचारकों को देखें तो पाएंगे कि उन्होंने सामाजिक व्यवस्था के आधारों के बारे में मौलिक सामाजिक प्रश्न उठाए। सदियों से प्रचलित रीति-रिवाज, संस्थाएँ एवं मान्यताएँ उनके जिज्ञासु मन से प्रश्न करने लगी एवं इन सामाजिक प्रश्नों एवं मुद्दों को उठाते हुए उन्होंने न केवल अपने अतीत की ओर देखा, बल्कि बाहर भी देखा एवं पश्चिम में उभर रहे महान अनुभववादी एवं वैज्ञानिक दर्शनों पर सक्रिय रूप से प्रतिक्रिया की।

संदर्भ :

1. निस्बेट आर.: द सोशियोलॉजिकल ट्रेडिशन (लंदन, 1967) पीपी : 23-24
2. इस अनुभाग के उत्कृष्ट विवरण के लिए डॉब्लिन, सी.आर. (1972)- पश्चिमी भारत में शहरी नेतृत्व : बॉम्बे में राजनीति एवं समुदाय, 1640-1865 (ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस)।
3. बेला दत्ता गुप्ता- (1972)- भारत में समाजशास्त्र, पीपी 16-17 (समाजशास्त्रीय अनुसंधान केंद्र)
4. सर विलियम जोन्स, डेविड कोपफ- ब्रिटिश ओरिएंटलिज्म एवं बंगाल पुनर्जागरण (कलकत्ता, 1969) में उद्धत पीपी. 35 5. बेला दत्तागुप्ता द्वारा उद्धत, पूर्वोक्त, टर्बेविल, ए.एस. (एड) - जॉनसन पेपर, (ऑक्सफोर्ड, 1933) वॉल्यूम 1-1, पीपी 210-11
6. राजेंद्रलाल मित्रा - एशियाई समाज की शताब्दी समीक्षा, 1784 से 1884
7. राजेंद्रलाल मित्रा, पूर्वोक्त, पीपी 30
8. कलकत्ता पत्रिका में पत्रिका की समीक्षा 1833, पीपी 176
9. आर. सी. दत्त: द लिटरेचर ऑफ बंगाल (1895) पीपी : 163-164
10. बोस एन. के.: मॉडर्न बंगाल (कलकत्ता, 1959) पीपी.: 46-47
11. संदर्भ. बेथ्यून सोसाइटी के कार्य (1859-68) बेथ्यून सोसाइटी में समाजशास्त्र अनुभाग की वार्षिक रिपोर्ट भी, 1861 में प्रस्तुत की गई।
12. दत्तगुप्ता, बी - पूर्वोक्त, पी-122
13. देबीपदा भट्टाचार्य, कलकत्ता, 1917 में गोबिंद सामंत (बंगाली पाठ) में उद्धत
14. बेला दत्तगुप्ता, पूर्वोक्त, पीपी-153
15. बेला दत्तगुप्ता, पूर्वोक्त, पीपी-161

16. पॉल एडवर्ड्स द्वारा दर्शनशास्त्र के विश्वकोश में प्रत्यक्षवाद पर लेख, वॉल्यूम 1-6 (मैकमिलन)।

17. बेला दत्तगुप्ता, पूर्वोक्त, पृ-174

18. रॉय, महेंद्रनाथ, बसुः अक्षय कुमार दत्ता, जीबनब्रितान्त (बंगाली में), 1292

19. सरकार, सुशोभनः बंगाल पुनर्जागरण पर (कलकत्ता, पपीरस, 2002)।

20. फोबस, गेरल्डिन हैनकॉक- बंगाल में सकारात्मकताः विचारधारा के प्रसारण एवं आत्मसात पर एक केस स्टडी। कलकत्ता मिनर्वा एसोसिएशन, 1975.

21. बी. एन. सीलः आर्टिकल इन द कलकत्ता रिव्यू (1990-98) बेला दत्ता गुप्ता द्वारा उद्धृत, पूर्वोक्त, पृ.-190

22. सरकार, बिनॉय कुमारः बिनॉय सरकारेर बैठके (चक्रवर्ती, चटर्जी एंड कंपनी, 1982), बैंटम ने घोषणा की है कि 'दार्शनिक या वैज्ञानिक ईश्वर की पूजा में शायद ही कोई पूर्ण धर्म हो सकता है। धर्म का आधार गुणों वाला ईश्वर है, जैसा कि हमारे पुराणों एवं ईसाईयों की बाइबिल में उल्लेख किया गया है। वह एवं केवल वही हमारे आदर्श हो सकते है। 'अवैयक्तिक ईश्वर' की पूजा निरर्थक है; व्यक्तिगत ईश्वर की पूजा में मनुष्य के लिए क्या मूल्य है। (धर्मशास्त्र इन कलेक्टेड वर्क्स, वॉल्यूम 1-2, पृ. 594)।

कोलकाता

दिनांकः 6 मई, 2024

प्रोफेसर स्वपन कुमार प्रमाणिक

अध्यक्ष

3

महासचिव का प्रतिवेदन (रिपोर्ट)

एशियाटिक सोसाइटी के सम्मानित अध्यक्ष प्रोफेसर स्वप्न कुमार प्रमाणिक, इलाहाबाद उच्च न्यायालय के पूर्व मुख्य न्यायाधीश एवं पश्चिम बंगाल के पूर्व राज्यपाल माननीय न्यायमूर्ति श्यामल सेन, एशियाटिक सोसाइटी के कोषाध्यक्ष डॉ. सुजीत कुमार दास, पदक, पट्टिका एवं लेक्चररशीप के विशिष्ट पुरस्कार विजेता, एशियाटिक सोसाइटी, कोलकाता के माननीय परिषद सदस्य एवं सदस्यगण तथा प्रिय स्टाफ सदस्यगण, अतिथिगण एवं मित्रों, शुभ संध्या।

एशियाटिक सोसाइटी की 240वीं वार्षिक आम बैठक और पुरस्कार वितरण समारोह में एशियाटिक सोसाइटी के परिषद सदस्यों, सदस्यों और स्टाफ सदस्यों की ओर से आप सभी का स्वागत करते हुए मुझे अत्यंत गौरव का अनुभव हो रहा है। हमें इस ऐतिहासिक संस्था के इस ऐतिहासिक कक्ष में आज हमारे बीच विभिन्न पदकों, पट्टिकाओं के कुछ प्रतिष्ठित पुरस्कार विजेताओं को पाकर भी प्रसन्नता हो रही है, जिन्हें वर्ष 2023 के लिए सोसाइटी की परिषद द्वारा प्रदान किया गया।

अब मैं पिछले एक साल में सोसायटी की विभिन्न गतिविधियों पर संक्षेप में जानकारी साझा करना चाहूँगा। मुझे आपके समक्ष एशियाटिक सोसायटी, कोलकाता की वर्ष 2023-2024 की वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए अत्यंत गौरव का अनुभव हो रहा है। हमारी सभी गतिविधियों का विस्तृत विवरण हमारे मासिक बुलेटिन में पहले से ही उपलब्ध है, जिन्हें नियमित रूप से ऑनलाइन और भौतिक दोनों ही तरीकों से प्रकाशित किया जाता रहा है। इसके अलावा, वार्षिक रिपोर्ट में संकलित अनुभागीय रिपोर्टें वर्ष की हमारी गतिविधियों का पूरा विवरण देंगी।

241वां स्थापना दिवस 15 जनवरी, 2024 को मनाया गया। प्रोफेसर रंजीत कुमार देव गोस्वामी, पूर्व प्रोफेसर और अध्यक्ष, अंग्रेजी विभाग, गुवाहाटी विश्वविद्यालय और शंकरदेव चेयर प्रोफेसर, सांस्कृतिक अध्ययन, तेजपुर विश्वविद्यालय द्वारा स्थापना दिवस पर व्याख्यान दिया गया। उन्होंने ज्ञाता और ज्ञात: असम में एशियाई अनुआसंधान के पहलू विषय पर चर्चा की।

एशियाटिक सोसाइटी की 239वीं वार्षिक आम बैठक और पुरस्कार वितरण समारोह 1 मई, 2023 को आयोजित किया गया। इस अवसर पर पश्चिम बंगाल के माननीय राज्यपाल और सोसाइटी के संरक्षक डॉ. सी.वी. आनंद बोस ने समारोह के मुख्य अतिथि के रूप में इस अवसर की शोभा बढ़ाई। उनके साथ प्रथम महिला श्रीमती एल.एस. लक्ष्मी भी थीं। इस अवसर पर सोसाइटी के पुस्तकालय में एक प्रदर्शनी भी आयोजित की गई, जिसका मुख्य अतिथि और अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने दौरा किया। इस वर्ष एशियाटिक सोसाइटी की मानद फैलोशिप सहित तेरह पदक/ पट्टिकाएँ विभिन्न अकादमिक विषयों में उनके महत्वपूर्ण योगदान के लिए प्रतिष्ठित व्यक्तियों को प्रदान की जाएँगी। वर्ष 2023 के लिए एशियाटिक सोसाइटी के विभिन्न व्याख्यानों के दस प्राप्तकर्ताओं के नामों की घोषणा भी आज के कार्यक्रम में की जाएगी। उनमें से उल्लेखनीय पुरस्कार विजेता हैं प्रोफेसर संघमित्रा बंद्योपाध्याय, एफएनए, एफआईईई, एफटीडब्ल्यूएएस, एफएनएई, एफएनएएससी, प्रोफेसर, मशीन इंटेलिजेंस यूनिट और निदेशक, भारतीय सांख्यिकी संस्थान, और प्रख्यात वैज्ञानिक जिन्हें वर्ष 2023 के लिए एशियाटिक सोसाइटी की मानद फैलोशिप प्रदान की गई, प्रोफेसर चंद्रशेखर कंबार, प्रख्यात कन्नड़ लोकगीतकार और पद्म श्री और ज्ञानपीठ पुरस्कार विजेता, प्रोफेसर नागेन सैकिया, प्रख्यात असमिया लेखक और साहित्य अकादमी पुरस्कार विजेता, प्रोफेसर कृष्ण मोहन श्रीमाली, दिल्ली विश्वविद्यालय में इतिहास के सेवानिवृत्त प्रोफेसर, डॉ टीसीए राघवन, पूर्व भारतीय राजनयिक, सुश्री रितु मेनन, भारतीय नारीवादी और लेखिका और प्रोफेसर मनमोहन शर्मा, एफआरएस, प्रख्यात रासायनिक इंजीनियर और पद्म भूषण पुरस्कार विजेता आदि (1987)।

हमने इस अवधि के दौरान कई राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठियाँ, कार्यशालाएँ, प्रदर्शनियाँ, प्रसिद्ध व्यक्तियों के सम्मान में आयोजित व्याख्यान और विशेष व्याख्यान आयोजित किए। इसके तहत विभिन्न क्षेत्रों में अग्रणी विशेषज्ञ व्यक्तियों, सामाजिक दूरदर्शी और प्रख्यात शिक्षाविदों के योगदान पर चर्चाएँ हुई। कई महत्वपूर्ण अवसरों के उपलक्ष्य में कई प्रदर्शनियाँ आयोजित की गईं।प्रसिद्ध व्यक्तियों के सम्मान में आयोजित व्याख्यान और विशेष व्याख्यानों के अलावा, प्रत्येक मासिक आम बैठक के दौरान नियमित रूप से महत्वपूर्ण व्याख्यान आयोजित किए गए, जहाँ विभिन्न अकादमिक विषयों से संबंधित प्रतिष्ठित विद्वानों ने अपने-अपने विषयों के महतवपूर्ण क्षेत्रों पर व्याख्यान दिए।

कई अकादमिक विषयों में आंतरिक और बाह्य दोनों तरह के कई मूल्यवान अनुसंधान परियोजनाएँ पूरी हो चुकी हैं, जबकि अन्य अच्छी तरह से आगे बढ़ रहे हैं। हालांकि, बजट की कमी के कारण सोसायटी की अनुसंधान गतिविधियों को काफी नुकसान हो रहा है। रामकृष्ण मिशन विवेकानंद शैक्षिक और शोध संस्थान (आरकेएमवीईआरआई), डीम्ड विश्वविद्यालय, के साथ सहयोग किया गया और उनके साथ दो सेमिनार कार्यक्रम पहले ही आयोजित किए जा चुके हैं। हाल ही में सोसायटी ने एसडी चटर्जी रिसर्च फाउंडेशन के सौजन्य से एशियाटिक सोसाइटी, कोलकाता के नाम पर 91 बालिगंज प्लेस, कोलकाता 700019 में स्वर्गीय प्रोफेसर श्यामदास चटर्जी के घर का दान पत्र प्राप्त करने में सफलता प्राप्त की है। उक्त परिसर में विज्ञान के इतिहास में उत्कृष्टता केंद्र स्थापित करने का प्रस्ताव सोसायटी के सक्रिय विचाराधीन है।

वर्ष 2023-2024 में प्रकाशन अनुभाग ने 13 नई पुस्तकों के साथ-साथ 2 पुनर्मुद्रण, जर्नल के 4 अंक, मासिक बुलेटिन के 10 अंक और कुछ पुस्तिकाएँ प्रकाशित की हैं। इसके अलावा, अनुभाग ने अंतर्राष्ट्रीय कोलकाता पुस्तक मेले (18-31 जनवरी, 2024) में भाग लिया और इसका फोकल थीम यूनाइटेड किंगडम था। पुस्तक मेले में अच्छी संख्या में दर्शक आए और सोसाइटी की 5 महत्वपूर्ण पुस्तकों का विमोचन किया गया। पुस्तक मेले (18-31 जनवरी, 2024) के दौरान प्रकाशकों और पुस्तक विक्रेताओं गिल्ड के सहयोग से एक अन्य सभागार में पूर्व का मिलन पश्चिम: एशियाटिक सोसाइटी का जन्म विषय पर एक प्रदर्शनी का आयोजन किया गया जिसमें 14 बड़े पैनल और दो छोटे पैनल लगाए गए और इसमें भी अच्छी संख्या में दर्शक आए।

पुस्तकालय, संग्रहालय, संरक्षण, पुनरुत्पादन अनुभाग अपने-अपने कार्य करते रहे हैं। पुस्तकालय और संग्रहालय अनुभाग, दुनिया भर के विद्वानों को अपनी सेवाएँ देने के अलावा, मूल्यवान पुस्तकों, दस्तावेजों, पांडुलिपियों, चित्रों आदि के संरक्षण का कार्य भी कर रहे हैं। कुल 3,278 पांडुलिपियों (1,44,075 पृष्ठ) दुर्लभ दस्तावेजों, पुस्तकों और पांडुलिपियों का डिजिटलीकरण किया गया है। सोसायटी ने वर्ष के दौरान प्रगति मैदान, नई दिल्ली में

संस्कृति मंत्रालय द्वारा आयोजित पुस्तकालयों का पर्व कार्यक्रम में भाग लिया।

राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र की तकनीकी सहायता से सोसायटी की वेबसाइट को नया रूप देने तथा अधि संख्या में लोगों तक पहुंचने के लिए सोशल मीडिया नेटवर्क का उपयोग बढ़ाने की पहल भी की गई है। सोसायटी में एनआईसी मेल की शुरुआत की गई है।

सोसायटी ने इस दौरान कुछ महत्वपूर्ण दिवस का आयोजन किया हैं जैसे विश्व विरासत दिवस (18.04.2023), विश्व पर्यावरण दिवस (06.06.2024), पंडित ईश्वर चंद्र विद्यासागर की 203वीं जयंती (26.09.2023), अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस (08.03.2024) इत्यादि। इन अवसरों पर व्याख्यान और प्रदर्शनियाँ आयोजित की गईं। वर्ष के दौरान सोसायटी द्वारा स्वामी विवेकानंद का जन्मदिन (12.01.2024), माइकल मधुसूदन दत्ता (23.02.2024), राष्ट्रीय विज्ञान दिवस (28.02.2024), भाषा दिवस (21.02.2024) आदि का आयोजन किया गया।

इस अवधि के दौरान संगठनात्मक और वित्तीय मामलों के निपटान के लिए सोसायटी की 41वीं स्थायी वित्त समिति की बैठक 29.11.2023 को आयोजित की गई। योजना बोर्ड की बैठक 09.11.2023 को नई दिल्ली में माननीय सचिव, संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार की अध्यक्षता में आयोजित की गई। सुरक्षा अनुभाग अधिक सतर्क रहा है और प्रशासन और लेखा अनुभाग ने अपनी नियमित निगरानी गतिविधियों में सुधार किया है।

समय-समय पर कर्मचारियों के सेवा मामलों के साथ-साथ मौजूदा रिक्तियों को भरने पर भी ध्यान दिया गया है।

हिंदी प्रकोष्ठ ने नियमित गतिविधियां शुरू की हैं और सोसायटी में हिंदी पखवाड़ा, हिंदी कार्यशाला और अन्य कार्यक्रम भी आयोजित किए हैं।

अंत में मैं एक बार फिर दोहराना चाहता हूँ कि इस वार्षिक संबोधन में शामिल अवधि के दौरान, एशियाटिक सोसाइटी अपने अपेक्षित प्रदर्शन के साथ तालमेल बनाए रखने में सक्षम रही है और आने वाले महीनों में कई अकादमिक गतिविधियों को करने के लिए भी मजबूती से तैयार हो पाई है। सोसाइटी के सदस्यों और कर्मचारियों ने इन सभी कार्यक्रमों को सफलतापूर्वक लागू करने में हमेशा अपना पूरा सहयोग दिया है। अंत में, भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय ने भी सोसाइटी की सभी अकादमिक गतिविधियों के लिए अपना समग्र समर्थन दिया है। एक बार फिर मैं आज सोसाइटी की वार्षिक आम बैठक में आप सभी का स्वागत करता हूँ।

धन्यवाद, नमस्कार.

कोलकाता
6 मई, 2024

डॉ. एस.बी. चक्रवर्ती
महासचिव

4

एशियाटिक सोसाइटी की परिषद (2022-2024)

अध्यक्ष:

प्रोफेसर स्वपन कुमार प्रमाणिक

उपाध्यक्ष:

प्रोफेसर सुभाष रंजन चक्रबर्ती

प्रोफेसर बासुदेब बर्मन

प्रोफेसर तपती मुखर्जी

प्रोफेसर प्रदीप भट्टाचार्य

महासचिव:

डॉ सत्यब्रत चक्रबर्ती

कोषाध्यक्ष:

डॉ. सुजीत कुमार दास

मानव विज्ञान सचिव:

प्रोफेसर रंजना राय

जैविक विज्ञान सचिव:

प्रोफेसर अशोक कांति सान्याल

ऐतिहासिक और पुरातत्व सचिव:

प्रोफेसर अरुण कुमार बंद्योपाध्याय

पुस्तकालय सचिव:

प्रोफेसर बिप्लव चक्रबर्ती

चिकित्सा विज्ञान सचिव:

डॉ. शंकर कुमार नाथ

भाषाविज्ञान सचिव:

श्री श्याम सुंदर भट्टाचार्य

संयुक्त भाषाविज्ञान सचिव:

डॉ. एम. फिरोज

भौतिक विज्ञान सचिव:

प्रोफेसर राजकुमार रायचौधरी

प्रकाशन सचिव:

प्रोफेसर श्यामल चक्रवर्ती

सदस्य:

प्रोफेसर अतीस कुमार दासगुप्ता

प्रोफेसर नबनारायण बंद्योपाध्याय

प्रोफेसर महिदास भट्टाचार्य

डॉ अरुणाभ मिश्रा

भारत सरकार के प्रतिनिधि:

प्रोफेसर बिमल शंकर नंदा

डॉ. मल्लिनाथ मुखर्जी

प्रोफेसर अलोक कुमार घोष

डॉ स्मृतिकुमार सरकार

पश्चिम बंगाल सरकार के प्रतिनिधि:

डायरेक्टर ओफ पब्लिक इंसट्रकसन (डीपीआई), उच्च शिक्षा विभाग, पश्चिम बंगाल सरकार

एशियाटिक सोसाइटी कर्मचारी संघ के प्रतिनिधि:

प्रोफेसर रंजीत सेन

5

योजना परिषद एवं स्थायी वित्त समिति

योजना बोर्ड

[एशियाटिक सोसायटी अधिनियम, 1984 की धारा 8(1) के तहत गठित]

1. सचिव, संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार
   अध्यक्ष

2. अपर सचिव एवं वित्तीय सलाहकार, संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार
   सदस्य

3. महानिदेशक, राष्ट्रीय विज्ञान संग्रहालय परिषद, कोलकाता
   सदस्य

4. महानिदेशक, राजा राम मोहन राय पुस्तकालय प्रतिष्ठान, कोलकाता
   सदस्य

5. सचिव और क्यूरेटर, विक्टोरिया मेमोरियल हॉल, कोलकाता
   सदस्य

6. प्रधान सचिव, उच्च शिक्षा विभाग, पश्चिम बंगाल सरकार
   सदस्य

7. अध्यक्ष, एशियाटिक सोसाइटी, कोलकाता
   सदस्य

8. महासचिव, द एशियाटिक सोसाइटी, कोलकाता
   संयोजक

स्थायी वित्तीय समिति

[विनियम 4ए (1) के अनुसार गठित]

1.	अपर सचिव और वित्तीय सलाहकार, संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार	*अध्यक्ष*
2.	महानिदेशक, राष्ट्रीय विज्ञान संग्रहालय परिषद, कोलकाता	*सदस्य*
3.	निदेशक, पूर्वी क्षेत्रीय सांस्कृतिक केंद्र, कोलकाता	*सदस्य*
4.	डायरेक्टर ऑफ पब्लिक इन्सट्रकसन, उच्च शिक्षा विभाग, पश्चिम बंगाल सरकार	*सदस्य*
5.	महासचिव, एशियाटिक सोसाइटी, कोलकाता	*सदस्य*
6.	कोषाध्यक्ष, एशियाटिक सोसाइटी, कोलकाता	*सदस्य*
7.	प्रोफेसर अशोक कांति सान्याल, जैविक विज्ञान सचिव, एशियाटिक सोसाइटी (परिषद द्वारा नामंकित)	*सदस्य*

6

समितियां और उप समितियां

पुस्तकालय समिति

[उपनियम V के अनुसार गठित]

1. **प्रोफेसर स्वपन कुमार प्रामाणिक**
   अध्यक्ष
2. **डॉ. सत्यव्रत चक्रवर्ती**
   महासचिव
3. **डॉ. सुजीत कुमार दास**
   कोषाध्यक्ष
4. **प्रोफेसर तपती मुखर्जी**
   उपाध्यक्ष
5. **प्रोफेसर बिप्लव चक्रबर्ती**
   पुस्तकालय सचिव
6. **प्रोफेसर अरुण कुमार बंद्योपाध्याय**
   ऐतिहासिक एवं पुरातत्व सचिव
7. **प्रोफेसर श्यामल चक्रवर्ती**
   प्रकाशन सचिव
8. **श्री श्याम सुंदर भट्टाचार्य**
   भाषाशास्त्र सचिव
9. **प्रोफेसर अशोक कांति सान्याल**
   जैविक विज्ञान सचिव
10. **प्रोफेसर राजकुमार रॉयचौधरी**
    भौतिक विज्ञान सचिव

11. **प्रोफेसर रंजना राय**
मानव विज्ञान सचिव

12. **डॉ. शंकर कुमार नाथ**
चिकित्सा विज्ञान सचिव

13. **डॉ. एम. फिरोज**
संयुक्त भाषाविज्ञान सचिव

14. **डॉ. रामकृष्ण चटर्जी**

15. **प्रोफेसर शचिन्द्रनाथ भट्टाचार्य**

प्रकाशन समिति

[उपनियम XXXVII के अनुसार गठित]

1. **प्रोफेसर स्वपन कुमार प्रामाणिक**
अध्यक्ष

2. **डॉ. सत्यव्रत चक्रवर्ती**
महासचिव

3. **डॉ. सुजीत कुमार दास**
कोषाध्यक्ष

4. **प्रोफेसर सुभाष रंजन चक्रवर्ती**
उपाध्यक्ष

5. **प्रोफेसर तपती मुखर्जी**
उपाध्यक्ष

6. **प्रोफेसर श्यामल चक्रवर्ती**
प्रकाशन सचिव

7. **प्रोफेसर अरुण कुमार बंद्योपाध्याय**
ऐतिहासिक एवं पुरातत्व सचिव

8. **श्री श्याम सुंदर भट्टाचार्य**
भाषाविज्ञान सचिव

9. **प्रोफेसर अशोक कांति सान्याल**
जैविक विज्ञान सचिव

10. **डॉ शंकर कुमार नाथ**
चिकित्सा विज्ञान सचिव

11. **डॉ. एम. फिरोज**
संयुक्त भाषाविज्ञान सचिव

12. **डॉ. रामकृष्ण चटर्जी**

13. **प्रोफेसर राम अहलाद चौधरी**

14. **डॉ. राम कुमार मुखोपाध्याय**

15. **श्री निर्बेद राय**

16. **डॉ. निर्मल बंद्योपाध्याय**

17. **डॉ. रजत सान्याल**

18. **डॉ. सब्यसाची चटर्जी**

बिब्लियोथेका इंडिका समिति

[उपनियम XXXVIII के अनुसार गठित]

1. **प्रोफेसर स्वपन कुमार प्रामाणिक**
अध्यक्ष

2. **डॉ. सत्यव्रत चक्रवर्ती**
महासचिव

3. **डॉ. सुजीत कुमार दास**
कोषाध्यक्ष

4. **प्रोफेसर तपती मुखर्जी**
उपाध्यक्ष

5. **प्रोफेसर बिप्लब चक्रवर्ती**
पुस्तकालय सचिव

6. **श्री श्याम सुंदर भट्टाचार्य**
भाषाशास्त्र सचिव

7. **डॉ. एम. फिरोज**
संयुक्त भाषाविज्ञान सचिव

8. **प्रोफेसर नबनारायण बंद्योपाध्याय**
परिषद सदस्य

9. **प्रोफेसर महिदास भट्टाचार्य**
परिषद सदस्य

10. **प्रोफेसर बदीउर रहमान**

11. **प्रोफेसर मृणाल गंगोपाध्याय**
12. **प्रोफेसर बिजोया गोस्वामी**
13. **प्रोफेसर अमित भट्टाचार्य**
14. **प्रोफेसर मउ दासगुप्ता**

अकादमिक समिति

1. **प्रोफेसर स्वपन कुमार प्रमाणिक**
   अध्यक्ष
2. **डॉ. सत्यव्रत चक्रवर्ती**
   जनरल सचिव
3. **डॉ. सुजीत कुमार दास**
   कोषाध्यक्ष
4. **प्रोफेसर बासुदेव बर्मन**
   उपाध्यक्ष
5. **प्रोफेसर सुभाष रंजन चक्रवर्ती**
   उपाध्यक्ष
6. **प्रोफेसर तपती मुखर्जी**
   उपाध्यक्ष
7. **प्रोफेसर प्रदीप भट्टाचार्य**
   उपाध्यक्ष
8. **प्रोफेसर अरुण कुमार बंद्योपाध्याय**
   ऐतिहासिक एवं पुरातत्व सचिव
9. **प्रोफेसर रंजना राय**
   मानव विज्ञान सचिव
10. **श्री श्याम सुंदर भट्टाचार्य**
    भाषा विज्ञान सचिव
11. **डॉ. एम. फिरोज**
    संयुक्त भाषा विज्ञान सचिव
12. **डॉ. शंकर कुमार नाथ**
    चिकित्सा विज्ञान सचिव
13. **प्रोफेसर श्यामल चक्रवर्ती**
    प्रकाशन सचिव
14. **प्रोफेसर अशोक कांति सान्याल**
    जैविक विज्ञान सचिव
15. **प्रोफेसर राज कुमार रॉयचौधरी**
    भौतिक विज्ञान सचिव
16. **प्रोफेसर बिप्लव चक्रवर्ती**
    पुस्तकालय सचिव
17. **प्रोफेसर अतिस कुमार दासगुप्ता**
    परिषद सदस्य
18. **प्रोफेसर नवनारायण बंद्योपाध्याय**
    परिषद सदस्य
19. **प्रोफेसर महिदास भट्टाचार्य**
    परिषद सदस्य
20. **डॉ. अरुणाभ मिश्रा**
    परिषद सदस्य
21. **डॉ. रामकृष्ण चटर्जी**
22. **प्रोफेसर सत्यबती गिरि**
23. **प्रोफेसर सुस्नात दास**
24. **प्रोफेसर मुसरफ हुसैन**
25. **डॉ. राम कुमार मुखोपाध्याय**
26. **प्रोफेसर उमा चट्टोपाध्याय**
27. **डॉ. चंद्रमल्ली सेनगुप्ता**
28. **डॉ. सतरूपा दत्ता मजूमदार**

निम्नलिखित बैठकों के माध्यम से उपर्युक्त अवधि के दौरान सोसायटी का कार्य संचालित किया गया:

- परिषद की बैठक : 11
- स्थायी वित्त समिति की बैठक : 01
- मासिक आम बैठक : 09
- वार्षिक आम बैठक : 01
- असाधारण आम बैठक : 01
- पुस्तकालय समिति की बैठक : 11
- बिब्लियोथेका इंडिका समिति की बैठक : 09
- प्रकाशन समिति की बैठक : 11
- शैक्षणिक समिति की बैठक : 11

7

वर्ष 2023 के लिए एशियाटिक सोसाइटी के विभिन्न पदक, पट्टिका एवं लेक्चररशीप पाने वाले प्रतिष्ठित गणमान्य

मानद फेलो:

प्रोफेसर संघमित्रा बंद्योपाध्याय

प्रख्यात भारतीय कंप्यूटर वैज्ञानिक, निदेशक, भारतीय सांख्यिकी संस्थान, कोलकाता एवं पद्म श्री पुरस्कार विजेता को वर्ष 2023 के लिए एशियाटिक सोसाइटी का मानद फेलो चुना गया है।

पदक/पट्टिका:

1. **रवींद्रनाथ टैगोर जन्म शताब्दी पट्टिका**

   मानव संस्कृति में उनके रचनात्मक योगदान के लिए **प्रोफेसर चंद्रशेखर कंबर**, प्रख्यात कन्नड़ लोकगीतकार एवं पद्म श्री और ज्ञानपीठ पुरस्कार विजेता को।

2. **पंडित ईश्वर चंद्र विद्यासागर स्वर्ण पट्टिका**

   समकालीन सामाजिक मुद्दों में उनके महत्वपूर्ण योगदान के लिए **श्री सुमंत बनर्जी**, प्रख्यात इतिहासकार, पत्रकार एवं सांस्कृतिक सिद्धांतकार को।

3. **इंदिरा गांधी स्वर्ण पट्टिका**

   अंतर-सांस्कृतिक सहयोग में महत्वपूर्ण योगदान के लिए **प्रोफेसर बशाबी फ्रेजर**, प्रख्यात भारतीय मूल की स्कॉटिश शिक्षाविद, लेखिका एवं स्कॉटिश सेंटर ऑफ टैगोर स्टडीज की सह-संस्थापक एवं निदेशक को।

4. **प्रोफेसर सुकुमार सेन मेमोरियल गोल्ड मेडल**

   अकादमिक क्षेत्र में उनके महत्वपूर्ण योगदान के लिए **प्रोफेसर नागेन सैकिया**, प्रख्यात असमिया लेखक और साहित्य अकादमी पुरस्कार विजेता।

5. **प्रोफेसर हेम चंद्र रायचौधरी जन्म शताब्दी स्वर्ण पदक**

भारतीय इतिहास के क्षेत्र में उनके महत्वपूर्ण योगदान के लिए **प्रोफेसर कृष्ण मोहन श्रीमाली**, दिल्ली विश्वविद्यालय में इतिहास के सेवानिवृत्त प्रोफेसर।

6. **आर पी चंदा जन्म शताब्दी पदक**

मानव विज्ञान में उनके महत्वपूर्ण योगदान के लिए कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय सांताव्रूज में मानव विज्ञान के **प्रोफेसर त्रिलोकी एन. पांडे** को ।

7. **सर जदुनाथ सरकार स्वर्ण पदक**

इतिहास में उनके महत्वपूर्ण योगदान के लिए **डॉ. टी सी ए राघवन**, पूर्व भारतीय राजनयिक एवं पूर्व महानिदेशक, इंडियन काउंसिल ऑफ वलड अफेयर को।

8. **डॉ. प्रभाती मुखर्जी स्मारक स्वर्ण पदक**

'प्राचीन काल से आज तक महिला प्रश्न' विषय पर रचनात्मक योगदान के लिए **सुश्री रितु मेनन**, भारतीय नारीवादी और लेखिका को।

9. **दुर्गा प्रसाद खेतान स्मारक स्वर्ण पदक**

विज्ञान में उल्लेखनीय योगदान के लिए **प्रोफेसर मन मोहन शर्मा**, एफआरएस, प्रख्यात रासायनिक इंजीनियर और पद्म भूषण (1987) और पद्म विभूषण पुरस्कार विजेता, को।

10. **डॉ. बिमला चरण लॉ स्वर्ण पदक**

दर्शनशास्त्र के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान के लिए कलकत्ता विश्वविद्यालय में दर्शनशास्त्र के सेवानिवृत्त **प्रोफेसर प्रबल कुमार सेन** को ।

11. **डॉ. नरेश चंद्र सेनगुप्ता स्वर्ण पदक**

प्राचीन और मध्यकालीन भारत में समाज और कानून के क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए **सुश्री फ्लाविया एग्नेस**, प्रख्यात महिला अधिकार के लिए वकालात करने वाली वकील को।

12. **राणाधीर रॉय स्मारक स्वर्ण पदक**

वाद्य संगीत में रचनात्मक योगदान के लिए **प्रोफेसर बुद्धदेव दास**, प्रोफेसर, एस्राज, हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत विभाग, संगीत भवन, विश्वभारती।

13. **प्रोफेसर निर्मल नाथ चटर्जी पदक**

आर्थिक भूविज्ञान के ज्ञान में महत्वपूर्ण योगदान के लिए **सुश्री अंकिता बसाक**, भूविज्ञान विभाग, कलकत्ता विश्वविद्यालय, शोध छात्रा।

लेक्चररशीप:

1. **पंडित ईश्वर चंद्र विद्यासागर लेक्चररशीप**

विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान के लिए **डॉ. सौम्या स्वामीनाथन**, प्रख्यात नैदानिक वैज्ञानिक, विश्व स्वास्थ्य संगठन में पूर्व मुख्य वैज्ञानिक एवं भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद के पूर्व महानिदेशक।

2. **राजा राजेंद्रलाल मित्रा मेमोरियल लेक्चररशीप**

इंडोलॉजिकल अध्ययन के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए **प्रोफेसर बी.एन. पटनायक**, अंग्रेजी और भाषा विज्ञान के सेवानिवृत्त प्रोफेसर, मानविकी और सामाजिक विज्ञान विभाग, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर।

3. **इंदिरा गांधी मेमोरियल लेक्चररशीप**

सांस्कृतिक बहुलवाद के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान के लिए **प्रोफेसर गायत्री चक्रवर्ती** स्पिवक, प्रख्यात साहित्यिक सिद्धांतकार।

4. **प्रोफेसर सुनीति कुमार चटर्जी मेमोरियल लेक्चररशीप**

भाषाविज्ञान के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान के लिए **प्रोफेसर गौतम सेनगुप्ता**, हैदराबाद विश्वविद्यालय में अनुप्रयुक्त भाषाविज्ञान के सेवानिवृत्त प्रोफेसर।

5. **डॉ. पंचानन मित्रा मेमोरियल लेक्चररशीप**

मानव विज्ञान के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान के लिए **प्रोफेसर प्रशांत कुमार चट्टोपाध्याय**, विजिटिंग प्रोफेसर, कॉलेज

ऑफ मेडिसिन एंड फोरेंसिक्स, जियाओतांग विश्वविद्यालय, शीआन, चीन एवं पूर्व-अध्यक्ष, इंडो-पैसिफिक एसोसिएशन ऑफ लॉ, मेडिसिन एंड साइंस।

6. डॉ. सत्येंद्र नाथ सेन मेमोरियल लेक्चररशीप

सामाजिक विज्ञान के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए भारतीय सांख्यिकी संस्थान, कोलकाता में अर्थशास्त्र के **प्रोफेसर अभिरूप सरकार** को।

7. डॉ. बिमनबिहारी मेमोरियल लेक्चररशीप

भारतीय इतिहास के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए भारतीय विद्या भवन, दिल्ली में इंडोलॉजी केंद्र की डीन **प्रोफेसर शशि बाला** को ।

8. आभा मैती वार्षिक मेमोरियल लेक्चररशीप

भारत में सीमांत समुदायों के विकास में उल्लेखनीय योगदान के लिए, प्रख्यात सामाजिक एवं मानव विज्ञान के **प्रोफेसर प्रमोद कुमार मिश्रा** को।

9. स्वामी प्रणवानंद मेमोरियल लेक्चररशीप

धर्म और संस्कृति के क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए लखनऊ विश्वविद्यालय के समाजशास्त्र विभाग के प्रख्यात **प्रोफेसर सुकांत के. चौधरी** को सम्मानित किया गया।

10. जी.एस.आई. 150वीं वर्षगांठ मेमोरियल लेक्चररशीप

यादवपुर विश्वविद्यालय में संरचनात्मक भूविज्ञान के सेवानिवृत्त **प्रोफेसर सुदीप्ता सेनगुप्ता**।

8

अप्रैल 2023 से मार्च 2024 के दौरान परिषद में अंगीकृत प्रमुख प्रस्ताव और प्रस्तुत किए गए विषय

25 अप्रैल, 2023 को आयोजित बैठक

- महासचिव ने रिपोर्ट किया कि सोसायटी की २३९वीं वार्षिक आम बैठक और पुरस्कार वितरण समारोह सोमवार, १ मई, २०२३ को शाम ५ बजे सोसायटी के विद्यासागर हॉल में आयोजित किया जाएगा और पश्चिम बंगाल के माननीय राज्यपाल और एशियाटिक सोसायटी के संरक्षक डॉ. सी. वी. आनंद बोस ने इसमें उपस्थित होने की सहमति दी है। उन्होंने सभी सदस्यों से कार्यक्रम में उपस्थित होने का अनुरोध किया। डसंदर्भ: किसी अन्य मद के अंतर्गत.

30 मई, 2023 को आयोजित बैठक

- परिषद ने वित्त वर्ष 2023-24 के लिए एशियाटिक सोसाइटी, कोलकाता के लिए संस्कृति मंत्रालय द्वारा स्वीकृत बजट आकलन को नोट किया और वित्त वर्ष 2023-24 के लिए समझौता ज्ञापन (एमओयू) मसौदा में प्रस्तावित गतिविधि-वार भौतिक लक्ष्यों और वित्तीय आवंटन को मंज़ूरी दी।

  इस संदर्भ में, प्रोफेसर बासुदेब बर्मन ने 2023-24 के लिए संशोधित अनुमान भेजते समय कुल बजट के कम से कम 15% की वृद्धि करके गतिविधि शीर्षों के तहत धन के उच्च आवंटन का प्रस्ताव करने और यदि आवश्यक हो, तो इस उद्देश्य के लिए भारत सरकार के माननीय संस्कृति मंत्री के पास एक प्रतिनिधिमंडल भेजने का अनुरोध किया। डसंदर्भ: कार्यसूची की मद संख्या 9]

- परिषद ने वर्ष 2022-23 के लिए एशियाटिक सोसाइटी, कोलकाता के वार्षिक खातों को अनुमोदित किया, जैसा कि परिचालित किया गया था और महानिदेशक लेखा परीक्षा (केंद्रीय), कोलकाता के कार्यालय द्वारा खातों की लेखा परीक्षा और प्रमाणन करने के लिए आवश्यक व्यवस्था करने के लिए महासचिव को प्राधिकृत किया। डसंदर्भ: कार्यसूची की मद संख्या 10]

25 जुलाई, 2023 को आयोजित बैठक

- कोषाध्यक्ष (कार्यवाहक) प्रोफेसर अशोक कांति सान्याल द्वारा उठाए गए मुद्दे पर, परिषद ने उन सदस्यों को नए कार्ड जारी करने के लिए डाक शुल्क सहित 100/- रुपये का शुल्क लागू करने का निर्णय लिया, जिन्होंने अपने कार्ड खो दिए हैं या क्षतिग्रस्त कार्ड बदलना चाहते हैं, या अपनी सदस्यता की स्थिति को साधारण सदस्य से आजीवन सदस्य में परिवर्तित करना चाहते हैं । डसंदर्भ: किसी अन्य मद के अंतर्गत.

29 अगस्त, 2023 को आयोजित बैठक

- 1-परिषद ने वर्ष 2022-23 के लिए एशियाटिक सोसाइटी, कोलकाता के खातों पर भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक के लेखापरीक्षित खातों और पृथक लेखापरीक्षा रिपोर्ट (एसएआर) को सर्वसम्मति से अंगीकार कर लिया। इसके अलावा, तात्कालिकता को देखते हुए, परिषद ने एशियाटिक सोसाइटी, कोलकाता के लेखापरीक्षित खातों और वर्ष 2022-23 के लिए पृथक लेखापरीक्षा रिपोर्ट को विनियमन 51 के तहत 4 सितंबर, 2023 को बुलाई जाने वाली सोसाइटी के सदस्यों की असाधारण आम बैठक में विनियमन 59ए के अनुपालन हेतु विचारार्थ एवं अंगीकार करने के लिए सोसाइटी की आम सभा के समक्ष रखने के प्रस्ताव को मंजूरी दी। परिषद ने महासचिव से इस संबंध में सभी आवश्यक औपचारिकताओं का तुरंत पालन करने का अनुरोध किया। डसंदर्भ: कार्यसूची की मद संखा 8].
- 2-परिषद ने तथ्यों पर गौर किया और एशियाटिक सोसाइटी, कोलकाता के संग्रह से पंद्रह कलाकृतियाँ डजिसमें बारह पांडुलिपियाँ, दो लिथो-प्लेट और एक दुर्लभ पुस्तक शामिल हैं.को भारत में आगामी जी-20 शिखर सम्मेलन के संदर्भ में सितंबर 2023 में नई दिल्ली के राष्ट्रीय आधुनिक कला गैलरी में संस्कृति मंत्रालय द्वारा आयोजित की जा रही जी-20 प्रदर्शनी के लिए मंजूरी दी। डसंदर्भ: कार्यसूची की मद संखा 10]
- 3-महासचिव ने बताया कि 19वीं IUAES-WAU विश्व मानव विज्ञान कांग्रेस (14 से 20 अक्टूबर, 2023 को दिल्ली में आयोजित होने वाली) के सिलसिले में पोस्ट-कांग्रेस सेमिनार 27 और 28 अक्टूबर, 2023 को एशियाटिक सोसाइटी में भारतीय मानव विज्ञान की जड़ें: औपनिवेशिक काल से वर्तमान तक का संक्रमण विषय पर आयोजित किया जाएगा। उन्होंने इस उद्देश्य के लिए 1.60 लाख रुपये का बजट रखा। परिषद ने इस तथ्य पर ध्यान दिया और बजट को मंजूरी दे दी। डसंदर्भ: किसी अन्य मद के अंतर्गत]
- 4-महासचिव ने बताया कि सोसायटी वर्तमान में अपने कर्मचारियों के लिए 'गोपनीय रिपोर्ट' प्रणाली का अनुरक्षण करती है, जिसे अद्यतन करने की आवश्यकता है क्योंकि विभिन्न डीपीसी और अन्य समितियों के बाहरी विशेषज्ञों ने इस मुद्दे को उठाया है। इसलिए, केंद्रीय स्वायत्त निकायों सहित केंद्र सरकार के कार्यालयों में वर्तमान में अपनाई जाने वाली वार्षिक कार्यनिष्पादन मूल्यांकन रिपोर्ट (एपीएआर) को बनाए रखने की प्रणाली को 2022-23 से सोसायटी में शुरू करने की आवश्यकता है। सोसायटी के निदेशक ने अध्यक्ष की अनुमति से बताया कि एपीएआर किसी कर्मचारी के कार्य और आचरण का एक वस्तुनिष्ठ मूल्यांकन है और कर्मचारियों की पुष्टि, पदोन्नति आदि के लिए एक मुख्य मानदंड के रूप में कार्य करता है। इसके महत्व को देखते हुए, परिषद ने 2022-23 से एपीएआर प्रणाली शुरू करने को मंजूरी दी। डसंदर्भ: किसी अन्य मद के अंतर्गत]

27 सितंबर, 2023 को आयोजित बैठक

- मानद फेलो के चुनाव के संबंध में एशियाटिक सोसाइटी के उपनियम IV के खंड 2,3 और 4 के प्रावधानों के अनुसार वर्ष 2023 के लिए प्रख्यात भारतीय कंप्यूटर वैज्ञानिक और भारतीय सांख्यिकी संस्थान, कोलकाता की निदेशक प्रोफेसर संघमित्रा बंद्योपाध्याय के एशियाटिक सोसाइटी के मानद फेलो के रूप में नामांकन को परिषद ने सर्वसम्मति से स्वीकार कर लिया और उक्त उपनियमों के खंड 6 और 7 के अनुसार अनुमोदन के लिए अगली मासिक आम बैठक में प्रोफेसर संघमित्रा बंद्योपाध्याय के सर्वसम्मति से नामांकन को रखने का निर्णय लिया। डसंदर्भ: कार्यसूची की मद संखा 10]

28 नवंबर, 202३ को बैठक आयोजित की गई

- महासचिव (कार्यवाहक) ने रिपोर्ट किया कि मुख्यालय, पूर्वी कमान के अनुरोध के जवाब में, सोसायटी ने 1 दिसंबर, 2023 को फोर्ट विलियम में निर्धारित चीन पर एक रणनीतिक संगोष्ठी में उत्तर पूर्व और भारत-चीन मामलों पर केंद्रित अपने कुछ प्रकाशनों को प्रदर्शित करने का निर्णय लिया है। परिषद ने प्रस्ताव को पृष्ठांकित किया। डसंदर्भ: कार्यसूची की मद संखा 6]
- अध्यक्ष ने सदस्यों को प्रशंसा करते हुए कहा कि सोसायटी का 241वां स्थापना दिवस 15 जनवरी, 2024 को मनाया जाएगा और प्रोफेसर रंजीत कुमार देव गोस्वामी, पूर्व प्रोफेसर और प्रमुख, अंग्रेजी विभाग, गुवाहाटी विश्वविद्यालय और शंकरदेव चेयर प्रोफेसर, सांस्कृतिक अध्ययन, तेजपुर विश्वविद्यालय से स्थापना दिवस पर व्यक्तब्य देने का अनुरोध किया जाएगा। परिषद ने इस जानकारी को नोट की। डसंदर्भ: कार्यसूची की मद संखा 7]

28 दिसंबर, 2023 को आयोजित बैठक

- महासचिव ने रिपोर्ट किया कि वित्त वर्ष 2022-23 के लिए एशियाटिक सोसाइटी, कोलकाता की वार्षिक रिपोर्ट और लेखापरीक्षित खाते 11.12.2023 को लोकसभा और 14.12.2023 को राज्य सभा के पटल पर रखे गए हैं। परिषद ने इस तथ्य को नोट किया और निर्धारित समय के भीतर पूरी प्रक्रिया पूरी करने के लिए सोसाइटी के सभी संबंधित अधिकारियों को बधाई दी। डसंदर्भ: कार्यसूची की मद संखा 7]

  परिषद ने आवश्यक कार्रवाई के लिए 9 नवंबर, 2023 को आयोजित एशियाटिक सोसाइटी, कोलकाता के योजना परिषद की दूसरी बैठक के कार्यवृत्त को नोट किया। डसंदर्भ: कार्यसूची की मद संखा 8]
- परिषद ने आवश्यक कार्रवाई के लिए 29 नवंबर, 2023 को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से आयोजित एशियाटिक सोसाइटी, कोलकाता की स्थायी वित्त समिति की ४१वीं बैठक के कार्यवृत्त को नोट किया।

  इसके अलावा, परिषद ने कोषाध्यक्ष को सोसायटी के 60 वर्ष से अधिक आयु के कर्मचारियों को सेवा विस्तार देने से संबंधित मामले में एक मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) तैयार करने का कार्य सौंपा। डसंदर्भ: कार्यसूची की मद संखा 9]

27 फरवरी, 2024 को आयोजित बैठक

- महासचिव ने परिषद के सदस्यों को सूचित किया कि सोसायटी ने एस.डी. चटर्जी रिसर्च फाउंडेशन की मदद और सहयोग से 91, बल्लीगंज प्लेस, कोलकाता 700029 में स्वर्गीय प्रोफेसर श्यामदास चटर्जी की संपत्ति के गिफ्ट डीड की पंजीकरण प्रक्रिया सफलतापूर्वक पूरी कर ली है। परिषद ने इस उपलब्धि को स्वीकार किया और महासचिव और कोषाध्यक्ष को उनकी पहल के लिए आभार व्यक्त किया। परिषद ने इस मामले में उनकी अमूल्य सहायता और समर्थन के लिए एस.डी. चटर्जी रिसर्च फाउंडेशन को भी धन्यवाद दिया और आभार व्यक्त किया। कोषाध्यक्ष ने इस बात पर जोर दिया कि इस संबंध में विभिन्न कानूनी प्रक्रियाओं से गुजरने के लिए परिषद द्वारा पहले 1,00,000/- रुपये की राशि को मंजूरी दी गई थी। शेष कानूनी खर्चों को पूरा करने के लिए, कोषाध्यक्ष ने 50,000/- रुपये की अतिरिक्त राशि का प्रस्ताव रखा। परिषद ने प्रस्ताव को मंजूरी दे दी। डसंदर्भ: किसी अन्य मद के अंतर्गत]
- महासचिव ने सदस्यों को सूचित किया कि उन्हें संस्कृति मंत्रालय से दिनांक 21.02.2024 को एक पत्र प्राप्त हुआ है, जिसमें 02.08.2023 से पांच वर्ष की अवधि के लिए मौलाना अबुल कलाम आजाद एशियाई अध्ययन संस्थान, कोलकाता की पुनर्गठित सोसायटी में सोसायटी के प्रतिनिधि के नामांकन का अनुरोध किया गया है। परिषद ने 02.08.2023 से पांच वर्ष की अवधि के लिए मौलाना अबुल कलाम आजाद एशियाई अध्ययन संस्थान, कोलकाता की पुनर्गठित सोसायटी में एशियाटिक सोसायटी के महासचिव को नामित करने का निर्णय लिया। डसंदर्भ: किसी अन्य मद के अंतर्गत]
- कोषाध्यक्ष की रिपोर्ट पर, परिषद ने पदकों और पट्टिकाओं के संशोधन के लिए गठित समिति द्वारा प्रस्तुत डिजाइन सिफारिशों का अनुपालन करते हुए, विशेष रूप से कोलकाता में केंद्रीय सरकार की टकसाल से सोसायटी के सभी एंडोमेंट

मेडल और प्लेक खरीदने का निर्णय लिया। इसके अलावा, परिषद ने इन पदकों और पट्टिकाओं की तैयारी में आवश्यक विभिन्न सामग्रियों (जैसे चांदी, कांस्य, तांबा या पीतल) के लिए टकसाल से कोटेशन मांगने का फैसला किया। इस कोटेशन और धन की उपलब्धता के आधार पर, किसी विशेष पदक/पट्टिका को तैयार करने के लिए किसी विशेष सामग्री के उपयोग को निर्दिष्ट करने वाला एक व्यापक प्रस्ताव परिषद के सदस्यों को उनकी टिप्पणियों और अनुमोदन के लिए प्रसारित किया जाएगा। डसंदर्भ: किसी अन्य मद के तहत]

28 मार्च, 2024 को आयोजित बैठक

- परिषद ने वर्ष 2023-24 के दौरान सोसायटी के विभिन्न अनुभागों की महत्वपूर्ण गतिविधियों और उपलब्धियों पर रिपोर्ट को एशियाटिक सोसाइटी, कोलकाता की वार्षिक रिपोर्ट में शामिल करने के लिए स्वीकार कर लिया। डसंदर्भ: एजेंडा आइटम नंबर 10]
- निदेशक ने संस्कृति मंत्रालय से प्राप्त दिनांक 28.03.2024 के पत्र एफ. संख्या 20-2/2024-एएंडए प्रस्तुत किया जिसके तहत एशियाटिक सोसाइटी, कोलकाता में आधार सक्षम बायोमेट्रिक उपस्थिति प्रणाली (एईबीएएस) के तत्काल अनुपालन किया जाना है। परिषद ने इस पत्र पर ध्यान दिया और इसके तत्काल कार्यान्वयन की आवश्यकता पर बल दिया। इसके अलावा, परिषद ने इलेक्ट्रॉनिक्स कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (ईसीआईएल) के माध्यम से एशियाटिक सोसाइटी, कोलकाता में एईबीएएस को लागू करने के प्रस्ताव को मंजूरी दी। डसंदर्भ: किसी अन्य मद के अंतर्गत]

9

एशियाटिक सोसाइटी के प्रकाशन

इस सोसाइटी ने अपनी स्थापना के चार साल बाद ही वर्ष 1788 में 'एशियाटिक रिसर्चेज', के प्रकाशन से अपना प्रकाशन कार्य आरंभ कर चुका था। सर विलियम जोन्स ने इस प्रकाशन के संबंध में कहा था, यदि एशिया के विभिन्न हिस्सों में प्रकृतिवादी, रसायनज्ञ, पुरातत्ववेत्ता, दार्शनिक और विज्ञान के लोग अपने विचारों को लेखनी में उतारने को प्रतिबद्ध होते हैं और उन्हें कलकत्ता के एशियाटिक सोसाइटी भेजते हैं, यदि इस तरह के संपर्क लंबे समय तक होते रहते हैं तो इसका विकास होगा, यदि दीर्घावधि तक ऐसे संपर्क को रोक कर रखा जाता है तो वह क्षीण हो जाएगा एवं अगर उन्हें पूरी तरह से ही रोक दिया जाता है तो यह नष्ट हो जाएगा। यह सोसाइटी अपनी प्रतिष्ठा और उच्च एकादमिक स्तर को बनाए रखने के लिए विभिन्न क्षेत्रों में मौलिक और प्रसिद्ध पुस्तकों का प्रकाशन करती आ रही है और सोसाइटी विभिन्न श्रृंखलाओं में अपने प्रकाशनों के लिए शिक्षा जगत में जानी जाती है।

प्रकाशन समिति और बिब्लियोथेका इंडिका समिति जैसे दो सांविधिक समितियां, विभिन्न श्रृंखलाओं जैसे कि बिब्लियोथेका इंडिका, मोनोग्राफ, सेमिनार एवं सार्वजनिक व्याख्यान, कैटलॉग तथा ग्रंथ-सूची कार्य आदि के पुस्तक रूप में प्रकाशित करने के लिए पांडुलिपियों की सिफारिश करती है एवं एशियाटिक सोसाइटी के जर्नल में प्रकाशन के लिए कुछ विविध प्रकाशनों और आलेखों, सूचना, पुस्तक-समीक्षा भी पर कार्य करती हैं। एशियाटिक सोसाइटी विभिन्न अवसरों पर जर्नल, मासिक बुलेटिन और कुछ पुस्तिकाओं के अलावा उपर्युक्त श्रृंखला पर पुस्तकों का प्रकाशन करती है।

दो वैधानिक समितियां, अर्थात प्रकाशन समिति और बिब्लियोथेका इंडिका समिति, जर्नल ऑफ द एशियाटिक सोसाइटी में प्रकाशन के लिए लेख, संचार, पुस्तक-समीक्षा और विभिन्न श्रृंखलाओं अर्थात बिब्लियोथेका इंडिका, मोनोग्राफ, सेमिनार और सार्वजनिक व्याख्यान, कैटलॉग और ग्रंथ सूची संबंधी कार्य आदि और कुछ विविध प्रकाशनों को पुस्तक रूप में प्रकाशन के लिए पांडुलिपियों की सिफारिश करती हैं, । एशियाटिक सोसाइटी विभिन्न अवसरों पर जर्नल, मासिक बुलेटिन और कुछ पुस्तिकाओं के अलावा उपर्युक्त श्रृंखला में पुस्तकें प्रकाशित करती है।

इस अवधि के दौरान (01.04.2023 - 31.03.2024) पुस्तकों के 15 शीर्षक, जर्नल ऑफ द एशियाटिक सोसाइटी के चार अंक, मासिक बुलेटिन के दस अंक और पुस्तिकाओं सहित अन्य

पांच प्रकाशित की गई हैं। एशियाटिक सोसाइटी ने बिक्री आय में वृद्धि के लिए फोर्ट विलियम में पूर्वी कमान चीन सेमिनार में अंतर्राष्ट्रीय कोलकाता पुस्तक मेला 2024, प्रदर्शनी सह बिक्री में भाग लिया। पुस्तक विक्रेताओं, शैक्षणिक संस्थाओं, पुस्तकालयों आदि से भी संपर्क करने का प्रयास किया गया है।

वर्ष 2023 -24 के दौरान प्रकाशन

पुस्तकें:

- *प्राकृत भुगोल,* - राजेंद्रलाला मित्रा
- *सिस्टर निवेदिता का जीवन और कार्य,* - सोमनाथ मुखोपाध्याय और सुस्वागत बंध्यापाध्याय द्वारा संपादित
- ब्रिस-मा की एक वर्णनात्मक सूची: तिब्बती कंजुर कंप की हस्तलिखित पांडुलिपियाँ। भक्ति डे द्वारा
- नयुमिसमैटिक सप्लीमेंट, वॉल्यूम II, सप्लीमेंट XVII-XXX
- बिराजचरण गुप्त काव्यतीर्थ का वनऔषधि दर्पण, ब्रह्मानंद गुप्ता और अबिचल चट्टोपाध्याय द्वारा संपादित
- दशग्रीवरक्षसबधाचरित, अनसूया भौमिक द्वारा सं.
- इंडियन ग्रामेटिकल ट्रेडिसन, श्यामसुंदर भट्टाचार्य द्वारा संपादित
- ऑक्टेवियो पाज ऑन इंडिया: ए स्टडी इन हिस्पैनिक ओरिएंटलिज्म, ज्योति घोष द्वारा
- ट्वेल्व बोरो शॉर्ट स्टोरीज, सायंतन दासगुप्ता और चंद्रमल्ली सेनगुप्ता द्वारा संपादित
- बरोटी बोरो छोटो गल्पो, चंद्रमल्ली सेनगुप्ता और सायंतन दासगुप्ता द्वारा संपादित
- लैंगुएज, कम्युनिकेसन एंड कंफलिक्ट इन साउथ एंड साउथ इस्ट एशिया, अदिति घोष द्वारा संपादित
- एशियाटिक सोसाइटी के संग्रह में संस्कृत पांडुलिपि की एक वर्णनात्मक सूची, खंड III - बिबेकानंद बनर्जी द्वारा पुराना संकलन, संपादक एस. आर. बनर्जी द्वारा
- ताना पोरेन—बंगलार तांतशिल्पेर अतीत, बर्तमान ओ भबिस्यत, सुजीत कुमार दास द्वारा संपादित।
- सी.एच. बोम्पास द्वारा फोलकलेयर ऑफ द कोल्हान (पुनर्मुद्रण) पल्लब सेनगुप्ता, अर्पिता बसु और सरमिष्ठा दे बसु द्वारा परिचय और संपादकीय टिप्पणियों के साथ
- सेंटनरी रिव्यू ऑफ द एशियाटिक सोसाइटी, 1784 - 1883 (पुनर्मुद्रण)

आवधिक:

- जर्नल ऑफ एशियाटिक सोसाइटी, खंड LXV संख्या 1, 2, 3, 4 -- 2023
- एशियाटिक सोसाइटी का मासिक बुलेटिन, खंड LII, संख्या 04 से 10 -- 2023
- एशियाटिक सोसाइटी का मासिक बुलेटिन, खंड LIII, संख्या 01 से 03 -- 2024

पुस्तिकाएँ:

- उपलब्ध प्रकाशनों की सूची, अप्रैल 2023
- अध्यक्षीय भाषण, 2022-2023
- महासचिव की रिपोर्ट, 2022-2023
- 18 नवंबर 2023 को प्रोफेसर ए.के. चौधरी को शताब्दी श्रद्धांजलि पर ब्रोशर।
- उपलब्ध प्रकाशनों की सूची, दिसंबर 2023

10

गतिविधियां : पुस्तकालय अनुभाग

पुस्तकालय

एशियाटिक सोसाइटी का पुस्तकालय सोसाइटी का सबसे महत्वपूर्ण भाग है, जिसका दो सौ उनतीस वर्षों के गौरवशाली इतिहास रहा है। प्राच्य अध्ययन के लिए निर्धारित पांडुलिपियों और कलाकृतियों के अलावा पुस्तकों और पत्रिकाओं के विशाल संग्रह से यह पुस्तकालय समृद्ध है। इसका महत्व संख्या में अधिक होने के कारण नहीं बल्कि इसकी समृद्ध और अनूठी सामग्री में है।

इसमें विभिन्न यूरोपीय, चीनी-तिब्बती, रूसी, दक्षिण एशियाई, फारसी, उर्दू, अरबी, पाली, प्राकृत, बंगाली, संस्कृत और अन्य भारतीय भाषाओं में 1,34,379 से अधिक पुस्तकें और पत्रिकाओं के 1,09,133 बाउंड वॉल्यूम हैं। सोसाइटी का पुस्तकालय भारत और विदेशों के विभिन्न हिस्सों से अध्ययन की विभिन्न शाखाओं में शोध करने वाले विद्वानों को ग्रंथसूची और प्रलेखन सेवाएं प्रदान करता है। पुस्तकों, पत्रिकाओं, माइक्रोफिल्म और माइक्रोफिश से लैस अध्ययन कक्ष सोमवार से शुक्रवार तक सुबह 9.45 बजे से शाम 7.00 बजे तक एवं शनिवार को सुबह 10 बजे से शाम 5.00 बजे तक पाठकों के लिए खुला रहता है। पाठक को इंटरनेट और ई-मेल के माध्यम से समय-समय पर सफलतापूर्वक सेवाएं प्रदान की गई हैं। एशियाटिक सोसाइटी के जर्नल में प्रकाशित लेखों की कम्प्यूटरीकृत सूची भी पाठकों द्वारा देखी जाती है। पुस्तकालय की गतिविधियों की योजना तथा निगरानी परिषद द्वारा गठित पुस्तकालय समिति द्वारा की जाती है।

इस अवधि के दौरान गतिविधियाँ:

- पुस्तकालय भारत और विदेश के पाठकों और विद्वानों के लिए 291 दिनों तक भौतिक रूप से खुला रहा और 4908 पाठकों को सेवा प्रदान की।
- 509 पुस्तकों को शामिल किया गया और विभिन्न भाषाओं और विभिन्न विषयों में 615 पुस्तकों को संसाधित किया गया।
- पुस्तकालय को सदस्यता प्राप्त पत्रिकाओं के 28 अंक प्राप्त हुए। इस अवधि के दौरान पुस्तकालय को पत्रिकाओं के 100 अंक विनिमय पर और पत्रिकाओं के 27 अंक उपहार के रूप में प्राप्त हुए।
- 4908 पाठकों ने पुस्तकालय का उपयोग किया। पाठकों को 1703 पुस्तकें जारी की गईं और 997 पुस्तकें उनके द्वारा वापस की गईं। मांग के अनुसार ई-मेल के माध्यम से पुस्तकों और पांडुलिपियों से संबंधित संदर्भ सेवाएं प्रदान की गईं।
- मांग के अनुसार ई-मेल के माध्यम से पुस्तकों और पांडुलिपियों से संबंधित संदर्भ सेवाएँ प्रदान की गईं।
- पुस्तकालय द्वारा 11 अगस्त 2023 से 11 सितंबर 2023 तक कलकत्ता विश्वविद्यालय के पुस्तकालय और सूचना विज्ञान विभाग के 5 छात्रों के लिए इंटर्नशिप कार्यक्रम आयोजित किया गया।

विभिन्न संस्थाओं द्वारा पुस्तकालय का दौरा:

- 05.04.2023: बंगबासी कॉलेज, कोलकाता से 7 छात्रों का एक दल।
- 16.05.2023: भवानीपुर एजुकेशन सोसाइटी कॉलेज, कोलकाता से 5 छात्रों का एक दल।
- 01.06.2023: राममोहन कॉलेज, कोलकाता से 1 संकाय सदस्य सहित 39 छात्रों का एक दल।
- 11.07.2023: पूर्वी कमान, कोलकाता से 2 शोध प्रशिक्षु।
- 25.07.2023: सिक्किम विश्वविद्यालय, सिक्किम के पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग से 9 छात्रों, 2 संकायों और १ कर्मचारी सहित 12 सदस्यों का एक दल।
- 02.08.2023: शिवनाथ शास्त्री कॉलेज, कोलकाता के संस्कृत विभाग से 2 संकायों के साथ 5 छात्रों का एक दल।
- 21.08.2023: भारतीय विज्ञान समाचार संघ और विज्ञान प्रसार, डीएसटी, भारत सरकार से 10 प्रतिभागियों की एक टीम।
- 24.08.2023: कलकत्ता विश्वविद्यालय, कोलकाता से 6 छात्रों की एक टीम।
- 26.09.2023: लाजपत हिंदी हाई स्कूल, खिदिरपुर से 4 संकाय सदस्यों के साथ 40 छात्रों की एक टीम।
- 03.10.2023: कल्याणी विश्वविद्यालय, कल्याणी से 7 छात्रों की एक टीम।
- 06.10.2023: सिस्टर निबेदिता गवर्नमेंट जनरल डिग्री कॉलेज फॉर गलस, कोलकाता से 9 छात्रों की एक टीम।
- 10.10.2023: महेश श्री रामकृष्ण आश्रम विद्यालय (एच.एस), रिसड़ा से संकाय सदस्यों के साथ 130 छात्रों का एक दल ।
- 13.10.2023: सुरेंद्रनाथ कॉलेज फॉर विमेन, कोलकाता से 6 संकाय सदस्यों के साथ 24 छात्रों का एक दल।
- 16.11.2023: भारतीय सांख्यिकी संस्थान, कोलकाता के 4 पुस्तकालय प्रशिक्षु (2 नागालैंड से और 2 कोलकाता से)।
- 17.11.2023: पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग, गौहाटी विश्वविद्यालय, गुवाहाटी, असम से 24 छात्रों का एक दल और 2 गाइड।
- 24.11.2023: मृणालिनी दत्ता महाविद्यापीठ, बिरती से 2 संकाय सदस्यों के साथ 20 छात्रों का एक दल
- 08.12.2023: नेताजी सुभाष मुक्त विश्वविद्यालय, कल्याणी से 28 छात्रों का एक दल
- 21.12.2023: पी.आर. ठाकुर सरकारी कॉलेज, ठाकुरनगर से 8 संकाय सदस्यों के साथ 45 छात्रों का एक दल

- 21.12.2023: झापोरदा ड्यूक इंस्टीट्यूशन, हावड़ा से 21 छात्रों का एक दल
- 28.02.2024: बरहमपुर विश्वविद्यालय, ब्रह्मपुर, ओडिशा से 2 शिक्षकों के साथ 21 छात्रों का एक दल
- 01.03.2024: संस्कृत महाविद्यालय और संस्कृत विभाग, कोलकाता के विश्वविद्यालय से 6 छात्रों का एक दल
- 05.03.2024: नेताजी सतबर्षिकी महाविद्यालय, अशोकनगर से 52 छात्रों का एक दल
- 07.03.2024: भारतीय सांख्यिकी संस्थान, कोलकाता से 8 सदस्यों का एक दल
- 07.03.2024: प्रेसीडेंसी विश्वविद्यालय, कोलकाता से 6 छात्रों का एक दल

पुस्तकों और पत्रिकाओं की प्रदर्शनी और प्रदर्शन:

सोसाइटी द्वारा विभिन्न विषयों पर प्रदर्शनियाँ अक्सर आयोजित की जाती हैं जो कि समय-समय पर आयोजित विभिन्न सेमिनारों और सम्मेलनों का एक भाग है । सोसाइटी में आने वाले गणमान्य व्यक्तियों को सम्मानित करने के लिए, एशियाटिक सोसाइटी के धरोहर को प्रदर्शित करने वाली प्रदर्शनियाँ भी आयोजित की जाती हैं। इन प्रदर्शनियों में, पुस्तकालय में दुर्लभ पुस्तकें, पत्रिकाएँ, तस्वीरें, दस्तावेज आदि प्रदर्शित किए जाते हैं, जो पुस्तकालय के समृद्ध और विविध संसाधनों पर प्रकाश डालते हैं। इस अवधि के दौरान, निम्नलिखित प्रदर्शनियों का आयोजन किया गया, जिन्हें विद्वानों और मीडिया द्वारा अत्यधिक सराहा गया।

- 1 मई, 2023: 239वीं वार्षिक आम बैठक में पश्चिम बंगाल के माननीय राज्यपाल श्री सी.वी. आनंद बोस अपनी अर्धांगनी, राज्य की प्रथम महिला के साथ दौरे के अवसर पर पुस्तक प्रदर्शनी।
- 5 अगस्त, 2023: एशियाटिक सोसाइटी की पुस्तकालय ने प्रगति मैदान, नई दिल्ली में संस्कृति मंत्रालय द्वारा आयोजित पुस्तकालयों का पर्व कार्यक्रम में भाग लिया। [5 अगस्त 2023 से 6 अगस्त 2023 तक आयोजित]
- 27 अक्टूबर, 2023: पोस्ट कांग्रेस 19वीं IUAES-WAU विश्व मानव विज्ञान कांग्रेस पर पुस्तक प्रदर्शनी। [27 अक्टूबर 2023 से 28 अक्टूबर 2023 तक आयोजित]
- 21 फरवरी, 2024: अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस पर पुस्तक प्रदर्शनी।

डिजिटलीकरण:

इसकी समृद्ध पांडुलिपियों के संग्रह हेतु डिजिटलीकरण कार्यक्रम प्रगति पर है। इन-हाउस डिजिटलीकरण कार्यक्रम के तहत, इस अवधि के दौरान कुल 273 पांडुलिपियों (30,914 पृष्ठ) का डिजिटलीकरण किया गया है। इसी अवधि के दौरान, सोसायटी की आउटसोर्स एजेंसी ने मेटाडेटा के निर्माण के साथ-साथ कुल 3,278 पांडुलिपियों (1,44,075 पृष्ठ) का डिजिटलीकरण किया है।

डिजिटल आर्काइव:

सोसाइटी अपने डिजिटल आर्काइव प्लेटफॉर्म - डीस्पेस को कस्टमाइज और अपग्रेड करने की प्रक्रिया में है। वर्तमान में 2,698 पांडुलिपियाँ, 769 माइक्रोफिच संग्रह सामग्री और 504 पुस्तकें आंतरिक सर्वर पर उपलब्ध हैं। स्कैन किए गए सत्यापितदस्तावेजों को संग्रह में क्रमिक रूप से अपलोड किया जा रहा है, जिससे इसके संग्रह में धीरे-धीरे वृद्धि हो रही है।

वेब ओपीएसी:

वेब ओपीएसी सक्रिय है। डेटाबेस को नियमित रूप से अपडेट किया जा रहा है। इसका उपयोग सोसायटी के सदस्यों के साथ-साथ बाहरी शोधकर्ताओं और विद्वानों द्वारा कैटलॉग प्रविष्टियों की खोज के लिए बहुत अच्छी तरह से किया जा रहा है।

एमओपीएसी (मोबाइल पर ओपीएसी):

पुस्तकालय के संग्रह को स्मार्टफोन और टैबलेट से भी ब्राउज किया जा सकता है।

लाइब्रेरी ऑटोमेशन:

लाइब्रेरी मैनेजमेंट सॉफ्टवेयर के पास कुल 84441 ग्रंथसूची रिकॉर्ड हैं, जो कि लाइब्रेरी ऑटोमेशन का ही एक भाग है । सोसायटी ने 'लिबसिस10' से सभी डेटा को 'कोहा' में बदलने का फैसला किया है, और रूपांतरण प्रक्रिया जारी है।

पुस्तकालय की पुस्तकों का भौतिक स्टॉक सत्यापन:

सितम्बर 2019 में पुस्तकों की बारकोडिंग की सहायता से भौतिक सत्यापन का कार्य शुरू किया गया था। 31 मार्च 2024 तक मुद्रित सत्यापित पुस्तकों की कुल संख्या 53,541 थी।

संचलन:

मैन्युअल संचलन प्रणाली के साथ-साथ स्वचालित संचलन प्रणाली को बनाए रखा गया है।

संग्रह विकास:

बजट प्रावधान के अनुसार पुस्तकों और पत्रिकाओं की खरीद की गई है। सदस्यों, शोध विद्वानों और कर्मचारियों द्वारा पुस्तकों के चयन के लिए, प्रसिद्ध प्रकाशन गृहों की सूची का उपयोग किया गया।

प्रतिष्ठित आगंतुक:

- डॉ. सी.वी. आनंद बोस, पश्चिम बंगाल के माननीय राज्यपाल और एशियाटिक सोसाइटी के संरक्षक जो कि श्रीमती लक्ष्मी आनंद बोस, पश्चिम बंगाल की माननीय प्रथम महिला के साथ पधारी थी।
- ब्रिगेडियर डी.एस. राठौर, पूर्वी कमान, फोर्ट विलियम, कोलकाता।
- डॉ. जुंजी कोइजुमी, अध्यक्ष, अंतर्राष्ट्रीय मानव विज्ञान और नृवंशविज्ञान विज्ञान संघ (आईयूएईएस), ओसाका, जापान।

संग्रहालय

संग्रहालय एशियाटिक सोसाइटी का संग्रहालय विभिन्न भाषाओं और लिपियों में पांडुलिपियों का अमूल्य और अद्वितीय संग्रह का भंडार है। एशियाटिक सोसाइटी द्वारा दोनों वर्णनात्मक और सारणीबद्ध कैटलॉग अच्छी संख्या में प्रकाशित किए गए, जो पांडुलिपियों के अध्ययन और शोध में उल्लेखनीय भूमिका निभाते हैं। सोसाइटी का पांडुलिपि संग्रह विविध और समृद्ध है और इसमें अधिकांश भारतीय भाषाओं तथा लिपियों को शामिल किया गया है। सोसाइटी के संग्रहालय में कुल पांडुलिपियों की संख्या अब 51,022 से ही अधिक है। पांडुलिपियों को विभिन्न संग्रहों जैसे इंडियन संग्रहालय संग्रह, सरकारी संग्रह, सोसाइटी संग्रह, नया सोसाइटी संग्रह, आर.के. देव संग्रह, हॉजसन संग्रह, इस्लामी संग्रह, आदि के अनुसार वर्गीकृत किया गया है। सोसाइटी के पास सबसे पुरानी और दुर्लभ पांडुलिपियों में 7 वीं शताब्दी ईस्वी की गुप्त ब्राह्मी लिपि में लिखी कुब्जिकामतम, 10 वीं शताब्दी ईस्वी के मैत्रेयव्याकरण, 1125 ईस्वी में अभ्यंकर गुप्ता का कालचक्रवतार, 1025 ई। की संपुततिका आदि शामिल है। पांडुलिपियों के अलावा, एशियाटिक सोसाइटी के संग्रहालय और पांडुलिपि अनुभाग में विभिन्न धातुओं से बने पुराने सिक्के, तांबे की प्लेटों पर खुदे हुए शिलालेख और 78 अत्यंत समृद्ध और मूल्यवान तैल चित्र जिसमें अधिकतर चित्र हैं। इनमें से रॉबर्ट होम, जोशुआ रेनॉल्ड्स, गुइडो, डैनियल आदि द्वारा चित्रित किए गए थे। इस संग्रहालय में रखे गए कुछ प्रसिद्ध चित्र क्लियोपेट्रा, बनारस के घाट, क्लाउड पर क्यूपीड सोए हुए अवस्था में, वॉरेन हेस्टिंग्स, जॉन डेविट, वेलेस्ली, शिशु क्राइस्ट, महावलीपुरम के खंडहर, व्यभिचार में लिप्त महिला आदि कई प्रसिद्ध चित्र हैं।

एशियाटिक सोसाइटी के पास मूर्तियां और धातु की जो वस्तुएं हैं वे संख्या और ऐतिहासिक महत्व की दृष्टि से समृद्ध हैं। इनमें 12वीं शताब्दी ई. की अवधि में ब्लैक बेसाल्ट से बनी ब्रह्मा की पाषाण मूर्ति, 11वीं शताब्दी ई., में ब्लैक बेसाल्ट स्टोन से बनी विष्णु की मूर्ति, 1864 की धूरम राजा की पीतल की प्रतिमा, (वर्तमान में यह प्रतिमा भूटान में है), 250 ई.पू. की प्रारंभिक ब्राह्मी लिपि एवं प्राकृत भाषा में अशोक का

शिलालेख इस संग्रहालय की कुछ दुर्लभ वस्तुएं हैं।

ब्रिटिश सर्वेक्षकों द्वारा 18वीं और 19वीं सदी में तैयार किए गए बड़ी संख्या में सर्वेक्षण मानचित्र भी संग्रहालय के पास हैं। कुछ प्रसिद्ध मानचित्र भारत के सामाजिक-राजनीतिक, आर्थिक और सांस्कृतिक परिदृश्य में परिवर्तन को दर्शाते हैं।

इसके अतिरिक्त, बड़ी संख्या में प्रतिष्ठित व्यक्तियों के प्राचीन पत्राचार और दुर्लभ पुस्तकें, जिनमें से कुछ 1784 के हैं, सोसाइटी की स्थापना के ठीक बाद, भी यहां संरक्षित हैं।

अवधि के दौरान संक्षिप्त गतिविधियाँ:

- भारतीय संग्रहालय के संग्रह में (22120 फोलियो और 2447 टॉप-शीट) पांडुलिपियों की सूचीकरण, जाँच और टॉप-शीट तैयार करने का कार्य पूरा हो चुका है। डिजिटलीकरण का कार्य प्रगति पर है।
- वर्तमान में डिजिटलीकरण के लिए लगभग 5753 पांडुलिपियाँ स्कैन की गई हैं। स्कैन करने से पहले पांडुलिपियों का सावधानीपूर्वक अवलोकन किया जा रहा है जिसमें धूल हटाना, मेटाडेटा का सत्यापन, पुन: जांच और टॉप शीट तैयार किया जा रहा है।
- अरबी पांडुलिपियों की सारणीबद्ध सूची की पहली प्रूफ जाँच पूरी हो चुकी है।
- इस अवधि के दौरान, भारतीय मूल के 494 पाठकों और विद्वानों को सेवा प्रदान की गई, जिन्होंने एशियाटिक सोसाइटी के संग्रहालय के वचनालय (रीडिगं रूम) में 2410 पांडुलिपियों और अन्य दस्तावेजों का अवलोकन किया। इसके अलावा, बड़ी संख्या में विद्वानों को ऑनलाइन सेवाएं प्रदान की गई।
- नियमित रूप से बड़ी संख्या में आगंतुक संग्रहालय में आते रहे। सामान्य और प्रतिष्ठित आगंतुकों के लिए एक नि:शुल्क गाइड सेवा प्रदान की जाती है। इस अवधि के दौरान 187 भारतीय आगंतुक और विभिन्न देशों से 19 विदेशी आगंतुक संग्रहालय में आए।
- 20 सितंबर 2023 से संग्रहालय की वस्तुओं का भौतिक सत्यापन शुरू किया गया है (31.03.2024 तक 525 वस्तुओं का सत्यापन किया गया है)। संग्रहालय की वस्तुओं के भौतिक सत्यापन के लिए बाहरी सदस्यों को लगाया गया था, जिनमें पांडुलिपियों, दुर्लभ पुस्तकों और चित्रों को मुख्य रूप से ध्यान में रखा गया था।
- पाठकों, विद्वानों और प्रतिष्ठित संस्थानों को उनकी आवश्यकता के अनुसार शीर्ष-शीट वाली पांडुलिपियाँ स्कैन करने के लिए भेजी जाती हैं और संग्रहालय की वस्तुओं की डेटा प्रविष्टि भी अपडेट की जाती है।
- विभिन्न संकलनों से युक्त वैष्णव पांडुलिपियों के संकलन का कार्य प्रकाशन अनुभाग को सौंप दिया गया है।
- सोसाइटी के साथ सर पी.ओ.बोडिंग के संबंध में 120 पत्राचारों वाली 2 अंग्रेजी फाइलों के कार्य का संकलन कार्य प्रलेखित किया गया है।
- आई.जी.एन.सी.ए., नई दिल्ली और एशियाटिक सोसाइटी, कोलकाता के बीच हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापन के आधार पर एशियाटिक सोसाइटी कोलकाता पांडुलिपि संरक्षण केंद्र (ए.एस.के. एम.सी.सी.) नाम से एक पांडुलिपि संरक्षण केंद्र की स्थापना की गई। एक (01) वरिष्ठ संरक्षक और दो (०२) संरक्षकों को (पूर्ण रूप से से अस्थायी आधार पर) नियुक्त किया गया और ए.एस.के. एम.सी.सी. के तहत एक संरक्षण प्रयोगशाला स्थापित की गई। नवगठित संरक्षण प्रयोगशाला में पांडुलिपियों और दुर्लभ पुस्तकों का संरक्षण कार्य शुरू कर दिया गया है और 31.03.2024 तक 329 फोलियो का पूर्व-सतर्कता-संबंधी संरक्षण और 37 फोलियो का क्यूरेटिव संरक्षण किया गया।

अन्य कार्य:

- 11 से 16 दिसंबर 2023 तक पांडुलिपि विज्ञान और पुरालेख विज्ञान पर सोसाइटी के शैक्षणिक अनुभाग द्वारा छह (06) दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई, जिसमें संग्रहालय अनुभाग ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। संग्रहालय अनुभाग के कैटलॉगर्स ने कार्यशाला के प्रतिभागियों को कैटलॉगिंग की तकनीक सिखाई। कार्यशाला के अंतिम दिन संग्रहालय भ्रमण भी आयोजित किया गया।

- संग्रहालय स्मृति चिन्ह जैसे पोस्ट कार्ड, पोस्टर, प्रतिकृतियां, ब्रोशर कोस्टर, नोट-पैड, चाय-बॉक्स आदि की तैयार किये जाते है।

आयोजित प्रदर्शनियाँ:

- संस्कृति मंत्रालय द्वारा 18 मई 2023 से 20 मई 2023 तक प्रगति मैदान, नई दिल्ली में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय संग्रहालय एक्सपो में सहभागिता ।
- संस्कृति मंत्रालय द्वारा सितंबर 2023 से शुरू होने वाले राष्ट्रीय आधुनिक कला गैलरी, नई दिल्ली में जी-20 के अवसर पर आयोजित प्रदर्शनी रूट्स एंड राउट्स में सहभागिता ।
- 27-28 अक्टूबर 2023 तक 19वें IUAES (मानव विज्ञान और नृवंशविज्ञान के अंतर्राष्ट्रीय संघ) के पोस्ट कांग्रेस में आयोजित प्रदर्शनी
- पश्चिम बंगाल पशु एवं मत्स्य विज्ञान विश्वविद्यालय (WBUAFS) में 5 से 7 जनवरी 2024 तक आयोजित द्वितीय आचार्य प्रफुल्ल चंद्र रॉय स्मारक विज्ञान मेला ओ प्रदर्शनी में सहभागिता।
- 18 से 31 जनवरी 2024 तक आयोजित 47वें अंतर्राष्ट्रीय कोलकाता पुस्तक मेले में पूर्व का पश्चिम से मिलन: एशियाई समाज की स्थापना विषय पर प्रदर्शनी का आयोजन किया गया।

परिरक्षण

एशियाटिक सोसाइटी की परिरक्षण प्रयोगशाला दुर्लभ पुस्तकों, पांडुलिपियों, प्लेटों, मानचित्रों आदि को संरक्षित और पुनसथापित संबंधी कार्य करती रही है। इस प्रभाग के कार्य अत्यधिक तकनीकी हैं और क्षति से बचने के लिए कार्य परिष्कृत ढंग से किए जा रहे हैं। इस प्रभाग में कुशल और पेशेवर रूप से प्रशिक्षित कर्मचारी हैं जो मध्यकालीन पांडुलिपियों एवं प्राचीन तथा दुर्लभ पुस्तकों सहित जिल्दसाज सामग्री पर कार्य करने में सक्षम हैं।

इस अवधि के दौरान आयोजित गतिविधियां :

- संरक्षण हेतु भौतिक रूप से सत्यापित पुस्तकों एवं एम.एस.एस. की संख्या 1872
- किटाणुरहित पुस्तकों और एम.एस.एस. की संख्या 4089
- लेमिनेशन से पहले डी-लैमिनेट किए गए शीटों की संख्या (पैच से पूर्ण) 1534
- सुधार करने से पहले शीटों की पृष्ठवार संख्या 3680
- लेमिनेशन से पहले अम्ल हटाने से पहले भुरभुरे एवं नाजुक शीटों की की संख्या 2999
- किटाणु से नष्ट एवं चिपके हुए एम.एस.एस. और दुर्लभ पुस्तकें की शीटें, जिसे मरम्मत के लिए सावधानीपूर्वक अलग किया गया। 1570
- लेमिनेशन से पहले सुधार की गई फटी हुई शीटों की संख्या 1630
- जांच की हुई कागज एम.एस.एस. की भूरभूरे शीटों की संख्या 1621

- आयातित टिशू पेपर (यू.के. मूल) एवं और सेल्यूलोज एसीटेट फोयल का उपयोग कर लैमिनेट किए हुए शीटों की संख्या 1896
- यू.के. मूल के टिश्यू पेपर और सी.एम.सी. और एम.सी. पेस्ट का उपयोग कर लैमिनेट किए हुए शीटों की संख्या 2856
- सुधार एवं लेमिनेशन के पश्चात सुव्यवस्थित की गयी शीटों की संख्या 4732
- विभागीय रूप से जिल्दसाज किए गए वॉल्यूम की संख्या 316
- फोटो लेमिनेशन की संख्या 47
- तैयार किये गये फिलर्स की संख्या 498
- पूर्ण किए गए स्पाइरल बाइंडिंग की संख्या 30

रेप्रोग्राफी (प्रतिचित्रण)

रेप्रोग्राफी एक ऐसा माध्यम है जिसमें फोटोग्राफी या जेरोग्राफी जैसे यांत्रिक या विद्युत माध्यमों की सहायता से ग्राफिक्स का पुनरुत्पादन किया जाता है। एशियाटिक सोसाइटी के रेप्रोग्राफी अनुभाग फोटोकॉपी, डिजिटलीकरण और सामान्य फोटोग्राफी से संबंधित कार्य करती है।

इस अवधि के दौरान अनुभाग द्वारा किए गए कार्यों का विवरण निम्नानुसार है:

- **फोटोकॉपी:** इस अनुभाग ने पाठक सेवा के तहत उपर्युक्त अवधि के दौरान पुस्तकालय सामग्री की 7442 फोटोकॉपी और कार्यालयीन प्रयोजनों के लिए कार्यालयीन दस्तावेजों की 118763 फोटोकॉपी तैयार की।
- **डिजिटलीकरण :** सोसाइटी की इन अमूल्य संग्रहों को उपयोगकर्ताओं द्वारा बारंबार प्रयोग से बचाने के लिए प्राचीन एवं दुर्लभ पांडुलिपियों तथा पुस्तकों को डिजिटल रूप अनुभाग के द्वारा ही दिया जाता है।

  डिजिटलीकरण का कार्य बुकआई 2; स्कैनर, बुकआई 4, स्कैनर और एक डिजिटल कैमरे की मदद से किया जाता है। इस अवधि के दौरान अनुभाग ने 273 पांडुलिपियों से 30914 एक्सपोजर तैयार किए।
- **सामान्य फोटोग्राफी:** सोसायटी द्वारा आयोजित संगोष्ठियों, व्याख्यानों और कार्यशालाओं एवं सोसाइटी का दौरा करने वाले महत्वपूर्ण गणमान्य व्यक्तियों के फोटो कवरेज के लिए भी यह अनुभाग कार्य करता है। सोसायटी के मासिक बुलेटिन में ये तस्वीरें नियमित रूप से प्रकाशित होती हैं। विद्वानों के अनुरोध पर पुस्तकों से फोटो भी लिए गए थे। इस अनुभाग द्वारा उपर्युक्त अवधि के दौरान कुल 3003 फोटोग्राफ लिया गया।

11

अकादमिक अनुभाग की गतिविधियाँ

अनुसंधान, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठियाँ एवं सम्मेलन, कार्यशालाएँ, प्रसिद्ध व्यक्तियों के सम्मान हेतु (endowment l lectures) /स्मारक लेक्चररशिप, विशेष लेक्चररशिप एवं प्रदर्शनियाँ सहित शैक्षणिक गतिविधियाँ एशियाटिक सोसाइटी की सबसे महत्वपूर्ण गतिविधियों में से एक हैं। वर्ष 2023-2024 (अप्रैल 2023-मार्च 2024) में आयोजित ऐसी गतिविधियों का संक्षिप्त विवरण नीचे दिया गया है:

1.	रिसर्च फेलो	:	13
2.	पोस्ट डॉक्टरल रिसर्च फेलो	:	01
3.	वर्तमान के 'आंतरिक' अनुसंधान परियोजना	:	13
4.	वर्तमान के 'बाह्य' अनुसंधान परियोजना	:	08
5.	रिसर्च असिस्टेंट	:	04
6.	अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन/सेमिनार	:	02
7.	कार्यशालाएं	:	03
8.	राष्ट्रीय सेमिनार/कार्यशालाएं/वेबिनार	:	16
9.	प्रसिद्ध व्यक्तियों के सम्मान हेतु/स्मारक लेक्चररशिप	:	14
10.	विशेष लेक्चररशिप	:	03
11.	स्थापना दिवस लेक्चररशिप	:	01
12.	पुस्तक विमोचन कार्यक्रम	:	01
13.	प्रदर्शनियां	:	02
14.	अन्य अकादमिक कार्यक्रम	:	12

इन अनुसंधान एवं अन्य अकादमिक गतिविधियों का विवरण नीचे दिया गया है :

A. आंतरिक शोध परियोजनाएँ:

निम्नलिखित रिसर्च फेलो विभिन्न परियोजनाओं से जुड़े हुए हैं:

1. परियोजना: पंडित ईश्वर चंद्र विद्यासागर शोध फेलोशिप

- रिसर्च फेलो का नाम: श्री प्रद्युत शील डभाषा एवं साहित्य.
- पर्यवेक्षक का नाम: प्रोफेसर महिदास भट्टाचार्य
- कार्यग्रहण की तिथि: 27.01.2020
- विषय: विद्यासागरेर शिक्षा ओ समाजभवनर अलोके बिरसिम्हा ओ तत्सम्लग्ना ग्रामगुलिर बर्तमान शिक्षागाता एबोंग जगाता अबस्थान
- कार्य पूर्ण होने की तिथि: 26.07.2023
- अंतिम रिपोर्ट प्रस्तुत की गई।

2. परियोजना: इंडोलॉजी

- शोध अध्येता का नाम: सुश्री स्नेहा अग्रवाल
- रिसर्च फेलो का नाम: प्रोफेसर तापती मुखर्जी
- कार्यग्रहण की तिथि: 22.09.2021.
- विषय: पाण्डुलिपि विज्ञान में राजेंद्रलाल मित्रा के योगदान पर पुनर्विचार।
- कार्य पूर्ण होने की तिथि: 21.09.2024.

3. परियोजना: फारसी और अरबी अध्ययन में मौलाना अबुल कलाम आजाद अनुसंधान फेलोशिप

- रिसर्च फेलो का नाम: डॉ. शाहिद आलम
- पर्यवेक्षक का नाम: डॉ. एम. फिरोज
- कार्यग्रहण की तिथि: 29.09.2021
- विषय: एशियाई समाज के विशेष संदर्भ के साथ बंगाल में फारसी अध्ययन में यूरोपीय विद्वानों का योगदान।
- कार्य पूर्ण होने की तिथि: 28.09.2024.

4. परियोजना: मानव विज्ञान में शरत चंद्र रॉय रिसर्च फेलोशिप

- रिसर्च फेलो का नाम: डॉ. देबाश्री चौधरी
- पर्यवेक्षक का नाम: प्रोफेसर रंजना रे
- कार्यग्रहण की तिथि: 01.10.2021
- विषय: लोधा: ग्रामीण-शहरी संदर्भ में अतीत से वर्तमान तक एक मानवशास्त्रीय परिप्रेक्ष्य।
- कार्य पूर्ण होने की तिथि: 30.09.2024.

5. परियोजना: पूर्वोत्तर भारत का अध्ययन

- रिसर्च फेलो का नाम: सुश्री होमंगई मोसांग
- पर्यवेक्षक का नाम: प्रोफेसर सरित कुमार चौधरी
- संयुक्त पर्यवेक्षक: डॉ. सत्यब्रत चक्रवर्ती
- कार्यग्रहण की तिथि: 08.10.2021
- विषय: अरुणाचल प्रदेश की सीमावर्ती जनजातियों पर नृवंशविज्ञान अनुसंधान।
- कार्य पूर्ण होने की तिथि: 31.03.2024.

6. परियोजना: संस्कृत अध्ययन में सर विलियम जोन्स रिसर्च फेलोशिप

- रिसर्च फेलो का नाम: श्री शुभज्योति दास
- पर्यवेक्षक का नाम: प्रोफेसर देबरचना सरकार
- कार्यग्रहण की तिथि: 20.09.2023
- विषय: शुलपाणि के प्रायश्चितविवेक का पाठ-आलोचनात्मक संस्करण
- कार्य पूर्ण होने की तिथि: 19.09.2024

7. परियोजना: साइंस फेलोशिप का इतिहास

- रिसर्च फेलो का नाम: सुश्री सोहिनी दास
- पर्यवेक्षक का नाम: प्रोफेसर महुआ सरकार

- कार्यग्रहण की तिथि: 21.09.2023
- विषय: भारत में साम्राज्यवाद एवं वानिकी: विलियम श्लिच, बर्थोल्ड रिबेंट्रोप और ई.पी. स्टेबिंग (1881-1917) के कार्य।
- कार्य पूर्ण होने की तिथि: 20.09.2024

8. परियोजना: मेडिसिन फेलोशिप का इतिहास

- रिसर्च फेलो का नाम: डॉ. गौरव देबनाथ
- पर्यवेक्षक का नाम: प्रोफेसर अरबिंद सामंत
- कार्यग्रहण की तिथि: 25.09.2023
- विषय: उत्तरी सिक्किम में लेप्चा समुदाय और उनकी औषधीय प्रथाएँ: स्वदेशी दवाओं और प्राचीन आयुर्वेद शास्त्रों के प्रतिच्छेदन पर केस स्टडी।
- कार्य पूर्ण होने की तिथि: 24.09.2024

9. परियोजना : लोकगीत और संस्कृति फेलोशिप

- रिसर्च फेलो का नाम: डॉ. स्वपन बर्मन
- पर्यवेक्षक का नाम: डॉ. एसके मकबुल इस्लाम
- कार्यग्रहण की तिथि: 26.09.2023
- विषय: उत्तर बंगाल के राजवंशी समाज के लोक गीतों का संग्रह एवं समीक्षा
- कार्य पूर्ण होने की तिथि: 25.09.2024

10. परियोजना: पुरालेख एवं मुद्राशास्त्र के लिए जेम्स प्रिंस फेलोशिप

- रिसर्च फेलो का नाम: डॉ. अनुजा बोस
- पर्यवेक्षक का नाम: प्रोफेसर रजत सान्याल
- कार्यग्रहण की तिथि: 27.09.2023
- विषय: प्रारंभिक बंगाल से सिगिलोग्राफिक सामग्री: एक व्यापक अध्ययन
- कार्य पूर्ण होने की तिथि: 26.09.2024

11. परियोजना: भाषा और भाषाविज्ञान अध्येतावृत्ति

- रिसर्च फेलो का नाम: श्री सृजन डी सरकार
- पर्यवेक्षक का नाम: प्रोफेसर स्वपन बसु
- कार्यग्रहण की तिथि: 03.10.2023
- विषय: वर्नाक्युलर लिटरेचर सोसाइटी और उन्नीसवीं सदी की बंगाल की साहित्यिक संस्कृति
- कार्य पूर्ण होने की तिथि: 02.10.2024

12. परियोजना: व्यक्तिवाचक नामों का वैदिक शब्दकोश

रिसर्च फेलो का नाम:

1. समीमा यास्मीन

   कार्यग्रहण की तिथि: 19.07.2019

   कार्य पूर्ण होने की तिथि: 02.06.2024

2. डॉ प्रियंकु चक्रवर्ती

   कार्यग्रहण की तिथि: 12.09.2022

   कार्य पूर्ण होने की तिथि: 02.06.2024.

   मानद परियोजना निदेशक का नाम: प्रोफेसर समीरन चंद्र चक्रवर्ती

यह कार्य अभी जारी है.

B. पोस्ट डॉक्टरल अनुसंधान परियोजना:

1. परियोजना: पाली और प्राकृत अध्ययन

- रिसर्च फेलो का नाम: डॉ. सहेली दास (सरकार)
- कार्यग्रहण की तिथि: 25.10.2021
- विषय: भिक्खुनीपाचित्तियापालिटोनिस्साया पर एक अध्ययन
- कार्य पूर्ण होने की तिथि: 24.10.2024

C. वर्तमान की बाह्य अनुसंधान परियोजनाएँ:

1. परियोजना: एशियाई समाज का कालानुक्रमिक इतिहास: 1784-2018 तक एक समयावधि अध्ययन

- अनुसंधान सहायकों का नाम: श्रीमती पायल साहा और श्रीमती. उत्सा बोस
- प्रधान अन्वेषक: डॉ. निबेदिता गांगुली
- कार्यभार ग्रहण करने की तिथि: 12.02.2019
- कार्य पूर्ण होने की तिथि: 31.07.2023
- अंतिम रिपोर्ट प्रस्तुत की गई।

2. परियोजना: नवद्वीप के वैष्णव मंदिर और वैष्णव समुदाय

- अनुसंधान सहायक का नाम: श्री अभिरूप मुखर्जी
- प्रधान अन्वेषक: डॉ. बुद्धदेव बंद्योपाध्याय (17.03.2021 से)
- कार्यभार ग्रहण करने की तिथि: 12.07.2019
- कार्य पूर्ण होने की तिथि: 17.07.2023
- अंतिम रिपोर्ट अभी सौंपी जानी बाकी है।

3. परियोजना: रूसी इंडोलॉजिस्ट गेरासिम स्टेपानोविच लेबेडेव की अनकही यात्रा

- प्रधान अन्वेषक: डॉ. आत्मजा शील
- कार्यभार ग्रहण करने की तिथि: 12.05.2021
- कार्य पूर्ण होने की तिथि: 11.05.2026
- टी काम 2 पर कार्य जारी है.

4. परियोजना: विविधार्थ संग्रह के प्रतिकृति संस्करण की तैयारी (7 खंड)

- अनुसंधान सहायक का नाम: श्री सृजन दे सरकार
- प्रधान अन्वेषक: प्रोफेसर स्वपन बसु
- कार्यभार ग्रहण करने की तिथि: 09.03.2022
- कार्य पूर्ण होने की तिथि: 08.09.2023
- अंतिम रिपोर्ट प्रस्तुत की गई

5. परियोजना: नरसिम्हा कविराज की रसरत्नमाला: अज्ञात रसायन पाठ (पाठ, संस्कृत से अंग्रेजी और आलोचनात्मक नोट्स में अनुवाद)

- परियोजना अन्वेषक: डॉ. रीता भट्टाचार्य और डॉ. बंदना मुखर्जी
- कार्यभार ग्रहण करने की तिथि: 07.03.2022
- कार्य पूर्ण होने की तिथि : 06.03.2024
- अंतिम रिपोर्ट अभी सौंपी जानी बाकी है।

6. परियोजना: भारत के दक्षिणी पश्चिम बंगाल के कुछ खाद्य मीठे पानी एवं एस्टुरीन मोलस्क (जानवर: इनवर्टेब्रेटा) पर अध्ययन, उनके पोषण और औषधीय मूल्य और महिला कल्याण के संबंध में विशेष संदर्भ में

- परियोजना अन्वेषक: डॉ. मौसमी रॉय
- समन्वयक: प्रोफेसर अशोक कांति सान्याल
- कार्यभार ग्रहण करने की तिथि: 01.11.2023
- कार्य पूर्ण होने की तिथि: 31.10.2024
- इस पर कार्य जारी है.

7. परियोजना: उनिश ओ बिंगशा शतकेर बांग्ला साहित्ये आयुर्वेद: एकति ओइतिहासिक समीक्षा

- परियोजना अन्वेषक: डॉ. अजंता बिस्वास
- कार्यभार ग्रहण करने की तिथि: 12.01.2024
- कार्य पूर्ण होने की तिथि: 11.01.2025
- काम जारी है.

8. परियोजना: विलियम कैरी और बॉटनी

- परियोजना अन्वेषक: डॉ. सप्तर्षि मल्लिक

- कार्यभार ग्रहण करने की तिथि: 18.12.2023
- कार्य पूर्ण होने की तिथि: 17.12.2024
- काम जारी है.

D. अनुमोदित बाह्य परियोजनाएं जिन-पर कार्य अभी किया जाना शेष है

1. 'अथर्ववेद की पैप्पलाद-संहिता-अंग्रेजी अनुवाद, सूचकांक एवं इसकी विषयवस्तु एवं इतिहास का लेखा-जोखा'।

   परियोजना के प्रधान अन्वेषक: प्रोफेसर दीपक भट्टाचार्य।

2. 'विश्व शांति और युद्ध विरोधी संघर्ष में बरेन बसु और अन्य बंगाली सैनिकों का योगदान'।

   परियोजना के प्रधान अन्वेषक: डॉ. ज्योति प्रसाद राय.

3. ईंट मंदिरों पर फिर से लिखी गई कृष्णलीला या श्रीकृष्ण के जीवन की कहानियाँ: टेराकोटा आभूषणों का सर्वेक्षण एवं दस्तावेजीकरण

   परियोजना के प्रधान अन्वेषक: डॉ. अपूर्व कुमार चट्टोपाध्याय.

4. 'लेप्चा (उत्तर पूर्व भारत की भाषा) के स्वदेशी साहित्य 'नामथो नामथार' का दस्तावेजी विश्लेषण और व्याख्या'

   परियोजना के प्रधान अन्वेषक: डॉ. सतरूपा दत्तमजुमदार.

E. बाह्य अनुसंधान परियोजना: एशियाटिक सोसायटी द्वारा संचालित परियोजना।

1. परियोजना: पुरुलिया छौ में लिंग आधारित स्थान: वर्तमान परिदृश्य और भविष्य की संभावनाएँ। भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएसएसआर) की वित्तीय सहायता से

   प्रधान अन्वेषक: डॉ. शर्मिला चंद्रा

   कार्य प्रारंभ की तिथि: 29.12.2021

   कार्य पूर्ण होने की तिथि: 28.12.2023

ई. लेक्चररशिप/सेमिनार/सम्मेलन/कार्यशाला/संगोष्ठी/संवाद

राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर वर्ष 2023-24 के दौरान बड़ी संख्या में अकादमिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। अधिकांश मामलों में ये कार्यक्रम विश्वविद्यालयों या प्रतिष्ठित शैक्षणिक संस्थानों के सहयोग से आयोजित किए गए। देश और विदेश के विभिन्न भागों से प्रख्यात विद्वानों ने इन शैक्षणिक कार्यक्रमों में भाग लिया एवं अपने विद्वत्तापूर्ण शोधपत्र प्रस्तुत किए। वर्तमान में उन शोधपत्रों को प्रकाशन के लिए संपादित करने में संबंधित कार्यक्रमों के समन्वयक व्यस्त हैं। कुछ सम्मेलनों की कार्यवाही पहले ही प्रकाशित हो चुकी है। कुछ कार्यवाही प्रेस में हैं और संगोष्ठियों की अन्य कार्यवाही के संपादन का काम जारी है।

नीचे हम केवल लेक्चररशिपों/सेमिनारों/सम्मेलन के शीर्षक दे रहे हैं:

अप्रैल 2023

- **5 अप्रैल 2023**

  वर्ष 2020 के लिए डॉ. पंचानन मित्रा मेमोरियल लेक्चररशिप

  वक्ता: प्रोफेसर सरित कुमार चौधरी, डीन, एफएसएस, मानव विज्ञान विभाग, राजीव गांधी विश्वविद्यालय, रोनो हिल्स, अरुणाचल प्रदेश।

  विषय: अरुणाचल प्रदेश में विकसित हो रही जनजातीय स्थिति: मानवशास्त्रीय अंतर्दृष्टि।

- **6 अप्रैल 2023**

  वर्ष 2021 के लिए जी.एस.आई. की १५०वीं वर्षगांठ पर स्मारक लेक्चररशिप।

  वक्ता: प्रोफेसर एन.वी. चलपति राव, ईपीएमए और एसईएम प्रयोगशालाएँ, भूविज्ञान विभाग, विज्ञान संस्थान, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी।

  विषय: पृथ्वी के केंद्र की यात्रा: किम्बरलाइट्स, संबंधित चट्टानों और उनके संलग्न जेनोलिथ/जेनोक्रिस्ट्स से स्नैपशॉट।

- **18 अप्रैल 2023**

  भारत के प्राचीन स्मारकों पर विश्व धरोहर दिवस 2023 समारोह का अनुपालन।

  एशियाटिक सोसाइटी कोलकाता के संग्रहालय संग्रह में लिथोप्लेट्स और फोटोग्रापस पर एक प्रदर्शनी।

- **26 अप्रैल 2023**

  वर्ष 2021 के लिए प्रोफेसर सुनीति कुमार चटर्जी मेमोरियल लेक्चरशिप।

  वक्ता: प्रोफेसर प्रमोद कुमार पांडे, कुलपति, डेक्कन कॉलेज पोस्ट ग्रेजुएट एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट (डीम्ड यूनिवर्सिटी), पुणे।

  विषय: भारतीय भाषाओं में ध्वन्यात्मक एकरूपता।

मई 2023

- **1 मई 2023**

  एशियाटिक सोसाइटी, कोलकाता की 239वीं वार्षिक आम बैठक और पुरस्कार वितरण समारोह।

  मुख्य अतिथि: डॉ. सी.वी. आनंद बोस, पश्चिम बंगाल के माननीय राज्यपाल और श्रीमती लक्ष्मी आनंद बोस, पश्चिम बंगाल की माननीय प्रथम महिला।

- **15 से 19 मई 2023**

  'विज्ञान का इतिहास' विषय पर पांच दिवसीय कार्यशाला। पूर्व प्रोफेसर दीपक कुमार, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के द्वारा पुस्तक का विमोचन।

  समन्वयक: प्रोफेसर राजकुमार रॉय चौधरी और प्रोफेसर श्यामल चक्रवर्ती।

- **26 मई 2023**

  'भोजन की आदत और कैंसर की रोकथाम' विषय पर विशेष व्याख्यान

  वक्ता: डॉ. शंकर कुमार नाथ, प्रख्यात ऑन्कोलॉजिस्ट और चिकित्सा विज्ञान सचिव, एशियाटिक सोसाइटी

जून 2023

- **6 जून 2023**

  विश्व पर्यावरण दिवस 2023 का आयोजन किया गया जिसमे सिट एंड ड्रॉ, एक्सटेम्पोर स्पीच और क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

  समन्वयक: प्रोफेसर अशोक कांति सान्याल, जैविक विज्ञान सचिव, एशियाटिक सोसाइटी।

- **17 जून 2023**

  रेखा चित्रम, साल्ट लेक के सहयोग से प्रख्यात अर्थशास्त्री प्रो. अमलान दत्ता का जन्म शताब्दी वर्ष समारोह।

  वक्ता: श्री आशीष लाहिड़ी, प्रसिद्ध विद्वान।

  विषय: 'प्रोफेसर अमलान दत्ता के दृष्टिकोण में टैगोर और गांधी'।

- **22 जून 2023**

  वर्ष 2022 के लिए इंदिरा गांधी स्मृति व्याख्यान।

  वक्ता: स्वामी सुपर्णानंद महाराज, सचिव, रामकृष्ण मिशन संस्कृति संस्थान।

  विषय: 'सार्थक जीवन कैसे जिए'।

- **24 जून 2023-30 जून 2023**

  रेखा चित्रम, साल्ट लेक और आइंस्टीन सिने क्लब, गोर्की सदन के सहयोग से प्रख्यात फिल्म निर्देशक श्री मृणाल सेन की जन्म शताब्दी वर्ष समारोह मनाया गया, जिसमें एक स्मारक प्रदर्शनी एवं फिल्म शो का आयोजन किया गया।

जुलाई 2023

- **22 जुलाई 2023**

  पश्चिमबंग इतिहास संसद के सहयोग से प्रोफेसर रणजीत गुहा की समृति में अर्ध दिवसीय सहयोगात्मक संगोष्ठी।

वक्ता: प्रोफेसर स्वपन कुमार प्रमाणिक, प्रोफेसर रंजीत सेन, प्रोफेसर अरुण बंद्योपाध्याय, प्रोफेसर सुभाष रंजन चक्रवर्ती, प्रोफेसर सुकांत चौधरी।

- **27 जुलाई 2023**

एशियाटिक सोसाइटी, कोलकाता और अल्जाइमर एंड रिलेटेड डिसऑर्डर सोसाइटी ऑफ इंडिया, कलकत्ता चैप्टर के सहयोग से डिमेंशिया कोलकाता पर दो घंटे का जागरूकता सत्र।

वक्ता: डॉ. नीलांजना मौलिक, उपाध्यक्ष, अल्जाइमर एंड रिलेटेड डिसऑर्डर सोसाइटी ऑफ इंडिया और डॉ. शंकर कुमार नाथ, चिकित्सा विज्ञान सचिव, एशियाटिक सोसाइटी।

अगस्त 2023

- **5 अगस्त 2023**

श्री अरबिंदो की 150वीं जयंती मनाने के लिए श्री अरबिंदो भवन, कोलकाता के सहयोग से श्री अरबिंदो: चेतना की यात्रा पर एक दिवसीय संगोष्ठी।

- **25 अगस्त 2023**

ऑटिज्म सोसाइटी पश्चिम बंगाल के सहयोग से सामाजिक समावेशन में अंतर्दृष्टि: ऑटिज्म से पीड़त व्यक्तियों और उनके परिवारों का जीवंत अनुभव पर एक दिवसीय संगोष्ठी।

सितंबर 2023

- **1 सितंबर 2023**

हड़प्पा संस्कृति का सिंहावलोकन: पुरातात्विक खोज पर पुनरावलोकन विषय पर संगोष्ठी।

वक्ता: प्रोफेसर अरुण बंदोपाध्याय, डॉ. फणीकांत मिश्रा, डॉ. कौशिक गंगोपाध्याय, श्रीमती बहता अंगशुमाली मुखर्जी, श्रीमती वरदा खलाडकर

- **6 सितंबर 2023**

जगियेलोनियन विश्वविद्यालय, क्राको (पोलैंड) और पोलैंड गणराज्य के मानद वाणिज्यिक दूतावास, कोलकाता के सहयोग से पोलैंड और भारत में एक भाषा के रूप में संस्कृत भाषा के प्रगति की स्थिति पर अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार।

- **14 सितंबर 2023**

अमल कुमार रायचौधरी, प्रोफेसर समरेंद्र नाथ घोषाल और प्रोफेसर श्यामल सेनगुप्ता जैसे तीन प्रख्यात शिक्षकों प्रोफेसर को शताब्दी श्रद्धांजलि।

वक्ता: प्रोफेसर अमिताव रायचौधरी, प्रोफेसर सौमित्र सेनगुप्ता, प्रोफेसर दीपक घोष, डॉ. अमित रॉय, प्रोफेसर ए.एन. बसु, प्रोफेसर बिस्वरूप मुखोपाध्याय।

- **26 सितंबर 2023**

पंडित ईश्वर चंद्र विद्यासागर की 203 वीं जयंती का आयोजन।

वक्ता: डॉ. ज्योत्सना चट्टोपाध्याय, बांग्ला विभाग, रवीन्द्र भारती विश्वविद्यालय।

विषय: 'विद्यासागर ओ बेताल पंचबिंगशती'।

अक्टूबर 2023

- **4 अक्टूबर 2023**

डॉ. पंचानन मित्रा स्मृति व्याख्यान, 2022

वक्ता: प्रोफेसर विजय एस सहाय, प्रोफेसर एमेरिटस और पूर्व प्रमुख, मानव विज्ञान विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय।

विषय: विश्व मानवविज्ञान की पृष्ठभूमि के संबंध में भारतीय मानवविज्ञान।

- **9 अक्टूबर 2023**

डॉ. ब्रैडली आर. हर्टेल, पूर्व प्रोफेसर, वर्जीनिया विश्वविद्यालय, यू.एस.ए. का विशेष व्याख्यान

विषय: सिंधु लिपि और सिंधु कैलेंडर की पश्चिमी जड़ें।

- **10 अक्टूबर 2023**

  रेखा चित्रम, साल्ट लेक के सहयोग से नोबल पुरस्कार विजेता और कवि पाब्लो नेरुदा की ५०वीं पुण्य तिथि का आयोजन ।

- **27-28 अक्टूबर 2023**

  19वीं IUAES-WAU वलड एंथ्रोपोलॉजी कांग्रेस (ज्ञान का भंडार) के संबंध में पोस्ट-कांग्रेस सेमिनार।

  विषय: भारतीय मानवविज्ञान की जड़ें: औपनिवेशिक काल से वर्तमान तक का संक्रमण।

नवम्बर 2023

- **02 एवं 3 नवम्बर 2023**

  सीएनटीएलएस, नागालैंड विश्वविद्यालय के सहयोग से 'उत्तर-पूर्व भारत में भाषा के खतरे के उभरते मुद्दे: इतिहास और राजनीति' पर दो दिवसीय संगोष्ठी।

  समन्वयक: डॉ सतरूपा दत्तमजुमदार, सदस्य, अकादमिक समिति, द एशियाटिक सोसाइटी।

- **10 नवम्बर 2023**

  राष्ट्रगुरु सुरेंद्रनाथ बनर्जी की 175वीं जन्म शताब्दी का आयोजन।

  समन्वयक: श्री सुस्वागत बंद्योपाध्याय, सदस्य, द एशियाटिक सोसाइटी और डॉ. शंकर कुमार नाथ, चिकित्सा विज्ञान सचिव, एशियाटिक सोसायटी।

  मुख्य अतिथि: न्यायमूर्ति श्यामल कुमार सेन, पूर्व राज्यपाल, पश्चिम बंगाल।

  वक्ता: प्रोफेसर अरुण कुमार बंदोपाध्याय और प्रोफेसर तपन कुमार चट्टोपाध्याय।

- **17 नवम्बर 2023**

  पंडित ईश्वर चंद्र विद्यासागर व्याख्यान, 2022

  वक्ता: प्रोफेसर पबित्रा सरकार, पूर्व कुलपति, रवीन्द्र भारती विश्वविद्यालय।

  विषय: विद्यासागर के नक्शेकदम पर: बांग्ला टाइपोग्राफी में वर्तमान में हुए नवप्रवर्तन।

- **21 नवम्बर 2023**

  प्रोफेसर दीपक भट्टाचार्य स्मृति व्याख्यान।

  वक्ता: प्रोफेसर श्रीकांत बाहुलकर, पूर्व निदेशक, भंडारकर ओरिएंटल रिसर्च इंस्टीट्यूट, पुणे।

  विषय: अथर्ववेद: अतीत, वर्तमान और भविष्य।

- **22 नवम्बर 2023**

  प्रोफेसर अरुण कुमार चौधरी को शताब्दी श्रद्धांजलि देने के लिए अर्ध दिवसीय सेमिनार।

  समन्वयक: डॉ. अरुणाभा मिश्रा, परिषद सदस्य, द एशियाटिक सोसाइटी।

दिसंबर 2023

- **5 दिसंबर 2023**

  सोसायटी फॉर द हिस्ट्री ऑफ साइंस कोलकाता (एसएचएसके) के सहयोग से विज्ञान के इतिहास पर सहयोगात्मक संगोष्ठी।

  विषय : विज्ञान, प्रौद्योगिकी, चिकित्सा एवं पर्यावरण: भारत के औपनिवेशिक एवं उत्तर औपनिवेशिक अनुभवों का मूल्यांकन।

- **6-7 दिसंबर 2023**

  वैज्ञानिक स्वभाव: भारत में इसकी प्रगति पर पुनरावलोकन विषय पर दो दिवसीय सेमिनार

  समन्वयक: डॉ अरुणाभा मिश्रा, परिषद सदस्य, द एशियाटिक सोसाइटी

- **8 दिसंबर 2023**

  नेताजी सुभाष मुक्त विश्वविद्यालय, कोलकाता के सहयोग से समस्या अध्ययन सहित स्वदेशी अनुसंधान पद्धति पर एक सहयोगात्मक कार्यक्रम।

  समन्वयक: प्रो. अरुण कुमार चक्रवर्ती, एचओडी, डीएलआईएस, एनएसओयू।

  वक्ता: प्रोफेसर स्वपन कुमार प्रमाणिक, एशियाटिक सोसायटी के अध्यक्ष, प्रोफेसर तापती मुखोपाध्याय, उपाध्यक्ष, एशियाटिक सोसायटी और प्रोफेसर अरुण बंदोपाध्याय, ऐतिहासिक और पुरातत्व सचिव, एशियाटिक सोसायटी, कोलकाता।

- **11-16 दिसंबर 2023**

  'पांडुलिपि विज्ञान और पुरालेख' पर छह दिवसीय कार्यशाला।

  समन्वयक: प्रोफेसर तापती मुखर्जी, एशियाटिक सोसाइटी, कोलकाता के उपाध्यक्ष और डॉ. केका अधिकारी बनर्जी, एशियाटिक सोसाइटी, कोलकाता के क्यूरेटर।

- **19 दिसंबर 2023**

  रेखा चित्रम, साल्ट लेक के सहयोग से श्री गौतम हलदर की स्मृति में एक स्मृति बैठक।

  समन्वयक: श्री अरुण चक्रवर्ती, प्राचार्या, रेखा चित्रम।

  वक्ता: पंडित अजय चक्रवर्ती, श्री रुद्रप्रसाद सेनगुप्ता, श्रीमती स्वागतलक्ष्मी दासगुप्ता, श्री बिनायक बंद्योपाध्याय, प्रो. रुसाती सेन, श्रीमती सुमिता हलदर और अन्य।

- **22 दिसंबर 2023**

  डॉ. बिमानबिहारी मेमोरियल व्याख्यान 2022

  वक्ता: प्रोफेसर मृणाल कांति गंगोपाध्याय, सेवानिवृत्त प्रोफेसर, संस्कृत विभाग, कलकत्ता विश्वविद्यालय।

  विषय: शास्त्रीय संस्कृत साहित्य में दो अपरंपरागत नाटक।

- **22 दिसंबर 2023**

  पश्चिमबंग इतिहास संसद के सहयोग से प्रोफेसर अनिरुद्ध रॉय मेमोरियल व्याख्यान।

  वक्ता: प्रोफेसर निखिल सूर, प्रसिद्ध इतिहासकार।

  विषय: কলকাতার নগরায়নে 'ছোট ইংরেজদের ভূমিকা'।

- **27 दिसंबर 2023**

  स्वामी प्रणवानंद स्मृति व्याख्यान, 2022

  वक्ता: प्रोफेसर दिलीप कुमार मोहंता, दर्शनशास्त्र के प्रोफेसर, कलकत्ता विश्वविद्यालय और पूर्व कुलपति, कल्याणी विश्वविद्यालय।

  विषय: धार्मिक बहुलवाद और अंतरधार्मिक संवाद।

जनवरी 2024

- **5 जनवरी 2024**

  पश्चिमबंग इतिहास संसद के सहयोग से प्रोफेसर सब्यसाची भट्टाचार्य मेमोरियल व्याख्यान।

  वक्ता: प्रोफेसर चिन्मय गुहा, पूर्व कुलपति, रवीन्द्र भारती विश्वविद्यालय

  विषय: साहित्य और इतिहास: संबंधों की खोज (সাহিত্য ও ইতিহাস : সম্পর্কের সন্ধানে।)

- **15 जनवरी 2024**

  एशियाटिक सोसाइटी, कोलकाता का 241वां स्थापना दिवस का आयोजन।

  प्रोफेसर रंजीत कुमार देव गोस्वामी, पूर्व प्रोफेसर एवं अध्यक्ष, अंग्रेजी विभाग, गुवाहाटी विश्वविद्यालय और सांस्कृतिक अध्ययन के शंकरदेव चेयर प्रोफेसर, तेजपुर विश्वविद्यालय द्वारा 'ज्ञाता और ज्ञात: असम में एशियाई शोध के पहलू' विषय पर स्थापना दिवस व्याख्यान।

- **18 जनवरी 2024**

  राजनीतिक अध्ययन परिषद के सहयोग से ज्ञान का विउपनिवेशीकरण एवं स्वदेशी ज्ञान प्रणाली का विकल्प (आईकेएस): महत्वपूर्ण अन्वेषण विषय पर संगोष्ठी।

  समन्वयक: सोभनलाल दत्ता गुप्ता, महासचिव, राजनीतिक अध्ययन परिषद, कोलकाता।

- **23-28 जनवरी 2024 (26 जनवरी-अवकास)**

  लोकगीतों के माध्यम से अन्वेषण: संस्कृति और समाज में स्वास्थ्य संबंधी मुद्दे विषय पर लोकगीतों पर पांच दिवसीय कार्यशाला।

  समन्वयक: प्रोफेसर रंजना रे, मानव विज्ञान सचिव, एशियाटिक सोसाइटी और डॉ. चंद्रमल्ली सेनगुप्ता, सदस्य, अकादमिक समिति, एशियाटिक सोसाइटी।

- **24 जनवरी 2024**

  डॉ. सत्येंद्र नाथ सेन मेमोरियल लेक्चर 2022।

  वक्ता: प्रोफेसर श्रुति तांबे, प्रोफेसर और प्रमुख, समाजशास्त्र विभाग, सेंटर फॉर एडवांस्ड स्टडीज, सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय।

  विषय: महात्मा फुले की सत्य की खोज: ब्राह्मणवाद एवं 'मानसिक उपनिवेशवाद' का द्वंद्व ।

फरवरी 2024

- **6 फरवरी 2024**

  एशियाटिक सोसाइटी, कोलकाता और रामकृष्ण मिशन विवेकानंद शैक्षिक और अनुसंधान संस्थान (आरकेएमवीईआरआई), डीम्ड विश्वविद्यालय द्वारा माइक्रोकॉसम-मैक्रोकॉसम समीकरण पर एक लघु सहयोगी संगोष्ठी का आयोजन। सोसाइटी एवं आरकेएमवीईआरआई के बीच किए गए समझौता ज्ञापन के तहत संयुक्त कार्य समूह का पहला कार्यक्रम।

  वक्ता: प्रोफेसर श्यामल चक्रवर्ती, प्रकाशन सचिव, एशियाटिक सोसाइटी, कोलकाता, श्रीमती सुवर्णा पॉल, शोधार्थी, संस्कृत एवं दर्शन विभाग, आरकेएमवीईआरआई, डॉ. पारोमिता रॉय, सहायक प्रोफेसर एवं स्वामी अभेदानंद चेयर, संस्कृत और दर्शन विभाग, आरकेएमवीईआरआई।

- **12 फरवरी 2024**

  प्रसिद्ध कलाकार और एशियाटिक सोसाइटी, कोलकाता के पूर्व अध्यक्ष स्वर्गीय प्रोफेसर ईशा मोहम्मद की 92वीं जयंती का आयोजन।

- **12 -18 फरवरी 2024**

  रेखा चित्रम, साल्ट लेक के सहयोग से कला प्रदर्शनी का आयोजन।

  समन्वयक: श्री अरुण कुमार चक्रवर्ती, प्रिंसिपल, रेखा चित्रम, साल्ट लेक।

- **16 फरवरी 2024**

  - राजा राजेंद्रलाला मित्र की 203वीं जयंती का आयोजन।

    वक्ता: डॉ. रामकुमार मुखोपाध्याय और प्रोफेसर अभ्र घोष।

  - प्रोफेसर सुनीति कुमार चटर्जी मेमोरियल लेक्चर, 2023

    वक्ता: चुंगखम यशवन्त सिंह, पूर्व प्रोफेसर, भाषा विज्ञान विभाग, मणिपुर विश्वविद्यालय और फेलो, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस स्टडीज, शिमला।

    विषय: एस.के. चटर्जी की किरात-जन-कृति का पुनरावलोकन।

- **23 फरवरी 2024**

  माइकल मधुसूदन दत्त पर अर्ध दिवसीय संगोष्ठी, विषय- है 'रेखो मा दसेरे माने' - 19वीं शताब्दी के बंगाल पुनर्जागरण और बंगाली भाषा और साहित्य में मधुसूदन दत्त का योगदान।

  वक्ता: प्रोफेसर सत्यबती गिरि, प्रोफेसर शक्तिसाधन मुखोपाध्याय, प्रोफेसर बिस्वजीत रॉय।

- **28 फरवरी 2024**

’विकसित भारत के लिए स्वदेशी तकनीक’ विषय के तहत राष्ट्रीय विज्ञान दिवस 2024 का आयोजन, जिसमें व्याख्यान और पैनल चर्चा की गयी।

समन्वयक: प्रोफेसर अशोक कांति सान्याल, जैविक विज्ञान सचिव, एशियाटिक सोसाइटी।

- **29 फरवरी 2024**

9 वां के.के. हांडिक स्मारक व्याख्यान

वक्ता: एन.के. सुंदरेश्वरन, प्रोफेसर, संस्कृत विभाग, कालीकट विश्वविद्यालय

विषय: मीमांसा का गणित से क्या लेना-देना है? : आर्यभटीयभाष्य का अध्ययन।

मार्च 2024

- **5 मार्च 2024**

प्रोफेसर प्रो. टोन ब्लेई, सार्वजनिक योजना एवं सांस्कृतिक दृशता,, राजनीति विज्ञान एवं स्थानीय योजना, ट्रॉम्सो विश्वविद्यालय, आर्कटिक विश्वविद्यालय नॉर्वे के द्वारा एक विशेष व्याख्यान।

विषय: ब्रिटिश क्राउन शासन के दौरान बिहार एवं बंगाल में स्कैंडिनेवियाई मिशन स्टेशन ईसाई धर्म का सिद्धांतीकरण एवं ए न्यू टेस्तामेंट : : कंपनी और ब्रिटिश क्राउन शासन से स्वतंत्रता तक स्कैंडिनेवियाई मिशनरी और संथाल प्रमुख पर पुस्तक का विमोचन।

- **8 मार्च 2024**

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस (IWD) 2024 का आयोजन किया गया, जिसमें ‘অর্থনৈতিক স্বাধীনতাই নারী মুক্তির একমাত্র পথ’, विषय पर वाद-विवाद प्रतियोगिता, श्रुति नाटक: ‘আমি তোমারি জন্যে’ और 5 प्रतिष्ठित महिला पर संक्षिप्त भाषण का आयोजन भी हूआ।

- **18 मार्च 2024**

राजा राजेंद्रलाला मित्र स्मारक व्याख्यान 2022

वक्ता: प्रोफेसर वशिष्ठ नारायण झा, पूर्व निदेशक, संस्कृत उन्नत अध्ययन केंद्र, पुणे विश्वविद्यालय।

विषय: भाषा और वास्तविकता: 9वीं शताब्दी के कश्मीरी तर्कशास्त्री जयंतभट्ट के विचार।

- **21 मार्च 2024**

एशियाटिक सोसाइटी, कोलकाता और रामकृष्ण मिशन विवेकानंद शैक्षिक एवं अनुसंधान संस्थान, बेलूर मठ (यूजीसी के तहत डीम्ड विश्वविद्यालय) द्वारा संयुक्त रूप से ‘सूर्यनमस्कार के विज्ञान’ पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

- **27 मार्च 2024**

सोसाइटी ऑफ मेडिकल आर्थ्रोपोडोलॉजी के सहयोग से पर्यावरण और जलवायु की बदलती गतिशीलता में वेक्टो बोर्न रोगों की चुनौतियाँ विषय पर एक दिवसीय सेमिनार।

समन्वयक: डॉ. अशोक कांति सान्याल एवं डॉ. शंकर कुमार नाथ।

समझौता ज्ञापन (एमओयू)

- ❖ एशियाटिक सोसाइटी कोलकाता तथा रामकृष्ण मिशन विवेकानंद शिक्षा एवं शोध संस्थान के बीच उच्च शिक्षा के अनुसंधान, प्रकाशन और अन्य कार्यक्रमों के संबंध में साझा हित के क्षेत्रों में सहयोग के लिए सितंबर 2023 में समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। इसमें संयुक्त सहयोगी सेमिनार, कार्यशालाएं, विशेष व्याख्यान, पीएचडी रिसर्च फेलो का पर्यवेक्षण और साझा हित के प्रकाशन शामिल होंगे।
- ❖ एशियाटिक सोसाइटी, कोलकाता और रामकृष्ण मिशन विवेकानंद शैक्षिक एवं शोध संस्थान (आरकेएमवीईआरआई), एक डीम्ड विश्वविद्यालय के बीच

किए गए समझौता ज्ञापन के कार्यान्वयन के लिए संयुक्त कार्य समूह की पहली बैठक, जिसमें ६ फरवरी २०२४ को 'माइक्रोकॉसम मैक्रोकॉसम इक्वेशन' पर एक लघु संगोष्ठी सफलतापूर्वक आयोजित की गई, जो समझौता ज्ञापन के तहत पहले कार्यक्रम का शुभारंभ है।

❖ एशियाटिक सोसाइटी कोलकाता और मुंबई विश्वविद्यालय से संबद्ध भक्तिवेदांत शोध केंद्र के बीच चूड़ामणि दास द्वारा लिखित गौरांग विजया पाठ के अनुवाद और प्रकाशन के लिए एक और समझौता ज्ञापन पर सितंबर 2023 में हस्ताक्षर किए गए।

12

अन्य गतिविधियाँ

सोशल मीडिया में उपस्थिति:

- सोसाइटी के फेसबुक पेज (https://www.facebook.com/The-Asiatic-Society-Kolkata-455881717925308) पर उक्त अवधि में 1320 से अधिक फॉलोअर जुड़े। 65 से अधिक पोस्ट किए गए और इस अवधि में कुल रिच (Reach) 1.87 लाख से अधिक रही।
- सोसाइटी के ट्विटर अकाउंट (https://twitter.com/asiatic_society) पर 130 से अधिक फॉलोअर जुड़े और यहां नियमित अपडेट पोस्ट किए जाते हैं। 75 से अधिक ट्वीट और 950 री-ट्वीट किए गए। पिछले वर्ष इसके कार्यक्रमों की कुल पहुंच 24,000 से अधिक थी।
- सोसाइटी के यूट्यूब चैनल (https://www.youtube.com/c/TheAsiaticSociety) के 1040 से अधिक सब्सक्राइबर हैं एवं इस अवधि में सोसाइटी द्वारा 6 वीडियो अपलोड किए गए हैं, जो विश्व स्तर पर प्रशंसित हैं।
- बेहतर संचार और कार्यक्रमों को अधिक से अधिक प्रचारित करने के लिए सोसाइटी ने सोसाइटी के कर्मचारियों के साथ एक व्हाट्सएप गरुप भी बनाया है। सोसाइटी अपने कार्यक्रमों को बढ़ावा देने के लिए संस्कृति मंत्रालय द्वारा बनाए गए व्हाट्सएप गरुप पर नियमित रूप से अपने कार्यक्रम पोस्ट करती है।
- इन पहलों के साथ-साथ, सोसाइटी की अपनी वेबसाइट भी है, और अपने दर्शकों और सोसाइटी के सदस्यों तक संदेश पहुँचने के लिए बल्क ईमेल सेवा का उपयोग किया जाता है।

हिंदी कार्यक्रम :

- हिंदी पखवाड़ा समारोह 2023। हिंदी पखवाड़ा के अवसर पर, 8 सितंबर 2023 को कर्मचारियों के बीच हिंदी भाषण प्रतियोगिता आयोजित की गई। 14 सितंबर को हिंदी व्याकरण पर एक हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया। सोसाइटी के कर्मचारियों द्वारा 'चारुमित्र' नामक एकांकी नाटक का आयोजन किया गया। पखवाड़ा भाषण प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कार वितरण तथा हिंदी दिवस के महत्व पर चर्चा करते हुए समाप्त हुआ।
- भारत सरकार के केंद्रीय हिंदी शिक्षण योजना (राजभाषा विभाग) के अंतर्गत 7 कर्मचारियों ने प्रवीण पाठ्यक्रम पूरा किया।
- सभी सरकारी टिकट और नामपट्टिकाएँ, फ्लेक्स और बैनर द्विभाषी रूप में लिखे गए हैं। 2023-2024 के दौरान प्रदर्शनियों में दी गई जानकारी भी द्विभाषी रूप में लिखी गई।
- एशियाटिक सोसाइटी के हिंदी प्रकोष्ठ द्वारा समय-समय पर गृह मंत्रालय (राजभाषा विभाग) को नियमित आधिकारिक पत्राचार जैसे रिपोर्ट और अन्य उत्तर भेजे गए।

प्रशिक्षण और प्रदर्शन :

- वर्ष के दौरान सभी चार तिमाहियों में पोर्टेबल अग्निशामक प्रणाली पर चार अग्निशमन व्याख्यान-सह-प्रदर्शन आयोजित किए गए।

13

एशियाटिक सोसायटी के कर्मचारी [2023-2024]

1 **लेफ्टिनेंट कर्नल अनंत सिन्हा**
निदेशक (प्रतिनियुक्ति पर)

2 **डॉ. प्रीतम गुड़े**
लाइब्रेरियन (पुस्तकालय अध्यक्ष)

3 **श्री धीमान चक्रवर्ती**
वित्त नियंत्रक

4 **श्री अरुपरतन बागची**
प्रशासनिक अधिकारी

5 **श्री प्रदीप कुमार साहा**
लेखा अधिकारी

6 **श्री संजय रॉय चौधरी**
अनुभाग अधिकारी (कार्यवाहक)

7 **श्री अर्पण घोष**
सुरक्षा अधिकारी

8 **श्रीमती सुजाता मिश्रा**
सहायक लाइब्रेरियन [31.12.2023 को सेवानिवृत्त]

9 **श्रीमती. अमिता भट्टाचार्य (घोषाल)**
सहायक लाइब्रेरियन

10 **श्री शब्बीर अहमद**
सहायक लाइब्रेरियन

11 **श्री रमाप्रसन्न सिन्हा**
संरक्षण अधिकारी
[31.07.2023 को सेवानिवृत्त]

12 **सुश्री आरती कुंडू**
रिप्रोग्राफी-सह-फोटोग्राफी अधिकारी
[31.05.2023 को सेवानिवृत्त]

13 **श्री स्वरूप मन्ना**
लेखाकार

14 **सुश्री स्वर्णाली पाल**
लेखाकार (30.06.2023 से प्रतिनियुक्ति पर)

15 **श्री नंदा रॉय**
सहायक सुरक्षा अधिकारी

16 **श्री सुशील कुमार रॉय**
सहायक सुरक्षा अधिकारी

17 **श्री सुखेंदु बिकाश पाल**
वरिष्ठ प्रकाशन सहायक (प्रभारी प्रकाशन अधिकारी)

18 **डॉ. शक्ति मुखर्जी**
वरिष्ठ प्रकाशन सहायक
(प्रभारी अनुसंधान अधिकारी)

19 **श्री समिक बिस्वास**
वरिष्ठ प्रकाशन सहायक

20 **श्रीमती. रूपा मुखोपाध्याय**
वरिष्ठ तकनीकी सहायक

21 **श्री जयंत कुमार सिकदर**
वरिष्ठ तकनीकी सहायक

22 **अमित घोष**
अनुरक्षण अभियंता

23 **डॉ. केका अधिकारी (बनर्जी)**
क्यूरेटर एव हिंदी सयोजक

24 **श्रीमती बंदना भट्टाचार्य**
वरिष्ठ सहायक

25 **श्रीमती दीपा घटक**
वरिष्ठ सहायक [29.02.2024 को सेवानिवृत्त]

26 **श्री असीम कुमार दत्ता**
वरिष्ठ सहायक [31.08.2023 को सेवानिवृत्त]

27 **श्री सरोज कुमार मैती**
वरिष्ठ सहायक

28 **श्री मुरारी भट्टाचार्य**
वरिष्ठ सहायक

29 **श्री रियाज अहमद**
वरिष्ठ सहायक

30 **श्री देबासिस दत्ता**
वरिष्ठ सहायक

31 **श्री मुरारी मजूमदार**
वरिष्ठ सहायक

32 **श्री स्वपन कुमार दास**
वरिष्ठ सहायक

33 **श्री परेश चक्रवर्ती**
वरिष्ठ सहायक

34 **श्री अनुपम चौधरी**
वरिष्ठ सहायक

35 **श्री सुप्रभात मजूमदार**
वरिष्ठ सहायक

36 **श्री रथींद्रनाथ भट्टाचार्य**
आशुलिपिक

37 **श्री पलाश कांति दत्ता**
आशुलिपिक

38 **श्री एस.एस.एफ.आई. अलकादेरी**
कैटलॉगर

39 **डॉ. अर्चना रॉय**
कैटलॉगर

40 **सुश्री फरहीन सबा**
कैटलॉगर

41 **श्री तन्मय दास**
सहायक अनुरक्षण अभियंता

42 **सुश्री सलमा खान**
पुस्तकालय सूचना सहायक

43 **श्री स्वप्ननील चटर्जी**
पुस्तकालय सूचना सहायक

44 **सुश्री उमा रक्षित**
पुस्तकालय सूचना सहायक

45 **श्रीमती गौरी मित्रा**
संरक्षण सहायक (एलआईए)
(प्रभारी संरक्षण अधिकारी)

46 **श्री दिवाकर मैती**
संरक्षण सहायक (एलआईए)

47 **श्रीमती अनीता रॉय**
संरक्षण सहायक (एलआईए)

48 **श्री तमाल घोष**
कनिष्ठ सहायक

49 **श्री तापस कर्मकार**
कनिष्ठ सहायक

50 **श्री रामप्रवेश कुम्हार**
कनिष्ठ सहायक

51 **श्री असीम कृष्ण रॉय**
कनिष्ठ सहायक

52 **श्रीमती माला चटर्जी**
कनिष्ठ सहायक

53 **श्री भास्कर घोष**
कनिष्ठ सहायक

54 **श्री शत्रुघ्न माणिक**
कनिष्ठ सहायक

55 **श्रीमती प्रणति मित्रा**
कनिष्ठ सहायक

56 **श्रीमती छंदा दे**
कनिष्ठ सहायक

57 **श्रीमती सतरूपा बनर्जी**
कनिष्ठ सहायक

58 **सुश्री सुदीप्ता नस्कर**
कनिष्ठ सहायक

59 **श्री कृष्णेंदु दत्ता चौधरी**
कनिष्ठ सहायक

60 **श्री प्रणब कुमार माजी**
कनिष्ठ सहायक

61 **श्री प्रशांत गांगुली**
रिप्रोग्राफी सह फोटोग्राफी सहायक
(रिप्रोग्राफी प्रभारी अधिकारी)

62 **सुश्री सागरिका सूर**
प्रकाशन सहायक सह प्रूफ रीडर

63 **सुश्री मेधाश्री घोष**
प्रकाशन सहायक सह प्रूफ रीडर
(19.06.2023 को कार्यग्रहण किया)

64 **श्री आलोक दोलुई**
डाटा एंट्री ऑपरेटर

65 **श्री तपन घटक**
अवर श्रेणी लिपिक [31.01.2024 को सेवानिवृत्त]

66 **श्री सुचंद मुखर्जी**
अवर श्रेणी लिपिक [30.04.2023 को सेवानिवृत्त]

67 **श्री काशीनाथ गुइन**
अवर श्रेणी लिपिक

68 **श्री संदीप राजोरिया**
अवर श्रेणी लिपिक

69 **श्री राहुल दोलुई**
अवर श्रेणी लिपिक

70 **श्री आकाश दास**
अवर श्रेणी लिपिक

71 **श्री अतिम कुमार मंडल**
अवर श्रेणी लिपिक

72 **श्री ज्योतिर्मय टुडू**
अवर श्रेणी लिपिक

73 **श्री सुजॉय भौमिक**
अवर श्रेणी लिपिक

74 **सुश्री तिथि पॉल**
अवर श्रेणी लिपिक

75 **श्री रितेश प्रधान**
अवर श्रेणी लिपिक

76 **श्री राजेश पोलाई**
अवर श्रेणी लिपिक

77 **श्री चंदन हेला**
अवर श्रेणी लिपिक

78 **श्री भाग्यजय शतपथी**
अवर श्रेणी लिपिक

79 **श्री सुभजीत साहा**
अवर श्रेणी लिपिक

80 **श्री अर्पण चक्रवर्ती**
अवर श्रेणी लिपिक

81 **श्री सौरभ दास**
अवर श्रेणी लिपिक

82 **श्री सुरजीत मन्ना**
अवर श्रेणी लिपिक

83 **श्री प्रत्यय धर**
अवर श्रेणी लिपिक

84 **श्री देबार्घ साहा**
अवर श्रेणी लिपिक

85 **सुश्री सौमिली प्रामाणिक**
अवर श्रेणी लिपिक

86 **श्री अमित बिस्वास**
अवर श्रेणी लिपिक

87 **श्री शांतनु रॉय**
अवर श्रेणी लिपिक

88 **श्री चक्रधर बेरा**
ड्राइवर

89 **श्री दुलाल चंद्र दे**
ड्राइवर

90 **श्री तपन कुमार दोलुई**
ड्राइवर

91 **श्री श्यामल चक्रवर्ती**
प्रमुख सुरक्षा गार्ड

92 **श्री बादल चटर्जी**
प्रमुख सुरक्षा गार्ड

93 **श्री शिवाजी पांडे**
प्रमुख सुरक्षा गार्ड

94 **श्री सुदर्शन बेहरा**
प्रमुख सुरक्षा गार्ड

95 **श्री अतनु बटब्याल**
प्रमुख सुरक्षा गार्ड

96 **श्री लक्ष्मण चंद्र माणिक**
कारपेंटर

97 **श्री रवीन्द्रनाथ डे**
बाइंडर/मेन्डर

98 **श्री सोमनाथ भट्टाचार्य (2)**
बाइंडर/मेन्डर [04.04.2023 को सेवानिवृत्त]

99 **श्री शंकर दास**
बाइंडर/मेन्डर

100 **श्री गोपाल चंद्र सिन्हा**
बाइंडर/मेन्डर

101 **श्री राकेश शर्मा**
बाइंडर/मेन्डर

102 **श्री राजेश कुमार पांडे**
बाइंडर/मेन्डर

103 **श्री श्यामल मंडल**
लिफ्टमैन

104 **श्री अर्घ्य दास**
लिफ्टमैन

105 **श्री सुशील चंदा**
परिचारक

106 **श्री राधेश्याम मिश्रा**
परिचारक

107 **श्री काली चरण साउ**
परिचारक

108 **श्री गौतम दास**
परिचारक

109 **श्रीमती साबित्री दासगुप्ता**
परिचारक

110 **श्री प्रकाश घोष**
परिचारक

111 **श्री संजय परिधा**
परिचारक

112 **श्री उत्तम दास**
सुरक्षा गार्ड

113 **श्री तारकेशवर चौबे**
सुरक्षा गार्ड

114 **श्री बंशी बेवरा**
सुरक्षा गार्ड

115 **श्री राज कुमार प्रसाद**
सुरक्षा गार्ड

116 **श्री अमल पाल**
सुरक्षा गार्ड

117 **श्री शिबोप्रसाद बनर्जी**
सुरक्षा गार्ड

118 **श्री माणिक मुखर्जी**
सुरक्षा गार्ड

119 **श्री प्रदीप चक्रवर्ती**
सुरक्षा गार्ड

120 **श्री बिभास दत्ता**
सुरक्षा गार्ड

121 **श्री स्वपन सरकार**
सुरक्षा गार्ड

122 **श्री रवीन्द्रनाथ दास**
सुरक्षा गार्ड

123 **श्री राजकिशोर प्रसाद**
सुरक्षा गार्ड

124 **श्री बासुदेब दास**
सुरक्षा गार्ड [31.01.2024 को सेवानिवृत्त]

125 **श्री बिद्याधर साहू**
कनिष्ठ परिचारक

126 **श्री तपन घोराई**
कनिष्ठ परिचारक

127 **श्री देबनारायण साहा**
कनिष्ठ परिचारक

128 **श्री बिश्वजीत घोष**
कनिष्ठ परिचारक

129 **श्रीमती टुलटुल दे**
कनिष्ठ परिचारक

130 **श्री अमित कुमार घोष**
कनिष्ठ परिचारक

131 **श्री संजीत कुमार सिंह**
कनिष्ठ परिचारक

132 **श्री रंजीत सिंह**
कनिष्ठ परिचारक

133 **श्रीमती लीना बनर्जी**
कनिष्ठ परिचारक

134 **श्री प्रेम शंकर सिंह**
कनिष्ठ परिचारक

135 **श्रीमती दीपाली दे**
कनिष्ठ परिचारक

136 **श्री काशीनाथ नंदी**
कनिष्ठ परिचारक

137 **श्री भरत कुम्हार**
कनिष्ठ परिचारक

138 **श्रीमती शर्मिष्ठा लाहा**
कनिष्ठ परिचारक

139 **श्री सुरोजीत दास**
कनिष्ठ परिचारक

140 **श्री राकेश कुम्हार**
कनिष्ठ परिचारक

141 **श्री सौरभ माजी**
कनिष्ठ परिचारक

142 **सुश्री श्रावणी दत्ता चौधरी**
कनिष्ठ परिचारक

143 **श्री उत्पल घोष**
कनिष्ठ परिचारक

144 **श्री प्रसेनजीत भद्र**
कनिष्ठ परिचारक

145 **सुश्री ज्योति शर्मा**
कनिष्ठ परिचारक (12.06.2023 को कार्यग्रहण किया)

146 **श्री चंदन अधिकारी**
कनिष्ठ परिचारक (14.06.2023 को कार्यग्रहण किया)

147 **श्री छट्टू सरकार**
कनिष्ठ परिचारक (15.06.2023 को कार्यग्रहण किया)

148 **श्री सौम्य कांति मैत्र**
कनिष्ठ परिचारक (16.06.2023 को कार्यग्रहण किया)

149 **श्री अभिजीत दास**
कनिष्ठ परिचारक (20.06.2023 को कार्यग्रहण किया)

150 **श्री उत्तम संतरा**
सफ़ाईवाला

151 **श्री निहार रंजन मजूमदार**
सफ़ाईवाला

152 **श्री भरत हेला**
सफ़ाईवाला

153 **श्रीमती लक्ष्मी हेला**
सफ़ाईवाला

154 **श्री सफिक अली खान**
सफ़ाईवाला

155 **सुश्री पारुल देबी**
सफ़ाईवाला

156 **श्री गुड्डू प्रसाद**
जेनरेटर सह पंप ऑपरेटर

157 **श्री बनीब्रत भट्टाचार्य**
सिस्टम इंजीनियर [अनुबंध आधार]

158 **श्रीमती सुरंजना चौधरी**
प्रकाशन सहायक सह प्रूफ-रीडर [अनुबंध आधार]

159 **श्री रतन दत्ता**
कैजुअल लेबर

160 **श्री एकरामुल हक**
कैजुअल लेबर

161 **श्री बिकेश कुमार सिंह**
कैजुअल लेबर

162 **सुश्री शिल्पा कर**
कैजुअल लेबर

दि एशियाटिक सोसाइटी
कोलकाता

वार्षिक लेखा परीक्षा
2023-2024

14

वार्षिक लेखा परीक्षा 2023-2024

31 मार्च 2024 को समाप्त वित्तीय वर्ष के लिए एशियाटिक सोसाइटी, कोलकाता के लेखाओं पर पृथक लेखा परीक्षा रिपोर्ट

नियंत्रक और महालेखा परीक्षक (कर्तव्य, शक्तियाँ एवं सेवा शर्तें) अधिनियम, 1971 की धारा 19 (2), जिसे एशियाटिक सोसाइटी अधिनियम, 1984 की धारा-5(2) के साथ पढ़ा जाए, के तहत उस तारीख को समाप्त वर्ष के लिए आय और व्यय लेखा एवं प्राप्तियां और भुगतान लेखा के तहत हमने 31 मार्च 2024 तक एशियाटिक सोसाइटी, कोलकाता की संलग्न वित्तीय विवरण की लेखापरीक्षा की हैं। ये वित्तीय विवरण सोसाइटी के प्रबंधन की जिम्मेदारी हैं। हमारी जिम्मेदारी है कि हम अपने लेखापरीक्षा के आधार पर इन वित्तीय विवरणों पर विचार व्यक्त करें।

2. इस पृथक लेखा परीक्षा रिपोर्ट में भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (CAG) की टिप्पणियों को केवल लेखांकन सुधार हेतु है जिसमें वर्गीकरण, सर्वोत्तम लेखांकन प्रथाओं के अनुप, लेखांकन मानकों और प्रकटीकरण मानदंडों आदि शामिल है। विधि, नियमों और विनियमों (अर्थात औचित्य और नियमितता) के अनुपालन के संबंध में वित्तीय लेनदेन और दक्षता-सह-कार्यनिष्पादन पहलुओं, आदि, यदि कोई हो, को निरीक्षण रिपोर्ट्स/सीएजी की लेखापरीक्षा रिपोर्ट के माध्यम से पृथक रूप से रिपोर्ट किया जाता है।

3. भारत में आम तौर पर स्वीकृत लेखा परीक्षण मानकों के अनुसार हमने अपनी लेखापरीक्षा की है। इन मानकों के लिए आवश्यक है कि हम इस बारे में उचित आश्वासन प्राप्त करने के लिए लेखा परीक्षा की योजना बनाएं और निष्पादित करें कि क्या वित्तीय विवरण में तथ्यात्मक रुप से त्रुटिरहित हैं। लेखापरीक्षा में वित्तीय विवरणों में परीक्षण के आधार पर जांच, राशियों के समर्थन में प्रमाण एवं खुलाशे करना शामिल है। लेखापरीक्षा में उपयोग किए गए लेखांकन सिद्धांतों का आकलन और प्रबंधन द्वारा किए गए महत्वपूर्ण आकलन एवं वित्तीय विवरणों की समग्र प्रस्तुति का मूल्यांकन भी शामिल है। हम मानते हैं कि हमारी लेखापरीक्षा हमारे विचार को एक उचित आधार प्रदान करती है।

4. हमारे लेखापरीक्षा के आधार पर हम रिपोर्ट करते हैं कि:

   i. हमने वे सभी जानकारी और स्पष्टीकरण प्राप्त कर लिए हैं, जो हमारी लेखापरीक्षा के प्रयोजन के लिए हमारी सर्वोत्तम जानकारी और विश्वास के अनुसार, आवश्यक थे;

   ii. इस रिपोर्ट में दिए गए वित्तीय विवरण, आय और व्यय लेखा एवं प्राप्तियां और भुगतान लेखा को वित्त मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा निर्धारित प्राप में तैयार किया गया है।

   iii. हमारी राय में, एशियाटिक सोसाइटी, कोलकाता द्वारा उचित लेखा पुस्तकों और अन्य प्रासंगिक रिकॉर्ड का अनुरक्षण किया गया है, जैसा कि ऐसी पुस्तकों पर हमारी जांच से प्रतीत होता है।

   iv. हम आगे रिपोर्ट करते हैं कि

लेखा पर टिप्पणियाँ :

क) तुलन पत्र

1.1 परिसंपत्ति

1.1.1 अचल संपत्ति (अनुसूची 8): ₹ 23.11 करोड़

उपर्युक्त शीर्ष में ₹0.66 करोड़ रुपये की राशि कम दर्शाई गई जिसका प्रमुख कारण कार्य की पूर्णता लागत अर्थात 'एशियाटिक सोसाइटी की मौजूदा जी+3 बिल्डिंग पर दो अतिरिक्त मंजिलों तक ऊधवाधर विस्तार के निर्माण के लिए विद्युत कार्य' (पूर्ण होने की लागत- ₹2.85 करोड़ रुपये - सोसाइटी द्वारा पहले ही पूंजीकृत- ₹2.19 करोड़ रुपये) को पूंजीकृत नहीं किए जाना है। अत: इसके परिणामस्वरूप 'वर्तमान संपत्ति, ऋण एवं अग्रिम आदि' (अनुसूची 11) को ₹0.66 करोड़ रुपये अधिक दर्शाया गया।

ख. आय एवं व्यय का लेखा

2.1 व्यय

2.1.1 मूल्यह्रास (अनुसूची 8): ₹ 4.61 करोड़

उपरोक्त शीर्ष में ₹0.48 लाख रुपये की राशि कम दर्शाई गई, क्योंकि ₹2.38 लाख रुपये मूल्य के छह कंप्यूटर डेस्कटॉप की गलत बुकिंग 'स्थिर परिसंपत्तियों' (अनुसूची 8) के अंतर्गत अक्टूबर 2023 में की गई, जबकि इन्हें सितंबर 2023 में बुक किया जाना था, जब कंप्यूटर स्थापित किए गए थे (मूल्यह्रास की दर 40% पर लगाई जानी थी, लेकिन वास्तविक मूल्यह्रास 20% पर लगाया गया)। इसके परिणामस्वरूप घाटा (आय से अधिक व्यय होना) को ₹0.48 लाख कम उल्लेख किया गया।

C. सामान्य टिप्पणियाँ

3.1 पिछले वर्ष की ऑडिट रिपोर्ट में समान टिप्पणियों को उजागर किए जाने के बावजूद, सोसाइटी ने निम्नलिखित मामलों में आवश्यक कदम नहीं उठाए:

ए) सोसाइटी ने बीमांकिक मूल्यांकन के आधार पर सेवानिवृत्ति लाभों के लिए प्रावधान नहीं किया है, जो कि आईसीएआई द्वारा जारी लेखांकन मानक 15 का उल्लंघन है।

बी) सोसाइटी ने 'पत्रिकाओं की सदस्यता हेतु अग्रिम भुगतान' मद के तहत ₹ 19.26 लाख की राशि बुक की थी। हालांकि, इसमें शामिल राशि पिछले छह वर्षों से अधिक समय से से असमायोजित पड़ी हुई है। इसकी समीक्षा करने की आवश्यकता है।

सी) 'विविध देनदारों' के संबंध में ₹ 0.36 लाख की राशि दर्शाई गई। यह राशि तीन वर्ष से अधिक पुरानी है, इसलिए इसकी समीक्षा की जानी चाहिए।

डी) 'उद्दिष्ट/अक्षय निधि' के संबंध में, 'देयता' में शेष राशि को ₹2.70 करोड़ के रूप में दर्शाया गया था, जबकि 'परिसंपत्ति' में शेष राशि को ₹2.72 करोड़ (₹2.35 करोड़ + ₹0.37 करोड़) के रूप में दर्शाया गया था। 'उद्दिष्ट निधि' के संबंध में पृथक बैंक खाता न होने के कारण ₹0.02 करोड़ के अंतर का सत्यापन नहीं किया जा सका।

ई) सोसायटी ने पांच निर्धारित उद्दिष्ट निधियों (क्रमांक 4, 5, 7 और 8) के निधि शेष के रूप में ₹1.49 लाख की राशि और 'उद्दिष्ट/ अक्षय निधि' (अनुसूची 3) शीर्षक के अंतर्गत एक उद्दिष्ट निधि (क्रमांक 1)

के निधि शेष के रूप में ₹5.33 लाख की राशि दर्शाई थी, जो क्रमशः छह वर्ष और चार वर्ष से अधिक समय से निषाक्रय थी। इसकी समीक्षा की जानी चाहिए।

3.2 सोसायटी ने आय और व्यय की अनुसूची 14 में सदस्यता/शुल्क के रूप में ₹8.82 लाख रुपये की राशि दर्ज की, जिसमें पूंजी (आजीवन सदस्यता शुल्क) और राजस्व (वार्षिक शुल्क, प्रवेश शुल्क आदि) दोनों प्रकार की प्राप्तियां शामिल हैं, हालांकि, इसने लेखा के एक समान प्रारूप के तहत महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियों (अनुसूची 24) में शुल्क/सदस्यता पर नीतियों का खुलासा नहीं किया।

3.3 सोसायटी ने सीपीडब्ल्यूडी को अलग-अलग कार्यों के लिए अलग-अलग राशि जमा कराई थी, लेकिन काम पूरा होने या बंद होने के बावजूद सीपीडब्ल्यूडी से ₹1.16 करोड़ रुपये की राशि बकाया है। इसकी समीक्षा की जानी चाहिए।

D. अनुदान सहायता

यह सोसायटी, भारत सरकार से प्राप्त अनुदानों से वित्तपोषित है। वित्तीय वर्ष 2023-24 के दौरान, इसे ₹20.26 करोड़ रुपये (राजस्व अनुदान: 20.16 करोड़ रुपये (स्वच्छता कार्य योजना शीर्ष के अंतर्गत प्राप्त अनुदान सहित) और पूंजी अनुदान: ₹0.10 करोड़ रुपये) की अनुदान राशि प्राप्त हुई। पिछले वर्ष का अव्ययित शेष ₹2.83 करोड़ रुपये (पूंजी: ₹2.33 करोड़ रुपये और राजस्व: ₹0.50 करोड़ रुपये) था। कुल उपलब्ध अनुदानों में से, जो ₹23.09 करोड़ रुपये (वित्त वर्ष 2022-23 के अव्ययित शेष शेष सहित) है, इसने ₹23.47 करोड़ रुपये (पूंजीगत व्यय: ₹1.59 करोड़ रुपये, राजस्व व्यय: ₹1.88 रुपये (स्वच्छता कार्य योजना शीर्ष के तहत व्यय सहित)) के अनुदान का उपयोग किया, जिससे ₹0.38 करोड़ रुपये का अतिरिक्त व्यय हुआ, जिसे 31 मार्च 2024 तक अपने स्वयं के कोष से पूरा किया गया।

E. निवल प्रभाव

पूर्ववर्ती पैराग्राफों में दी गई टिप्पणियों का निवल प्रभाव यह है कि 31 मार्च 2024 को समाप्त वर्ष के लिए घाटा (आय पर व्यय का अधिक होना) ₹0.48 लाख कम दर्शाया गया था।

v. पिछले पैराग्राफों में हमारी टिप्पणियों के अधीन, हम रिपोर्ट करते हैं कि वित्तीय विवरण एवं आय और व्यय लेखा एवं इस रिपोर्ट द्वारा निपटाए गए प्राप्तियां और भुगतान लेखा, लेखा खातों के अनुरूप हैं।

vi. हमारे विचार में और हमारी सर्वोत्तम जानकारी एवं हमें दिए गए स्पष्टीकरणों के अनुसार, उक्त वित्तीय विवरण, लेखांकन नीतियों एवं खातों पर टिप्पणियों के साथ पढ़े जाने वाले एवं उपर्युक्त महत्वपूर्ण मामलों और लेखा परीक्षा रिपोर्ट के अनुबंध में उल्लिखित अन्य मामलों के अधीन, भारत में आम तौर पर स्वीकृत लेखांकन सिद्धांतों के अनुरुप एक सही और निष्पक्ष दृष्टिकोण प्रदान करती है:

a. जहाँ तक यह 31 मार्च 2024 तक एशियाटिक सोसाइटी, कोलकाता के मामलों की स्थिति पर वित्तीय विवरण से संबंधित है, और

b. जहां तक यह उस तारीख को समाप्त वर्ष के लिए अधिशेष हेतु आय और व्यय खाते से संबंधित है।

भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक के लिए और उनकी ओर से

(उदय शंकर प्रसाद)
लेखापरीक्षा महानिदेशक
(मध्य) कोलकाता

स्थान: कोलकाता
दिनांक: 06.09.2024

अनुलग्नक

क. आंतरिक लेखापरीक्षा प्रणाली की उपयुक्तता

सोसाइटी की आंतरिक लेखा परीक्षा प्रणाली निम्नलिखित कारणों से उपयुक्त नहीं है:

i. कोई आंतरिक लेखापरीक्षा प्रणाली लागू नहीं है।

ii. कोई आंतरिक लेखापरीक्षा नियमावली प्रयोग में नहीं है।

iii. वित्तीय वर्ष 2017-16 से कोई आंतरिक लेखापरीक्षा नहीं की गई।

ख. आंतरिक नियंत्रण प्रणाली की उपयुक्तता

निम्नलिखित क्षेत्रों में सोसाइटी की आंतरिक नियंत्रण प्रणाली पर्याप्त नहीं है:

i. संस्था का संगठनात्मक चार्ट उनके अधिकारियों और कर्मचारियों के कर्तव्यों और जिम्मेदारियों के आवंटन को स्पष्ट रूप से बयान नहीं करता है।

ii. इसके खातों के शीर्ष को कोडित नहीं किया गया है।

iii. खातों का कोई चार्ट उपयोग में नहीं है।

iv. सोसाइटी की नकद प्राप्तियों से नकद वितरण की अनुमति दी जा रही है।

v. सोसायटी में कोई क्रय विभाग नहीं है। परिणामस्वरूप, क्रय विकेंद्रीकृत हो गया है।

vi. उपभोज्य स्टॉक के लिए रखे जाने वाले स्टॉक स्तर के संबंध में कोई मानदंड तय नहीं किए गए हैं, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि स्टॉक स्तर को तदनुसार अनुरक्षित किया जा सके।

ग) अचल परिसंपत्तियों और वस्तु-सूची संबंधी भौतिक सत्यापन की प्रणाली

संस्थान ने वित्तीय वर्ष 2023-24 के दौरान अपनी अचल संपत्तियों और सूची का भौतिक सत्यापन नहीं किया।

घ) सांविधिक देयताएं

सोसाइटी अपने वैधानिक बकाया का नियमित भुगतान कर रही थी।

एशियाटिक सोसाइटी, कोलकाता

नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कर्तव्य, शक्तियां और सेवा की शर्तें) अधिनियम, 1971 के धारा 19 (2) के तहत महानिदेशक लेखा परीक्षा (केंद्रीय), कोलकाता के कार्यालय द्वारा एशियाटिक सोसाइटी, कोलकाता के लेखा पर लेखा परीक्षित पृथक लेखा परीक्षा रिपोर्ट में किए गए टिप्पणियों के संबंध में सोसाइटी का प्रत्युत्तर

मद	लेखा पर टिप्पणियाँ	एशियाटिक सोसाइटी, कोलकाता का प्रत्युत्तर
A	**तुलन पत्र**	
1.1	**परिसंपत्ति**	
1.1.1	**अचल संपत्ति (अनुसूची 8): ₹ 23.11 करोड़** उपर्युक्त शीर्ष में ₹0.66 करोड़ रुपये की राशि कम दर्शाई गई जिसका प्रमुख कारण कार्य की पूर्णता लागत अर्थात 'एशियाटिक सोसाइटी की मौजूदा जी३ बिल्डिंग पर दो अतिरिक्त मंजिलों तक ऊधवाधर विस्तार के निर्माण के लिए विद्युत कार्य' (पूर्ण होने की लागत- ₹2.85 करोड़ रुपये - सोसाइटी द्वारा पहले ही पूंजीकृत- ₹2.19 करोड़ रुपये) को पूंजीकृत नहीं किए जाना है। अत: इसके परिणामस्वरूप 'वर्तमान संपत्ति, ऋण एवं अग्रिम आदि' (अनुसूची 11) को ₹0.66 करोड़ रुपये अधिक दर्शाया गया।	एशियाटिक सोसाइटी, कोलकाता के मौजूदा जी३ भवन पर दो अतिरिक्त मंजिलों तक ऊधवाधर विस्तार के निर्माण के लिए विद्युत कार्य के संबंध में सीपीडब्ल्यूडी के पास पड़े पूंजीगत अग्रिम में से 'फ्रीहोल्ड बिल्डिंग' शीर्षक के तहत ₹ 0.66 करोड़ रुपये की राशि के कार्य की पूर्णता लागत पर परिसंपत्तियों के पूंजीकरण के लिए आवश्यक लेखांकन प्रविष्टि जर्नल वाउचर संख्या 23 दिनांक 11.07.2024 के माध्यम से वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान सोसाइटी की लेखा पुस्तकों में पारित कर दी गई है।
B	**आय एवं व्यय का लेखा**	
2.1	**व्यय**	
2.1.1	**मूल्यह्रास (अनुसूची 8): ₹ 4.61 करोड़** उपरोक्त शीर्ष में ₹ 0.48 लाख रुपये की राशि कम दर्शाई गई, क्योंकि ₹ 2.38 लाख रुपये मूल्य के छह कंप्यूटर डेस्कटॉप की गलत बुकिंग 'स्थिर परिसंपत्तियों' (अनुसूची 8) के अंतर्गत अक्टूबर 2023 में की गई, जबकि इन्हें सितंबर 2023 में बुक किया जाना था, जब कंप्यूटर स्थापित किए गए थे (मूल्यह्रास की दर 40% पर लगाई जानी थी, लेकिन वास्तविक मूल्यह्रास 20% पर लगाया गया)। इसके परिणामस्वरूप घाटा (आय से अधिक व्यय होना) को ₹ 0.48 लाख कम उल्लेख किया गया।	सोसायटी के खातों में 'कंप्यूटर' पर ₹ 0.48 लाख का मूल्यह्रास शुल्क लगाने के लिए आवश्यक लेखांकन प्रविष्टि की गई है। इसे वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान दिनांक 11.07.2024 के जर्नल वाउचर संख्या 24 के माध्यम से की गयी है।

मद	लेखा पर टिप्पणियाँ	एशियाटिक सोसाइटी, कोलकाता का प्रत्युत्तर
C	**सामान्य टिप्पणियाँ**	
3.1	पिछले वर्ष की ऑडिट रिपोर्ट में समान टिप्पणियों को उजागर किए जाने के बावजूद, सोसाइटी ने निम्नलिखित मामलों में आवश्यक कदम नहीं उठाए:	
	ए) सोसाइटी ने बीमांकिक मूल्यांकन के आधार पर सेवानिवृत्ति लाभों के लिए प्रावधान नहीं किया है, जो कि आईसीएआई द्वारा जारी लेखांकन मानक 15 का उल्लंघन है।	ए) चूंकि सेवानिवृत्ति लाभों का भुगतान में ग्रेच्युटी और छुट्टी नकदीकरण शामिल है एवं इसे नकद आधार पर किया जाता है और साल-दर-साल आधार पर बजट में उल्लेख किया जाता है, वित्तीय वर्ष 2023-24 में ऐसा कोई प्रावधान नहीं किया गया है। इसके अलावा, सोसायटी पूरी तरह से भारत सरकार द्वारा वित्त पोषित है, और कर्मचारियों के सेवानिवृत्ति लाभों के भुगतान को पूरा करने के लिए इसके पास कोई संबंधित निवेश/स्वयं का धन नहीं है, इसलिए वर्ष 2023-24 में वित्तीय सहायता के लिए सोसायटी के खातों की पुस्तकों में ऐसा कोई प्रावधान नहीं किया गया है। इस पैटर्न का वर्षों से समान रूप से पालन किया जा रहा है।
	बी) सोसाइटी ने 'पत्रिकाओं की सदस्यता हेतु अग्रिम भुगतान' मद के तहत ₹ 19.26 लाख की राशि बुक की थी। हालांकि, इसमें शामिल राशि पिछले छह वर्षों से अधिक समय से से असमायोजित पड़ी हुई है। इसकी समीक्षा करने की आवश्यकता है।	बी) पत्रिकाओं की सदस्यता (अनुसूची-11) के अग्रिम भुगतान में 19.26 लाख (2016-17 से पहले: 0.03 लाख, 2016-17: ₹ 10.32 लाख और 2017-18: ₹ 8.91 लाख) के अग्रिम भुगतान शामिल हैं जो छह वर्ष से अधिक समय के लिए असमायोजित पड़े हैं। असमायोजित अग्रिमों के संबंध में पत्रिकाओं की प्राप्तियों के रिकॉर्ड की जांच करने के लिए सोसाइटी के पुस्तकालय अनुभाग को पहले ही सूचना दे दी गई है एवं सोसाइटी के पुस्तकालय अनुभाग से रिपोर्ट की प्राप्तियों पर असमायोजित अग्रिमों के निपटान के लिए तदनुसार आवश्यक समायोजन किया जाएगा।
	सी) 'विविध देनदारों' के संबंध में ₹ 0.36 लाख की राशि दर्शाई गई। यह राशि तीन वर्ष से अधिक पुरानी है, इसलिए इसकी समीक्षा की जानी चाहिए।	सी) तीन साल से अधिक समय से बकाया वर्तमान संपत्ति - अनुसूची -11 (विवरण) शीर्षक के तहत विविध देनदार के रूप में दिखाए गए ₹ 0.36 लाख के अग्र शेष की समीक्षा की जाएगी और तदनुसार आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।
	डी) 'उद्दिष्ट/अक्षय निधि' के संबंध में, 'देयता' में शेष राशि को ₹ 2.70 करोड़ के रूप में दर्शाया गया	डी) दिनांक 31.03.2024 तक 'उद्दिष्ट निधि' और 'अक्षय निधि' शीर्षक के अंतर्गत वास्तविक देनदारियों (₹ 2.70

मद	लेखा पर टिप्पणियाँ	एशियाटिक सोसाइटी, कोलकाता का प्रत्युत्तर
	था, जबकि 'परिसंपत्ति' में शेष राशि को ₹ 2.72 करोड़ (₹ 2.35 करोड़+ ₹0.37 करोड़) के रूप में दर्शाया गया था। 'उद्दिष्ट निधि' के संबंध में पृथक बैंक खाता न होने के कारण ₹0.02 करोड़ के अंतर का सत्यापन नहीं किया जा सका। ई) सोसायटी ने पांच निर्धारित उद्दिष्ट निधियों (क्रमांक 4, 5, 7 और 8) के निधि शेष के रूप में ₹1.49 लाख की राशि और 'उद्दिष्ट/ अक्षय निधि' (अनुसूची 3) शीर्षक के अंतर्गत एक उद्दिष्ट निधि (क्रमांक 1) के निधि शेष के रूप में ₹ 5.33 लाख की राशि दर्शाई थी, जो क्रमशः छह वर्ष और चार वर्ष से अधिक समय से निषाक्रय थी। इसकी समीक्षा की जानी चाहिए।	करोड़ रुपये) पर सावधि जमा के रूप में कुल निवेश (₹ 2.72 करोड़ रुपये) ₹ 0.02 करोड़ रुपये से अधिक है। चूँकि 31.03.2024 तक वास्तविक देनदारियों (उद्दिष्ट निधि ध्अक्षय निधि) पर निवेश में कोई कमी नहीं है, इसलिए यह मामला लेखांकन परंपराओं के अंतर्गत आता है। ई) 1.49 लाख डक्रमांक 4, 5, 7 और 8) और ₹ 5.33 लाख [अनुसूची 3(बी) में क्रम संख्या 1] से जुड़े 'उद्दिष्ट निधियां' निषाक्रय पड़े है, जो बिना किसी लेनदेन एवं बिना किसी दावे के लंबे समय से हैं। हालांकि, इसकी आगे समीक्षा की जाएगी और तदनुसार आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।
3.2	सोसायटी ने आय और व्यय की अनुसूची 14 में सदस्यता/ शुल्क के रूप में ₹ 8.82 लाख रुपये की राशि दर्ज की, जिसमें पूंजी (आजीवन सदस्यता शुल्क) और राजस्व (वार्षिक शुल्क, प्रवेश शुल्क आदि) दोनों प्रकार की प्राप्तियां शामिल हैं, हालांकि, इसने लेखा के एक समान प्रारूप के तहत महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियों (अनुसूची 24) में शुल्क/ सदस्यता पर नीतियों का खुलासा नहीं किया।	लेखापरीक्षा टिप्पणियों से सहमत है कि महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियों (अनुसूची-24) में शुल्क/सदस्यता नीतियों के खुलासा की चूक हैं। इसके द्वारा यह पुष्टि की जाती है कि सोसायटी की नीति आजीवन सदस्यता शुल्क को पूंजी प्राप्तियों के रूप में और वार्षिक शुल्क, प्रवेश शुल्क आदि को राजस्व प्राप्तियों के रूप में मानना है। यह भी सुनिश्चित किया जाता है कि भविष्य में खातों के एकसमान प्रारूप के अनुपालन में महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियों में आवश्यक खुलासा किया जाएगा।
3.3	सोसायटी ने सीपीडब्ल्यूडी को अलग-अलग कार्यों के लिए अलग-अलग राशि जमा कराई थी, लेकिन काम पूरा होने या बंद होने के बावजूद सीपीडब्ल्यूडी से ₹ 1.16 करोड़ रुपये की राशि बकाया है। इसकी समीक्षा की जानी चाहिए।	सीपीडब्ल्यूडी के पास विभिन्न पूर्ण हो चुके या रुके हुए कार्यों के लिए ₹ 1.12 करोड़ की राशि लंबित है। सोसायटी तुरंत मामले की समीक्षा करेगी और तदनुसार सीपीडब्ल्यूडी के साथ आवश्यक अनुवर्ती कार्रवाई करेगी। (ऊपर उल्लिखित राशि का ब्यौरा: ₹0.85 करोड़ + ₹0.13 करोड़ + ₹0.005 करोड़ + ₹0.13 करोड़)
D	**अनुदान सहायता** यह सोसायटी, भारत सरकार से प्राप्त अनुदानों से वित्तपोषित है। वित्तीय वर्ष 2023-24 के दौरान, इसे ₹ 20.26 करोड़ रुपये (राजस्व अनुदान: ₹ 20.16 करोड़ रुपये (स्वच्छता कार्य योजना शीर्ष के अंतर्गत प्राप्त अनुदान सहित) और	सोसायटी के उपयोगिता प्रमाणपत्र (जीएफआर 12-ए) के अनुसार 31.03.2023 तक सहायता अनुदान (राजस्व और पूंजी) का अव्ययित शेष: ₹ 2.66 करोड़ (पूंजी: ₹0.53 करोड़ और राजस्व: ₹2.13 करोड़) (वर्ष 2022-23 के लिए एसएआर का उत्तर देखें)

मद	लेखा पर टिप्पणियाँ	एशियाटिक सोसाइटी, कोलकाता का प्रत्युत्तर
	पूंजी अनुदान: ₹ 0.10 करोड़ रुपये) की अनुदान राशि प्राप्त हुई। पिछले वर्ष का अव्ययित शेष ₹ 2.83 करोड़ रुपये (पूंजी: ₹ 2.33 करोड़ रुपये और राजस्व: ₹ 0.50 करोड़ रुपये) था। कुल उपलब्ध अनुदानों में से, जो ₹ 23.09 करोड़ रुपये (वित्त वर्ष 2022-23 के अव्ययित शेष शेष सहित) है, इसने ₹ 23.47 करोड़ रुपये (पूंजीगत व्यय: ₹ 1.59 करोड़ रुपये, राजस्व व्यय: ₹ 21.88 रुपये (स्वच्छता कार्य योजना शीर्ष के तहत व्यय सहित)) के अनुदान का उपयोग किया, जिससे ₹ 0.38 करोड़ रुपये का अतिरिक्त व्यय हुआ, जिसे 31 मार्च 2024 तक अपने स्वयं के कोष से पूरा किया गया।	**संयोजित** :: वर्ष 2023-24 के दौरान प्राप्त अनुदान सहायता: ₹ 20.24 करोड़ (राजस्व अनुदान: ₹ 20.14 करोड़ और पूंजी अनुदान: ₹ 0.10 करोड़) पिछले वर्ष (2022-23) की अव्ययित शेष राशि सहित वर्ष 2023-24 के लिए कुल उपलब्ध अनुदान सहायता: ₹ 22.90 करोड़। **असंयोजित:** वर्ष 2023-24 के दौरान किया गया व्यय, पिछले वर्ष के अव्ययित शेष सहित वास्तविक उपलब्ध सहायता अनुदान की अधिकतम सीमा तक सीमित: ₹ 22.90 करोड़ (राजस्व: ₹ 22.27 करोड़ और पूंजी: ₹ 0.63 करोड़) सोसायटी के उपयोगिता प्रमाणपत्र (जीएफआर 12-ए) के अनुसार दिनांक 31.03.2024 तक सहायता अनुदान (राजस्व और पूंजी) का अव्ययित शेष: शून्य सोसायटी के बजट वर्ष 2023-24 के संबंध में बकाया व्यय सहित वर्ष 2023-24 के दौरान किया गया वास्तविक व्यय: ₹ 24.99 करोड़ (राजस्व: ₹ 23.46 करोड़ और पूंजी: ₹ 1.53 करोड़) सोसायटी ने वर्ष 2023-24 के दौरान अपने स्वयं के कोष से वास्तविक उपलब्ध सहायता अनुदान से अधिक व्यय किया था, जो ₹2.09 करोड़ था। (राजस्व: ₹1.19 करोड़ और पूंजी: ₹0.90 करोड़)
E	**निवल प्रभाव** पूर्ववर्ती पैराग्राफों में दी गई टिप्पणियों का निवल प्रभाव यह है कि 31 मार्च 2024 को समाप्त वर्ष के लिए घाटा (आय पर व्यय का अधिक होना) ₹ 0.48 लाख कम दर्शाया गया था।	लेखापरीक्षा के सुझावों को नोट कर लिया गया है। संबंधित पैराग्राफ में उल्लिखित कुछ मामलों के लिए सुधार/समायोजन प्रविष्टियों के माध्यम से सुधारात्मक कार्रवाई की जाएगी और शेष टिप्पणियों के लिए उचित कार्रवाई की जा रही है। लेखापरीक्षा के निष्कर्षों के अनुसार, उपरोक्त मद संख्या 2.1.1 के अनुसार 31 मार्च 2024 को समाप्त वर्ष के लिए ₹0.48 लाख तक घाटे को कम करके दिखाने के लिए वर्ष 2024-25 के लिए लेखा विवरणी में आवश्यक जर्नल प्रविष्टियाँ पारित की गई हैं। सटीक वित्तीय रिपोर्टिंग सुनिश्चित करने और सही घाटे के आंकड़े को दर्शाने के लिए प्रविष्टि की गई है।

	हस्ता/-	हस्ता/-	हस्ता/-
स्थान: कोलकाता	**(प्रदीप कुमार साहा)**	**(धीमन चक्रवर्ती)**	**(अनंत सिन्हा)**
दिनांक: 9 सितम्बर 2024	लेखा अधिकारी	वित्त नियंत्रक	लेफ्टिनेंट कर्नल प्रशासक

दि एशियाटिक सोसाइटी
कोलकाता

वार्षिक खाता
2023-2024

एशियाटिक सोसाइटी,
कोलकाता

31 मार्च 2024 तक का वित्तीय विवरण

	एम्प्ल्त	वर्तमान वर्ष ₹	विगत वर्ष ₹
निधि एवं देयताएँ			
पूंजीगत निधि	1	348486205.92	415584340.23
आरक्षित निधि और अधिशेष	2	0.00	0.00
उद्दिष्ट / अक्षय निधि	3	27022699.99	25933944.99
सुरक्षित ऋण एवं उधारियाँ	4	0.00	0.00
असुरक्षित ऋण एवं उधारियाँ	5	0.00	0.00
आस्थगित ऋण एवं देयताएँ	6	0.00	0.00
र्तमान देयताएँ एवं प्रावधान राशियाँ	7	15464747.39	9946372.39
कुल		**390973653.30**	**451464657.61**
संपदा			
अचल संपति	8	231086232.07	253053822.84
निवेश -उद्दिष्ट / अक्षय निधि	9	23488423.00	22088423.00
निवेश - अन्य	10	500.00	3789500.00
वर्तमान परिसंपति, ऋण एवं अग्रिम आदि	11	136398498.23	172532911.77
विविध व्यय [बट्टे खाते में डाले या समायोजित न किए जाने की सीमा तक]		0.00	0.00
कुल		**390973653.30**	**451464657.61**

महत्वपूर्ण लेखा नीति	24
आकस्मिक देयताएँ एवं लेखा नोट	25

स्थान: कोलकाता
दिनांक : 15 मे, 2024

हस्ता./-
[सुजीत कुमार दास]
कोषाध्यक्ष

हस्ता./-
[एस. बी. चक्रवर्ती]
महा सचिव

एशियाटिक सोसाइटी,

कोलकाता

31 मार्च 2024 का समाप्त वर्ष के लिए आय एवं व्यय का लेखांकन

आय	अनुसूची	चालू वर्ष ₹	विगत वर्ष ₹
विक्रय/सेवा से आय	12	0.00	0.00
अनुदान /सहायता	13	201423000.00	215056000.00
शुल्क एवं अभिदान	14	881949.00	921326.00
निवेश से प्राप्त आय	15	2168796.00	2168796.00
रॉयल्टी एवं प्रकशन आदि से आय	16	1919742.00	1809245.00
अर्जित ब्याज	17	404690.00	2124660.00
अन्य आय	18	1086441.00	381236.64
तैयार वस्तुएँ एवं प्रगामी कार्य के स्टॉक में वृद्धि एवं ह्रास	19	(2360945.00)	1915170.00
कुल [A]		**205523673.00**	**224376433.64**
व्यय			
स्थापना संबंधी व्यय	20	191231894.00	178247232.00
अन्य प्रशासनिक व्यय, आदि	21	36845241.31	40807610.43
अनुदान, सहायता आदि पर व्यय	22	0.00	0.00
ब्याज	23	0.00	36471.00
मूल्यह्रास [अनुसूची ८ के अनुसार वर्ष के अंत में कुल योग]	8	46108135.00	15037999.00
कुल [B]		**274185270.31**	**234129312.43**
आय एवं व्यय का अंतिम शेष (A-B)		**(68661597.31)**	**(9752878.79)**
पूर्व अवधि से समायोजन		(53830054.00)	44860.00
विशेष आरक्षित में स्थानांतरण		0.00	0.00
सामान्य आरक्षित से /को स्थानांतरण		0.00	0.00
शेष राशि बचत / (घाटा) मूलभूत/पूंजीगत निधि में अग्रेषित		**(122491651.31)**	**(9708018.79)**
महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियाँ	24		
आकस्मिक देयताएँ एवं लेखांकन नोट	25		

स्थान: कोलकाता
दिनांक : 15 मे, 2024

हस्ता./-
[सुजीत कुमार दास]
कोषाध्यक्ष

हस्ता./-
[एस. बी. चक्रवर्ती]
महा सचिव

एसियाटिक सोसाइटी,
कोलकाता

31 मार्च 2024 को समाप्त वर्ष के लिए प्राप्ति एवं भुगतान खाता

राशि (रू)

प्राप्तियाँ	चालू वर्ष	विगत वर्ष	भुगतान	चालू वर्ष	विगत वर्ष
प्रारम्भिक शेष			**व्यय**		
हाथ में नकदी	**123817.00**	**151913.00**	स्थापना व्यय	186009079.00	177936869.00
			कार्यक्रमों एवं गतिविधियों पर व्यय	11445418.20	13112000.00
बैंक में नकद			अन्य प्रशासनिक व्यय	19642717.11	21234154.51
चालू खाते में	8543468.48	4465908.91	बकाया व्यय एवं प्रावधानों के संबंध में भुगतान	1463946.00	2500520.00
जमा खाते में	0.00	0.00	पूर्व अवधि के व्यय	5015437.00	0.00
बचत खाते में	54443181.14	56917858.14	**निधियों के संबंध में किए गए भुगतान**		
प्राप्त अनुदान			**बंदोबस्ती निधि**	317984.00	343570.00
भारत सरकार से डएमओसी.	202423000.00	215056000.00	उद्दिष्ट निधि	364600.00	850000.00
बाह्य परियोजना के लिए	145000.00	1270000.00	**निवेश एवं जमा**		
निम्नलिखित के निवेश से प्राप्त आय			उद्दिष्ट/बंदोबस्ती निधि में से डनिवल.	1400000.00	0.00
उद्दिष्ट/बंदोबस्ती निधि	421759.00	431873.00	स्वाधिकृत निधियाँ में से डअन्य निवेश.	0.00	0.00
स्वाधिकृत निधियाँ [अन्य निवेश]	1446119.00	0.00			
			अचल सम्पत्तियों एवं सीडब्ल्यूआईपी पर व्यय		
ब्याज की प्राप्ति			अचल सम्पत्तियों की खरीद	15919512.00	6695432.00
बचत खातो पर	1137985.00	1766822.00	प्रगामी कार्य हेतु पूंजीगत व्यय	0.00	0.00
कर्मचारी ऋण पार	201085.00	130611.00			
			वित्तीय प्रभार		
अन्य आय			ओवरड्राफ्ट पर ब्याज	0.00	0.00
प्रकाशन की बिक्रा	1734042.00	1446695.00			
सदस्यता शुल्क	1104663.00	603326.00	**अन्य भुगतान**		
फोटो अलबम एवं मिमेंटों की बिक्री	148355.00	198925.00	कार्मिकों से सांविधिक कटौती	35622750.00	32187586.00
किराया	1996836.00	2036836.00	ठेकेदारों एवं पेशेवरों से सांविधिक कटौती	673427.00	756561.00
रॉयल्टी	37345.00	163625.00	आरक्षित राशि का रिफ़ंड	524733.00	695866.00
			बयाना जमाराशि का रिफ़ंड	900000.00	40000.00

एसियाटिक सोसाइटी, कोलकाता

31 मार्च 2024 को समाप्त वर्ष के लिए प्राप्ति एवं भुगतान खाता

राशि (रू)

प्राप्तियाँ	चालू वर्ष	विगत वर्ष	भुगतान	चालू वर्ष	विगत वर्ष
आयकर विभाग से टीडीएस रिफ़ंड	195090.00	0.00	पार्टियों को प्रदान अग्रिम	668033.00	602725.00
अन्य	1593550.00	384241.08	कार्मिकों को प्रदान अग्रिम	4168984.00	4229313.00
निविष एवं जमाओं का नकदीकरण			संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार को सहायता अनुदान पर अर्जित ब्याज की वापसी	3089605.00	0.00
स्वयं के निधि से [अन्य निवेश]	3789000.00	0.00	सुरक्षा जमाराशि पर रिफ़ंड	542540.00	291162.00
			जर्नल सदस्यता के लिए अग्रिम	960627.00	1781086.00
निधि से प्राप्तियां			सावधि जमा, रॉयल्टी और अन्य पर भुगतान किया गया टीडीएस।	86993.00	59416.00
उद्दिष्ट निधि (एस.आर.दास स्मारक निधि)	500000.00	0.00	ड्रेस भत्ते और अन्य के लिए प्रीपेड खर्च।.	81346.00	72604.00
अन्य प्राप्तियाँ			डाक और स्टाम्प के लिए अग्रिम भुगतान	50000.00	130000.00
ठेकेदारों से प्राप्त बयाना जमा राशि	225000.00	950000.00	सामान्य सदस्यों को आजीवन सदस्य बनाने पर प्राप्त सदस्यता शुल्क की अधिकता पर रिफ़ंड	13150.00	0.00
कार्मिकों से सांविधिक कटौती	34706418.00	34955782.00			
ठेकेदारों एवं पेशेवरों से सांविधिक कटौती	670148.00	781161.00	**अंतिम शेष**		
सुरक्षा जमा	1047266.00	424136.00	हाथ में नकद	76659.00	123817.00
फ़ेलोशिप से आरक्षित धन का प्रतिधारण	516844.00	396945.00			
पार्टियों से वसूली गयी अग्रिम	79483.00	454385.00	**बैंक में नकद**		
कार्मिकों से वसूली गयी अग्रिम	1687856.00	3524941.00	चालू खाते मे	6015513.07	8543468.48
जर्नल सदस्यता के लिए अग्रिम भुगतान	17321.00	117347.00	जमा खाते में	0.00	0.00
विभिन्न देयताएँ	16798.00	0.00	बचत खाते में	23898376.24	54443181.14
कुल	**318951429.62**	**326629331.13**	**कुल**	**318951429.62**	**326629331.13**

स्थान: कोलकाता
दिनांक : 15 मे, 2024

हस्ता./-
[सुजीत कुमार दास]
कोषाध्यक्ष

हस्ता./-
[एस. बी. चक्रबर्ती]
महा सचिव

एसियाटिक सोसाइटी,
कोलकाता

३१ मार्च, २०२४ को वित्तीय विवरण से संबंधित अनुसूचियाँ

अनुसूची 1 पूंजीगत निधि	चालू वर्ष		विगत वर्ष	
	₹	₹	₹	₹
वर्ष की शुरुआत में शेष राशि		415584340.23		424078947.94
योग: वर्ष के दौरान समायोजन		54393517.00		1213411.08
योग: कॉर्पस/पूंजीगत निधि में योगदान [अनुदान सहायता : पूंजीगत परिसंपत्तियों का सृजन]		1000000.00		0.00
योग/(कटौती) : शुद्ध आय पर शेष राशि (व्यय) आय और व्यय खाते से हस्तांतरित		(122491651.31)		(9708018.79)
वर्ष के अंत में शेष राशि		**348486205.92**		**415584340.23**

अनुसूची 2. आरक्षित एवं अधिशेष	चालू वर्ष		विगत वर्ष	
	₹	₹	₹	₹
1 **पूंजी आरक्षित**				
पिछले खातों के अनुसार	0.00		0.00	
वर्ष के दौरान योग	0.00		0.00	
कमी: वर्ष के दौरान कटौती	0.00	0.00	0.00	0.00
2 **पुनर्मूल्यांकन आरक्षित**				
पिछले खातों के अनुसार	0.00		0.00	
वर्ष के दौरान योग	0.00		0.00	
कमी: वर्ष के दौरान कटौती	0.00	0.00	0.00	0.00
3 **विशेष रूप से आरक्षित**				
पिछले खातों के अनुसार	0.00		0.00	
वर्ष के दौरान योग	0.00		0.00	
कमी: वर्ष के दौरान कटौती	0.00	0.00	0.00	0.00
4 **सामान्य आरक्षित**				
पिछले खातों के अनुसार	0.00		0.00	
वर्ष के दौरान योग	0.00		0.00	
कमी: वर्ष के दौरान कटौती	0.00	0.00	0.00	0.00
कुल	**0.00**		**0.00**	

एसियाटिक सोसाइटी,
कोलकाता

31 मार्च, 2024 को वित्तीय विवरण से संबंधित अनुसूचियाँ

(धनराशि रूपए में)

अनुसूची 3. **अक्षय निधि एवं उद्दिष्ट निधि**

क्र. सं.	निधि की श्रेणी	प्रारम्भिक शेष राशि	निधि में योग			कुल	प्रयोज्य निधियों का उपयोग/व्यय					कुल	रिफ़ंड, यदि	वर्ष के अंत में निवल शेष राशि
		A	B			[A+B]	C[I]					C	D	[C+B-C+D]
			दान/ अनुदान/ अंशदान	फंड खाते में किए गए निवेश से आय	अन्य योग		पुजीगत व्यय [i]		राजस्व व्यय [ii]			C [i] + C [ii]		
							अचल परिसंपत्ति	अन्य	वेतन, मजदूरी और भत्ते,	किराया	अन्य प्रशासनिक व्यय			
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15
a	अक्षय निधि [अनुसूची 3 (A) में निधिवार ब्योरा]	24336793.74	500000.00	1206467.00	0.00	26043260.74	0.00	0.00	0.00	0.00	394160.00	394160.00	0.00	25649100.74
b	उद्दिष्ट निधि [अनुसूची 3 (B) में निधिवार ब्योरा]	1597151.25	145000.00	0.00	0.00	1742151.25	0.00	0.00	270000.00	0.00	53552.00	323552.00	45000.00	1373599.25
	कुल [a + b]	25933944.99	645000.00	1206467.00	0.00	27785411.99	0.00	0.00	270000.00	0.00	447712.00	717712.00	45000.00	27022699.99
	पुएव वर्ष	24886219.99	870000.00	1055350.00	0.00	26811569.99	0.00	0.00	850000.00	0.00	427625.00	1277625.00	0.00	25533944.99

एसियाटिक सोसाइटी,
कोलकाता

31 मार्च, 2024 को वित्तीय विवरण से संबंधित अनुसूचियाँ

(राशि रू में)

अनुसूची 3(A)- अक्षय निधि – निधिवार

क्र. सं.	अक्षय निधि का शीर्षक	शुरुआती शेष राशि	निधि में योग			कुल	प्रयोज्य निधियों का उपयोग/व्यय					कुल	वर्ष के अंत में निवल शेष राशि
		A	B			[A+B]	C[I]					C	[A+B-C]
			दान/ अनुदान/ अंशदान	फंड खाते में किए गए निवेश से आय	अन्य योग		पुजीगत व्यय [i]		राजस्व व्यय [ii]			C [i] + C [ii]	
							अचल परिसंपत्ति	अन्य	वेतन, मजदूरी और भत्ते, आदि	किराया	अन्य प्रशासनिक यय		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14
1	आभा मैती व्याख्यान निधि	472620.20	0.00	23429.57	0.00	496049.77	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	496049.77
2	अन्नाडेल मेडल निधि	580492.91	0.00	28777.23	0.00	609270.14	0.00	0.00	0.00	0.00	2242.00	2242.00	607028.14
3	बी बी मजूमदार व्याख्यान निधि	413448.64	0.00	20496.21	0.00	433944.85	0.00	0.00	0.00	0.00	10750.00	10750.00	423194.85
4	बार्कले मेडल निधि	588859.51	0.00	29192.00	0.00	618051.51	0.00	0.00	0.00	0.00	3422.00	3422.00	614629.51
5	बिमला चरण लॉ कॉल. निधि	21086.41	0.00	1045.33	0.00	22131.74	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	22131.74
6	बिमला चरण लॉ मेडल निधि	552269.90	0.00	27378.11	0.00	579648.01	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	579648.01
7	बीरेन रॉय मेडल निधि	71542.86	0.00	3546.65	0.00	75089.51	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	75089.51
8	डी पी खेतान मेडल निधि	578432.79	0.00	28675.10	0.00	607107.89	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	607107.89
9	डॉ प्रभाती मुखर्जी मेडल निधि	470386.53	0.00	23318.84	0.00	493705.37	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	493705.37
10	हेम च. रॉय चौधरी मेडल निधि	107516.72	0.00	5330.01	0.00	112846.73	0.00	0.00	0.00	0.00	29249.00	29249.00	83597.73
11	भारतीय विज्ञान कांग्रेस निधि	604316.73	0.00	29958.27	0.00	634275.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	634275.00

एसियाटिक सोसाइटी,
कोलकाता

31 मार्च, 2024 को वित्तीय विवरण से संबंधित अनुसूचियाँ

(राशि रू में)

अनुसूची 3(A)- (Continued)

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14
12	इंदिरा गांधी मेडल निधि	555296.59	0.00	27528.15	0.00	582824.74	0.00	0.00	0.00	0.00	1000.00	1000.00	581824.74
13	इंदिरा गांधी व्याख्यान निधि	725536.44	0.00	35967.59	0.00	761504.03	0.00	0.00	0.00	0.00	12550.00	12550.00	748954.03
14	जॉय गोविंदा लॉ मेडल निधि	605115.40	0.00	29997.86	0.00	635113.26	0.00	0.00	0.00	0.00	17642.00	17642.00	617471.26
15	माया देब मेडल निधि	422480.07	0.00	20943.94	0.00	443424.01	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	443424.01
16	मेघनाद साहा मेमोरियल निधि	563383.30	0.00	27929.04	0.00	591312.34	0.00	0.00	0.00	0.00	21239.00	21239.00	570073.34
17	एन एन चटर्जी मेडल निधि	560487.79	0.00	27785.50	0.00	588273.29	0.00	0.00	0.00	0.00	3065.00	3065.00	585208.29
18	नरेश च. सेनगुप्ता मेडल निधि	552644.16	0.00	27396.66	0.00	580040.82	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	580040.82
19	पंचानन मित्र व्याख्यान निधि	160171.31	0.00	7940.30	0.00	168111.61	0.00	0.00	0.00	0.00	50830.00	50830.00	117281.61
20	पॉल जोन्स बरुहल मेडल निधि	544645.08	0.00	27000.12	0.00	571645.20	0.00	0.00	0.00	0.00	2478.00	2478.00	569167.20
21	प्रमथनाथ बोस मेडल निधि	558545.52	0.00	27689.22	0.00	586234.74	0.00	0.00	0.00	0.00	2478.00	2478.00	583756.74
22	प्रशांत रॉय और गीता रॉय मेडल निधि	221149.36	0.00	10963.21	0.00	232112.57	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	232112.57
23	प्रियव्रत रॉय मेडल निधि	253520.34	0.00	12567.96	0.00	266088.30	0.00	0.00	0.00	0.00	4889.00	4889.00	261199.30
24	पंडित ईश्वरचंद्र विद्यासागर व्याख्यान निधि	1344023.72	0.00	66628.34	0.00	1410652.06	0.00	0.00	0.00	0.00	12211.00	12211.00	1398441.06
25	राजस्थानी निधि	627770.79	0.00	31120.97	0.00	658891.76	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	658891.76
26	रामप्रसाद चंद्र पदक निधि	472634.36	0.00	23430.27	0.00	496064.63	0.00	0.00	0.00	0.00	2242.00	2242.00	493822.63
27	रणधीर रॉय मेडल निधि	270718.68	0.00	13420.55	0.00	284139.23	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	284139.23
28	शरत चंद्र रॉय मेडल निधि	562636.39	0.00	27892.02	0.00	590528.41	0.00	0.00	0.00	0.00	2478.00	2478.00	588050.41

एसियाटिक सोसाइटी,
कोलकाता

31 मार्च, 2024 को वित्तीय विवरण से संबंधित अनुसूचियाँ

(राशि रू में)

अनुसूची 3(A)- (Continued)

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14
29	सुनीति कुमार चटर्जी व्याख्यान निधि	420922.47	0.00	20866.72	0.00	441789.19	0.00	0.00	0.00	0.00	44615.00	44615.00	397174.19
30	एस सी चक्रवर्ती मेडल निधि	560131.81	0.00	27767.85	0.00	587899.66	0.00	0.00	0.00	0.00	19341.00	19341.00	568558.66
31	एस एन डे और मंजुला डे मेडल निधि	581571.30	0.00	28830.69	0.00	610401.99	0.00	0.00	0.00	0.00	19434.00	19434.00	590967.99
32	एस एन सेन व्याख्यान निधि	272533.84	0.00	13510.53	0.00	286044.37	0.00	0.00	0.00	0.00	47624.00	47624.00	238420.37
33	शरतलाल विश्वास मेडल निधि	557338.80	0.00	27629.39	0.00	584968.19	0.00	0.00	0.00	0.00	6904.00	6904.00	578064.19
34	सर जादुनाथ सरकार मेडल निधि	544855.10	0.00	27010.53	0.00	571865.63	0.00	0.00	0.00	0.00	200.00	200.00	571665.63
35	सर विलम जोन्स मेडल निधि	405390.44	0.00	20096.74	0.00	425487.18	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	425487.18
36	सुधा बसु स्मृति व्याख्यान निधि	425550.17	0.00	21096.13	0.00	446646.30	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	446646.30
37	सुकुमार सेन मेडल निधि	565935.53	0.00	28055.57	0.00	593991.10	0.00	0.00	0.00	0.00	2950.00	2950.00	591041.10
38	सुरित सी मित्र मेडल निधि	542682.16	0.00	26902.81	0.00	569584.97	0.00	0.00	0.00	0.00	21543.00	21543.00	548041.97
39	स्वामी प्रणबानंद मेडल निधि	375856.31	0.00	18632.62	0.00	394488.93	0.00	0.00	0.00	0.00	11900.00	11900.00	382588.93
40	जीएसआई अनुक्रमिक कॉम एल/एम फंड	1038698.68	0.00	51492.23	0.00	1090190.91	0.00	0.00	0.00	0.00	40884.00	40884.00	1049306.91
41	टैगोर शांति पुरस्कार निधि	427769.94	0.00	21206.18	0.00	448976.12	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	448976.12
42	एस आर दास स्मारक निधि	0.00	500000.00	0.00	0.00	500000.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	500000.00
43	विदेशी दान – जापान	4155824.69	0.00	206019.99	0.00	4361844.68	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	4361844.68
	कुल	**24336793.74**	**500000.00**	**1206467.00**	**0.00**	**26043260.74**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**394160.00**	**394160.00**	**25649100.74**

एसियाटिक सोसाइटी,
कोलकाता

31 मार्च, 2024 को वित्तीय विवरण से संबंधित अनुसूचियाँ

(राशि रू में)

अनुसूची 3(B)- उद्दिष्ट निधि – निधिवार

क्र. सं.	उद्दिष्ट निधि का शीर्षक	प्रारम्भिक शेष राशि	निधि में योग			कुल	प्रयोज्य निधियों का उपयोग/व्यय					कुल	रिफ़ंड, यदि कोई हो	वर्ष केअंत में निवल शेष राशि
		A	B			[A+B]	C[I]					C		[A+B-C]+D
			दान/ अनुदान/ अंशदान	फंड खाते में किए गए निवेश से आय	अन्य योग		पुजीगत व्यय [i]		राजस्व व्यय [ii]			C [i] + C [ii]		
							अचल परिसंपत्ति	अन्य	वेतन, मजदूरा और भत्ते, आदि।	किराया	अन्य प्रशासनिक व्यय			
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15
1	पांडुलिपि संसाधन केंद्र (एएसके-एमआरसी)	533494.50	0.00	0.00	0.00	533494.50	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	533494.50
2	भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी (आईएनएसए)	229242.60	0.00	0.00	0.00	229242.60	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	229242.60
3	भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद	240463.00	145000.00	0.00	0.00	385463.00	0.00	0.00	270000.00	0.00	40000.00	310000.00	0.00	75463.00
4	प्रकाशन के लिए पश्चिम बंगाल सरकार अनुदान	25000.00	0.00	0.00	0.00	25000.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	25000.00
5	आयुर्वेदिक चिकित्सा पर संगोष्ठी के लिए भारत सरकार अनुदान	63365.10	0.00	0.00	0.00	63365.10	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	63365.10
6	इंदिरा गांधी मानव संग्रहालय	45000.00	0.00	0.00	0.00	45000.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	45000.00	0.00
7	भारतीय दार्शनिक अनुसंधान परिषद	63.20	0.00	0.00	0.00	63.20	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	63.20
8	भारतीय ऐतिहासिक अनुसंधान परिषद	60522.85	0.00	0.00	0.00	60522.85	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	60522.85
9	इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र (आईजीएनसीए एएसके-एमसीसी)	400000.00	0.00	0.00	0.00	400000.00	0.00	0.00	0.00	0.00	13552.00	13552.00	0.00	386448.00
	कुल	1597151.25	145000.00	0.00	0.00	1742151.25	0.00	0.00	270000.00	0.00	53552.00	323552.00	45000.00	1373599.25

एसियाटिक सोसाइटी,

कोलकाता

31 मार्च, 2024 को वित्तीय विवरण से संबंधित अनुसूचियाँ

अनुसूची 3 (सी). अक्षय निधि के खाते में किए गए निवेश से आय का आवंटन

धनराशि रूपए में

क्रम संख्या	अक्षय निधि का शीर्षक	आरंभिक शेष (OB)	फंड के कुल आरंभिक मूल्य के % के रूप में OB का भारांश	ब्याज आवंटन (नीचे नोट देखें)
A	B	C	D	E
1	आभा मैती व्याख्यान निधि	472620.20	1.94	23429.57
2	अन्नाडेल मेडल निधि	580492.91	2.39	28777.23
3	बी बी मजूमदार व्याख्यान निधि	413448.64	1.70	20496.21
4	बार्कले मेडल निधि	588859.51	2.42	29192.00
5	बिमला चरण लॉ कॉल. निधि	21086.41	0.09	1045.33
6	बिमला चरण लॉ मेडल निधि	552269.90	2.27	27378.11
7	बीरेन रॉय मेडल निधि	71542.86	0.29	3546.65
8	डी पी खेतान मेडल निधि	578432.79	2.38	28675.10
9	डॉ प्रभाती मुखर्जी मेडल निधि	470386.53	1.93	23318.84
10	हेम च. रॉय चौधरी मेडल निधि	107516.72	0.44	5330.01
11	भारतीय विज्ञान कांग्रेस निधि	604316.73	2.48	29958.27
12	इंदिरा गांधी मेडल निधि	555296.59	2.28	27528.15
13	इंदिरा गांधी व्याख्यान निधि	725536.44	2.98	35967.59
14	जॉय गोविंदा लॉ मेडल निधि	605115.40	2.49	29997.86
15	माया देब मेडल निधि	422480.07	1.74	20943.94
16	मेघनाद साहा मेमोरियल निधि	563383.30	2.31	27929.04
17	एन एन चटर्जी मेडल निधि	560487.79	2.30	27785.50
18	नरेश च. सेनगुप्ता मेडल निधि	552644.16	2.27	27396.66
19	पंचानन मित्र व्याख्यान निधि	160171.31	0.66	7940.30
20	पॉल जोन्स बरुहल मेडल निधि	544645.08	2.24	27000.12
21	प्रमथनाथ बोस मेडल निधि	558545.52	2.30	27689.22
22	प्रशांत रॉय और गीता रॉय मेडल निधि	221149.36	0.91	10963.21

एसियाटिक सोसाइटी,
कोलकाता

31 मार्च, 2024 को वित्तीय विवरण से संबंधित अनुसूचियाँ

अनुसूची 3 (सी).. CONTD....

23	प्रियव्रत रॉय मेडल निधि	253520.34	1.04	12567.96
24	पंडित ईश्वरचंद्र विद्यासागर व्याख्यान निधि	1344023.72	5.52	66628.34
25	राजस्थानी निधि	627770.79	2.58	31120.97
26	रामप्रसाद चंद्र पदक निधि	472634.36	1.94	23430.27
27	रणधीर रॉय मेडल निधि	270718.68	1.11	13420.55
28	शरत चंद्र रॉय मेडल निधि	562636.39	2.31	27892.02
29	सुनीति कुमार चटर्जी व्याख्यान निधि	420922.47	1.73	20866.72
30	एस सी चक्रवर्ती मेडल निधि	560131.81	2.30	27767.85
31	एस एन डे और मंजुला डे मेडल निधि	581571.30	2.39	28830.69
32	एस एन सेन व्याख्यान निधि	272533.84	1.12	13510.53
33	शरतलाल विश्वास मेडल निधि	557338.80	2.29	27629.39
34	सर जादुनाथ सरकार मेडल निधि	544855.10	2.24	27010.53
35	सर विलम जोन्स मेडल निधि	405390.44	1.67	20096.74
36	सुधा बसु स्मृति व्याख्यान निधि	425550.17	1.75	21096.13
37	सुकुमार सेन मेडल निधि	565935.53	2.33	28055.57
38	सुरित सी मित्र मेडल निधि	542682.16	2.23	26902.81
39	स्वामी प्रणबानंद मेडल निधि	375856.31	1.54	18632.62
40	जीएसआई अनुक्रमिक कॉम एल/एम फंड	1038698.68	4.27	51492.23
41	टैगोर शांति पुरस्कार निधि	427769.94	1.76	21206.18
42	एस आर दास स्मारक निधि	0.00	0.00	0.00
43	विदेशी दान - जापान	4155824.69	17.08	206019.99
	कुल	**24336793.74**	**100.00**	**1206467.00**

नोट: निवेश से आय को फंड के प्रारंभिक शेष और कुल फंड मूल्य के अनुपात पर आवंटित किया जाता ह

अक्षय निधि का कुल मूल्य (प्रारंभिक शेष)	**24336793.74**
अक्षय निधि में किए गए निवेश पर अर्जित कुल ब्याज	**1206467.00**

एसियाटिक सोसाइटी,

कोलकाता

31 मार्च, 2024 को वित्तीय विवरण से संबंधित अनुसूचियाँ

अनुसूची 4. सुरक्षित ऋण और उधारियाँ		चालू वर्ष		विगत वर्ष	
		रू.	रू.	रू.	रू.
1	केंद्र सरकार			0.00	0.00
2	राज्य सरकार (विनिर्दिष्ट करें)		0.00		0.00
3	वित्तीय संस्थान		0.00		0.00
4	बैंक		0.00		0.00
5	अन्य संस्थान एवं एजेंसियां		0.00		0.00
6	डिबेंचर एवं बॉन्ड		0.00		0.00
7	अन्य (विनिर्दिष्ट करें)		0.00		0.00
	कुल		**0.00**		**0.00**

अनुसूची 5. असुरक्षित ऋण और उधार		चालू वर्ष		विगत वर्ष	
		रू.	रू.	रू.	रू
1	केंद्र सरकार		0.00		0.00
2	राज्य सरकार (विनिर्दिष्ट करें)		0.00		0.00
3	वित्तीय संस्थान		0.00		0.00
4	बैंक		0.00		0.00
5	अन्य संस्थान एवं एजेंसियां		0.00		0.00
6	डिबेंचर एवं बॉन्ड		0.00		0.00
7	सावधि जमाएँ		0.00		0.00
8	अन्य (विनिर्दिष्ट करें)		0.00		0.00
	कुल		**0.00**		**0.00**

अनुसूची 6. विलंबित ऋण देयताएं		चालू वर्ष		विगत वर्ष	
		रू.	रू.	रू.	रू
a	पूंजीगत उपकरण और अन्य परिसंपत्तियों का बंधक द्वारा सुरक्षित स्वीकृतियां		0.00		0.00
b	अन्य		0.00		0.00
	कुल		**0.00**		**0.00**

एसियाटिक सोसाइटी,

कोलकाता

31 मार्च, 2024 को वित्तीय विवरण से संबंधित अनुसूचियाँ

अनुसूची 7. वर्तमान देयताएँ एवं प्रावधान		चालू वर्ष		विगत वर्ष	
		रू.	रू.	रू.	रू.
A	**वर्तमान देयताएँ**				
1	स्वीकृतियाँ		0.00		0.00
2	**विविध लेनदार**				
	i] वस्तुओं के लिए	0.00		0.00	
	ii] अन्य	0.00	0.00	0.00	0.00
3	**अग्रिम प्राप्त [सदस्यता]**		0.00		16100.00
4	**अर्जित ब्याज लेकिन ऋण/उधार पर देय नहीं**		0.00		0.00
5	**सांविधिक देयताएँ**				
	i] वस्तुओं के लिए	0.00		0.00	
	ii] अन्य	2125849.00	2125849.00	3088256.00	3088256.00
6	अन्य वर्तमान देयताएँ		5259651.39		5378070.39
कुल [A]		**7385500.39**		**8482426.39**	
B	प्रावधान				
1	कर के लिए		0.00		0.00
2	ग्रेच्युटी	0.00		0.00	
3	अधिवर्षिता एवं पेंशन		0.00		0.00
4	संचित छुट्टी नकदीकरण		0.00		0.00
5	ट्रेड वारंटी / दावा		0.00		0.00
6	अन्य 8079247.00		1463946.00		
	कुल [B]		**8079247.00**		**1463946.00**
	कुल [A + B]		**15464747.39**		**9946372.39**

एसियाटिक सोसाइटी,
कोलकाता

31 मार्च, 2024 को वित्तीय विवरण से संबंधित अनुसूचियाँ

अनुसूची 7. (DETAILS)		चालू वर्ष		विगत वर्ष	
	वर्तमान देयताएँ एवं प्रावधान	रू.	रू.	रू.	रू
A	**वर्तमान देयताएँ**				
2	(ii) **विविध लेनदार - अन्य**				
	प्रकाशनों की आपूर्ति के लिए अग्रिम में प्राप्त भुगतान		0.00		0.00
3	अग्रिम प्राप्त				
	साधारण सदस्यों से सदस्यता		0.00		16100.00
5	(ii) **संवैधानिक देयताएँ - अन्य**				
a	पेशेवर कर [2022-23]	28870.00		29880.00	
b	ठेकेदारों से टीडीएस [2023-24]	59831.00		60790.00	
c	पेशेवरों से टीडीएस (व्यवसाय शुल्क पर) [2023-24]	85510.00		87830.00	
d	कर्मचारियों से टीडीएस (वेतन पर) [2023-24]	772106.00		860500.00	
e	ईपीएफ [कर्मचारियों का हिस्सा]	811960.00		1696428.00	
f	एनपीएस [कर्मचारियों का हिस्सा]	220184.00		186048.00	
g	एलआईसीआई [वेतन बचत]	68144.00		77536.00	
h	सामान्य भविष्य निधि	0.00		0.00	
i	सेना समूह बीमा निधि	0.00		10000.00	
j	डीएसओपी निधि अंशदान	75000.00		75000.00	
k	डाक जीवन बीमा	4244.00	2125849.00	4244.00	3088256.00
6	**अन्य चालू देयताएँ**				
a	बयाना राशि	494763.60		1169763.60	
b	सुरक्षा जमा (देयता)	1499568.54		994842.54	
c	एएसईसीसीएस (सहकारी)	911901.00		869105.00	
d	आरक्षित छात्रवृत्ति राशि	1766727.25		1774616.25	
e	सेमिनार के लिए अग्रिम (क्रेडिट बैलेंस)	569743.00		569743.00	
f	**विविध देयताएँ:**				
	(i) विविध देयताएँ	16798.00		0.00	
	(ii) सदस्य सदस्यता देय	150.00		0.00	
	(iii) बाहरी परियोजना	0.00		0.00	
	(iv) अतिरिक्त वसूली	0.00	5259651.39	0	5378070.39
B	**प्रावधान**				
6	**प्रावधान-अन्य (बकाया व्यय)**				
a	बकाया व्यय	7429247.00		813946.00	
b	लेखा परीक्षकों का पारिश्रमिक	650000.00	8079247.00	650000.00	1463946.00

एसियाटिक सोसाइटी,

कोलकाता

31 मार्च, 2024 को वित्तीय विवरण से संबंधित अनुसूचियाँ

(राशि रू में)

अनुसूची 8. अचल परिसंपत्तियाँ

परिसंपत्तियाँ की श्रेणी		सकल ब्लॉक				मूल्यह्रास				निवल ब्लॉक	
	मूल्यह्रास की दर	वर्ष की शुरुआत में ओस्ट/मूल्यांकन	वर्ष के दौरान वृद्धि	वर्ष के दौरान समायोजन	वर्ष के अंत में लागत/मूल्यांकन	वर्ष की शुरुआत के रूप में	वर्ष के दौरान वृद्धि	वर्ष के दौरान समायोजन	वर्ष के अंत में कुल	चालू वर्ष के अंत में	विगत वर्ष के अंत में
		[1]	[2]	[3]	[4=1+2-3]	[5]	[6]	[7]	[8=5+6-7]	[9=4-8]	10
A. **अचल संपति :**											
1. जमीन :											
a] फ्री होल्ड	0%	5371000.00	0.00	0.00	5371000.00	0.00	0.00	0.00	0.00	5371000.00	5371000.00
b] लीज होल्ड	0%	59100.00	0.00	0.00	59100.00	354.96	0.00	0.00	354.96	58745.04	58745.04
2. बिल्डिंग											
a] फ्री होल्ड जमीन पर	10%	134287947.05	59772760.00	0.00	194060707.05	51101074.67	11307325.00	0.00	62408399.67	131652307.38	83186872.38
b] लीज होल्ड जमीन पर	10%	232764.00	0.00	0.00	232764.00	179515.70	5325.00	0.00	184840.70	47923.30	53248.30
3. प्लांट एवं मशीनरी	15%	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
4. वाहन	15%	3651417.00	0.00	0.00	3651417.00	2736165.03	137288.00	0.00	2873453.03	777963.97	915251.97
5. फर्नीचर एवं फिक्सर	10%	37211116.34	11940065.00	-637833.00	48513348.34	24645485.83	1852861.00	-609542.00	25888804.83	22624543.51	12565630.51
6. कार्यालय उपकरण	15%	51176769.66	13157.00	-6506746.00	44683180.66	36632879.27	2146485.00	-6227028.00	32552336.27	12130844.39	14543890.39
7. कंप्यूटर, सॉफ्टवेयर एवं नेटवर्किंग	40%	22929069.20	410722.00	-96592.00	23243199.20	21849869.47	512451.00	-90082.00	22272238.47	970960.73	1079199.73
8. इलेकाट्रकल संस्थापनाएँ	10%	16683007.21	0.00	-373000.00	16310007.21	9446702.50	722903.00	-364711.00	9804894.50	6505112.71	7236304.71
9. पुस्तकालय की पुस्तकें एवं जर्नल	40%	120927741.63	695903.23	0.00	121623644.86	0.00	29165848.00	48369255.00	77535103.00	44088541.86	120927741.63

एसियाटिक सोसाइटी,

कोलकाता

31 मार्च, 2024 को वित्तीय विवरण से संबंधित अनुसूचियाँ

(राशि रू में)

अनुसूची 8. अचल परिसंपत्तियाँ (contdss)											
परिसंपत्तियाँ की श्रेणी		सकल ब्लॉक				मूल्यह्रास				निवल ब्लॉक	
	मूल्यह्रास की दर	वर्ष की शुरुआत में ओस्ट/मूल्यांकन	वर्ष के दौरान वृद्धि	वर्ष के दौरान समायोजन	वर्ष के अंत में लागत/मूल्यांकन	वर्ष की शुरुआत के रूप में	वर्ष के दौरान वृद्धि	वर्ष के दौरान समायोजन	वर्ष के अंत में कुल	चालू वर्ष के अंत में	विगत वर्ष के अंत में
		[1]	[2]	[3]	[4=1+2-3]	[5]	[6]	[7]	[8=5+6-7]	[9=4-8]	10
10. ट्यूबवेल एवं जल आपूर्ति	10%	6221925.85	0.00	0.00	6221925.85	3645437.67	257649.00	0.00	3903086.67	2318839.18	2576488.18
11. अन्य परिसंपत्तियाँ											
a] माइक्रोफिल्म एवं दस्तावेजीकरण	0%	5930073.86	0.00	0.00	5930073.86	5930073.86	0.00	0.00	5930073.86	0.00	0.00
b] एमएसएस एवं आर्ट ऑब्जेक्ट-संग्रहालय	0%	4539450.00	0.00	0.00	4539450.00	0.00	0.00	0.00	0.00	4539450.00	4539450.00
चालू वर्ष का कुल डँ.[A]		409221381.80	72832607.23	-7614171.00	474439818.03	156167558.96	46108135.00	41077892.00	243353585.96	231086232.07	253053822.84
विगत वर्ष		399724882.83	6695432.00	2801066.97	409221381.80	141129559.96	15037999.00	0.00	156167558.96	253053822.84	
B. पूंजीगत कार्य -प्रगति पर											
सोल्ट लेक परिसर		0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
पार्क स्ट्रीट बिल्डिंग		0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
चालू वर्ष का कुल डँ.[B]		0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
विगत वर्ष		0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	
कुल [A+B]		409221381.80	72832607.23	-7614171.00	474439818.03	156167558.96	46108135.00	41077892.00	243353585.96	231086232.07	253053822.84
विगत वर्ष		399724882.83	6695432.00	2801066.97	409221381.80	141129559.96	15037999.00	0.00	156167558.96	253053822.84	

एसियाटिक सोसाइटी,
कोलकाता

वर्ष 2023-24 के लिए अचल संपत्तियों पर मूल्यह्रास की गणना

(राशि रू में)

[अनुलग्नक- 8 (A)]

परिसंपत्ति श्रेणी	मूल्यह्रास की दर	आरंभिक शेष	वर्ष 2023-24 के दौरान समायोजन	क्रय अवधि 01.04.2023 से 30.09.2023 तक	30.09.2023 तक मूल्यह्रास	क्रय अवधि 01.10.2023 से 31.03.2024 तक	मूल्यह्रास 01.10.2023 से 31.03.2024 तक	कुल क्रय अवधि 2023-24	मूल्यह्रास समायोजन अवधि 2023-24	कुल मूल्यह्रास	कुल मूल्यह्रास राउडेड ऑफ
फ्री होल्ड जमीन	0%	5371000.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
लीज होल्ड जमीन	0%	58745.04	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
फ्री होल्ड जमीन पर बिल्डिंग	10%	83186872.38	0.00	0.00	8318687.24	59772760.00	2988638.00	59772760.00	0.00	11307325.24	11307325.00
लीज होल्ड जमीन पर बिल्डिंग	10%	53248.30	0.00	0.00	5324.83	0.00	0.00	0.00	0.00	5324.83	5325.00
प्लांट एवं मशीनरी	15%	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
वाहन	15%	915251.97	0.00	0.00	137287.80	0.00	0.00	0.00	0.00	137287.80	137288.00
फर्नीचर एवं फिक्सर	10%	12565630.51	-30044.00	10917.00	1254650.35	11929148.00	596457.40	11940065.00	1753.00	1852860.75	1852861.00
कार्यालय उपकरण	15%	14543890.39	-285466.00	13157.00	2140737.21	0.00	0.00	13157.00	5748.00	2146485.21	2146485.00
कंप्यूटर, सॉफ्टवेयर एवं नेटवर्किंग	40%	1079199.73	-7512.00	3150.00	429935.09	407572.00	81514.40	410722.00	1002.00	512451.49	512451.00
इलेकाट्रकल संस्थापनाएँ	10%	7236304.71	-8402.00	0.00	722790.27	0.00	0.00	0.00	113.00	722903.27	722903.00
पुस्तकालय की पुस्तकें एवं जर्नल	40%	120927741.63	-48369255.00	16362.00	29029939.45	679541.23	135908.25	695903.23	0.00	29165847.70	29165848.00
ट्यूबवेल एवं जल आपूर्ति	10%	2576488.18	0.00	0.00	257648.82	0.00	0.00	0.00	0.00	257648.82	257649.00
माइक्रोफिल्म एवं दस्तावेजीकरण	0%	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
एमएसएस एवं आर्ट ऑब्जेक्ट- संग्रहालय	0%	4539450.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
कुल		253053822.84	-48700679.00	43586.00	42297001.06	72789021.23	3802518.05	72832607.23	8616.00	46108135.10	46108135.00

एसियाटिक सोसाइटी,
कोलकाता

मूल्यह्रास गणना के लिए अवधि वर्गीकरण हेतु वर्ष 2023-24 के दौरान परिसंपत्तियों की खरीद/परिवर्धन का विवरण

[अनुलग्नक- 8 (B)]

परिसंपत्ति का वर्गिकरण	(01.04.2023 - 30.09.2023)				(01.10.2023 - 31.03.2024)				वर्ष कुल (रू.)
	क्रय की तिथि	वाउचर संख्या	राशि (रू.)	पहला अर्धवार्षिक कुल (रू.)	क्रय की तिथि	वाउचर संख्या	राशि (रू.)	दूसरा अर्धवार्षिक कुल (रू.)	
कंप्यूटर, सॉफ्टवेयर और नेटवकिंग	23.05.2023	P-227	3150.00	3150.00	16.10.2023	P-895	238098.00	407572.00	410722.00
					17.11.2023	P-1029	160480.00		
					31.03.2024	JV-283	8994.00		
फर्नीचर और फिक्सचर	01.08.2023	P-565	10917.00	10917.00	09.11.2023	P-996	11929148.00	11929148.00	11940065.00
फ्रीहोल्ड बिल्डिंग				0.00	31.03.2024	JV-211	59772760.00	59772760.00	59772760.00
	13.07.2023	P-445	764.00		16.11.2023	P-1013	23112.00		
	13.07.2023	P-458	2039.00		16.11.2023	P-1020	964.00		
	01.08.2023	P-563	8050.00		28.11.2023	P-1052	1330.00		
	01.08.2023	P-564	525.00		04.12.2023	P-1069	24621.00		
	11.09.2023	P-741	4984.00		04.12.2023	P-1073	29581.00		
					14.12.2023	P-1141	2560.00		
					14.12.2023	P-1142	4600.00		
					09.02.2024	P-1421	12627.00		
लाइब्रेरी पुस्तकें और पत्रिकाएँ				16362.00	09.02.2024	P-1422	16609.0	0679541.23	695903.23
					09.02.2024	P-1423	1396.00		
					22.03.2024	P-1660	2631.00		
					22.03.2024	P-1661	4788.00		
					22.03.2024	P-1662	7380.00		
					26.03.2024	P-1673	12276.00		
					26.03.2024	P-1693	4443.00		
					28.03.2024	P-1722	16389.00		
					31.03.2024	JV-296	14328.00		
					31.03.2024	JV-293	6056.00		
					31.03.2024	JV-294	8324.00		
					31.03.2024	JV-222	485526.23		
कार्यालय उपकरण	01.08.2023	P-557	13157.00	13157.00				0.00	13157.00

एसियाटिक सोसाइटी,

कोलकाता

31 मार्च, 2024 को वित्तीय विवरण से संबंधित अनुसूचियाँ

अनुसूची 9. उद्दिष्ट एवं अक्षय निधि से निवेश		चालू वर्ष		विगत वर्ष	
		रू.	रू.	रू.	रू
1	सरकारी प्रतूभूतियों में		0.00		0.00
2	अन्य अनुमोदित प्रतूभूतियों में		0.00		0.00
3	शेयर	0.00		0.00	
4	डेबेंचर एवं बॉन्ड		0.00		0.00
5	सहायक और संयुक्त उद्यम		0.00		0.00
6	अक्षय निधि : एस बी आई पार्क स्ट्रीट से टीडीआर		22488423.00		21088423.00
7	उद्दिष्ट निधि एस बी आई पार्क स्ट्रीट से टीडीआर		1000000.00		1000000.00
	कुल		**23488423.00**		**22088423.00**

अनुसूची 10. निवेश – अन्य		चालू वर्ष		विगत वर्ष	
		रू.	रू.	रू.	रू
1	सरकारी प्रतूभूतियों में		500.00		500.00
2	अन्य अनुमोदित प्रतूभूतियों में		0.00		0.00
3	शेयर	0.00		0.00	
4	डेबेंचर एवं बॉन्ड		0.00		0.00
5	सहायक और संयुक्त उद्यम		0.00		0.00
6	अन्य : एस बी आई पार्क स्ट्रीट से टीडीआर		0.00		3789000.00
	कुल		**500.00**		**3789000.00**

एसियाटिक सोसाइटी,
कोलकाता

31 मार्च, 2024 को वित्तीय विवरण से संबंधित अनुसूचियाँ

		चालू वर्ष		विगत वर्ष	
अनुसूची 9. ब्यौरा उद्दिष्ट / अक्षय निधि से निवेश		रू.	रू.	रू.	रू
6	**अक्षय निधि : एसबीआई पार्कस्ट्रीट शाखा में टीडीआर'**				
a	एफडीआर संख्या 30156925049 एसबीआई पार्क स्ट्रीट में	7452309.00		7452309.00	
b	एफडीआर संख्या 31646744605 एसबीआई पार्क स्ट्रीट में	200000.00		200000.00	
c	एफडीआर संख्या 31012557683 एसबीआई पार्क स्ट्रीट में	299099.00		299099.00	
d	एफडीआर संख्या 30156923416 एसबीआई पार्क स्ट्रीट में	1897.00		1897.00	
e	एफडीआर संख्या 37327671181 एसबीआई पार्क स्ट्रीट में	5000000.00		5000000.00	
f	एफडीआर संख्या 37327671012 एसबीआई पार्क स्ट्रीट में	5000000.00		5000000.00	
g	एफडीआर संख्या 37327546150 एसबीआई पार्क स्ट्रीट में	1135118.00		1135118.00	
h	एफडीआर संख्या 42206427039 एसबीआई पार्क स्ट्रीट में	900000.00		0.00	
i	एफडीआर संख्या 42206428373 एसबीआई पार्क स्ट्रीट में	500000.00		0.00	
j	एफडीआर संख्या 40885332292 एसबीआई पार्क स्ट्रीट में	2000000.00	22488423.00	2000000.00	21088423.00
7	**उद्दिष्ट निधि : एसबीआई पार्कस्ट्रीट शाखा में टीडीआर'**				
a	एफडीआर संख्या 40887303097 एसबीआई पार्क स्ट्रीट में	1000000.00	1000000.00	1000000.00	1000000.00

		चालू वर्ष		विगत वर्ष	
अनुसूची 10. ब्यौरा निवेश – अन्य		रू.	रू.	रू.	रू
6	**अन्य: एसबीआई पार्क स्ट्रीट में टीडीआर**				
a	एफडीआर संख्या 36729902563 एसबीआई पार्क स्ट्रीट में	0.00		1200000.00	
b	एफडीआर संख्या 36729866817 एसबीआई पार्क स्ट्रीट में	0.00	0.00	2589000.00	3789000.00

एसियाटिक सोसाइटी,

कोलकाता

31 मार्च, 2024 को वित्तीय विवरण से संबंधित अनुसूचियाँ

अनुसूची 11. चालू परिसंपात्तियाँ, ऋण एवं अग्रिम, आदि			चालू वर्ष		विगत वर्ष	
			रू.	रू.	रू.	रू.
A		**चालू परिसंपात्तियाँ**				
1		**वस्तु सूची**				
	a	स्टोर एवं स्पेयर	0.00		0.00	
	b	खुला टूल्स	0.00		0.00	
	c	विक्रेय माल				
	(i)	तैयार माल [मुद्रित प्रकाशन]	30100982.00		32374478.00	
	(ii)	कार्य जारी	0.00		0.00	
	(iii)	कच्चा माल [संरक्षण सामग्री]	17342.00	30118324.00	104791.00	32479269.00
2		**विविध देनदार**				
	a	छह महीने से अधिकअवधि के लिए बकाया ऋण	35881.22		35881.22	
	b	अन्य	0.00	35881.22	0.00	35881.22
3		**नकद शेष**		76659.00		123817.00
4		**बैंक बैलेंस**				
	a	अनुसूचित बैंको से				
	(i)	चालू खाते पर	6015513.07		8543468.48	
	(ii)	जमा खाते पर	0.00		0.00	
	(iii)	बचत खाते पर	23898376.24	29913889.31	54443181.14	62986649.62
	b	गैर-अनुसूचित बैंको से				
	(i)	चालू खाते पर	0.00		0.00	
	(ii)	जमा खाते पर	0.00		0.00	
	(iii)	बचत खाते पर	0.00	0.00	0.00	0.00
5		**डाक घर बचत खाता**		0.00		0.00
कुल [A]			**60144753.53**		**95625616.84**	

एसियाटिक सोसाइटी,

कोलकाता

31 मार्च, 2024 को वित्तीय विवरण से संबंधित अनुसूचियाँ

अनुसूची 11. चालू परिसंपात्तियाँ, ऋण एवं अग्रिम, आदि (contds...)		चालू वर्ष		विगत वर्ष	
		रू.	रू.	रू.	रू
B	**ऋण, अग्रिम एवं अन्य परिसंपत्तियाँ**				
1	**ऋण**				
	a कर्मचारीगण	134465.00		170832.00	
	b अन्य	0.00	134465.00	0.00	170832.00
2	**नकद या वस्तु के रूप में या प्राप्त मूल्य के तुल्य अग्रिम और वसूली योग्य अन्य राशि**				
	a पूंजीगत खाता	50764579.00		50764579.00	
	b जर्नल सदस्यता के लिए अग्रिम भुगतान	2593465.37		2135685.60	
	c सुरक्षा जमा	1445589.84		1445589.84	
	d बयाना राशि	0.00		0.00	
	e आकार विभाग से [टीडीएस]	0.00		0.00	
	f अन्य [कर्मचारीगण /स्कॉलर/आपूर्तिकर्ता]	11501577.29	66305211.50	11721542.29	66067396.73
3	**उपचित आय**				
	a उद्दिष्ट/अक्षय निधि से निवेश पर	3690988.00		3003258.00	
	b निवेश- अन्य	0.00		1284810.00	
	d प्राप्य किराया	3461825.40		3289865.40	
	e प्राप्य सदस्यता	2174864.80		2599539.80	
	f प्राप्य टीडीएस	483822.00		489025.00	
	g प्राप्य संस्थागत सदस्यता शुल्क	2568.00	9814068.20	2568.00	10669066.20
कुल [B]			**76253744.70**		**76907294.93**
कुल [A+B]			**136398498.23**		**172532911.77**

एसियाटिक सोसाइटी,

कोलकाता

31 मार्च, 2024 को वित्तीय विवरण से संबंधित अनुसूचियाँ

अनुसूची 11. चालू परिसंपात्तियाँ, ऋण एवं अग्रिम, आदि			चालू वर्ष		विगत वर्ष	
			रू.	रू.	रू.	रू.
A	**चालू परिसंपात्तियाँ**					
1 c	(i)	तैयार वस्तु - मुद्रित प्रकाशनों का स्टॉक		30100982.00		32374478.00
1 c	(iii)	कच्चा माल - संरक्षण सामग्री का स्टॉक		17342.00		104791.00
2	(a)	विविध देनदार - प्रकाशन बिक्री		35881.22		35881.22
B	**ऋण, अग्रिम एवं अन्य परिसंपत्तियाँ**					
1	(a)	ऋण - कर्मचारी				
	(i)	गृह निर्माण अग्रिम	0.00		0.00	
	(ii)	कंप्यूटर अग्रिम	134465.00	134465.00	170832.00	170832.00
2	**(a)**	**पूंजी खाते पर**		50764579.00		50764579.00
2	**(b)**	**जर्नल सदस्यता के लिए अग्रिम भुगतान**				
	(i)	वित्तीय वर्ष 2016-17 से पहले की पत्रिका की सदस्यता	3042.03		3042.03	
	(ii)	पत्रिका की सदस्यता [2016-17]	1032297.98		1036697.98	
	(iii)	पत्रिका की सदस्यता [2017-18]	890887.26		890887.26	
	(iv)	पत्रिका की सदस्यता [2021-22]	0.00		17321.06	
	(v)	पत्रिका की सदस्यता [2022-23]	20467.20		0.00	
	(vi)	पत्रिका की सदस्यता [2023-24]	646770.90	2593465.37	187737.27	2135685.60
2	**(c)**	**सुरक्षा जमा**		1445589.84		1445589.84
2	**(d)**	**बयाना राशि**				
	(i)	सीईएससी लिमिटेड से	0.00		0.00	
	(ii)	डीएमपी निर्माण प्राइवेट लिमिटेड से	0.00	0.00	0.00	0.00
2	**(e)**	**आयकर विभाग से [टीडीएस]**		0.00		0.00

एसियाटिक सोसाइटी,

कोलकाता

31 मार्च, 2024 को वित्तीय विवरण से संबंधित अनुसूचियाँ

अनुसूची 11. चालू परिसंपात्तियाँ, ऋण एवं अग्रिम, आदि. (contds...)			चालू वर्ष		विगत वर्ष	
			रू.	रू.	रू.	रू.
2	**(f)**	**अन्य [कर्मचारी/विद्वान/आपूर्तिकर्ता]**				
	(i)	पार्टियों को अग्रिम राशि	7468909.70		7518909.70	
	(ii)	एलटीसी अग्रिम	121000.00		0.00	
	(iii)	त्योहार अग्रिम	860.00		860.00	
	(iv)	कर्मचारी अग्रिम	101564.00		194618	
	(v)	बाहरी परियोजनाओं के लिए परियोजना अन्वेषकों को अग्रिम राशि		545032.94		543032.94
	(vi)	चिकित्सा अग्रिम	308165.00		651212.00	
	(vii)	एनईआर कार्यक्रम के लिए अग्रिम राशि	2635195.00		2635195.00	
	(viii)	सेमिनार-एनई [नागालैंड विश्वविद्यालय.के लिए अग्रिम राशि]	135000.00		0.00	
	(ix)	आईएनएसए आरएफ (विविध अग्रिम)	3.00		3.00	
	(x)	डीएसटी परियोजना (विविध अग्रिम)	13890.65		13890.65	
	(xi)	डाक एवं स्टाम्प के लिए अग्रिम राशि	90611.00		91217.00	
	(xii)	पूर्वदत्त व्यय	81346.00	11501577.29	72604.00	11721542.29
3		**अर्जित आय**				
	a	अक्षय /उद्दिष्ट निधियों से निवेश पर [डब्ल्यूडी-01]	3690988.00		3003258.00	
	b	निवेश पर- अन्य [डब्ल्यूडी-01]	0.00		1284810.00	
	c	किराया प्राप्य [डब्ल्यूडी-02]	3461825.40		3289865.40	
	d	सदस्यता प्राप्य [डब्ल्यूडी-03]	2174864.80		2599539.80	
	e	टीडीएस प्राप्य	483822.00		489025.00	
	f	संस्थागत सदस्यता शुल्क प्राप्य	2568.00	9814068.20	2568.00	10669066.20

एसियाटिक सोसाइटी,
कोलकाता

31 मार्च 2024 को समाप्त वर्ष के लिए आय एवं व्यय खाते संबंधी अनुसूचियां

अनुसूची 12. **विक्रय एवं सेवाओं से प्राप्त आय**		**चालू वर्ष**		**विगत वर्ष**	
		रू.	**रू.**	**रू.**	**रू.**
1	विक्रय से आय		0.00		0.00
2	सेवाओं से आय		0.00		0.00
	कुल		**0.00**		**0.00**

अनुसूची 13. अनुदान / सहायता		**चालू वर्ष**		**विगत वर्ष**	
		रू.	**रू.**	**रू.**	**रू.**
	(अपरिवर्तनीय अनुदान औरसहायता राशि प्राप्त हुई)				
1	केंद्र सरकार		201423000.00		215056000.00
2	राज्य सरकार (विनिर्दिष्ट करें)		0.00		0.00
3	सरकारी एजेंसियां		0.00		0.00
4	संस्थानों / कलयांकारी निकायों		0.00		0.00
5	अंतरराष्ट्रीय संगठनों		0.00		0.00
6	अन्य	0.00		0.00	
	कुल		**201423000.00**		**215056000.00**

क्र. सं.	**संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार से प्राप्त अनुदान सहायता**	**राशि रू में**	**अभियुक्तियाँ**
1	अनुदान सहायता : सामान्य	27500000.00	Revenue Grants (treated as Income)
2	अनुदान सहायता : वेतन	173723000.00	
3	अनुदान सहायता : स्वच्छता कार्य योजना	200000.00	
	कुल	**201423000.00**	

अनुसूची 14. शुल्क / अभिदान		**चालू वर्ष**		**विगत वर्ष**	
		रू.	**रू.**	**रू.**	**रू.**
1	सदस्यता के लिए आवेदन शुल्क		11800.00		0.00
2	वार्षिक शुल्क /अभिदान		0.00		451900.00
3	जीवन सदस्यता शुल्क		684638.00		134626.00
4	सेमिनार / कार्यक्रम शुल्क		147500.00		15900.00
5	सदस्यता के लिए प्रवेश शुल्क		7500.00		294000.00
6	लाइसेंस शुल्क (सरकारी आवास)		30511.00		0.00
7	रिक्ति अधिसूचना के लिए आवेदन शुल्क		0.00		24900.00
	कुल		**881949.00**		**921326.00**

एसियाटिक सोसाइटी,
कोलकाता

31 मार्च 2024 को समाप्त वर्ष के लिए आय एवं व्यय खाते संबंधी अनुसूचियां

	अनुसूची 15. निवेश से आय	चालू वर्ष		विगत वर्ष	
		रू.	रू.	रू.	रू.
	(निधि में स्थानांतरित उद्दिष्ट / अक्षय निधि से आय)				
1	अक्षय निधि के निवेश पर प्राप्त ब्याज **[डब्ल्यूडी -01]**		1206467.00		1055350.00
2	लाभांश	0.00		0.00	
3	किराया **[डब्ल्यूडी -02]**		2168796.00		2168796.00
	कुल		**3375263.00**		**3224146.00**
	अक्षय निधि में स्थानांतरित		**1206467.00**		**1055350.00**
	निवेश से प्राप्त निवल आय		**2168796.00**		**2168796.00**

	अनुसूची 16. रॉयल्टी, प्रकाशन आदि से आय	चालू वर्ष		विगत वर्ष	
		रू.	रू.	रू.	रू.
1	रॉयल्टी से आय		37345.00		163625.00
2	प्रकाशन से आय		1734042.00		1446695.00
3	अन्य : मिमेंटों/स्मारिकाओं/फोटो अलबम का विक्रय		148355.00		198925.00
	कुल		**1919742.00**		**1809245.00**

एसियाटिक सोसाइटी,
कोलकाता

31 मार्च 2024 को समाप्त वर्ष के लिए आय एवं व्यय खाते संबंधी अनुसूचियां

अनुसूची 17. अर्जित ब्याज	चालू वर्ष		विगत वर्ष	
	रू.	रू.	रू.	रू.
1 सावधि जमा पर :				
(a) अनुसूचित बैंको से [डब्ल्यूडी -01]	167225.00		227227.00	
(b) गैर-अनुसूचित बैंको से	0.00		0.00	
(c) संस्थानों से	0.00	167225.00	0.00	227227.00
2 बचत खातों पर				
(a) अनुसूचित बैंको से	36380.00		1766822.00	
(b) गैर-अनुसूचित बैंको से	0.00		0.00	
(c) संस्थानों से	0.00	36380.00	0.00	1766822.00
3 ऋण				
(a) कर्मचारी /स्टाफ				
(i) गृह निर्माण अग्रिम की राशि पर ब्याज	60984.00		27722.00	
(ii) कंप्यूटर ऋण पर ब्याज	136361.00		98809.00	
(iii) स्कूटर ऋण पर ब्याज	3740.00		4080.00	
(b) अन्य	0.00	201085.00	0.00	130611.00
4 देनदारों से प्राप्त ब्याज और **अन्य प्राप्य**		0.00		0.00
कुल		**404690.00**		**2124660.00**

अनुसूची 18. अन्य आय	चालू वर्ष		विगत वर्ष	
	रू.	रू.	रू.	रू.
1 संपत्तियों की बिक्री एवं निपटान		657492.00		0.00
2 निर्यात प्रोत्साहन से प्राप्त		0.00		0.00
3 विविध प्राप्तियाँ		428949.00		381236.64
कुल		**1086441.00**		**381236.64**

क्र सं	**विविध रसीदें [मद संख्या 3 का विवरण]**	**चालू वर्ष** रू.
a	माइक्रो फिल्म/जीरॉक्स	16815.00
b	ई-वेस्ट /स्क्रैप सामग्री की बिक्री	98887.00
c	स्कैनिंग शुल्क	298574.00
d	अन्य	14673.00
	कुल	**428949.00**

एसियाटिक सोसाइटी,

कोलकाता

31 मार्च 2024 को समाप्त वर्ष के लिए आय एवं व्यय
खाते संबंधी अनुसूचियां

अनुसूची 19. तैयार वस्तु / प्रगामी कार्य और कच्चे सामग्री के स्टॉक में वृद्धि / (ह्रास)		चालू वर्ष		विगत वर्ष	
		रू.	रू.	रू.	रू.
1	**शेष स्टॉक**				
(a)	तैयार वस्तु [मुद्रित प्रकाशन]	30100982.00		32374478.00	
(b)	प्रगामी कार्य	0.00		0.00	
(c)	कच्ची सामाग्री [संरक्षित सामाग्री]	17342.00	30118324.00	104791.00	32479269.00
2	**लेस: ओपेनिंग स्टॉक**				
(a)	तैयार वस्तु [मुद्रित प्रकाशन]	32374478.00		30531652.00	
(b)	प्रगामी कार्य	0.00		0.00	
(c)	कच्ची सामाग्री [संरक्षित सामाग्री]	104791.00	32479269.00	32447.00	30564099.00
	कुल		**(2360945.00)**		**1915170.00**

एसियाटिक सोसाइटी,
कोलकाता

31 मार्च 2024 को समाप्त वर्ष के लिए आय एवं व्यय खाते संबंधी अनुसूचियां

अनुसूची 20. स्थापना व्यय		चालू वर्ष		विगत वर्ष	
		रू.	रू.	रू.	रू.
1	वेतन एवं मजदूरी		144656504.00		139901266.00
2	भत्ते एवं बोनस		1265029.00		1069943.00
3	ईपीएफ में कर्मचारियों का अंशदान		11971821.00		9119351.00
4	ईपीएफ पर प्रशासनिक प्रभार		608729.00		469998.00
5	एनपीएस में नियोक्ता का योगदान		3590120.00		2282678.00
6	एनपीएस में सीआरए एवं पंजीकरण प्रभार		12269.00		21254.00
7	विशेष लाइसेंस शुल्क (सरकारी आवास)		515508.00		35634.00
8	कर्मचारी कल्याण व्यय		120616.00		64530.00
9	कर्मचारियों पर व्यय' सेवानिवृत्ति एवं सेवान्त लाभ		21484773.00		18712370.00
10	छुट्टी यात्रा रियायत (एलटीसी)		326994.00		1500462.00
11	छुट्टी नकदीकरण (एलटीसी)		333324.00		706191.00
12	चिकित्सा व्यय की प्रतिपूर्ति (इनडोर)		2683191.00		2750942.00
13	चिकित्सा व्यय की प्रतिपूर्ति (आउटडोर)		2642103.00		1508145.00
14	मानदेय (स्टाफ)		31600.00		19200.00
15	छुट्टी वेतन एवं पेंशन अंशदान		886795.00		0.00
16	समाचार पत्रों एवं टेलीफोन प्रभारों की प्रतिपूर्ति		102518.00		85268.00
	कुल		**191231894.00**		**178247232.00**

क्र सं	वेतन एवं मजदूरी डमद संख्या 1 का अलग-अलग विवरण	रू.
a	नियमित कर्मचारियों का वेतन एवं मजदूरी	142327052.00
b	संविदागत कर्मचारियों का वेतन एवं मजदूरी	2329452.00
	कुल	**144656504.00**

एसियाटिक सोसाइटी,
कोलकाता

31 मार्च 2024 को समाप्त वर्ष के लिए आय एवं व्यय खाते संबंधी अनुसूचियां

अनुसूची 21. अन्य प्रशासनिक व्यय आदि		चालू वर्ष		विगत वर्ष	
		रू.	रू.	रू.	रू.
A	**यात्रा एवं परिवहन व्यय :**				
1	यात्रा भत्ता [टीए/डीए]	332997.20		155710.60	
2	स्थानीय परिवहन (कर्मचारी)	93996.00		70561.00	
3	स्थानीय परिवहन (अन्य)	106850.00		67700.00	
4	यातायात व्यय (स्थानांतरण)	0.00	533843.20	172750.00	466721.60
B	**संचार प्रभार :**				
1	टेलीफोन प्रभार	91182.00		73603.00	
2	डाक एवं संचार प्रभार	107191.00		259719.00	
3	नेटवर्क एवं संबंधित कार्य	0.00		7080.00	
4	इंटरनेट प्रभार	176999.00	375372.00	192080.00	532482.00
C	**मरम्मत एवं अनुरक्षण:**				
1	मरम्मत एवं अनुरक्षण-भवन	353440.00		72013.00	
2	मरम्मत एवं अनुरक्षण- लिफ्ट	349226.00		399616.34	
3	मरम्मत एवं अनुरक्षण- एसी मशीन	1972985.00		2516647.17	
4	मरम्मत एवं अनुरक्षण-जेनरेटर	52825.00		35991.00	
5	मरम्मत एवं अनुरक्षण- फर्नीचर	16233.00		364229.00	
6	मरम्मत एवं अनुरक्षण- कंप्यूटर	41668.00		82899.36	
7	मरम्मत एवं अनुरक्षण- इलेकाट्रकल	102685.00		111980.00	
8	मरम्मत एवं अनुरक्षण- उपस्कर	140999.00		342712.01	
9	मरम्मत एवं अनुरक्षण-सीसीटीवी	1073644.00		1060844.00	
10	मरम्मत एवं अनुरक्षण- अन्य	154410.00	4258115.00	300348.04	5287279.92
D	**अन्य प्रशासनिक व्यय**				
1	विज्ञापन एवं प्रचार	24968.00		148585.00	
2	मुद्रण एवं स्टेशनरी	634123.00		573043.00	
3	किराया, दरें एवं करा	154657.00		117.00	
4	वाहन एवं अनुरक्षण	578267.00		701165.00	
5	इलेकाट्रसिटी एवं पावर	3002588.00		2888057.00	
6	ई-फिलिंग शुल्क	49300.00		49200.00	

एसियाटिक सोसाइटी,

कोलकाता

31 मार्च 2024 को समाप्त वर्ष के लिए आय एवं व्यय खाते संबंधी अनुसूचियां

अनुसूची 21. अन्य प्रशासनिक व्यय आदि	चालू वर्ष		विगत वर्ष	
(contd...)	रू.	रू.	रू.	रू.
7 जल प्रभार	3840.00		5280.00	
8 बीमा	113198.39		126818.61	
9 लेखापरीक्षकों का मेहनताना	650000.00		703100.00	
10 सुरक्षा एवं गृह प्रबंधन	10149464.00		9444709.00	
11 बैठक संबंधी व्यय	729675.00		782968.00	
12 साफ-सफ़ाई एवं धुलाई	103433.00		129072.00	
13 कर्मचारी प्रशिक्षण	0.00		25533.00	
14 आकस्मिकताएँ	112116.00		104907.00	
15 विधि संबंधी व्यय	393887.00		136175.00	
16 मेडल /अवार्ड	5074.00		10000.00	
17 पुरस्कार एवं प्रोत्साहन	12600.00		0.00	
18 एमएसटीसी लिमिटेड (आईटी और सेवा शुल्क)	39979.00		0.00	
19 कार्यालय संबंधी आपूर्तियाँ	94263.00		4581.00	
20 पेशेवर शुल्क	29710.00		20038.00	
21 चुनाव संबंधी व्यय	203168.00		275379.00	
22 बैंक प्रभार	24115.52		25178.76	
23 वेबसाइट का विकास, अनुरक्षण एवं ईमेल एकाउंट	85200.00		180907.00	
24 लाइसेन्स शुल्क	300.00		3300.00	
25 Annual General Meeting	315104.00		0.00	
26 भर्ती संबंधी व्यय	190983.00		1328362.54	
27 रेपोग्राफिक व्यय	38806.00		117207.00	
28 बागवानी संबंधी व्यय	5334.00		7380.00	
29 संग्रहालय में पांडुलिपियों और कला वस्तुओं के भौतिक सत्यापन के लिए व्यय	57586.00		0.00	
30 स्थानांतरण और पुनवयवस्था कार्य	441084.00		197488.00	
31 बट्टे खाते में डाली गई प्राप्तियाँ	0.00		1980000.00	
32 परिसंपत्तियों के प्रतिधारण पर व्यय	6510.00		0.00	
33 मानदेय (अन्य)	9500.00	18258832.91	1000.00	19969550.91

एसियाटिक सोसाइटी,

कोलकाता

31 मार्च 2024 को समाप्त वर्ष के लिए आय एवं व्यय खाते संबंधी अनुसूचियां

अनुसूची 21. अन्य प्रशासनिक व्यय आदि (contd...)		चालू वर्ष		विगत वर्ष	
		रू.	रू.	रू.	रू.
E	**प्रकाशन और बिक्री संबंधी व्यय**				
1	पुस्तकों, पत्रिकाओं और बुलेटिन का प्रकाशन	3167727.00		5501513.00	
2	प्रकाशनों का प्रचार-प्रसार	40657.00		64000.00	
3	पुस्तक मेले और पुस्तक प्रदर्शनी	389144.00	3597528.00	494386.00	6059899.00
F	**एकादमिक कार्यक्रम संबंधी व्यय**				
1	सेमिनार /कार्यशालाओं पर व्यय	1645221.00		349366.00	
2	डॉ. राजा राजेंद्रलाल मित्रा एम. व्याख्यान	43099.00		10000.00	
3	कार्यक्रमों का दस्तावेजीकरण	0.00		16120.00	
4	आर एन टैगोर जन्म शताब्दी पट्टिका	1371.00	1689691.00	6136.00	381622.00
G	**अन्य कार्यक्रम व्यय:**				
1	महत्वपूर्ण दिनों के लिए समारोह	183663.00		156256.00	
2	प्रदर्शनी	1063927.40		562838.00	
3	हिन्दी कार्यक्रम	32908.00		13278.00	
4	स्थापना दिवस समारोह	304570.00		270428.00	
5	आजादी का अमृत महोत्सव	0.00	1585068.40	1369531.00	2372331.00
H	**पुस्तकालय और संग्रहालय का विकास:**				
1	संरक्षण, पुस्तकों की बाइंडिंग एवं एमएसएस	271802.00		91587.00	
2	लाइब्रेरी ऑटोमेशन प्रोग्राम/वैतनिक (लाइब्रेरी प्रशिक्षु)	970200.00		483650.00	
3	एमएसएस एवं दुर्लभ पुस्तकों डिजिटाइजेशन	576300.00		726088.00	
4	स्संरक्षण सामाग्री की खरीद	187377.00		179954.00	
5	समाचार पत्र एवं पत्रिकाओं की खरीद	19719.00		19243.00	
6	संस्थागत सदस्यता शुल्क	0.00		13570.00	
7	कैटलॉगिंग सहायक के लिए पारिश्रमिक	195050.00		0.00	
8	ट्रांस-कर्नल एवं कन्वेन्स (विवादर्नवसेतु)	0.00	2220448.00	42023.00	1556115.00

एसियाटिक सोसाइटी,
कोलकाता

31 मार्च 2024 को समाप्त वर्ष के लिए आय एवं व्यय खाते संबंधी अनुसूचियां

अनुसूची 21. अन्य प्रशासनिक व्यय आदि		चालू वर्ष		विगत वर्ष	
(contd...)		रू.	रू.	रू.	रू.
I	**अकादमिक एवं अनुसंधान संबंधी व्यय :**				
1	पोस्ट डॉक्टोराल फ़ेलोशिप	360000.00		360000.00	
2	रिसर्च फ़ेलो के लिए फ़ेलोशिप	2740839.00		2021499.00	
3	रिसर्च फ़ेलो के लिए आकस्मिक राशि	180652.00		106510.00	
4	अनुसंधान सहायकों को पारिश्रमिक	271232.00		819871.00	
5	पीआई/आरए को आकस्मिक	381723.00	3934446.00	483207.00	3791087.00
J	**प्रतिकृतियों की लागत (संग्रहालय):**				
1	स्मारिका की लागत (संग्रहालय)	117115.00		116732.00	
2	पोस्टरों का मुद्रण (संग्रहालय)	3100.00	120215.00	0.00	116732.00
K	**व्यय - उत्तर पूर्वी क्षेत्र :**				
1	उत्तर पूर्वी क्षेत्र के लिए सेमिनार, कार्यशाला	42003.80		110000.00	
2	उत्तर पूर्वी क्षेत्र :- आंतरिक परियोजना व्यय	0.00		0.00	
3	उत्तर पूर्वी क्षेत्र :-बाह्य परियोजना व्यय	0.00	42003.80	0.00	110000.00
L	**व्यय -स्वच्छता कार्य योजना**	229678.00	229678.00	163790.00	163790.00
	कुल		**36845241.31**		**40807610.43**

एसियाटिक सोसाइटी,
कोलकाता

31 मार्च 2024 को समाप्त वर्ष के लिए आय एवं व्यय खाते संबंधी अनुसूचियां

अनुसूची 22. अनुदान, सहायता आदि पर व्यय	चालू वर्ष		विगत वर्ष	
	रू.	रू.	रू.	रू.
1 संस्थाओं/संगठन को दिया गया अनुदान		0.00		0.00
2 संस्थाओं/संगठन को दी गयी सहायता		0.00		0.00
कुल		**0.00**		**0.00**

अनुसूचा 23. ब्याज	चालू वर्ष		विगत वर्ष	
	रू.	रू.	रू.	रू.
1 सावधि ऋण		0.00		0.00
2 अन्य ऋण		0.00		0.00
3 अन्य	0.00		36471.00	
कुल	**0.00**		**36471.00**	

पूर्व अवधि का समायोजन	चालू वर्ष		विगत वर्ष	
	रू.	रू.	रू.	रू.
1 प्रोविज़न रिटेन बैक		0.00		44860.00
2 अन्य		(53830054.00)		0.00
कुल		**(53830054.00)**		**44860.00**

स्थान: कोलकाता
दिनांक : 15 मे, 2024

हस्ता./-
[सुजीत कुमार दास]
कोषाध्यक्ष

हस्ता./-
[एस. बी. चक्रवर्ती]
महा सचिव

एसियाटिक सोसाइटी,
कोलकाता

31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष के लिए लेखा विवरणी हेतु महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियां, आकस्मिक देयताएं एवं लेखा नोट

अनुसूची– 24

महत्वपूर्ण लेखा नीतियां

1. लेखा प्रक्रिया

भारत में लागू लेखांकन मानकों के अनुसार और लेखांकन की उपचय पद्धति, जब तक कि अन्यथा उल्लेख न किया गयाहो, के अनुसार ऐतिहासिक लागत प्रक्रिया के तहत लेखा वित्तीय विवरण तैयार किए जाते हैं।

2. वस्तु सूची का मूल्यांकन

क) सोसाइटी के प्रकाशनों के अंतिम स्टॉक का मूल्यांकन प्रकाशनों के प्रिंट मूल्य के आधार पर पिछले वर्ष की तुलना में एकरूपता रखते हुए किया गया है।

ख) संरक्षण और परिरक्षण सामग्री का मूल्य निर्धारण किया गया है।

3. निवेश

टीडीआर (सावधि जमा) के रूप में बैंकों के पास जमा को लागत के आधार पर उल्लेख किया गया है। ऐसी जमाराशियों पर अर्जित ब्याज, लेकिन वर्ष के अंत में देय नहीं राशि, को ऋण, अग्रिम और अन्य चालू परिसंपत्ति के तहत वित्तीय विवरण में अलग से दिखाया गया है।

4. अचल संपति

क) अचल संपत्तियों को अधिग्रहण की लागत पर आवक भाड़ा, शुल्क और करों और ऐसे अधिग्रहण से संबंधित आकस्मिक और प्रत्यक्ष व्ययों को शामिल किया गया है;

ख) मूल्यह्रास हेतु प्रभार्य के पश्चात अचल संपत्तियों को अवलिखित मूल्य पर स्वीकृत किया गया है।

5. मूल्यह्रास

अचल संपत्तियों पर मूल्यह्रास की गणना की गई है और आयकर अधिनियम, 1961 और वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए लागू में निर्दिष्ट दरों के आधार अपर पर अचल संपत्तियों के अवलिखित मूल्य के आधार पर लेखा में उल्लेख किया गया है।

एसियाटिक सोसाइटी,

कोलकाता

31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष के लिए लेखा विवरणी हेतु महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियां, आकस्मिक देयताएं एवं लेखा नोट

6. सरकारी अनुदान

सहायता अनुदान को लेखा में स्वीकृत किया गया है एवं इसे आवश्यकतानुसार प्राप्ति की जाती है। एक वर्ष के अप्रयुक्त अनुदान को अल्प उपयोग के कारण आगे बढ़ा दिया जाता है एवं इसे अगले वर्ष के सहायता अनुदान के साथ समायोजित कर दिया जाता है। किसी विशेष शीर्ष के अंतर्गत प्राप्त सहायता अनुदान से अधिक व्यय, यथास्थिति के अनुसार, स्वयं के संसाधनों से पूरा कर लिया जाता है। पूंजीगत परिसंपत्तियों का सृजन शीर्ष के तहत प्राप्त सहायता अनुदान को पूंजीगत निधि में अंशदान के रूप में माना गया है, जबकि अन्य शीर्षो (अर्थात सामान्य, वेतन और एसएपी) के तहत प्राप्त सहायता अनुदान को पिछले वर्ष की संगति में राजस्व प्रकृति होने के कारण आय के रूप में माना गया है।

7. कर्मचारी ऋण पर ब्याज का लेखाकरण

वर्ष के दौरान कर्मचारी ऋण पर वसूली के आधार पर प्राप्त ब्याज को आय के रूप में माना गया है।

8. निवेश पर ब्याज के लिए लेखांकन

निवेश पर अर्जित ब्याज उपचय आधार पर प्रदान किया गया है।

9. सेवानिवृत्ति लाभ

वर्ष 2023-24 के दौरान सेवानिवृत्ति लाभों (ग्रेच्युटी और छुट्टी नकदीकरण) के लिए सेवानिवृत्त कार्मिकों को वास्तविक भुगतान के आधार पर भुगतान किया गया है।

	हस्ता./-	हस्ता./-
स्थान: कोलकाता	**[सुजीत कुमार दास]**	**[एस. बी. चक्रबर्ती]**
दिनांक : 15 मे, 2024	कोषाध्यक्ष	महा सचिव

एसियाटिक सोसाइटी,
कोलकाता

31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष के लिए लेखा विवरणी हेतु महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियां, आकस्मिक देयताएं एवं लेखा नोट

अनुसूची–25

आकस्मिक देयताएं एवं लेखा नोट

क आकस्मिक देयताएं

1. सोसाइटी द्वारा/की ओर से दी गई बैंक गारंटी: निरंक (पिछला वर्ष: निरंक)

2. सोसाइटी की ओर से बैंक द्वारा खोले गए साख पत्र: निरंक (पिछले वर्ष: निरंक)

ख लेखा नोट

1. भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय के तहत सोसाइटी की स्थापना एक स्वायत्त संगठन के रूप में की गई है और यह भारत सरकार द्वारा पूरी तरह से वित्तपोषित है।

2. पिछले वर्षों के अनुरूप ही वर्ष 2023-24 के वार्षिक लेखा केंद्रीय स्वायत्त निकायों के लिए निर्धारित लेखाओं के एक समान प्रारूप में तैयार किए गए हैं।

3. सोसाइटी को आयकर अधिनियम, 1961 की धारा u / s 12 AA के तहत पंजीकृत किया गया है और इसलिए इसकी पूरी आय, आयकर से मुक्त है।

4. दिनांक 08.02.2024 को किए गए डीड ऑफ गिफ्ट माध्यम से (डीड संख्या 1609/2024) स्वर्गीय प्रोफेसर एस.डी. चटर्जी द्वारा एशियाटिक सोसाइटी, के पक्ष में उपहार में दी गई संपत्ति, जो कि 91, बालीगंज प्लेस, कोलकाता - 700019 में स्थित है, को दिनांक 11.02.2024 को जिला उप-रजिस्ट्रार-IV, अलीपुर दक्षिण 24 परगना के कार्यालय में पंजीकृत किया गया और संपत्ति को एशियाटिक सोसाइटी, कोलकाता के नाम पर स्थानांतरित कर लिया गया है।

   उपहार में दी गई संपत्ति का बाजार मूल्य 5,63,89,867/- रुपये है, जिसके साथ उक्त संपत्ति के टाइटल के हस्तांतरण के लिए स्टांप शुल्क 28,18,994 रुपये का भुगतान किया गया एवं 5,63,899 रुपये का पंजीकरण शुल्क भुगतान किया गया है, जिसे पूंजीकृत कर लिया गया है और कुल 5,97,72,760 रुपये की राशि को भी अचल संपत्तियों के तहत 'फ्रीहोल्ड बिल्डिंग' के मूल्य में शामिल किया गया है।

5. रुपये 79,51,408.00 की सावधि जमा के रूप में निवेश को भारतीय स्टेट बैंक, पार्क स्ट्रीट शाखा के पास रखा गया है, चूंकि यह जमा संपार्शावक प्रतिभूति को वापस ले लिया गया है।

एसियाटिक सोसाइटी,
कोलकाता

31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष के लिए लेखा विवरणी हेतु महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियां, आकस्मिक देयताएं एवं लेखा नोट

6. वर्ष 2023-24 की लेखापरीक्षा लंबित होने के कारण, वर्ष 2023-24 के लिए लेखापरीक्षा शुल्क के लिए दावा महानिदेशक (केंद्रीय), कोलकाता के कार्यालय से अभी प्राप्त नहीं हुआ है। ऐसी परिस्थितियों में वर्ष 2023-24 के लेखा में 6,50,000.00 रुपये (पिछले वर्ष की लेखा परीक्षा शुल्क के आधार पर अनुमानित) की एकमुश्त राशि प्रदान की गई है।

7. 31.03.2024 की स्थिति के अनुसार अक्षय निधि और अन्य के लिए सावधि जमा पर अर्जित ब्याज को एफडीआर विवरण से मिलान के बाद 2023-24 में हिसाब में लिया गया है।

8. वर्ष 2023-24 के लिए सोसायटी के सामान्य सदस्यों से प्राप्त होने वाली सदस्यता राशि का हिसाब नहीं लगाया जा सका, क्योंकि वार्षिक खातों को अंतिम रूप देने के समय सदस्यता सॉफ्टवेयर में तकनीकी त्रुटि पाई गई थी। हालाँकि, इसे अगले वित्तीय वर्ष में समायोजित किया जाएगा।

9. पिछले वर्ष के तदनुरूपी आंकड़ों को, आवश्यकतानुसार, पुनवयवस्थित और पुनर्समूहित किया गया है।

	हस्ता./-	हस्ता./-
स्थान: कोलकाता	**[सुजीत कुमार दास]**	**[एस. बी. चक्रबर्ती]**
दिनांक : 15 मे, 2024	कोषाध्यक्ष	महा सचिव

जीएफआर फार्म 12-क

[(नियम 238 (1) देखें]

अनुदानग्राही संगठन के स्वायत्त निकायों के लिए उपयोग हेतु प्रमाणपत्र का फार्म वर्ष 2023-2 के लिए उपयोग हेतु प्रमाणपत्र

आवर्ती/गैर-आवर्ती अनुदान सहायता /वेतन/ पूंजीगत परिसम्पत्तियों के सृजन के संबंध में

1. योजना का नाम : **एशियाटिक सोसाइटी, कोलकाता के लिए राजस्व के तहत अनुदान सहायता**
2. आवर्ती अथवा गैर-आवर्ती अनुदान : आवर्ती अनुदान
3. वित्त वर्ष 2023-24 (i.e. 01.04.2023) के प्रारंभ में अनुदानों की स्थिति
   - (i) हाथ /बैंक में नकद : **Rs. 2,65,59,050**
   - (ii) असमायोजित अग्रिम : **रू. निरंक**
   - (iii) **कुल** : **रू. 2,65,59,050**
4. प्राप्त अनुदानों, किए गए व्यय और अंतशेष का ब्यौरा : (वास्तविक आंकड़े)

[राशि रू में]

वर्ष के दौरान प्राप्त अनुदानों का अव्यतीत शेष [क्र.सं.3 (iii) पर दिए गए आंकड़े के अनुसार]	उस पर अर्जित ब्याज	सरकार को वापस जमा किया गया ब्याज	वर्ष के दौरान प्राप्त अनुदान			कुल उपलब्ध धनराशि [(1+2)-3]+4	किया गया व्यय	अंत:शेष (5-6)
1	2	3	4			5	6	7
			स्वीकृत संख्या (i)	दिनांक (ii)	राशि में रू (iii)			
अनुदान सहायता : सामान्य (31) : 2205.00.105.19.01								
निरंक	निरंक	निरंक	एफ.सं.20-8/	26.04.2023	22,92,000	2,75,00,000	2,75,00,000	निरंक
			2023-	15.05.2023	22,92,000			
			ए एंड ए	05.06.2023	22,91,000			
			(सामान्य)	28.07.2023	22,92,000			
				07.08.2023	22,92,000			
				11.09.2023	22,91,000			
				22.12.2023	68,75,000			
				16.01.2024	22,92,000			
				08.02.2024	45,83,000			
			कुल		**2,75,00,000**			

अनुदान सहायता : वेतन (36) : 2205.00.105.19.01								
निरंक	निरंक	निरंक	एफ.सं.20-8/ 2023- ए एंड ए- (वेतन)	15.05.2023 05.06.2023 28.07.2023 07.08.2023 11.09.2023 22.12.2023 16.01.2024 08.02.2024	1,44,24,000 1,79,17,000 1,79,60,000 1,79,60,000 1,79,62,000 4,14,19,000 1,53,60,000 3,07,21,000	19,50,00,095	19,50,00,095	निरंक
			कुल		17,37,23,000			
पूंजीगत परिसम्पत्तियों का सृजन (35) : 2205.00.105.19.01								
52,81,955	निरंक	निरंक	एफ.सं.20-8/ 2023-ए एंड ए (सीसीए)	16.01.2024 08.02.2024	3,34,000 6,66,000	62,81,955	62,81,955	निरंक
			कुल		10,00,000			
अनुदान सहायता :- सामान्य – स्वच्छता कार्य योजना (96-31) : 2205.00.105.19.01								
निरंक	निरंक	निरंक	एफ.सं.20-8/ 2023- ए एंड ए (एसएपी- सामान्य)	26.04.2023 15.05.2023 05.06.2023 28.07.2023 07.08.2023 11.09.2023 22.12.2023 16.01.2024 08.02.2024	17,000 17,000 16,000 17,000 17,000 16,000 50,000 17,000 33,000	2,00,000	2,00,000	निरंक
			कुल		**2,00,000**			
2,65,59,050	**निरंक**	**निरंक**			**20,24,23,000**	**22,89,82,050**	**22,89,82,050**	**निरंक**

5. अनुदानों का घटकवार उपयोग

[राशि रू में]

अनुदान सहायता - सामान्य	अनुदान सहायता वेतन	अनुदान सहायता पूंजीगत परिसम्पत्तियों का सृजन	अनुदान सहायता :- सामान्य – स्वच्छता कार्य योजना (एसएपी)	कुल
2,75,00,000	19,50,00,095	62,81,955	2,00,000	**22,89,82,050**

6. वित्त वर्ष 2023-24 (i.e., 31.03.2024) के अंत में अनुदानों की स्थिति

(i)	हाथ /बैंक में नकद	:	रू. निरंक
(ii)	असमायोजित अग्रिम	:	रू. निरंक
(iii)	कुल	:	**रू. निरंक**

7. प्रमाणित किया जाता है कि मैंने इस तथ्य के प्रति स्वयं को संतुष्ट कर लिया है कि जिन शर्तो पर अनुदान स्वीकृत किए गए थे, उन्हें विधिवत पूरा किया गया है/किया जा रहा है और कि मैंने यह देखने के लिए निम्नलिखित जांच की है कि धनराषि का उपयोग वस्तुत: उसी प्रयोजन के लिए किया गया है जिसके लिए यह स्वीकृत की गई थी:

(i) मुख्य लेखे और अन्य सहायक लेखे एवं रजिस्टर (परिसंपत्ति के रजिस्टरों सहित) संगत अधिनियम/नियमों/स्थायी निर्देषों (अधिनियम/नियम का उल्लेख करें) में निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार रखे जाते हैं और पदनामित लेखापरीक्षकों द्वारा उनकी विधिवत लेखापरीक्षा की गई है। उपर्युक्त आंकड़े, वित्तीय विवरणों / लेखाओं में उल्लिखित संपरीक्षित आंकड़ों से मेल खाते हैं।

(ii) लोक निधि / परिसंपत्तियों की सुरक्षा करने, वित्तीय निवेष के मुकाबले में परिणामों और भौतिक लक्ष्यों की उपलब्धियों पर निगरानी रखने, परिसंपत्ति सृजन आदि में गुणता सुनिष्चित करने के लिए आंतरिक नियंत्रण विद्यमान हैं तथा उनकी प्रभावकारिता सुनिष्चित करने के लिए आंतरिक नियंत्रणों का समय-समय पर मूल्यांकन किया जाता है।

(iii) अपने सर्वोत्तम ज्ञान और विष्वास के अनुसार, ऐसा कोई लेनदेन दर्ज नहीं किया गया है, जो संगत अधिनियम/ नियमों / स्थायी निर्देषों तथा योजना दिषानिर्देषों का उल्लंघन हो ।

(iv) योजना के निष्पादन के लिए मुख्य पदाधिकारियों के बीच उत्तरदायित्व स्पष्ट रूप से सौंप दिए गए हैं और वे सामान्य स्वरूप के नहीं हैं।

(v) लाभ अपेक्षित लाभार्थियों को दिए गए और केवल ऐसे क्षेत्र / जिले ही शामिल किए गए जहां स्कीम संचालित की जानी थी।

(vi) योजना के विभिन्न घटकों पर व्यय, स्कीम के दिषा-निर्देषों और अनुदान सहायता के निबंधन एवं शर्तो के अनुसार प्राधिकृत अनुपात में था।

(vii) सुनिष्चित किया गया है एशियाटिक सोसाइटी, कोलकाता के लिए **एशियाटिक सोसाइटी, कोलकाता के लिए राजस्व के तहत अनुदान सहायता** (योजना नाम) के तहत भौतिक और वितिय कार्यनिषादन उन अपेक्षाओं के अनुरूप है जो भारत सरकार द्वारा जारी किए गए दिषानिर्देषों एवं उस वर्ष के लिए कार्यनिष्पादन/लक्ष्य प्राप्त विवरण, जिसमें निधि के उपयोग के फलस्वरूप परिणाम प्राप्त हुए, अनुलग्नक-I में विधिवत संलग्न है।

(viii) धनराषि उपयोग फलस्वरूप प्राप्त परिणाम विधिवत संलग्न अनुबंध-II द्वारा अपनी अपेक्षाओं निर्देषों अनुसार तैयार किया जाना।(संबंधित मंत्रालय/विभाग द्वारा अपनी अपेक्षाओं / विनिर्देषों के अनुसार तैयार किया जाना है)।

(ix) एजेंसियों द्वारा एक ही मंत्रालय अथवा किसी अन्य मंत्रालय से प्राप्त अनुदान सहायता से निष्पादित विभिन्न स्कीमों का ब्यौरा अनुबंध-II में दिया गया है (संबंधित मंत्रालय/विभाग द्वारा अपनी अपेक्षाओं / विनिर्देषों के अनुसार तैयार किया जाना है)।

	हस्ता./-	हस्ता./-
स्थान: कोलकाता	**[सुजीत कुमार दास]**	**[एस. बी. चक्रबर्ती]**
दिनांक : 15 मे, 2024	कोषाध्यक्ष	महा सचिव

ENGLISH VERSION

ANNUAL REPORT 2023-2024

The Asiatic Society

1 Park Street, Kolkata 700 016

संस्कृति मंत्रालय
MINISTRY OF CULTURE

सत्यमेव जयते

Published by
Lt. Col. Anant Sinha
Administrator
The Asiatic Society
1 Park Street
Kolkata 700 016

November, 2024

Compiled by : Dr. Pritam Gurey

Cover Design : Dhiman Chakraborty

Printed at
Sailee Press Pvt. Ltd.
4A Manicktola Main Road
Kolkata 700 054
Email : saileepress@yahoo.com

Message of Condolence

The Asiatic Society, Kolkata offers its sincere condolence on the demise of the following Members, Eminent Personalities, Well-wishers, Employees and Ex-Employees of the Society.

Swami Smaranananda

Professor Bikash Sinha

Dr. Arun Gandhi

Shri Ajay Ghosh

Shri Samar Bagchi

Professor Amal Kumar Mukhopadhyay

Professor Amar Kumar Chattopadhyay

Dr. Chandrakanta Murasingh

Dr. Pinakinath Mukhopadhyay

Professor (Dr.) Sparsha Mani Chatterjee

Professor Atul Chandra Bhowmick

Mohammed Habib

Professor Emmanuel Le Roy Ladurie

Professor Mrinmoy Bhattacharya

Professor Kamalesh Dutta Tripathi

Ustad Rashid Khan

Shri Dipankar Sukul

Shri Pankaj Udhas

Professor Piyushkanti Dixit

Shri Satish Kaushik

Professor C.R. Rao

Professor Ranajit Guha

Shri Pravrajika Amalaprana

Professor Dilip Saha

Professor Badiur Rahaman

Professor Nirmala Banerjee

Professor Dipak Bhattacharya

Smt. Banani Ghosh

Dr. Prasaddas Bhattacharyya

Professor Soumendra Nath Mukherjee

Dr. Shanti Bandyopadhyay

Shri Goutam Halder

Dr. Mallar Mitra

Dr. Anup Ghoshal

Professor Mahadev Chakraborty

Smt. Srila Majumder

Shri Bhabani Prasad Majumdar

Professor Anjalika Mukhopadhyay

Shri Partha Sarathi Deb

Contents

1.	The Journey of The Asiatic Society	...	9
2.	Presidential Address	...	12
3.	General Secretary's Report	...	23
4.	The Council of The Asiatic Society (2022-2024)	...	26
5.	Planning Board and Standing Finance Committee	...	28
6.	Committees and Sub-Committees	...	30
7.	Recipients of different Medals, Plaques and Lectureships of the Asiatic Society for the year 2023	...	33
8.	Major Resolutions Adopted & Items Reported in the meetings of the Council during April 2023-March 2024	...	36
9.	Publication of the Asiatic Society	...	40
10.	Activities : Library Section		
	Library	...	42
	Museum	...	45
	Conservation	...	47
	Reprography	...	48
11.	Activities of the Academic Section	...	49
	A. Internal Research Projects	...	50
	B. Post-Doctoral Research Projects	...	52
	C. On-going External Research Projects	...	52

	D.	Approved External Research Projects yet to be Commenced	...	53
	E.	External Research Projects : Hosted by the Asiatic Society	...	53
	F.	Lectures/ Seminars/ Conferences/ Workshops/ Symposium/ Colloquium	...	53
12.	Other Activities		...	61
13.	Employees of the Asiatic Society (2023-2024)		...	63
14.	Finance, Accounts, Budget & Audit		...	69
	Glimpses			

1

The Journey of The Asiatic Society

The Journey

The Asiatic Society, Kolkata is the oldest institution of learning in India and has made a seminal contribution in the revival of Indian history and heralding its renaissance. It was founded by Sir William Jones, a revered philologist and scholar of Anglo-Welsh descent on 15 January, 1784 in a meeting held at the Grand Jury Room of the Supreme Court, Calcutta.

Sir William Jones (1746-1794) joined the Calcutta Supreme Court as a Puisne Judge in 1783. It was Sir Jone's idea to set up a regular organisation for Oriental studies. Warren Hastings, the then Governor General, himself was deeply interested in Indian classical languages and literature. A group of Company officials were also quite actively involved in oriental studies. Therefore Jones's idea was implemented very easily.

On 15 January, 1784, thirty such interested Europeans met in the Grand Jury Room of the Supreme Court at Calcutta and adopted the proposal of Jones for founding the institution, "The Asiatick Society".

"The Bound of investigations will be the geographic limits of Asia, and within these limits its enquiries will be extended to whatever is performed by man or produced by nature" – a statement contained in the Memorandum of Articles of the Asiatic Society was prepared by Sir William Jones in that historic meeting. Thus began the long journey of the Asiatic Society, Kolkata.

Early Days

William Jones became the first President of the Society and continued in this position until his death in 1794. Warren Hastings was the first Patron of the Society. Since then the position of the Patron was held by the Governor General and after independence by the Governor of West Bengal. Initially, the Society only had European citizens as its members. It was in 1829 that Indians were allowed to be a part of the Society. In 1885, Rajendralala Mitra became the first Indian President of this organization. During the early years of establishment, the organization functioned without a building. After the government granted it land in 1805, its official building was built by 1808. The present building of the Society was constructed at the same site in 1961 and inaugurated by former President of India Dr. Sarvepalli Radhakrishnan on 22nd February 1965.

The name of the Society underwent several changes during the last two centuries such as The Asiatick Society (1784-1832), The Asiatick Society of Bengal (1832-1935), The Royal Asiatick Society of Bengal (1936-1951) and in July 1952 it came to be known as The Asiatic Society.

Vision & Mission

The main objectives of the Society are :

- to organize, initiate and promote researches in Humanities and Science in Asia,
- to establish, build, erect, construct, maintain and run research Institutions, reading rooms, museums, auditoriums and lecture halls,
- to organize lectures, seminars, symposia, discussions, meetings and award of medals, prizes and scholarships in furtherance of the objectives.
- To acquire, finance or publish any periodicals, books or other literature that the Society may think fit for the promotions of its objects.

With the march of time, the Asiatic Society had to expand its range of objectives and consequently the area of research. Of course it has not gone beyond the basic mandate issued by its founder Sir William Jones that it would work with “what is performed by Man and produced by Nature.” This mandate is being fully adhered to till now, consistent with the requirements of ever-expanding centre in human knowledge in modern times.

The Asiatic Society has played the pioneering and most crucial role in discovering India’s past. The great Indologists and Orientalists like William Jones, Charles Wilkins, H T Colebrooke, B H Hodgson, Francis Wilford, Samuel Davis, H H Wilson, James Prinsep had created their intellectual marvels at the Asiatic Society.

The Society has been also a great repository of the cultural heritage of the country and the Society has been engaged for the last more than 200 years in disseminating the cultural heritage based on its resources by way of acting as a great centre of valuable manuscripts and other documents.

Institute of National Importance

The Asiatic Society was instrumental in setting up different learned institutions and professional bodies in the country including Archaeological Survey of India, Geological Survey of India, Zoological Survey of India, Botanical Survey of India, Indian Museum, School of Tropical Medicine, University of Calcutta and Indian Science Congress Association as well as Indian National Science Academy and so on.

In recognition of the Society’s importance and its immense contribution in all fields of arts and sciences, Government of India recognized the Asiatic Society as an Institution of National Importance by an Act of Parliament during its bi-centenary year in 1984. With the enactment of the Asiatic Society Act of 1984, the Government of India took over the responsibility of providing the

required financial support for its maintenance and development in future. At present, the Society is an Autonomous Organization under Ministry of Culture, Government of India.

Governance

The Society is registered under Societies Registration Act, 1860 (Regulations Act XXI of 1860). It is a members' Society. The Administration, direction and management of affairs of the Society are vested in a twenty members Council elected by the members of the Society. Election is held every two years. The learned Council members are primarily experts of different academic disciplines. Besides, there are four nominees of the Govt. of India, one nominee of the Government of West Bengal and one Representative of the Asiatic Society Employees' Union in the Council. The Council meets mandatorily once a month excepting the month of October. There are several Standing Committees which help the Council in implementing its mission. Also there is a Planning Board of the Asiatic Society which advises it with respect to the planning and implementation of the developmental programmes of the Society. Similarly, a Standing Finance Committee consisting of representatives from Central Govt, State Govt and Council nominees to advise the Council on all matters having financial implications.

The Journey continues ….

The basic thrust areas as identified by the Peer Review Committee are being increasingly covered, specially, emphasizing the rich heritage of Indian culture and civilization. Special emphasis has been put to modernize the conservation of valuable books, documents, manuscripts etc through digitization on the one hand and through networking with the global academic communities on the other. Another area of importance of the Society's activities has been to use more and more social media network in order to reach out to a greater number of people in this country as well as abroad.

In her inaugural speech at the Bi-Centenary Celebrations of the Society at Kolkata on 11th January, 1984, Smt Indira Gandhi, the then Prime Minister of India told, "Some Institutions reflect history and some contribute to it. This Society has done both." Till now, the Society has been carrying forward its programmes in all fronts for achieving its targets such as library, museum, publication and annual academic activities.

2

Presidential Address

Literary Societies and Social Science Literature in 19^{th} Century Bengal

Hon'ble Justice Shyamal Sen, Former Chief Justice of Allahabad High Court & Former Governor of West Bengal, Dr. Satyabrata Chakrabarti, our General Secretary, Dr. Sujit Kumar Das, our Treasurer, Hon'ble Recipients of Medals, Plaques and Lectureships, Ladies and Gentlemen!

Systematic reflection and research on social questions started in India, particularly in Bengal, mostly in the 19th century. British colonial rule, the impact of new ideas, the zeal of the missionaries to introduce Christianity created a new awakening among the indigenous intellectuals to look afresh at the age old institutions and customs. There were the revivalists who sought to provide new justification and new arguments in support of the prevalent system. There were the pro-changers or the modernists who advocated for changing the system and adopting western values, ideologies and educational systems. And there were those who advocated for a synthesis of the old and the new to regain the best of our own tradition while adopting the new humanitarian values and institutions of the west. As a result, if we look at the nature of discourse in the 19th century, we find a new rejuvenation at the elite level and an unprecedented social churning.

Some thinkers have identified the process as Bengal renaissance and have compared it to the similar type of process which occurred in Europe in 16th and 17th century. But it is debatable whether this new intellectual awakening can be compared with the process of renaissance in Europe as the number and percentage of people involved in this intellectual awakening was limited to urban upper class people only and the vast number of people, living in the countryside, remained relatively unaffected by the process. Undoubtedly society was

experiencing an upheaval which had a jerking effect upon the people in general.

In Europe, the impact of the French Revolution and the enlightenment was felt upon the society and the issue was how to maintain social order. This prompted men to look at the very basis of society leading to the question of how society is possible. In explaining the development of Sociology in Europe, Nisbet, in his *The Sociological Tradition*, had this to say, "The fundamental ideas of European Sociology are best understood as responses to the problem of order created at the beginning of the 19th century by the collapse of the old regime under the blows of industrialism and revolutionary democracy. The breakup of the old order in Europe – an order that had rested on kinship, land, social class, religion, local community and monarchy – set free, as it were the varied elements of power, wealth and status that had been consolidated, however precariously, ever since the middle ages. Dislocated by revolution, scrambled by industrialism and forces of democracy, these elements can be seen tumbling across the political landscape of Europe throughout the 19th century in search of new and more viable contexts".[1]

Nothing of this stranglehold happened in India. Colonial stranglehold stood in the way of freedom and democracy, there was no direct exposure to revolutionary ideas of freedom and equality, no tradition of prolonged conflict between the religious and temporal authority, no operation of the orthogenetic process of change, except to some limited extent. Yet upon such a relatively static and immobile society, the impact of westernization, the introduction of a new system of education and the rise of an indigenous elite was being felt. Throughout 19th century, we find the operation of this process. Bengal was at the centre of such a whirlpool, though there was some parallel resurgence in western India also.[2]

Interest on social issues, reflection and research on social questions and a thorough empirical orientation towards social issues all these characterised the intellectual concerns of the emerging elites in 19th century Bengal. This intellectual concern had two important directions. First, some prominent intellectuals and social reformers of the period began to raise fundamental social questions. Their greatest asset was the possession of a rational and inquisitive mind with the help of which they were all contemplating the social reality of the time. Prominent among them were Rammohun Roy (1771-1833), Akshay Kumar Dutta (1820-1886), Iswar Chrandra Vidyasagar (1820-91), Bhudev Mukhopadhya and quite a few others. Bengal was the centre of such reformist orientation. Second, it was at this period that many academic and professional societies were established. The Asiatic Society of Bengal (1784), The Academic Association (1828), The Tattwa Bodhini Sabha (1831), The Bethune Society (1851), The Bengal Social Science Association (1866) were a few examples of such academic bodies. Scientific attitude to social issues and social problems, rational approach towards the factual aspects of different segments of society differentiated this period from the earlier metaphysical and philosophical approach to society. We begin with an elaboration of some of such academic bodies and schools before we take up the individual contributions of some important thinkers of this period.

It was not only that the interests of these bodies and individuals were only on the things 'social'. There was a strong evidence of the increased interests in things 'scientific'. The Calcutta Journal of Natural History was established in 1840. Dwarakanath Tagore, Ramkamal Sen, Durgacharan Bhattacharya and a few others were closely associated with it. Writing about the intellectual climate of mid-nineteenth century, Bela Dutta Gupta says, "*The whole intellectual climate in contemporary Calcutta was really and truly surcharged with science and things scientific. In individual lectures, writings in journals, newspapers, there was a constant demand for the study, teaching and dissemination of scientific*

knowledge. In the pages of the Tattwabodhini Patrika, in the columns of Sambad Prabhakar, logic for technical school, agricultural institutes, researching on improved methods of cultivation, was repeated again and again. In 1854, Col. Goodwin's Paper on 'Union of Science, Industry and Art' read before the Bethune Society, is an important index of the people's demand for applied science in this country."[3] Behind the establishment of The Asiatic Society in 1784 by Sir William Jones, there was this idea of the unity of knowledge in all its diverse manifestations. To William Jones, *'History, Science and Art'* constituted the trinity of human learning or knowledge. In his own words, *"The first (history) comprehends either on account of natural productions or the genuine records of empire and states; the second (Science) embraces the whole cycle of pure and mixed mathematics together with ethics and law, as far as they depend on the reasoning faculty"*[4] The birth of The Asiatic Society in 1784, as it has been rightly said is significant for its 'quest for secular salvation'. Again *"The Asiatic Society ... became the central figure in the development of legion other organizations. There was an unprecedented enthusiasm for literary, philosophical and scientific illumination in such societies. Development of a scientific outlook was followed by a rationatistic climate of opinion. Institutions of long standing were being questioned and their rationale challenged. This type of society become the centre of reforming zeal of neophytes."*[5]

Asiatic Society Publication Endeavours: The Beginnings

The central motto of The Asiatic Society, after it was established in 1784 was publication of all types through Journals and Periodicals. In one of his Annual discourses, Sir William Jones, the founder of The Asiatic Society, professed, "It will flourish, if naturalists, chemists, antiqueries, philologers and men of sciences, in different parts of Asia, will commit their observations to writing, and send them to The Asiatic Society at Calcutta, it will languish if such communication shall be long intermittent, and it will die away, if they shall entirely cease." William Jones's expectations have been fulfilled hence, resulting in The Asiatic Society being a two hundred and forty years old Institution "bearing the prestige of the oldest surviving publishing house of the country." Dr. R.C. Majumdar's comment on this is worth noting in the context when he said that "the high ideal of Sir William Jones was realized beyond expectations by the publication of learned articles and treatises on the history and antiquities, arts, sciences and literature of Asia."

Of course the high expectations of Sir William Jones were not fulfilled immediately after. The publication was delayed by a few more years. In a letter written in September 1788, Jones wrote, 'The Society has yet published nothing but has material for two quarto volume and will, I hope, send one to Europe next spring.' It was in 1788 that the first volume under the title *Asiatick Researches* (instead of 'Asiatick Miscellany' originally thought of by Jones) was first published. It contained 28 articles (a third of which was by Jones himself) and the printed matter ran into 488 pages. At the initial stage of the publication, Jones had contributed immensely. As Rajendralal Mitra mentioned, no less than 29 papers were contributed by him in the first 4 volumes of the *Asiatick Researches* and his translation of Manu had been a standard text book of reference for a hundred years. He likewise translated into Engligh the *Sakuntala* by Kalidasa and the *Gitagovinda* of Jayadeva.'[6] But initially the Journal was published only irregularly, the scarcity of fund being the main cause of this irregular publication.[7]

It was James Prinsep, who planned to bring out the Journal with a new character. The first issue of the Journal named as the *The Journal of the Asiatic Society of Bengal* was first published in 1832 with the aim 'to give publicity to such oriental matters as the antiqueries, the linguist, the traveller and the naturalist may glean in the ample field open to their

industry in this part of the world, that is Asia, and as far means would permit to the progress of the various sciences at home especially such as are connected in any way with Asia. Starting from 1832, the Journal has passed three stages and entered the fourth stage in 1953, when it was renamed as *Journal of the Asiatic Society* from the original, the *Journal of the Asiatic Society of Bengal*.

To go back to the early years of the beginnings of the Journal, almost all the landmark discoveries in the scientific arenas and the literary and documentary analyses found its publications in the *Journal of the Asiatic Society*. We can mention a few of such important publications apart from those by Jones and Prinsep, who have already been mentioned. Thus we had the landmark writings of H. H. Willson, who among other things made an elegant translation of the *Meghduta* and a translation after fourth volume of the *Rigveda* and a critical review of Max Müller's Vedic literature, whose connection with the Society, according to Rajendralal Mitra, extended over a quarter of a century and during whose period the stability and credit of the Society was thoroughly established; H. T. Colebrooke, who was the President of The Asiatic Society for ten years from 1806 to 1815 and who contributed nineteen papers to the Transactions of the Asiaitc Society : a great mathematician, a zealous astronomer and a profound sanskrit scholar and who was the founder of the Royal Asiatic Society of Great Britain and Ireland; Bryan Hughton, whose contributions to the Society lay in carrying on pursuits of literary and scientific arenas hitherto unexplored and whose contribution to the Society amounted to a total of 112 papers, besides a large number of donations of valuable manuscripts and specimens of Natural History. Apart from those already mentioned, the most frequent contributors to the Journal were, among others, Mr. H. H. Piddington, Dr. H. Falconer, Dr. J. Campbell, Mr. Csoma de Koros, Captain J. D. Cunningham, General A Cunningham, Col. R. Everest, Mr. W. T. Hanford, Dr. R. Mitra and Mr. H. Blochmann. As Rajendralal Mitra calculates in his said Centenary Review, that during the period under review, the Society had published either directly or indirectly and including the index, 84 volumes of the Journal and 19 volumes of the Proceedings. These 103 volumes represent roughly speaking the total of 50,000 papers of closely printed matters, replete with innumerable essays, papers, monographs and notes of great interest. To obviate the difficulty of going through these volumes physically, a carefully prepared index to the volumes had been prepared by Rajendralal Mitra himself in the year 1856. This endeavour has been continuing over time since then for the next 150 years by indexes prepared by the writers including that by Sibdas Chowdhury. The latest such prepared index is now in the press.

In the said Centenary Review (1784-1884). Rajendralal Mitra had also made a rough calculation of the published materials of The Asiatic Society upto that period. As he says, "It has published a total of 354 volumes, including 21 volumes of the *Asiatick Researches* and Index, 84 volumes of the Journal and Index, 19 volumes of the Proceedings, 167 volumes of Oriental works of different kinds, 31 volumes of miscellaneous works relating to India, 14 volumes of Catalogues of various kinds and 18 volumes of 'Notices of Sanskrit Manuscripts.' As Mitra says, ''This compares very favourably with the works of other and older Societies in other parts of the Earth'' (Centenary Review, P-81)

Apart from publications in The Asiatic Society Journal, the Society also undertook another series of publications in The Asiatic Society known as the *Bibliotheca Indica* Series. In and around the late forties of the 19th century, the Society endeavoured to publish various works of oriental literature, grammar, dictionaries and studies and critical editions of Sanskrit, Pali, Prakrit, Rajasthani, Kashmiri, Hindi, Tibetan, Persian, Bengali and such other languages. Works under this Series included some works by scholars like Pandit Iswar Chandra

Vidyasagar. Dr A. Sprenger and J.R. Ballantyne. After the arrival of Csoma de Koros at Almorah, after his long sojourn in Tibet, the Society was able to publish his scholarly works on Tibetan Grammer and Dictionary. The origin of this series of publications has been described by Rajendralal Mitra, in his Centenary Review, thus, "... Sir James Macintosh, then President of the 'Literary Sociey of Bombay' submitted a scheme for the regular publication of Sanskrit texts, and on July 2, 1808, The Asiatic Society resolved to publish from time to time, as the funds will admit of it, in Volumes distinct from the Asiatick Researches, translations of short works in the Sanskrit and other Asiatic languages, or extracts and descriptive accounts of books of greater length in these languages which may be offered to the Society and appear deserving of publication" and the publications may be extended to incorporate all Asiatic books, the series of volumes be entitled 'Bibliotheca Asiatica' or a Descriptive Catalogue of Asiatic books, with extracts and translations" (Rajendralal Mitra, Centenary Review, p-56). This Bibliotheca Indica series, which was started in the forties of the 19th century, has been continuously functioning since then and has been instrumental in publishing in valuable books and manuscripts.

The Hindu College and Related Activities

The Hindu College was established in the year 1817. The establishment of the college symbolized the growing demand for western education. It was ensured from the very beginning that the Hindu College does not teach abstruse Hindu theology and metaphysics but such thinkers such as Hume, Reid, Bentham, Mill or others. Adhir Chandra Dass, a student of Hindu College, while writing about his experience, tells, *"I have already enjoyed the blessings of liberal educations ... and yet the education I have received has taught me principles opposed to those that have been professed and practiced by my ancestors."* Of course, in this process, there was no unmixed adulation to western knowledge but an attempt, on the part of many to combine the elements of eastern and western thoughts, a synthesization of the civilizations or ancient and modern times. The zeal for social reform and for adopting a rational attitude for the study of social institutions and processes, resulted in the establishment of various associations, viz. the Tattwabodhini Sabha, the Society for the Acquisition of General Knowledge, the Dharma Sabha, the Bengal British Indian Society or the Bethune Society. In most cases, those societies or associations were launched and operated by the alumni of the new schools.

Thus Derozio and his pupils started in 1828 the Adademic Association. Because of their uncompromising stand on various social issues, the Young Bengals, as they were known and were regarded the "Athenians of India". Their magazines, the *Parthenon* and the *Jnananeswan* acted as a forum of free expression on social issues. Their new gods were Bacon, Locke, Hume, Smith, Paine or Bentham. But because of their overdosing, they attracted the wrath of the conservatives and reformists alike and due to sudden death of Henry Derozio, the association soon became defunct.

Somewhat frustrated by the negligible effect of their revolt against Hinduism and the strong counter effect of conservative Hindu society, most of the Derozians ultimately turned dipsomaniac. Arabinda Ghosh told about them in a sarcastic tone "They were giants and did everything gigantically. They read hugely, wrote hugely, thought hugely and drunk hugely."

With the demise of the Academic Association, Society for the Acquisition of General Knowledge was formed and the initiative in this respect was taken by such contemporary intellectual stalwarts like Tarini Charan Bannerjee, Ramgopal Ghosh, Ramtanu Lahiri, Tarachand Chakrabarty and Raj Krishna Dey. The avowed objective of the society was to "create a determined and well regulated love of study, which will lead us to dive deeper than the mere surface of learning and enable us to acquire a

respectable knowledge on matters of general and more specially of local interest." The transactions of this society show how diverse was the nature of the papers presented there: 'Reform, civil and social among educated natives' and 'On the nature and importance of historical studies' by Rev K.M Banerjee, "A Sketch on the Condition of Hindu Women" by Peary Chand Mitra, 'The Philosophy of Dissections' by Prasanno Kumar Mitra etc. The variety of the topics presented and their empirical orientation shows how objective and scientific they were in identifying their topics of research.

It may be mentioned here that in the early 1833, they even brought out *Vijnan Swar Sangrahas* a bi-lingual monthly on scientific subjects. Their aim was "to publish such selections from the works of European literature and science as may tend to enlarge the sphere of their moral sentiments."[8]

Tattwabodhini Sabha, Tattwabodhini Patrika and Akshay Kumar Dutta

The *Tattwabodhini Sabha* was established in 1830 as a successor to Brahma Samaj. Though the declared objective of the Sabha was 'extensive propaganda of Brahmo Dharma', it eventually became the forum for analysis and amelioration of social maladies. The Tattwabodhini Patrika became the mouthpiece of such social concerns of the Sabha. A perusal of the articles published in the patrika will bear that out. R.C. Dutta has commented "Scientific articles, moral instructions, account of different nations and tribes, stories of the animate and inanimate creations all that could enlighten the expanding intellect of Bengal and dispel darkness and prejudices, found a convenient vehicle in the Tattwabohinr Patrika."[9] The scientific orientation of the articles and their social concerns made the patrika a leading exponent of positivist orientation at that time. This is what N.K. Bose had to say, "The Tattwabodhini Sabha and the Tattwabodhini Patrika were destined to play a significant part in the moral and intellectual reconstruction of Bengal. The journal published information on Science, History and Social Affairs; answered charges levelled by Christian missionaries. And although it played a defensive role, it made people feel proud of their civilization in its reformed version, and rendered satisfied pride the basis of an acceptance of the best which the west had to offer."[10]

The key figure behind Tattwabodhini Patrika was Akshay Kumar Dutta (1820-1886) who was a thorough rationalist in orientation and scientific in temperament. He was concerned with the relation of human beings with the external nature (মানবপ্রকৃতির সাথে বহির্জগতের সম্পর্ক) and in his scheme of things, god or any supra mundane existence has no relevance. He even formulated the following equation :

Labour = crop

Prayer + Labour = Crop

So, Prayer = 0

Akshay Kumar's positivist orientation led him to believe that the only motto of human existence is to serve humanity. It is interesting to note that Vidyasagar was associated with Akshay Kumar in running the patrika. Both of them were thoroughly secular. Once, when a certain person complained to Debendranath regarding the way the Patrika was being run, Debendranath commented*"kotokguli nastic mile patrikata chalachchhe"*. Through his writings, Akshay Kumar made substantive contributions in the fields of criminology and penology, sociology of education and it's the matter of organic relation between the individual and society. He also drew the attention of the public to the distressing condition of the peasantry in Bengal and about the general agrarian situation. Rightly, the *Hindu Patriot* described Akshay Kumar as the 'Ornament to the republic of letters in Bengal'.

The role of Rammohan, Vidyasagar and Bhudev Mukhopadhyay as stalwarts in the process of intellectual re-awakening and social reconstruction in Bengal has been noted equally empathically by

many others. And we are not entering into a detailed discussion about them here.

The Bethune Society

It was an Englishman, Mowatt, who established the Bethune Society in 1851 as a mark of respect to Drinkwater Bethune. The declared objective of the society was "to promote among the educated natives of Bengal a taste for literary and scientific pursuits and encourage a freer intellectual intercourse than can be accomplished by other means in the existing state of native society.'' Towards this end, the society engaged itself in discussing various social, economic and political issues. In 1858-59, the society's academic activities were divided into six sections. These were: (i) General education (ii) Literature and philosophy (iii) Science and art (iv) Medical and sanitary improvement (v) Sociology and (vi) Female education. Rev. James Long was in charge of Sociology section. James Long's approach was thoroughly empirical. He prepared 50 questions in the subjects requiring investigation in the social conditions of the natives. Objectivity was the sole aim of the new discipline. He observed "Without the practice of close observation, little progress can be made in sociology, which is to be presented not from books but from personal observation of men and things."[11] The questionnaire framed by James Long were so full of details that as Rev. A. Duff, President of the Society, remarked even if half of the questions were sincerely answered 'from them a volume might be prepared' which would embellish the story of oriental literature.' It may be mentioned here that Rev. Lal Behari Dey was the secretary of the sociology section and he also made substantial contribution in the field of village studies. Justice Dwarakanath Mitra who was the president of the 'Improvement and Amelioration of Women Section of the Bethune' society was a great positivist and was at the forefront of the positivist movement in Bengal as we shall see later. Summing up the contributions of the Bethune society, Professor Bela Dutta Gupta says "The renaissance contribution of the Bethune society was unique. No other organization could effect such intellectual awakening and activities as the Bethune Society did."[12] The Bethune Society ceased functioning from 1870.

Somewhat independently of the Bethune Society but carrying the heritage of doing work on the basis of scientific observation and analysis, we can mention here three other works on rural society and the condition of the peasantry, all of which were done by Indians. These are The Bengal Peasant Life (1872) by Rev. Lal Bihari Dey, The Peasantry of Bengal (1874) by Ramesh Chandra Dutta and The Indian Ryot (1881) by Abhaya Charan Das. All these three books made monumental contribution in comprehending the intricacies and complexities of life in rural Bengal. Lal Bihari Dey's other work, viz., Gobinda Samanta drew appreciation even from Charles Dalwin, who commented, "I shall he glad if you would tell him with my compliments how much pleasure and instruction I derived from reading Gobinda Samanta a few years ago."[13] The subtitle of Ramesh Chandra Dutt's book 'The peasantry of Bengal' speaks about its nature: "A view of their condition under the Hindu, the Mohammedan arid the English Rule and a consideration of the means calculated to improve their future prospects." The other book, viz., The Indian Ryots is an exposition of the economic condition of the agrarian situation in European countries and in India. Such a comparative treatment was unthinkable at the time the book came out. It is a pioneering study in comparative agrarian economics and rural institutions.

The Bengal Social Science Association

The Bengal Social Science Association was formed in 1867 at the initiative of Rev. James Long and Miss Mary Carpenter. The genesis of the association was in The Asiatic Society on 17th December 1866 in the presence of the Lieutenant Governor of Bengal and a large number of European and Indian persons, where a resolution was taken to form such

an association with a view to study the 'people and circumstances of the country'. In the provisional committee, apart from the European luminaries, a large number of Indians, like Peary Chand Mitra, Ram Chandra Mitra, Keshab Chandra Sen, Monmohan Ghosh, Debendranath Tagore, Rajendralal Mitra, Iswar Chandra Vidyasagar and others, were present. The objective of the association was "to collect, arrange and classify series of facts bearing upon the social, moral and intellectual conditions of the people of Bengal... the most express object of the association was to promote the development of social science in the presidency of Bengal." In order to realize these objectives, four academic sections were created concerning (1) Jurisprudence and law (2) Education (3) Health (4) Economy and trade. These sections will hold annual meeting, invite papers for which definite guidelines were prescribed and after the deliberations, these will be printed in the transactions of the association. Desiderata or heads of enquiry were prepared for each section and papers were invited. In the section on Economy and Trade, for example, the following academic subdivisions were created, viz. Banking and currency; Labour; Agriculture; Social economy; and in each subdivision, areas of enquiry were identified. The papers presented in these sessions were objective, analytic and comprehensive. They all followed the guidelines which were, "they (the papers) should be confined as per as practicable, to the relation of facts and obselvations bearing upon the question and should avoid, as far as may be, the enunciation of general principles and of philosophical theories and reflections. It is quite true that the promotion of Social Science demands that deductions should be drawn from ascertained facts..." (Regulations regarding paper, Rule 8)

It will turn into dozens of pages to even name the papers which were presented at the different sections of the annual sessions of the Association from 1867 to 1878. Together, they constitute valuable data and observations on different aspects of social, economic and political life of the people including Hindus and Muslims, men and women, artisans, labourers and the educated, ruralites and urban dwellers, economy and trade. As it has been said "In the different sections of the Bengal Social Science Association quite a few important papers were submitted. Indian Society was the focus of their study; as such everything concerning inter human relations, e.g., language and literature, customs and folkways, rites and rituals, proverbs and sayings, economic organization of men and women and others came to be thoroughly studied and discussed at different sections."[14] Again, "a look into the papers read at the Bengal Social Science Association will convince one of their high standard of logic, erudition and objectivity. Empiricism and objectivity became almost the keywords of the Association as it matured in age."[15]

The Bengal Social Science Association could not last long and ceased to exist from 1878. Internal feud was one main reasons for that. At the very start in 1867 Rajendralal Mitra moved a resolution to the effect that "the association as a body shall abstain from expressing its opinion on any social questions that may be brought to its notice and from taking any action for the amendment of any law or custom of the country." This requisitions saving been defeated, Rajendralal Mitra, Romanath Tagore, Digambar Mitra, Jyotindra Mohon Tagore and Greesh Chandra Ghosh resigned from the association. The association was also looked down suspiciously by the native intelligentsia. An article in the *Hindu Patriot* the then widely circulated contemporary newspaper, will bear that out. The suspicion was that some self-seeking native intelligentsia had assembled there to draw favours from Englishmen. The suspicion was baseless but it was unfortunate that beyond 1878, the Bengal Social Science Association could not continue.

Positivism in Bengal

Starting from the late 1860's, there was another movement in Bengal, i.e., the positivist movement.

Contemporaneously with the influence of positivism and Comte in Europe, in Bengal also, a strong group of positivists emerged. Briefly started as the Encyclopedia of Philosophy has defined it, positivism believes that "Science is the only valid knowledge and that facts the only possible object of knowledge, that philosophy does not possess a method different from science and that the task of philosophy is to find the general principles common to all the sciences and to use these principles as guides to human conduct and as the basis of social organization."[16] True, Positivism as an outlook existed in Europe before Comte. One can trace the origin of Positivism in such 17th century thinking in Bacon, Hobbes and Locke and 18th century thinkers as Condorcet, James Mill, Bentham and Hume. As Bela Duttagupta says, "The essence of positivism is to be traced in the whole empiricist tradition and in the 18th century philosophy of sensationalism in particular. It devolved on the 19th century positivists to explore and expand the points that all knowledge is derived from sense perception."[17]

Similarly in India, prominence given to sensory perceptions as a means of knowing the truth and not to any extra sensory agency like God as was there in earlier philosophies. There were sceptics, agnostics and atheists, even during the Vedic period. The charvakas / Lokayatas had absorbed all such previous traits and finally produced a system of philosophy that was uncompromisingly rational and opposed to all dictums that were not founded on sense perceptions.

If we look at the works of Akshay Kumar Dutta, it will appear that he was a Baconian through and through and considered the works of Bacon and Comte to be 'our Sastras', as much as the works of Bhaskara and Aryabhatta as well as Newton and Laplace were.[18] A thorough rationalist outlook on life was evident in the activities of Derozio and his disciplines. Sushobhan Sarkar has called Derozio as "the stormy petrel of our renaissance".[19] To the Derozians, Tom Paine's Age of Reason was the new gospel. Their short lived journal, The Enquirer and bi-lingual periodical 'Jnananweshan' had strongly advocated widow remarriage even before Vidyasagar did it.

But Positivism as an integrated outlook and as a philosophy was espoused in Europe in the writings of Comte and in Bengal through those who claimed to be the disciples of Comte. They did not have to challenge all the principles of Hindu religion in order to be so as Positivism provided scope for a judicious admixture of tradition and modernity. Among them, we find the names of not only Jogendra Chandra Ghosh, Nagendranath Ghosh and Krishnakamal Bhattacharjee, but also such name as Janakinath Ghoshal, the brother-in-law of Rabindranath Tagore, Hemchandra Bannerjee, the well-known poet and W.C. Bannerjee, the first President of the Indian National Congress. There is another name, i.e., Ishwar Chandra Bannerjee, who, according to Forbes, is none other than our Vidyasagar,[20] and Dwaraka Nath Mitra, the friend of Vidyasagar and a famous lawyer, who learned French in order to read Auguste Comte in original.

In the spread of Positivism in Bengal, the foreigners who influenced the local intellectuals are Richard Congrave, Sammuel Lobb and K.S. Macdonald. The people who were most influenced by them were Girish Chandra Ghosh and justice Dwarakanath Mitra. A positivist club was set up in Calcutta in 1873 under their influence whose motto was 'order for its basis, love for its principles and progress for its end.' Vijay Krishna Goswami, who later on turned out to be an utterly religious man and rejected the atheistic aspects of Positivism, retained at the same time the positivist ideal of social service and religion of humanity. Satish Chandra published articles in *The Dawn* interpreting Hindu Social matters from the positivist point of view. Krishnakamal Bhattacharya was contributing articles in *The Bengalee* from the positivist point of view and he declared "I am an atheist, I am a positivist." Jogendra Chandra Ghosh's articles on Hindu joint family and the caste system were

written from the positivist approach. It seems that Positivism dominated the Bengali intellectual scene from the 1850s through the 1870s. The philosophy of Comte influenced contemporary Bengal and one positivist writing a letter in *The Bengalee* affirmed, "that no earnest Inquirer can peruse such works as the 'catechism' and 'the positive politics' without being favourably influenced by the moral enthusiasm which pervades them."

However, no account of Positivism in Bengal will be complete without mentioning the name of Bankim Chandra Chattopadhya, who was also a confirmed positivist. Though Comte's 'Religion of Humanity' as an impersonal god and as based on the principles of atheism, did not ultimately find its corroboration in Bankim's writings and though Bankim was more intluenced by this principle of utilitarianism of Bentham and James Mill, the influence of Comte on Bankim's thaught cannot be ignored. Says Brajendranath Seal, "Evidently the views on man and universe held by thinkers like Mill, Spencer and Darwin, have vitally affected Bankim Chandra's interpretation of Hindu religion and philosophy, but the profoundest influence of all has been that of Auguste Comte, whose Positive Polity and Religion appear in almost everything that our author has to say on domestic, social and political ideas and institutions and the creation and conservation national life".[21]

Bankim's adherence to positivism became most manifest in his *Dharmatattwa* (1884-85). The definition of Religion, as given by Bankim, is this: "Religion in itself expresses the state of perfect unity which is the distinctive mark of man's existence both as an individual and in society, when all the constituent parts of his nature, moral and physical are made habitually to converge towards one common purpose." So this definition of Religion is both rationalistic and humanistic. He, like Comte, started with the constituent parts of man's nature, moral and physical, though he sought their convergence not in an abstract 'Humanity' (as Comte did) but in a personal pantheistic god'. There are references to Comte with approval, in Bankim's early writings also. In the opening number of *Navajivan*, Bankim contributed an article under the caption 'Dharmajijnasa', clearly indicating his preference for a humanistic definition of Religion and quoting with approval the definition proposed by Comte. In *Prachar* likewise he wrote an article entitled 'Hindu Dharma', in which, following the same humanistic approach, he asserted 'that alone was true Religion which furthered the cause of human development, physical, mental and social.' Regarding his *Dharmatattwa* (Krishnacharitra), Binoy Kumar Sarkar offered an equation :

'Dharmatattwa' (Krishnacharitra)=Gita×Comte,[22]

Without going into further detailed discussion, it may be said that minus the idea of atheism, Bankim was greatly influenced by Comte, as he was equally influenced by utilitarianism.

The cult of science which is involved in Positivism had another manifestation in Bankim's writings. Knowing that the basis of Hindu philosophy is deductive knowledge, Bankim pleaded for inculcating the scientific culture to combat this. He pleaded that the universe is guided by certain "invariable physical laws" and expressed the opinion that 'unflinching recognition of the sovereignty of law' reigns over the abstract, metaphysical, thinking of Hindu Philosophy, knowledge of science and scientific thinking was the imperative necessity of the time." To popularise scientific thinking, Bankim wrote *Vijnanrahasya*, wherein such articles as 'Protoplasm', 'the age of man', 'Flight in the sky', 'Dust' and many others like that are included. The objective was to popularize science and develop scientific outlook. It may be said that this was another manifestation of the positivist outlook of Bankim.

So, on the whole, if we look at the 19th century social thinkers it will be found that they raised fundamental social questions regarding the bases of social order. Customs, institutions and beliefs which were prevalent for centuries, came under the

scanner of their inquisitive mind. In raising these social questions and issues they not only looked inward torwards their own past but they also looked outside and actively interacted with the great empiricist and scientific philosophies which were emerging in the west.

References :

1. Nisbet. R.: *The Sociological Tradition* (London, 1967) PP : 23-24
2. For an Excellent Account of this Sec. Dobblin, C.R. (1972), *Urban Leadership in Western India : Politics and Communities in Bombay Cities, 1640-1865* (Oxford University Press).
3. Bela Duttagupta (1972), *Sociology in India*, PP: 16-17 (Centre for Sociological Research)
4. Sir William Jones, Quoted in David Kopf, *British Orientalism and Bengal Renaissance* (Calcutta, 1969) P: 35
5. Quoted by Bela Duttagupta, ibid, from Turbewille, A.S.(ed), *Johnson's Paper*, (Oxford, 1933) Vo1-1, PP: 210-11
6. Rajendralal Mitra, *Centenary Review of the Asiatic Society*, 1784 to 1883
7. Rajendralal Mitra, ibid, P:30
8. Review of The Magazine in *The Calcutta Magazine* 1833, P:176
9. Dutt. R. C., *The Literature of Bengal* (1895), PP: 163-164
10. Bose N. K., *Modern Bengal* (Calcutta, 1959) PP: 46-47
11. Ref. *Transactions of the Bethune Society* (1859-68) Also Annual Report of the Sociology Section at the Bethune Society, submitted in 1861.
12. Duttagupta, B., ibid, P: 122
13. Quoted in Gobinda Samanta (Bengali Text) in *Debipada Bhattacharyya*, Calcutta, 1917
14. Bela Duttagupta, ibid, P: 153
15. Bela Duttagupta, ibid, P: 161
16. Article on *Positivism* in the *Encyclopedia of Philosophy* ... by Paul Edwards, Vo1-6 (Macmillan).
17. Bela Duttagupta, ibid, P: 174
18. Roy, Mahendranath, Basu, *Akshay Kumar Dutta, Jibanbrittanta* (in Bengali), 1292
19. Sarkar, Sushobhan, On *the Bengal Renaissance* (Calcutta, Papyras, 2002).
20. Forbes, Gerldine Hancock, *Positivism in Bengal : A case study of the Transmission and Assimilation of an Ideoeogy*. Calcutta, Minerva Associations, 1975.
21. B. N. Seal, *Article in The Calcutta Review* (1990-98) quoted by Bela Duttagupta, ibid, P: 190
22. Sarkar, Binoy Kumar, *Binoy Sarkarer Baithake* (Chakravorty, Chatterjee and Company, 1982) Bantam declares *'there can hardly be any complete religion in the worship of a philosophical or scientific God. The basis of religion is a god with qualities, as has been mentioned in our Puranas and in the Bible of the Christian. He and He only can be our model. The worship of an 'impersonal god' is fruitless; what is of value to man in the worship of a personal god'*. (Dharmasastra in Collected Works, Vo1.2, P: 594).

Kolkata
Date : 6th May, 2024

Professor Swapan Kumar Pramanick
President

3

General Secretary's Report

Respected President of the Asiatic Society, Professor Swapan Kumar Pramanick, Hon'ble Justice Shyamal Sen, Former Chief Justice of Allahabad High Court & Former Governor of West Bengal, Dr. Sujit Kumar Das, Treasurer of the Asiatic Society, Distinguished Awardees of Medals, Plaques and Lectureships, Hon'ble Council Members and Members and dear Staff Members of the Asiatic Society, Kolkata, Guests and Friends, Good Afternoon.

I feel extremely privileged to welcome you all on behalf of the Council Members, Members and Staff Members of the Asiatic Society to the 240th Annual General Meeting and Awards Giving Ceremony of the Asiatic Society. We also feel delighted to have among us today in this historic hall of the heritage institution some of the eminent awardees of various Medals, Plaques which were conferred on them by the Council of the Society for the year 2023.

Let me now very briefly reflect back upon the various activities of the Society for the last one year. I am extremely privileged in placing before you the Annual Report of the Asiatic Society, Kolkata, for the year 2023-2024. A detailed account of all of our activities is already available in our Monthly Bulletins which have been brought out regularly in both on-line and physical mode. That apart, the sectional reports which have been compiled in the Annual Report, will give all the details of our activities of the year.

The 241st Foundation Day was observed on 15th January, 2024. The Foundation Day Oration was delivered by Professor Ranjit Kumar Dev Goswami, Former Professor and Head, Department of English, Gauhati University and Sankaradeva Chair Professor of Cultural Studies, Tezpur University. He spoke on "The Knower and the Known : Aspects of Asiatic Researches into Assam".

The 239th Annual General Meeting and Awards Giving Ceremony of the Asiatic Society was held on 1st May, 2023. Dr. C.V. Ananda Bose, Hon'ble Governor of West Bengal and Patron of the Society graced the occasion as Guest-in-Chief of the ceremony. He was accompanied by Smt. L.S. Lakshmi, First Lady. An exhibition on this occasion was also organized in the Library of the Society where the Guest-in-Chief and other dignitaries visited. Thirteen medals/plaques including Honorary Fellowship of the Asiatic Society will be awarded to eminent personalities this year for their important contributions to diverse academic disciplines. The names of the ten recipients for the various Lectureships of the Asiatic Society for the year 2023 will also be announced at today's programme. Notable among them the Awardees present are Professor Sanghamitra Bandyopadhyay, FNA, FIEEE, FTWAS, FNAE, FNASc, Professor, Machine Intelligence Unit and Director, Indian Statistical Institute, and eminent scientists who was conferred the Honorary Fellowship of the Asiatic Society for the year 2023, Professor Chandrasekhar Kambar, eminent Kannada Folklorist and Padma Shri and Jnanpith Awardee, Professor Nagen Saikia, eminent Assamese Writer and Sahitya Academy Awardee, Professor Krishna Mohan Shrimali, Retired Professor of History at the University of Delhi, Dr. T.C.A. Raghavan, former Indian Diplomaat, Ms. Ritu Menon, Indian Feminist and Writer and Professor Manmohan Sharma, FRS, Eminent Chemical Engineer and Padma Bhusan Awardee etc. (1987).

We had organized a good number of National and International Seminars, Workshops, Exhibitions, Endowment and Special Lectures during the period. In this aggregation discussions were held on the contributions of pioneering individuals, social visionaries and academicians of eminence, in various fields of specialization. A good number of exhibitions were organized in observance of several important occasions. Apart from Endowment Lectures and Special Lectures, important Lectures were regularly organized during each Monthly General Meeting where distinguished scholars belonging to various academic disciplines delivered lectures on interesting areas of their respective subjects.

Some valuable research projects on various subjects across many academic disciplines, both internal and external, were completed while others were progressing well. However, due to the budget constraints the research activities of the Society are being suffered substantially. Collaboration with Ramakrishna Mission Vivekananda Educational and Research Institute (RKMVERI) which is a Deemed University was made and two seminar programmes have already been organized with them. Recently the Society has finally been able to get the gifted deed of the house of late Professor Shyamadas Chatterjee of 91 Ballygunge Place, Kolkata 700019 in the name of the Asiatic Society, Kolkata through the courtesy of S.D. Chatterjee Research Foundation. A proposal for setting up a Centre for Excellence in History of Sciences at the said premises has been under active consideration of the Society.

The Publication Section in the year 2023-2024 has published 13 New Books along with 2 Reprints, 4 Issues of Journal, 10 Issues of Monthly Bulletins and some booklets. Besides, the Section participated in the International Kolkata Book Fair (18th -31st January, 2024) and the Focal Theme was "United Kingdom". The Book Fair attracted well attended audience and 5 important books of the Society were released in the Book Fair. An Exhibition was organized on the theme "East meets West : Birth of the Asiatic Society" in collaboration with the Publishers & Booksellers Guild in another auditorium with 14 big panels and two small panels during the Book Fair (18-31 January, 2024) and it also attracted well attended audience.

The Library, Museum, Conservation, Reprography Sections have been carrying on with their respective assignments. The Library and Museum Sections,

apart extension of services to the scholars across the world, are up to their task of conservation of valuable books, documents, manuscripts, paintings and so on and so forth. Digitization of total 3,278 manuscripts (1,44,075 pages), rare documents, books and manuscripts have been done. The Society participated in the event "Festival of Libraries" organized by the Ministry of Culture at Pragati Maidan, New Delhi during the year.

Initiatives have also been taken to revamp the website of the Society with the technical help of National Informatics Centre and to increase the use of the social media network in order to reach the wider public. NIC mails have been introduced in the Society.

The Society has observed some important occasions such as World Heritage Day (18.04.2023), World Environment Day (06.06.2024), Observance of 203rd Birth Anniversary of Pandit Iswar Chandra Vidyasagar (26.09.2023), International Women's Day (08.03.2024) and so on. Lectures and Exhibitions were organized on these occasions. The birthdays of Swami Vivekananda (12.01.2024), Michael Madhusudan Dutta (23.02.2024), National Science Day (28.02.2024), Bhasa Diwas (21.02.2024) etc. were organized by the Society during the year.

During this period a meeting of the 41st Standing Finance Committee of the Society was held on 29.11.2023 to dispose of organizational and financial matters. A meeting of the Planning Board was held on 09.11.2023 in New Delhi under the Chairmanship of the Hon'ble Secretary, Ministry of Culture, Government of India. The Security Section has been more vigilant and Administration and Accounts Section have improved their regular monitoring activities.

The service matters of the employees from time to time along with filling up of existing vacancies have also been addressed.

The Hindi Cell has picked up regular activities and has also organized the Hindi Pakhwada, Hindi Karmashala and other programmes at the Society.

To conclude let me once again reiterate that during the period being covered in this Annual Address, the Asiatic Society has been able to keep pace with its expected performance and has also been able to firmly gear up to undertake multiple academic activities in the coming months. The Members and Employees of the Society have always extended their full cooperation in successfully implementing all these programmes. Last but not the least Ministry of Culture, Government of India has also extended their overall support for all academic activities of the Society. Once again I welcome you all at the Annual General Meeting of the Society today.

Thank you, Namaskar.

Kolkata
6th May 2024

DR. S. B. CHAKRABARTI
General Secretary

4

The Council of The Asiatic Society (2022-2024)

President:

Professor Swapan Kumar Pramanick

Vice-Presidents:

Professor Subhas Ranjan Chakraborty

Professor Basudeb Barman

Professor Tapati Mukherjee

Professor Pradip Bhattacharya

General Secretary:

Dr. Satyabrata Chakrabarti

Treasurer:

Dr. Sujit Kumar Das

Anthropological Secretary:

Professor Ranjana Ray

Biological Science Secretary:

Professor Asok Kanti Sanyal

Historical and Archaeological Secretary:

Professor Arun Kumar Bandopadhyay

Library Secretary:

Professor Biplab Chakrabarti

Medical Science Secretary:

Dr. Sankar Kumar Nath

Philological Secretary:

Shri Shyam Sundar Bhattacharya

Physical Science Secretary:

Professor Raj Kumar Roychoudhury

Publication Secretary:

Professor Syamal Chakrabarti

Jt. Philological Secretary:

Dr. M. Firoze

Members:

Professor Atis Kumar Dasgupta

Professor Nabanarayan Bandyopadhyay

Professor Mahidas Bhattacharya

Dr. Arunabha Misra

Representatives of the Government of India:

Professor Bimal Sankar Nanda

Dr. Mallinath Mukherjee

Professor Alok Kumar Ghosh

Dr. Smritikumar Sarkar

Representative of the Government of West Bengal :

Director of Public Instruction (DPI), Department of Higher Education, Govt. of West Bengal

Representative of the Asiatic Society Employees' Union:

Professor Ranjit Sen

5

Planning Board and Standing Finance Committee

Planning Board

[Constituted under Section 8(1) of the Asiatic Society Act, 1984]

1. Secretary, Ministry of Culture, Government of India
   Chairman

2. Additional Secretary & Financial Advisor, Ministry of Culture, Government of India
   Member

3. Director General, National Council of Science Museum, Kolkata
   Member

4. Director General, Raja Rammohun Roy Library Foundation, Kolkata
   Member

5. Secretary & Curator, Victoria Memorial Hall, Kolkata
   Member

6. Principal Secretary, Department of Higher Education, Govt. of West Bengal
   Member

7. President, The Asiatic Society, Kolkata
   Member

8. General Secretary, The Asiatic Society, Kolkata
   Convenor

Standing Finance Committee

[Constituted as per Regulation 4A (1)]

1.	Additional Secretary & Financial Advisor, Ministry of Culture, Government of India	*Chairman*
2.	Director General, National Council of Science Museums, Kolkata	*Member*
3.	Director, Eastern Zonal Cultural Centre, Kolkata	*Member*
4.	Director of Public Instruction, Department of Higher Education, Govt. of West Bengal	*Member*
5.	General Secretary, The Asiatic Society, Kolkata	*Member*
6.	Treasurer, The Asiatic Society, Kolkata	*Member*
7.	Professor Asok Kanti Sanyal, Biological Science Secretary, The Asiatic Society, Kolkata (Nominated by the Council)	*Member*

6

Committees and Sub-Committees

LIBRARY COMMITTEE

[Constituted as per Bye-Laws V]

1. **Professor Swapan Kumar Pramanick**
   President
2. **Dr. Satyabrata Chakrabarti**
   General Secretary
3. **Dr. Sujit Kumar Das**
   Treasurer
4. **Professor Tapati Mukherjee**
   Vice-President
5. **Professor Biplab Chakrabarti**
   Library Secretary
6. **Professor Arun Kumar Bandopadhyay**
   Historical & Archaeological Secretary
7. **Professor Syamal Chakrabarti**
   Publication Secretary
8. **Shri Shyam Sundar Bhattacharya**
   Philological Secretary
9. **Professor Asok Kanti Sanyal**
   Biological Science Secretary
10. **Professor Raj Kumar Roychoudhury**
   Physical Science Secretary

11. **Professor Ranjana Ray**
Anthropological Secretary

12. **Dr. Sankar Kumar Nath**
Medical Science Secretary

13. **Dr. M. Firoze**
Joint Philological Secretary

14. **Dr. Ramkrishna Chatterjee**

15. **Professor Sachindranath Bhattacharya**

Publication Committee

[Constituted as per Bye-Laws XXXVII]

1. **Professor Swapan Kumar Pramanick**
President

2. **Dr. Satyabrata Chakrabarti**
General Secretary

3. **Dr. Sujit Kumar Das**
Treasurer

4. **Professor Subhas Ranjan Chakraborty**
Vice-President

5. **Professor Tapati Mukherjee**
Vice-President

6. **Professor Syamal Chakrabarti**
Publication Secretary

7. **Professor Arun Kumar Bandopadhyay**
Historical & Archaeological Secretary

8. **Shri Shyam Sundar Bhattacharya**
Philological Secretary

9. **Professor Asok Kanti Sanyal**
Biological Science Secretary

10. **Dr. Sankar Kumar Nath**
Medical Science Secretary

11. **Dr. M. Firoze**
Joint Philological Secretary

12. **Dr. Ramkrishna Chatterjee**

13. **Professor Ram Ahlad Chowdhury**

14. **Dr. Ram Kumar Mukhopadhyay**

15. **Shri Nirbed Ray**

16. **Dr. Nirmal Bandyopadhyay**

17. **Dr. Rajat Sanyal**

18. **Dr. Sabyasachi Chatterjee**

Bibliotheca Indica Committee

[Constituted as per Bye-Laws XXXVIII]

1. **Professor Swapan Kumar Pramanick**
President

2. **Dr. Satyabrata Chakrabarti**
General Secretary

3. **Dr. Sujit Kumar Das**
Treasurer

4. **Professor Tapati Mukherjee**
Vice-President

5. **Professor Biplab Chakrabarti**
Library Secretary

6. **Shri Shyam Sundar Bhattacharya**
Philological Secretary

7. **Dr. M. Firoze**
Joint Philological Secretary

8. **Professor Nabanarayan Bandyopadhyay**
Council Member

9. **Professor Mahidas Bhattacharya**
Council Member

10. **Professor Badiur Rahman**

11. **Professor Mrinal Gangopadhyay**

12. **Professor Bijoya Goswami**

13. **Professor Amit Bhattacharjee**

14. **Professor Mou Dasgupta**

Academic Committee

1. **Professor Swapan Kumar Pramanick**
   President
2. **Dr. Satyabrata Chakrabarti**
   General Secretary
3. **Dr. Sujit Kumar Das**
   Treasurer
4. **Professor Basudeb Barman**
   Vice-President
5. **Professor Subhas Ranjan Chakraborty**
   Vice-President
6. **Professor Tapati Mukherjee**
   Vice-President
7. **Professor Pradip Bhattacharya**
   Vice-President
8. **Professor Arun Kumar Bandopadhyay**
   Historical & Archaeological Secretary
9. **Professor Ranjana Ray**
   Anthropological Secretary
10. **Sri Shyam Sundar Bhattacharya**
    Philological Secretary
11. **Dr. M. Firoze**
    Joint Philological Secretary
12. **Dr Sankar Kumar Nath**
    Medical Science Secretary
13. **Professor Syamal Chakrabarti**
    Publication Secretary
14. **Professor Asok Kanti Sanyal**
    Biological Science Secretary
15. **Professor Raj Kumar Roychoudhury**
    Physical Science Secretary
16. **Professor Biplab Chakrabarti**
    Library Secretary
17. **Professor Atis Kumar Dasgupta**
    Council Member
18. **Professor Nabanarayan Bandyopadhyay**
    Council Member
19. **Professor Mahidas Bhattacharya**
    Council Member
20. **Dr. Arunabha Misra**
    Council Member
21. **Dr. Ramkrishna Chatterjee**
22. **Professor Satyabati Giri**
23. **Professor Susnata Das**
24. **Professor Musaraf Hossain**
25. **Dr. Ram Kumar Mukhopadhyay**
26. **Professor Uma Chattopadhyay**
27. **Dr. Chandramalli Sengupta**
28. **Dr. Satarupa Dutta Majumder**

During the period, the business of the Society was conducted through the following meetings :

- Meeting of the Council : 11
- Meeting of the Standing Finance Committee : 01
- Monthly General Meeting : 09
- Annual General Meeting : 01
- Extra Ordinary General Meeting : 01
- Meeting of the Library Committee : 11
- Meeting of the Bibliotheca Indica Committee : 09
- Meeting of the Publication Committee : 11
- Meeting of the Academic Committee : 11

7

Recipients of different Medals, Plaques and Lectureships of the Asiatic Society for the year 2023

Honorary Fellow:

Professor Sanghamitra Bandyopadhyay

Eminent Indian Computer Scientist, Director, Indian Statistical Institute, Kolkata and Padma Shri Awardee has been elected as Honorary Fellow of the Asiatic Society for the year 2023.

MEDAL/PLAQUE:

1. **RABINDRANATH TAGORE BIRTH CENTENARY PLAQUE**

   Professor Chandrasekhar Kambar, Eminent Kannada Folklorist and Padma Shri and Jnanpith Awardee, for his Creative Contributions to Human Culture.

2. **PANDIT ISWAR CHANDRA VIDYASAGAR GOLD PLAQUE**

   Shri Sumanta Banerjee, Eminent Historian, Journalist and Cultural Theorist, for his Significant Contributions to Contemporary Social issues.

3. **INDIRA GANDHI GOLD PLAQUE**

   Professor Bashabi Fraser, Eminent Indian-born Scottish Academic, Writer and Co-founder and Director of the Scottish Centre of Tagore Studies, for her Significant Contributions to Inter-Cultural Co-operations.

4. **PROFESSOR SUKUMAR SEN MEMORIAL GOLD MEDAL**

Professor Nagen Saikia, Eminent Assamese Writer and Sahitya Academy Awardee, for his Important Contributions in the Academic Field.

5. **PROFESSOR HEM CHANDRA RAYCHAUDHURI BIRTH CENTENARY GOLD MEDAL**

Professor Krishna Mohan Shrimali, Retired Professor of History at the University of Delhi, for his Important Contributions in the Field of Indian History.

6. **R P CHANDA BIRTH CENTENARY MEDAL**

Professor Triloki N. Pandey, Professor of Anthropology at University of California Santa Cruz, for his Important Contributions in Anthropology.

7. **SIR JADUNATH SARKAR GOLD MEDAL**

Dr. T C A Raghavan, Former Indian Diplomat and Former Director General, Indian Council of World Affair, New Delhi for his Important Contributions to History.

8. **DR. PRABHATI MUKHERJEE MEMORIAL GOLD MEDAL**

Ms. Ritu Menon, Indian Feminist and Writer, for her Creative Contributions to the Subject of 'Women Question from Ancient Times to Date'.

9. **DURGA PRASAD KHAITAN MEMORIAL GOLD MEDAL**

Professor Man Mohan Sharma, FRS, Eminent Chemical Engineer and Padma Bhushan (1987) and Padma Vibhushan Awardee, for his Notable Contributions to Science.

10. **DR. BIMALA CHARAN LAW GOLD MEDAL**

Professor Prabal Kumar Sen, Retired Professor of Philosophy, University of Calcutta, for his Important Contributions in the Field of Philosophy.

11. **DR. NARESH CHANDRA SENGUPTA GOLD MEDAL**

Ms. Flavia Agnes, Eminent Women's Rights Lawyer, for her Outstanding Contributions in the Field of Society and Law in Ancient and Mediaeval India.

12. **RANADHIR ROY MEMORIAL GOLD MEDAL**

Professor Buddhadev Das, Professor in Esraj, Department of Hindusthani Classical Music, Sangeet Bhavana, Visva-Bharati, for his Creative Contributions to Instrumental Music.

13. **PROFESSOR NIRMAL NATH CHATTERJEE MEDAL**

Ms. Ankita Basak, Research Scholar, Department of Geology, University of Calcutta, for her Important Contributions to the Knowledge of Economic Geology.

LECTURESHIP:

1. **PANDIT ISWAR CHANDRA VIDYASAGAR LECTURESHIP**

Dr. Soumya Swaminathan, Eminent Clinical Scientist, Former Chief Scientist at World Health Organization and Former Director General of Indian Council of Medical Research, for her Significant Contributions in the Field of Science and Technology.

2. **RAJA RAJENDRALAL MITRA MEMORIAL LECTURESHIP**

Professor B.N. Patnaik, Retired Professor of English and Linguistics, Department of Humanities and Social Sciences, Indian Institute of Technology, Kanpur, for his Notable Contributions in the Field of Indological Studies.

3. **INDIRA GANDHI MEMORIAL LECTURESHIP**

Professor Gayatri Chakravorty Spivak, Eminent Literary Theorist, for her Significant Contributions in the Field of Cultural Pluralism.

4. **PROFESSOR SUNITI KUMAR CHATTERJI MEMORIAL LECTURESHIP**

Professor Goutam Sengupta, Retired Professor of Applied Linguistics, University of Hyderabad, for his Significant Contributions in the Field of Linguistics.

5. **DR. PANCHANAN MITRA MEMORIAL LECTURESHIP**

Professor Prasanta Kumar Chattopadhyay, Visiting Professor, College of Medicine and Forensics, Jiaotang University, Xi'an, China and Past-President, Indo-Pacific Association of Law, Medicine and Science, for his Significant Contributions in the Field of Anthropology.

6. **DR. SATYENDRA NATH SEN MEMORIAL LECTURESHIP**

Professor Abhirup Sarkar, Professor of Economics at Indian Statistical Institute, Kolkata for his Significant Contributions in the Field of Social Science.

7. **DR. BIMANBEHARI MEMORIAL LECTURESHIP**

Professor Sashi Bala, Dean, Centre for Indology, Bharatiya Vidya Bhavan, Delhi, for her Notable Contributions in the Field of Indian History.

8. **ABHA MAITI ANNUAL MEMORIAL LECTURESHIP**

Professor Promode Kumar Misra, Eminent Social Anthropologist, for his Significant Contributions towards the Development of Marginal Communities in India.

9. **SWAMI PRANAVANANDA MEMORIAL LECTURESHIP**

Professor Sukant K. Chaudhury, Professor of Eminence, Department of Sociology, University of Lucknow, for his Significant Contributions in the Field of Religion and Culture.

10. **G.S.I. SESQUICENTENNIAL COMMEMORATIVE LECTURESHIP**

Professor Sudipta Sengupta, Retired Professor in Structural Geology in Jadavpur University, the first Indian Women to set foot on Antarctica, for her Significant Contributions in the Field of Earth Science.

8

Major Resolutions Adopted and Items Reported in the Council during April 2023-March 2024

Meeting held on 25th April, 2023

- The General Secretary reported that the 239th Annual General Meeting and Award Giving Ceremony of the Society would be held on Monday, 1st May, 2023 at 5 p.m. at Vidyasagar Hall of the Society and Hon'ble Governor of West Bengal and Patron of the Asiatic Society Dr. C V Ananda Bose had kindly consented to be present therein. He requested all the members to attend the programme. [Ref: Under any other item]

Meeting held on 30th May, 2023

- The Council noted the Budget Estimate sanctioned by the Ministry of Culture for the Asiatic Society, Kolkata for FY 2023-24 and approved the activity -wise physical targets and financial allocations proposed in the Draft Memorandum of Understanding (MoU) for FY 2023-24.

  In this context, Professor Basudeb Barman requested to propose for higher allocation of funds under the activity heads by increasing it by at least 15% of the total budget while sending the revised estimates for 2023-24 and if needed, to send a delegation to the Hon'ble Minister of Culture, Government of India, for this purpose. [Ref: Agenda Item No 9]

- The Council approved the Annual Accounts of the Asiatic Society, Kolkata for the year 2022-23 as circulated and authorized the General Secretary to make necessary arrangements for undertaking the audit and certification of the accounts by the Office of the Director General of Audit (Central), Kolkata. [Ref: Agenda Item No10]

Meeting held on 25th July, 2023

- On the point raised by Professor Asok Kanti Sanyal, Treasurer (Acting), the Council decided to implement a charge of Rs 100/- along with postage for the issuance of new cards to the members who lost their cards or desired to exchange damaged cards, or converted their membership status from an Ordinary Member to a Life Member. [Ref: Under any other Item]

Meeting Held on 29th August, 2023

- The Council unanimously adopted the Audited Accounts and the Separate Audit Report (SAR) of the Comptroller and Auditor General of India on the accounts of the Asiatic Society, Kolkata for the year 2022-23. Further, considering the urgency, the Council approved the proposal to place the Audited Accounts and the Separate Audit Report of the Asiatic Society, Kolkata for the year 2022-23 before the general body of the Society for consideration and adoption in compliance with Regulation 59A of the Asiatic Society in the Extraordinary General Meeting of the members of the Society to be convened on 4th September, 2023 under Regulation 51. The Council requested the General Secretary to observe all the necessary formalities in this regard immediately. [Ref: Agenda Item No 8]
- The Council noted the facts and approved the arrangements for loaning fifteen artefacts [comprising twelve manuscripts, two litho-plates and one rare book] from the collection of the Asiatic Society, Kolkata for the G20 Exhibition being organized by the Ministry of Culture at National Gallery of Modern Art, New Delhi in September 2023 in the context of ensuing G20 Summit in India. [Ref: Agenda Item No 10]
- The General Secretary reported that Post-Congress Seminar in connection with 19th IUAES-WAU World Anthropology Congress (to be held from 14 to 20 October, 2023 in Delhi) will be held on 27th and 28th October, 2023 at the Asiatic Society on the topic “The Roots of Indian Anthropology: Transition from the Colonial period to the Present”. He placed a budget of Rs. 1.60 lakhs for the purpose. The Council noted the fact and approved the budget. [Ref: Under Any Other Item]
- The General Secretary reported that the Society currently maintains a ‘Confidential Report’ system for its employees, which needs updation because the external experts of various DPCs and other Committees raised this issue. Hence, the system of maintaining Annual Performance Assessment Reports (APARs) presently followed in Central Govt offices including Central Autonomous Bodies needs to be introduced in the Society w.e.f 2022-23. The Director of the Society, with the permission of the Chair, explained that APARs is an objective assessment of the work and conduct of an employee and serve as a main criterion for the confirmation, promotion etc. of the employees. Considering its importance, the Council approved the introduction of APARs system w.e.f. 2022-23. [Ref: Under Any Other Item]

Meeting held on 27th September, 2023

- The Council unanimously accepted the nomination of Professor Sanghamitra Bandyopadhyay, eminent Indian computer scientist and Director, Indian Statistical Institute, Kolkata as Honorary Fellow of the Asiatic Society for the year 2023 in terms of the provision of clauses 2,3 and 4 of the

By-Laws IV of the Asiatic Society regarding election of Honorary Fellow and decided to place the unanimous nomination of Professor Sanghamitra Bandyopadhyay in the next Monthly General Meeting for approval as per Clauses 6 and 7 of the said By-Laws. [Ref: Agenda Item No 10]

Meeting held on 28th November, 2023

- The General Secretary (Acting) reported that in response to a request from HQ, Eastern Command, the Society had decided to exhibit some of its publications focused on North East and India-China affairs at a Strategic Seminar on China scheduled on 1st December, 2023, at Fort William. The Council endorsed the proposal. [Ref: Agenda Item No 6]
- The Chairman apprised the members that 241st Foundation Day of the Society would be commemorated on 15th January, 2024 and Professor Ranjit Kumar Dev Goswami, former Professor and Head, Department of English, Gauhati University and Sankaradeva Chair Professor of Cultural Studies, Tezpur University would be requested to deliver the Foundation Day Oration. The Council noted the information. [Ref: Agenda Item No 7]

Meeting held on 28th December, 2023

- The General Secretary reported that the Annual Report and Audited Accounts of the Asiatic Society, Kolkata for the FY 2022-23 had been laid on the Table of the Lok Sabha on 11.12.2023 and the Rajya Sabha on 14.12.2023. The Council noted the fact and congratulated all the concerned officials of the Society for completing the entire process within the stipulated time. [Ref: Agenda Item No 7]

  The Council noted the minutes of the 2nd meeting of the Planning Board of the Asiatic Society, Kolkata held on 9th November, 2023 for necessary action. [Ref: Agenda Item No 8]
- The Council noted the minutes of the 41st meeting of the Standing Finance Committee of the Asiatic Society, Kolkata held on 29th November, 2023 through video conferencing, for necessary action.

  Further, the Council entrusted the Treasurer to prepare a Standard Operating Procedure (SOP) in the matter relating to extension of service to the employees of the Society beyond 60 years of age. [Ref: Agenda Item No 9]

Meeting held on 27th February, 2024

- The General Secretary informed the Council members that the Society had successfully completed the registration process of the gift deed of the property of late Professor Shyamadas Chatterjee at 91, Ballygunge Place, Kolkata 700029 with the help and cooperation of S.D. Chatterjee Research Foundation. The Council acknowledged this achievement and extended gratitude to the General Secretary and the Treasurer for their initiatives. The Council also conveyed and extended gratitude to the S.D. Chatterjee Research Foundation for their invaluable assistance and support in this matter. The Treasurer emphasized that a sum of Rs. 1,00,000/- was approved by the Council earlier for undergoing various legal litigation processes in this regard. To meet the remaining legal expenses, the Treasurer proposed an additional amount of Rs. 50,000/-. The Council approved the proposal. [Ref: Under Any Other Item]
- The General Secretary informed the

members that he has received a letter from Ministry of Culture dated 21.02.2024 requesting the nomination of a Representative of Society to the reconstituted Society of Maulana Abul Kalam Azad Institute of Asian Studies, Kolkata for a period of five years w.e.f. 02.08.2023. The Council decided to nominate the General Secretary of the Asiatic Society to the reconstituted Society of Maulana Abul Kalam Azad Institute of Asian Studies, Kolkata for a period of five years w.e.f. 02.08.2023. [Ref: Under Any Other Item]

- Upon the Treasurer's report, the Council decided to exclusively procure all Endowment Medals and Plaques of the Society from the Central Government Mint in Kolkata, adhering to the design recommendations put forth by the Committee constituted for the revision of medals and plaques. Also, the Council decided to solicit quotation from the Mint for various materials (such as Silver, Bronze, Copper or Brass) required in the preparation of these medals and plaques. Based on this quotation and the availability of fund, a comprehensive proposal specifying the use of a particular material for crafting a particular medal/plaque will be circulated to the Members of the Council for their comments and approval. [Ref: Under Any Other Item]

Meeting held on 28th March, 2024

- The Council accepted the Report on important activities and achievements of the different sections of the Society during the year 2023-24 for inclusion in the Annual Report of the Asiatic Society, Kolkata for the period. [Ref: Agenda Item No 10]
- The Director presented a communication received from the Ministry of Culture, vide. No F. No 20-2/2024-A&A dated 28.03.2024, regarding the immediate compliance with the Aadhar Enabled Biometric Attendance System (AEBAS) at the Asiatic Society, Kolkata. The Council noted the communication and emphasized the need for its immediate implementation. Furthermore, the Council approved the proposal to implement the AEBAS at the Asiatic Society, Kolkata, through the Electronics Corporation of India Limited (ECIL). [Ref: Under Any Other Item]

9

Publication of the Asiatic Society

Just after four years of its inception the Society started its publication in 1788 with the publication of *Asiatick Researches*. In the words of Sir William Jones, "It will flourish, if naturalists, chemists, antiquaries, philologers and men of science, in different parts of Asia, will commit their observations to writing and send them to the Asiatic Society at Calcutta, it will languish, if such communications shall be long intermitted; and it will die away, if they shall entirely cease." The Society has been publishing original and noteworthy books and articles to maintain its glory and high academic standard as in the past, and the Society is known to the world of learning for its publications in different series.

Two statutory committees, viz., Publication Committee and Bibliotheca Indica Committee recommend articles, communications, book-reviews for publication in *the Journal of the Asiatic Society* and manuscripts for publication in book form in different series, viz., Bibliotheca Indica, Monograph, Seminar & Public Lecture, Catalogues & Bibliographical Works etc. and some under Miscellaneous publications. The Asiatic Society publishes books in the above mentioned series, besides Journal, Monthly Bulletin and some booklets on different occasions.

During this period (01.04.2023 - 31.03.2024) 15 titles of books, four issues of the Journal of the Asiatic Society, ten issues of Monthly Bulletin, and five numbers of other publications including booklets have been published.

The Asiatic Society participated in the International Kolkata Book Fair 2024, Exhibition cum Sale at the Eastern Command China Seminar at Fort William for enhancement of sales proceeds. Efforts to contact the book-sellers, academic institutions, libraries etc. have also been made.

Publications during 2023-2024

Books

- *Prakrita Bhugol* by Rajendralala Mitra
- *Life and Works of Sister Nivedita* ed. by Somnath Mukhopadhyay and Suswagata Bandhyapadhyay
- *A Descriptive Catalogue of Bris-Ma : Hand-written manuscripts of the Tibetan Kanjur* comp. by Bhakti De
- *Numismatic Supplements, Vol. II, Supplements XVII-XXX*
- *Vanausadhi Darpana* by Birajacharana Gupta Kavyatirtha ed. by Brahmananda Gupta and Abichal Chattopadhyay
- *Dasagrivaraksasabadhacarita* ed. by Anasuya Bhowmick
- *Indian Grammatical Tradition* ed. by Shyamsundar Bhattacharya
- *Octavio Paz on India : A study in Hispanic Orientalism* by Jyoti Ghosh
- *Twelve Boro Short Stories* ed. by Sayantan Dasgupta and Chandramalli Sengupta
- *Baroti Boro Choto Galpa* ed. by Chandramalli Sengupta and Sayantan Dasgupta
- *Language, Communication and Conflict in South and Southeast Asia* ed. by Aditi Ghosh
- *A Descriptive Catalogue of Sanskrit Manuscripts in the Collection of the Asiatic Society, Vol.III—Purana* comp. by Bibekananda Banerjee, ed. by S. R. Banerjee
- *Tana Poren—Banglar Tantsilper Atit, Bartaman O Bhabisyat* ed. by Sujit Kumar Das
- *Folklore of the Kolhan* by C. H. Bompas (Reprint) with an introduction & editorial notes by Pallab Sengupta, Arpita Basu and Sarmistha De Basu
- *Centenary Review of The Asiatic Society, 1784 – 1883 (Reprint)*

Periodical

- *Journal of The Asiatic Society*, Vol. LXV No. 1, 2, 3, 4 — 2023
- *Monthly Bulletin of The Asiatic Society*, Vol. LII, No. 04 to 10 — 2023
- *Monthly Bulletin of The Asiatic Society*, Vol. LIII, No. 01 to 03 — 2024

Booklets

- Catalogue of Available Publications, April 2023
- Presidential Address, 2022-2023
- General Secretary's Report, 2022-2023
- Brochure on *Centenary Homage to Professor A. K. Choudhury* on 18th November 2023.
- Catalogue of Available Publications, December 2023

10

Activities : Library Section

Library

The Library of the Asiatic Society with its long glorious history of two hundred thirty-nine years is the most important component of the Society. The Library is enriched with a vast collection of books and journals apart from manuscripts and artifacts slated for Oriental Studies. Its importance lies not in numerical strength but in its rich and unique content.

The holding consists of more than 1,34,379 books and 1,09,133 bound volumes of Journals in different European, Sino-Tibetan, Russian, South Asian, Persian, Urdu, Arabic, Pali, Prakrit, Bengali, Sanskrit and other Indian languages. The library of the Society offers bibliographic and documentation services to scholars pursuing research in different branches of study and belonging to various parts of India and abroad. The reading room equipped with books, periodicals, microfilm and microfiche is open to readers from Monday to Friday between 9:45 a.m. to 7:00 p.m. and on Saturday from 10:00 a.m. to 5:00 p.m. Reader's services through the internet and e-mail have also been successfully rendered from time to time. The computerized index of the articles published in the Journal of the Asiatic Society is also consulted by the readers. The activities of the Library are planned and monitored by the Library Committee set up by the Council.

Activities during the period:

- The Library was physically open to readers & scholars of India & Abroad for 291 days and served 4908 readers.
- 509 books have been accessioned and 615 books have been processed in different languages and different subjects.
- Library receives 28 issues of subscribed journals. The library received 100 issues of journals in exchange and 27 issues of journals as Gifts during the period.
- 4908 readers used the Library. 1703 books were issued to the readers and 997 books were returned by them.
- Reference services related to books and manuscripts through e-mail were provided as per demand.
- An internship program was conducted by the library for 5 students of the Department of Library & Information Science, University of Calcutta from 11th August 2023 to 11th September 2023.

Visit of Library by different Institutions:

- 05.04.2023: A team of 7 students from Bangabasi College, Kolkata.
- 16.05.2023: A team of 5 students from The Bhawanipur Education Society College, Kolkata.
- 01.06.2023: A team of 39 students and 1 faculty member from Rammohan College, Kolkata.
- 11.07.2023: 2 research interns from the Eastern Command, Kolkata.
- 25.07.2023: A team of 12 members including 9 students, 2 faculties and 1 staff from the Department of Library & Information Science, Sikkim University, Sikkim.
- 02.08.2023: A team of 5 students along with 2 faculties from the Department of Sanskrit, Sivanath Sastri College, Kolkata.
- 21.08.2023: A team of 10 participants from the Indian Science News Association and Vigyan Prasar, DST, Govt. of India.
- 24.08.2023: A team of 6 students from the University of Calcutta, Kolkata.
- 26.09.2023: A team of 40 students and 4 faculty members from Lajpat Hindi High School, Khidirpur.
- 03.10.2023: A team of 7 students from the University of Kalyani, Kalyani.
- 06.10.2023: A team of 9 students from Sister Nibedita Govt. General Degree College for Girls, Kolkata.
- 10.10.2023: A team of 130 students and faculty members from Mahesh Sri Ramkrishna Ashram Vidyalaya (H.S), Rishra.
- 13.10.2023: A team of 24 students and 6 faculty members from Surendranath College for Women, Kolkata.
- 16.11.2023: 4 library trainees (2 from Nagaland and 2 from Kolkata) of Indian Statistical Institute, Kolkata.
- 17.11.2023: A team of 24 students and 2 guides from Department of Library & Information Science, Gauhati University, Guwahati, Assam.
- 24.11.2023: A team of 20 students and 2 faculty members from Mrinalini Datta Mahavidyapith, Birati.
- 08.12.2023: A team of 28 students from Netaji Subhas Open University, Kalyani.
- 21.12.2023: A team of 45 students and 8 faculty members from P.R. Thakur Govt. College, Thakurnagar.

- 21.12.2023: A team of 21 students from Jhapordah Duke Institution, Howrah.
- 28.02.2024: A team of 21 students and 2 teachers from Berhampur University, Brahmapur, Odisha.
- 01.03.2024: A team of 6 students from the Sanskrit College and University of Sanskrit Department, Kolkata.
- 05.03.2024: A team of 52 students from Netaji Satabarshiki Mahavidyalaya, Ashoknagar.
- 07.03.2024: A team of 8 members from the Indian Statistical Institute, Kolkata.
- 07.03.2024: A team of 6 students from Presidency University, Kolkata.

Exhibitions and display of Books & Journals:

Exhibitions on various topics are frequently organised as a part of various seminars and conferences organised by the Society from time to time. To felicitate dignitaries on their visit to the Society, exhibitions showcasing the treasures of the Asiatic Society are also organised. In these exhibitions, the Library displays rare books, journals, photographs, documents etc. emphasizing the rich and varied resources of the Library. During the period, the following exhibitions were arranged which were highly appreciated by the scholars and media.

- May 1, 2023: Book exhibition on the occasion of the visit by Shri C.V. Ananda Bose, Hon'ble Governor of West Bengal along with the 1st Lady at the 239th Annual General Meeting.
- August 5, 2023: Library of Asiatic Society participated in the event "Festival of Libraries" organized by the Ministry of Culture at Pragati Maidan, New Delhi. [Held from 5th August 2023 to 6th August 2023]
- October 27, 2023: Book exhibition on Post Congress 19th IUAES-WAU World Anthropology Congress. [Held from 27th October 2023 to 28th October 2023]
- February 21, 2024: Book exhibition on International Mother Language Day.

Digitization:

The Digitization Programme of its rich collection of Manuscripts is in progress. Under the in-house digitization programme, a total of 273 manuscripts (30,914 pages) have been digitized during the period. During the same period, the outsourced agency of the Society has digitized a total of 3,278 manuscripts (1,44,075 pages) along with the creation of its metadata.

Digital Archive:

The Society is in the process of customizing & upgrading its digital archive platform – DSpace. At present 2,698 manuscripts, 769 microfiche collection materials, and 504 books are available on the internal server. The verified scanned documents are being progressively uploaded to the archive, leading to a gradual increase in the collection.

Web OPAC:

Web OPAC is active. The database is being updated regularly. It is being utilized very well by the members of the Society as well as by external researchers and scholars for searching catalogue entries.

MOPAC (OPAC on Mobile):

The collection of the library can also be browsed from smartphones & tablets.

Library Automation:

As a part of library automation, a total of 84441 bibliographical records are with the library management software. The Society has decided to convert all the data from ‘Libsys10’ to ‘Koha’, and the conversion process is ongoing.

Physical Stock Verification of Library Books:

The work of physical verification was started in September 2019 with the help of the barcoding of books. As on 31^{st} March 2024, the total number of print books verified was 53,541.

Circulation:

The automated circulation system is maintained along with the manual circulation system.

Collection Development:

Procurement of books and journals as per budget provision has been achieved. For the selection of books by the members, research scholars and staff, catalogues of renowned publishing houses were utilized.

Eminent Visitors:

- Dr. C.V. Ananda Bose, Honorable Governor of West Bengal and Patron of the Asiatic Society along with Smt. Lakshmi Ananda Bose, Honorable First Lady of West Bengal.
- Brigadier D.S. Rathore, Eastern Command, Fort William, Kolkata.
- Dr. Junji Koizumi, President, International Union of Anthropological and Ethnological Sciences (IUAES), Osaka, Japan.

Museum

The Museum of the Asiatic Society is a repository of priceless & unique collections of manuscripts in different languages and scripts. A good number of catalogues were published by the Asiatic Society, both Descriptive and Tabular which are remarkable deeds in the study and research of manuscripts. The manuscript collection of the Society is varied and rich and covers most of the Indian languages and scripts. The total number of manuscripts now possessed by the Society in its Museum is 51,022. The manuscripts are classified under different collections viz, Indian Museum Collection, Govt. Collection, Society Collection, New Society Collection, R.K. Dev Collection, Hodgson Collection, Islamic Collection, etc. Some of the oldest and rarest manuscripts possessed by the Society are *Kubjikamatam* of the 7^{th} century A.D. written in Gupta Brahmi Script, *Maitreyavyakarana* of 10^{th} Century A.D, *Kalachakravatara* of Abhyankara Gupta dated to 1125 A.D, *Samputatika* of 1025 A.D. etc

Apart from manuscripts, the Museum & Manuscript Section of the Asiatic Society also possesses old coins in various metals, inscriptions inscribed on Copper Plates and 78 very rich and valuable oil paintings, mostly portraits. Many of these were painted by Robert Home, Joshua Reynolds, Guido, Daniel etc. Some famous paintings that are housed in this Museum of Cleopatra, A Ghat at Benaras, Cupid Asleep on the Cloud, Warren Hastings, John Dewitt, Wellesley, Infant Christ, Ruins of Mahavalipuram, Woman Taken in Adultery etc.

Sculptures and Metal Objects in the possession of the Asiatic Society are rich in respect of number and historical importance. Among these, are the

stone sculpture of Brahma, made of Black Basalt, Period 12th Century A.D., Vishnu, made of Black Basalt Stone, 11th Century A.D., Brass statue of Dhurm Raja, (at present, this statue is in Bhutan) 1864, Ashokan Rock Edict in early Brahmi Script and of Prakrit language dated 250 B.C are some of the rare objects of this museum.

A large number of survey maps drawn by British surveyors in the 18th & 19th centuries are also in the possession of the museum. Some remarkable maps reflect the change in the socio-political, economic & cultural scenario of India.

In addition, a large number of old Correspondences of eminent personalities and Rare Books some of which date back to 1784, just after the Society was founded are also preserved here.

Brief activities during the period:

- Cataloguing, checking and preparing top-sheets of manuscripts of the Indian Museum Collection (22120 folios and 2447 top-sheets) have been done.
- Digitization work is in progress. At present Manuscripts scanned for Digitization approx. 5753. Before scanning a careful observation of the manuscripts which includes removing dust, verification of metadata, rechecking and preparing top sheets are going on.
- 1st proof checking of the Tabular Catalogue of Arabic Manuscripts has been completed.
- During the period, service was extended to 494 readers and scholars of Indian origin who consulted 2410 manuscripts and other documents in the Reading Room of the Museum of the Asiatic Society. Besides, online services were provided to a good number of scholars.
- A good number of visitors visited the Museum in a regular manner. A free guide service for general and distinguished Visitors is provided. 187 Indian Visitors and 19 Foreign Visitors from different country have visited the Museum during the period.
- Physical Verification of museum objects has been started from 20th September 2023 (525 objects have been verified up to 31.03.2024). External members were engaged for the Physical Verification of the museum objects among which manuscripts, rare books and paintings were primarily taken into consideration.
- Manuscripts with top-sheets are sent for scanning for the readers, scholars & renowned Institutions as per their requisition and data entry of the Museum Objects has also been updated.
- The compilation work of *Vaisnava* manuscripts comprising various collections has been submitted to the Publication section.
- Compilation work of the work of 2 English files containing 120 correspondences regarding Sir P.O.Bodding with the Society has been documented.
- On the basis of the MoU signed between IGNCA, New Delhi and The Asiatic Society, Kolkata a Manuscript Conservation Centre was established named Asiatic Society Kolkata Manuscript Conservation Centre (ASK MCC). One (01) Senior Conservator and two (02) Conservators were engaged (purely temporary basis) and a conservation laboratory was set up under ASK MCC. Conservation of manuscripts and rare books has been started in the newly formed conservation laboratory and preventive conservation of 329 folios and curative conservation of 37 folios were done upto 31.03.2024.

Other Works:

- A six (06) day workshop on Manuscriptology & Palaeography was organized by the Academic Section of the Society from 11^{th} – 16^{th} December 2023 in which the Museum Section played an important role. Cataloguers of the museum section taught the techniques of cataloguing to the participants of the workshop. A museum visit was also held on the last day of the workshop.
- Preparation & Printing of Museum Souvenirs i.e. Post Cards, Posters, Replicas, brochure Coaster, Note-Pad, tea-box etc.

Exhibitions organised:

- Participated in the "International Museum Expo" at Pragati Maidan, New Delhi on and from 18^{th} May 2023 to 20^{th} May 2023 organized by the Ministry of Culture.
- Participated in the exhibition “Roots and Routes” on the occasion of G-20, at the National Gallery of Modern Art, New Delhi started from September 2023 organized by the Ministry of Culture.
- Exhibition held in connection with the Post Congress of 19^{th} IUAES (International Union of Anthropological and Ethnological Sciences) from 27^{th}-28^{th} October 2023
- Participated in the 2^{nd} Acharya Prafulla Chandra Roy Smarak Vigyan Mela O Pradarshani held from 5^{th} to 7^{th} January 2024 at the West Bengal University of Animal & Fishery Sciences (WBUAFS).
- An exhibition themed “East meets West: Birth of the Asiatic Society” was organized at the 47^{th} International Kolkata Book Fair 2024 held from 18^{th} to 31^{st} January 2024.

Conservation

The Conservation Laboratory of the Asiatic Society has been preserving and restoring rare books, manuscripts, plates, maps, etc. The functions of the division are highly technical and work is being done in precision to avoid damage. The skilled and professionally trained staff of this division is capable of performing a wide range of treatments on bound materials including medieval manuscripts and old and rare books.

Activities during the period:

- No. of books & mss. were physically verified from the Conservation point 1872
- No. of book-worm infested books and mss. were fumigated 4089
- No. of sheets (full of patches) was de-laminated before lamination 1534
- No. of sheets was paginated before treatment 3680
- No. of brittle & fragile sheets was de-acidified before lamination 2999
- No. of warm eaten and jammed sheets of mss. and rare books were carefully Separated for its reconditioning 1570
- No. of torn sheets was mended before lamination 1630
- No. of brittle sheets of paper mss. were examined 1621

- No. of delicate sheets laminated using imported tissue paper (U.K. Origin) and cellulose acetate foil. 1896
- No. of delicate sheets laminated using Tissue Papers U.K. Origin & C.M.C. & M.C. Paste 2856
- No. of sheets trimmed after mending and lamination 4732
- No. of volumes departmentally bound 316
- No. Photo Lamination completed 47
- No. of fillers prepared 498
- No. of Spiral Binding completed 30

Reprography

Reprography is the reproduction of graphics through mechanical or electrical means such as photography or xerography. The Reprography section of the Asiatic Society is entrusted with the work of photocopy, digitization and general photography.

The work done by the section during the period is described below:

- **Photocopy:** During the period the section prepared 1,18,763 photocopies for official purposes and 7,442 photocopies from library materials under reader services.
- **Digitization:** In-house digitization of old & rare manuscripts and books of the Society is done to prevent these invaluable collections from frequent handling by users. Digitization work is carried out with the help of one 'Bookeye 2' scanner, one 'Bookeye 4' scanner and a digital camera. During the period the section prepared 30914 exposures of 273 manuscripts.
- **General Photography:** Photo coverage of Seminars, Lectures, and Workshops organised by the Society and also of important dignitaries who visited the Society is taken by the section. During the period the Section took 3003 nos. photographs for official purposes. These photographs are published regularly in the Monthly Bulletin of the Society.

11

Activities of the Academic Section

Academic activities including research, national and international seminars and conferences, workshops, endowment /memorial lectures, special lectures and exhibitions constitute one of the most important frontal activities of the Asiatic Society. A brief overview of such activities organized in 2023-2024 (April 2023-March 2024) is given below:

1.	Research Fellows	:	13
2.	Post Doctoral Research Fellow	:	01
3.	Ongoing 'Internal' Research Projects	:	13
4.	Ongoing 'External' Research Projects	:	08
5.	Research Assistants	:	04
6.	International Conferences/Seminars	:	02
7.	Workshops	:	03
8.	National Seminars/Workshops/Webinars	:	16
9.	Endowment/Memorial Lectures	:	14
10.	Special Lectures	:	03
11.	Foundation Day Lecture	:	01
12.	Book Release Programs	:	01
13.	Exhibitions	:	02
14.	Other Academic Programmes	:	12

Details of these research and other academic activities are given below:

A. INTERNAL RESEARCH PROJECTS :

The following Research Fellows are engaged in different projects:

1. PROJECT: PANDIT ISWAR CHANDRA VIDYASAGAR RESEARCH FELLOWSHIP

- Name of Research Fellow: Sri Pradyut Shil [Language & Literature]
- Name of Supervisor: Professor Mahidas Bhattacharya
- Date of joining: 27.01.2020
- Topic: Vidyasagarer Shiksha o Samajbhavnar Aloke Birsimha o Tatsamlagna Gramgulir Bartaman Shikshagata Ebong Samajgata Abasthan
- Date of Completion: 26.07.2023
- Final report submitted.

2. PROJECT: INDOLOGY

- Name of Research Fellow: Ms. Sneha Agarwala
- Name of Supervisor: Professor Tapati Mukherjee
- Date of Joining: 22.09.2021.
- Topic: Revisiting the Contribution of Rajendralal Mitra in Manuscriptology.
- Date of Completion: 21.09.2024.

3. PROJECT: MOULANA ABUL KALAM AZAD RESEARCH FELLOWSHIP IN PERSIAN AND ARABIC STUDIES

- Name of Research Fellow: Dr. Shahid Alam
- Name of Supervisor: Dr M.Firoze
- Date of Joining: 29.09.2021
- Topic: Contributions of European Scholar to Persian Studies in Bengal with Special reference to the Asiatic Society.
- Date of Completion: 28.09.2024.

4. PROJECT: SARAT CHANDRA ROY RESEARCH FELLOWSHIP IN ANTHROPOLOGY

- Name of Research Fellow: Dr. Debasree Chowdhury
- Name of Supervisor: Professor Ranjana Ray
- Date of Joining: 01.10.2021
- Topic: The Lodhas: An Anthropological Perspective from Past to Present in Rural-Urban Context.
- Date of Completion: 30.09.2024.

5. PROJECT: NORTH EAST INDIA STUDIES

- Name of Research Fellow: Ms. Homngai Mossang
- Name of Supervisor: Professor Sarit Kumar Chaudhuri
- Joint Supervisor: Dr. Satyabrata Chakrabarti
- Date of Joining: 08.10.2021
- Topic: Ethnographic Research on the Bordering Tribes of Arunachal Pradesh.
- Date of Completion: 31.03.2024.

6. PROJECT: SIR WILLIAM JONES RESEARCH FELLOWSHIP IN SANSKRITIC STUDY

- Name of Research Fellow: Shri Shubhajyoti Das
- Name of Supervisor: Professor Debarchana Sarkar
- Date of Joining: 20.09.2023

- Topic: Text-critical edition of *Śūlapāni's Prāyaścittavivekah*
- Date of Completion: 19.09.2024

7. PROJECT: HISTORY OF SCIENCE FELLOWSHIP

- Name of Research Fellow: Ms. Sohini Das
- Name of Supervisor: Professor Mahua Sarkar
- Date of Joining: 21.09.2023
- Topic: Imperialism and forestry in India: Works of William Schlich, Berthold Ribbentrop and E.P. Stebbing (1881-1917).
- Date of Completion: 20.09.2024

8. PROJECT: HISTORY OF MEDICINE FELLOWSHIP

- Name of Research Fellow: Dr. Gourav Debnath
- Name of Supervisor: Professor Arabinda Samanta
- Date of Joining: 25.09.2023
- Topic: The Lepcha community in North Sikkim and their medicinal practices: A case study of the intersection of indigenous medicines and ancient ayurveda shastras.
- Date of Completion: 24.09.2024

9. PROJECT: FOLKLORE AND CULTURE FELLOWSHIP

- Name of Research Fellow: Dr. Swapan Barman
- Name of Supervisor: Dr. Sk Makbul Islam
- Date of Joining: 26.09.2023
- Topic: উত্তরবঙ্গের রাজবংশী সমাজের লোকগান সংগ্রহ ও সমীক্ষা
- Date of Completion: 25.09.2024

10. PROJECT: JAMES PRINSEP FELLOWSHIP FOR EPIGRAPHY AND NUMISMATICS

- Name of Research Fellow: Dr. Anuja Bose
- Name of Supervisor: Professor Rajat Sanyal
- Date of Joining: 27.09.2023
- Topic: Sigilographic Material from early Bengal: a comprehensive study
- Date of Completion: 26.09.2024

11. PROJECT: LANGUAGE AND LINGUISTICS FELLOWSHIP

- Name of Research Fellow: Shri Srijan De Sarker
- Name of Supervisor: Professor Swapan Basu
- Date of Joining: 03.10.2023
- Topic: ভার্নাকুলার লিটারেচার সোসাইটি (বঙ্গভাষানুবাদক সমাজ) ও উনিশ শতকের বাংলা সাহিত্য-সংস্কৃতি।
- Date of Completion: 02.10.2024

12. PROJECT: VEDIC DICTIONARY OF PROPER NAMES

- Name of the Research Fellows:

  1. Samima Yeasmin

     Date of Joining: 19.07.2019

     Date of Completion: 02.06.2024

  2. Dr Priyanku Chakraborty

     Date of Joining: 12.09.2022

     Date of Completion: 02.06.2024.

- Name of the Honorary Project Director: Professor Samiran Chandra Chakrabarti
- The work is continuing.

B. POST DOCTORAL RESEARCH PROJECT:

1. PROJECT: PALI AND PRAKRIT STUDIES

- Name of the Research Fellow: Dr. Saheli Das (Sarkar)
- Date of Joining: 25.10.2021
- Topic: A study on *Bhikkhunipacittiyapalitonissaya*
- Date of Completion: 24.10.2024

C. ON-GOING EXTERNAL RESEARCH PROJECTS:

1. PROJECT: A CHRONOLOGICAL HISTORY OF THE ASIATIC SOCIETY : A TIMELINE STUDY FROM 1784-2018

- Name of Research Assistants: Smt. Payel Saha and Smt. Utsa Bose
- Principal Investigator: Dr. Nibedita Ganguly
- Date of Commencement of the project: 12.02.2019
- Date of Completion: 31.07.2023
- Final report submitted.

2. PROJECT: VAISHNAVA TEMPLES OF NABADWIP AND THE VAISHNAVA COMMUNITY

- Name of Research Assistant: Sri Abhirup Mukherjee
- Principal Investigator: Dr. Buddhadeb Bandyopadhyay (since 17.03.2021)
- Date of Commencement: 12.07.2019
- Date of Completion: 17.07.2023
- Final report yet to submit.

3. PROJECT: AN UNTOLD JOURNEY OF A RUSSIAN INDOLOGIST GERASIM STEPANOVICH LEBEDEV

- Principal Investigator: Dr. Atmoja Bose
- Date of Commencement: 12.05.2021
- Date of Completion: 11.05.2026
- The work is continuing.

4. PROJECT: PREPARATION FOR FACSIMILE EDITION OF THE VIVIDARTHA SANGRAHA (7 VOLS.)

- Name of Research Assistant: Sri Srijan De Sarker
- Principal Investigator: Professor Swapan Basu
- Date of Commencement: 09.03.2022
- Date of Completion: 08.09.2023
- Final report submitted.

5. PROJECT: RASARATNAMALA OF NARASIMHA KAVIRAJ : A LESS KNOWN ALCHEMIC TEXT (TEXT, TRANSLATION FROM SANSKRIT TO ENGLISH AND CRITICAL NOTES)

- Project Investigators: Dr. Rita Bhattacharya and Dr. Bandana Mukherjee
- Date of Commencement: 07.03.2022
- Date of Completion: 06.03.2024
- Final report yet to submit.

6. PROJECT: STUDIES ON SOME EDIBLE FRESHWATER AND ESTUARINE MOLLUSK (ANIMALIA: INVERTEBRATA) OF SOUTHERN WEST BENGAL, INDIA, WITH SPECIAL REFERENCE TO THEIR NUTRITIONAL AND MEDICINAL VALUE AND

RELATION TO WOMEN WELLBEING

- Project Investigator: Dr. Mousumi Roy
- Coordinator: Professor Asok Kanti Sanyal
- Date of Commencement: 01.11.2023
- Date of Completion: 31.10.2024
- The work is continuing.

7. PROJECT: UNISH O BINGSHA SHATAKER BANGLA SAHITYE AYURVED: EKTI OITIHASIK SAMIKSHA

- Project Investigator: Dr. Ajanta Biswas
- Date of Commencement: 12.01.2024
- Date of Completion: 11.01.2025
- The work is continuing.

8. PROJECT: WILLIAM CAREY AND BOTANY

- Project Investigator: Dr. Saptarshi Mallick
- Date of Commencement: 18.12.2023
- Date of Completion: 17.12.2024
- The work is continuing.

D. APPROVED EXTERNAL PROJECTS YET TO BE COMMENCED

1. 'The Paippalada-Samhita of the Atharvaveda-English translation, indices and an account of its contents and history'.

   Principal Investigator of the project: Professor Dipak Bhattacharya.

2. 'The contribution of Baren Basu and other Bengali Soldiers in the struggle for World peace and Anti War'.

   Principal Investigator of the project: Dr. Jyoti Prasad Roy.

3. "Krishnaleela or the Stories of Life of Sri Krishna rewritten on the Brick Temples : Survey and Documentation of Terracotta Ornamentations".

   Principal Investigator of the project: Dr. Apurba Kumar Chattopadhyay.

4. 'Documentation analysis and interpretation of the indigenous literature 'Namtho Namthar' of the Lepcha (language of North East India)'

   Principal Investigator of the project: Dr. Satarupa Dattamajumdar.

E. EXTERNAL RESEARCH PROJECT: HOSTED BY THE ASIATIC SOCIETY.

1. Project: "Gendered Spaces in Purulia Chhou: Present Scenario and Future Prospects." with the financial assistance from Indian Council of Social Science Research (ICSSR)

   Principal Investigator: Dr. Sharmila Chandra

   Date of Commencement: 29.12.2021

   Date of Completion: 28.12.2023

F. LECTURES/SEMINARS/ CONFERENCES / WORKSHOPS / SYMPOSIUM / COLLOQUIUM

During the year 2023-24, a substantial number of academic programmes were organized at the national and international level. In most of the cases the programmes were in collaboration with the Universities or renowned academic institutes. Eminent scholars from different parts of the country and abroad participated in these academic programmes and presented their erudite papers. Co-ordinators of the respective programmes are at present pre-occupied with editing those papers for publications. Proceedings of a few of the conferences have already been published. Some of

the proceedings are in the press and work of editing other proceedings of the seminars is continuing.

Here in below we are giving only the titles of the Lectures / Seminars / Conferences

APRIL 2023

- **5th April 2023**

  Dr. Panchanan Mitra Memorial Lectureship for the year 2020

  Speaker: Professor Sarit Kumar Chaudhuri, Dean, FSS, Department of Anthropology, Rajiv Gandhi University, Rono Hills, Arunachal Pradesh.

  Topic: Evolving Tribal Situation in Arunachal Pradesh: Anthropological Insights.

- **6th April 2023**

  G.S.I. Sesquicentennial Commemorative Lectureship for the year 2021.

  Speaker: Professor N.V. Chalapathi Rao, EPMA & SEM Laboratories, Department of Geology, Institute of Science, Banaras Hindu University, Varanasi.

  Topic: A Journey to the Centre of the Earth: Snapshots from Kimberlites, related rocks and their entrained xenoliths/xenocrysts.

- **18th April 2023**

  Observation of World Heritage Day 2023 on Ancient Monuments of India.

  An exhibition of Lithoplates & Photographs in the Museum collection of the Asiatic Society Kolkata.

- **26th April 2023**

  Professor Suniti Kumar Chatterji Memorial Lectureship for the year 2021.

  Speaker: Professor Pramod Kumar Pandey, Vice-Chancellor, Deccan College Post Graduate and Research Institute (Deemed University), Pune.

  Topic: Phonological Uniformity in Indic Languages.

MAY 2023

- **1st May 2023**

  239th Annual General Meeting and Awards Giving Ceremony of the Asiatic Society, Kolkata.

  Guest in Chief: Dr C.V. Ananda Bose, Honorable Governor of West Bengal & Smt. Lakshmi Ananda Bose, Honorable First Lady of West Bengal.

- **15th to 19th May 2023**

  A five-day Workshop on ‘History of Science’. Release of a Book by Professor Deepak Kumar, Former Professor, Jawaharlal Nehru University, New Delhi.

  Co-ordinators: Professor Rajkumar Roy Choudhury and Professor Syamal Chakrabarti.

- **26th May2023**

  A Special Lecture on the topic ‘Food Habit and Cancer Prevention’

  Speaker: Dr. Sankar Kumar Nath, Eminent Oncologist & Medical Science Secretary, the Asiatic Society

JUNE 2023

- **6th June 2023**

  Celebration of World Environment Day 2023 followed by Sit and Draw, Extempore speech, and Quiz Competition.

  Coordinator: Professor Asok Kanti Sanyal,

Biological Science Secretary, the Asiatic Society.

- **17th June 2023**

  Birth Centenary Year Celebration of Eminent Economist Prof. Amlan Dutta in collaboration with Rekha Chitram, Salt Lake.

  Speaker: Mr Ashish Lahiri, renowned scholar.

  Topic: 'Tagore and Gandhi in Professor Amlan Dutta's Perspective'.

- **22nd June 2023**

  Indira Gandhi Memorial Lecture for the year 2022.

  Speaker: Swami Suparnananda Maharaj, Secretary, Ramakrishna Mission Institute of Culture.

  Topic:' Living a Meaningful life'.

- **24th June 2023-30th June 2023**

  Birth Centenary year celebration of Eminent Film Director Sri Mrinal Sen in collaboration with Rekha Chitram, Salt Lake and Eisenstein Cine Club, Gorky Sadan followed by a Commemorative Exhibition and Film Shows.

JULY 2023

- **22nd July 2023**

  A Half-day collaborative seminar remembering Professor Ranajit Guha in collaboration with Paschimbanga Itihas Samsad.

  Speakers: Professor Swapan Kumar Pramanick, Professor Ranjit Sen, Professor Arun Bandyopadhyay, Professor Subhas Ranjan Chakraborty, Professor Sukanta Chaudhuri.

- **27th July 2023**

  A Two-Hour Awareness Session on Dementia in collaboration with Alzhemer's & Related Disorders Society of India, Calcutta Chapter.

  Speakers: Dr. Nilanjana Maulik, Vice-Chair, Alzheimer's And Related Disorders Society of India and Dr Sankar Kumar Nath, Medical Science Secretary, the Asiatic Society.

AUGUST 2023

- **5th August 2023**

  One-day seminar on "Sri Aurobindo: A Journey of Consciousness" in order to celebrate 150th Birth Anniversary of Sri Aurobindo in collaboration with Sri Aurobindo Bhavan, Kolkata.

- **25th August 2023**

  One-day seminar on "Insights into Social Inclusion: Lived Experiences of Individuals with Autism and their Families" in collaboration with Autism Society West Bengal.

SEPTEMBER 2023

- **1st September 2023**

  Seminar on "Harappan Culture in Retrospect: Revisiting on Archaeological Discovery".

  Speakers: Professor Arun Bandopadhyay, Dr. Phanikanta Mishra, Dr. Kaushik Gangopadhyay, Smt. Bahata Angshumali Mukherjee, Smt. Varada Khaladkar.

- **6th September 2023**

  International Webinar on "Status of Cultivation of Sanskrit as a Language in Poland and India" in collaboration with

Jagiellonian University, Krakow (Poland)and Honorary Consulate of the Republic of Poland, Kolkata.

- **14th September 2023**

  Centenary tribute to three Eminent teachers namely Professor Amal Kumar Raychaudhuri, Professor Samarendra Nath Ghosal and Professor Shyamal Sengupta.

  Speakers: Professor Amitava Raychaudhuri, Professor Soumitra Sengupta, Professor Dipak Ghosh, Dr. Amit Roy, Professor A.N. Basu, Professor Biswarup Mukhopadhyay.

- **26th September 2023**

  Observance of 203rd Birth Anniversary of Pandit Iswar Chandra Vidyasagar.

  Speaker: Dr. Jyotsna Chattopadhyay, Department of Bengali, Rabindra Bharati University.

  Topic: 'Vidyasagar O Betal Panchabingshati'.

OCTOBER 2023

- **4th October 2023**

  Dr Panchanan Mitra Memorial Lecture, 2022

  Speaker: Professor Vijoy S Sahay, Professor Emeritus & Former Head, Department of Anthropology, University of Allahabad.

  Topic: Indian Anthropology against the backdrop of World Anthropology.

- **9th October 2023**

  A special lecture by Dr. Bradley R. Hertel, Former Professor, Virginia University, U.S.A.

  Topic: The Western Roots of Indus Script and the Indus Calendar.

- **10th October 2023**

  Observation of 50th Death Anniversary of Nobel Laureate and Poet Pablo Neruda in collaboration with Rekha Chitram, Salt Lake.

- **27th -28th October 2023**

  Post-Congress Seminar in connection with the 19th IUAES-WAU World Anthropology Congress (Treasures of Knowledge).

  Topic: The Roots of Indian Anthropology: Transition from the Colonial Period to the Present.

NOVEMBER 2023

- **02nd and 3rd November 2023**

  Two-day Seminar on 'Emerging Issues of Language Endangerment In North-East India: History And Politics' in collaboration with CNTLS, Nagaland University.

  Coordinator: Dr Satarupa Dattamajumdar, Member, Academic Committee, The Asiatic Society.

- **10th November 2023**

  Observance of the 175th Birth Centenary of Rastraguru Surendranath Banerjea.

  Coordinator: Shri Suswagata Bandyopadhyay, Member, The Asiatic Society and Dr. Sankar Kumar Nath, Medical Science Secretary, The Asiatic Society.

  Chief Guest: Justice Shyamal Kumar Sen, Former Governor, West Bengal.

  Speakers: Professor Arun Kumar Bandopadhyay and Professor Tapan Kumar Chattopadhyay.

- **17th November 2023**

  Pandit Iswar Chandra Vidyasagar lecture, 2022

Speaker: Professor Pabitra Sarkar, Former Vice-Chancellor, Rabindra Bharati University.

Topic: Following Vidyasagar's Footsteps: Recent Innovations in Bangla Typography.

- **21st November 2023**

Professor Dipak Bhattacharya Commemoration Lecture.

Speaker: Professor Shrikant Bahulkar, Former Director, The Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune.

Topic: Atharvaveda: Past, Present and Future.

- **22nd November 2023**

A half-day seminar to pay Centenary Homage to Professor Arun Kumar Choudhury.

Coordinator: Dr. Arunabha Misra, Council Member, The Asiatic Society.

DECEMBER 2023

- **5th December 2023**

A collaborative seminar on the History of Science in collaboration with the *Society for the History of Science Kolkata (SHSK).*

Theme: Science, Technology, Medicine and Environment: An Appraisal of the Colonial and Postcolonial Experiences of India.

- **6th-7th December 2023**

Two-Day Seminar on "Scientific Temper: Revisiting its progress in India".

Coordinator: Dr Arunabha Misra, Council Member, The Asiatic Society.

- **8th December 2023**

A collaborative programme on "Indigenous Research Methodology-with Case Studies" in collaboration with Netaji Subhas Open University, Kolkata.

Coordinator: Prof. Arun Kumar Chakraborty, HOD, DLIS, NSOU.

Speakers: Professor Swapan Kumar Pramanick, President of the Asiatic Society, Professor Tapati Mukhopadhyay, Vice President, the Asiatic Society and Professor Arun Bandopadhyay, Historical and Archaeological Secretary, the Asiatic Society, Kolkata.

- **11th -16th December 2023**

Six-day workshop on 'Manuscriptology and Palaeography".

Coordinator: Professor Tapati Mukherjee, Vice President of the Asiatic Society, Kolkata and Dr Keka Adhikary Banerjee, Curator of the Asiatic Society, Kolkata.

- **19th December 2023**

A Memorial Meeting in memory of Sri Gautam Halder in collaboration with Rekha Chitram, Salt Lake.

Coordinator: Mr Arun Chakraborty, Principal, Rekha Chitram.

Speakers: Pandit Ajay Chakraborty, Sri Rudraprasad Sengupta, Smt Swagatalakshmi Dasgupta, Sri Binayak Bandyopadhyay, Prof. Rusati Sen, Smt Sumita Halder and others.

- **22nd December 2023**

Dr. Bimanbehari Memorial Lecture, 2022

Speaker: Professor Mrinal Kanti Gangopadhyay, Retired Professor, Department of Sanskrit, University of Calcutta.

Topic: "Two Unconventional Dramas in Classical Sanskrit Literature".

- **22nd December 2023**

    Professor Aniruddha Roy Memorial Lecture in collaboration with Paschimbanga Itihas Samsad.

    Speaker : Professor Nikhil Sur, renowned Historian.

    Topic: কলকাতার নগরায়নে 'ছোট ইংরেজদের ভূমিকা'।

- **27th December 2023**

    Swami Pranavananda Memorial Lecture, 2022

    Speaker: Professor Dilip Kumar Mohanta, Professor of Philosophy, University of Calcutta and Former Vice-Chancellor, University of Kalyani.

    Topic: "Religious Pluralism and Interreligious Dialogue".

January 2024

- **5th January 2024**

    Professor Sabyasachi Bhattacharya Memorial Lecture in collaboration with Paschimbanga Itihas Samsad.

    Speaker: Professor Chinmoy Guha, Former Vice Chancellor, Rabindra Bharati University

    Topic : সাহিত্য ও ইতিহাস : সম্পর্কের সন্ধানে।

- **15th January 2024**

    Celebration of 241st Foundation Day of the Asiatic Society, Kolkata.

    Foundation Day oration by Professor Ranjit Kumar Dev Goswami, Former Professor and Head, Department of English, Gauhati University and Sankaradeva Chair Professor of Cultural Studies, Tezpur University, on the topic 'The Knower and the Known: Aspects of Asiatic Researches into Assam'.

- **18th January 2024**

    A Seminar on "Decolonization of Knowledge and Alternative of Indigenous Knowledge System (IKS): A Critical Exploration" in collaboration with the Council for Political Studies.

    Coordinator: Sobhanlal Datta Gupta, General Secretary, Council for Political Studies, Kolkata.

- **23-28 January 2024 (26th January-Holiday)**

    A five-day Workshop on Folklore under the theme "Exploring through Folklore: Health issues in culture and society".

    Coordinator: Professor Ranjana Ray, Anthropological Secretary, The Asiatic Society and Dr. Chandramalli Sengupta, Member, Academic Committee, The Asiatic Society.

- **24th January 2024**

    Dr. Satyendra Nath Sen Memorial Lecture 2022.

    Speaker: Professor Shruti Tambe, Professor and Head, Department of Sociology, Centre for Advanced Studies, Savitribai Phule Pune University.

    Topic: Mahatma Phule's Quest for Truth: Contestations with Brahmanism and 'Coloniality of Mind'.

FEBRUARY 2024

- **6th February 2024**

    A short collaborative seminar on "The Microcosm-Macrocosm Equation" organized by The Asiatic Society, Kolkata & Ramakrishna Mission Vivekananda Educational and Research Institute (RKMVERI), a Deemed University to mark

the first programme of the Joint Working Group under the MoU made between the Society & RKMVERI.

Speakers: Professor Syamal Chakrabarti, Publication Secretary, The Asiatic Society, Kolkata, Smt. Subarna Paul, Research Scholar, Dept of Sanskrit and Philosophy, RKMVERI, Dr. Paromita Roy, Asst. Professor and Swami Abhedananda Chair, Dept. of Sanskrit and Philosophy, RKMVERI.

- **12th February 2024**

  Celebration of 92nd Birth Anniversary of Late Professor Isha Mohammad, an eminent artist and former president of the Asiatic Society, Kolkata.

- **12th - 18th February 2024**

  An art exhibition in collaboration with Rekha Chitram, Salt Lake.

  Coordinator: Mr. Arun Kumar Chakraborty, Principal, Rekha Chitram, Salt Lake.

- **16th February 2024**

  - Celebration of 203rd Birth Anniversary of Raja Rajendralala Mitra.

    Speakers: Dr Ramkumar Mukhopadhyay and Professor Abhra Ghosh.

  - Professor Suniti Kumar Chatterji Memorial Lecture, 2023

    Speaker: Chungkham Yashawanta Singh, Former Professor, Dept. of Linguistics, Manipur University and fellow, Indian Institute of Advance Studies, Shimla.

    Topic: Revisiting of Kirata-Jana-Krti of S.K. Chatterji.

- **23rd February 2024**

  A half-day seminar on Michael Madhusudan Dutt under the theme '*Rekho Ma Dasere Mane* '- Contribution of Madhusudan Dutt to the 19th Century's Bengal Renaissance and the Bengali Language and Literature.

  Speakers: Professor Satyabati Giri, Professor Shaktisadhan Mukhopadhyay, Professor Biswajit Roy.

- **28th February 2024**

  Celebration of National Science Day 2024 under the theme 'Indigenous Technologies for Viksit Bharat' followed by Lectures and panel discussion.

  Coordinator: Professor Asok Kanti Sanyal, Biological Science Secretary, the Asiatic Society.

- **29th February 2024**

  9th K.K. Handique Memorial Lecture

  Speaker: N. K. Sundareswaran, Professor, Department of Sanskrit, University of Calicut

  Topic: What Mîmâṃsâ has got to do in Mathematics? : Readings into the Âryabhaṭîyabhâṣya.

March 2024

- **5th March 2024**

  A special lecture by Prof. Tone Bleie, Professor in Public Planning and Cultural Understanding, Political Science and Local Planning, University of Tromsø, The Arctic University of Norway.

  Topic: Theorizing Scandinavian Mission Station Christianity in Bihar and Bengal during British Crown Rule & Book Launch on "A New TESTAMENT: Scandinavian missionaries and Santal chiefs from company and British Crown Rule to Independence".

- **8th March 2024**

  Celebration of International Women's Day (IWD) 2024 followed by a Debate on the topic 'অর্থনৈতিক স্বাধীনতাই নারী মুক্তির একমাত্র পথ', Shruti Natak : 'আমি তোমারি জন্যে' and short speech on 5 distinguised women characters.

- **18th March 2024**

  Raja Rajendralala Mitra Memorial Lecture 2022

  Speaker: Professor Vashishtha Narayan Jha, Former Director, Centre of Advanced Study in Sanskrit, University of Pune.

  Topic: Language and Reality: Reflections of Jayanatabhatta, the 9th-century Kashmiri Logician.

- **21st March 2024**

  A Seminar on 'Science of Suryanamaskar' jointly organized by the Asiatic Society, Kolkata and Ramakrishna Mission Vivekananda Educational and Research Institute, Belur Math (Deemed University under UGC).

- **27th March 2024**

  A one-day seminar on "Challenges on vector-borne diseases in the changing dynamics of environment and climate" in collaboration with the Society of Medical Arthropodology.

  Coordinators : Dr. Asok Kanti Sanyal and Dr. Sankar Kumar Nath.

Memorandum of Understanding (MoU)

❖ MoU was signed between The Asiatic Society Kolkata & Ramakrishna Mission Vivekananda Educational and Research Institute in September 2023 for cooperation in the areas of common interest in regard to Research, Publication & other programmes of higher education. This will include joint collaborative seminars, workshops, special lectures, supervision of PhD research fellows & bringing out publications of common interest.

The first meeting of the Joint Working Group for implementation of the MoU made between The Asiatic Society, Kolkata & Ramakrishna Mission Vivekananda Educational and Research Institute (RKMVERI), a Deemed University followed by a short seminar on 'Microcosm Macrocosm Equation' was successfully held on 6th February 2024 to mark the first programme of the MoU.

❖ Another MoU was signed in September 2023 between The Asiatic Society Kolkata & Bhaktivedanta Research Centre, affiliated with the University of Mumbai for the translation & publication of the text "Gauranga Vijaya" by Chudamani Das.

12

Other Activities

Presence in the Social Media

- On the Facebook page (**https://www.facebook.com/The-Asiatic-Society-Kolkata-455881717925308**) of the Society, there were more than 1320 followers added in the said period. More than 65 posts have been made and the total reach for the period was more than 1.87 Lakhs.
- More than 130 followers were added to the Twitter Account of Society (**https://twitter.com/asiatic_society**) and regular updates are posted here. More than 75 tweets and 950 re-tweets have been done. The total reach was more than 24,000 of its programme in the last year.
- The YouTube channel of the Society (**https://www.youtube.com/c/TheAsiaticSociety**) has more than 1040 subscribers to this channel and 6 videos have been uploaded by the Society in this period, which is acclaimed globally.
- The Society also has a WhatsApp group with the employees of the Society for better communication and to spread the events more. The society also posts its events regularly on the Whatsapp groups created by the Ministry of Culture to promote its events.
- Along with these initiatives, the Society also has its website, and bulk email services to reach its audience and members of the Society.

Hindi Programme:

- Celebration of Hindi Pakhwara 2023. On the occasion of Hindi Pakhwara, Hindi speech completion among the staff members was held on 8th September 2023. A Hindi workshop was organized on 14th September on Hindi grammar. A one-act play named '*Charumitra*' was organized by the staff members of the Society. The pakhwara ended with prize distribution to the winners of the speech competition and a discussion of the importance of celebrating the Hindi Diwas.
- A total of seven staff members completed the Praveen Course under the Central Hindi Teaching Scheme (Department of Official Language), Government of India.
- All official stamps and nameplates, flex, and banners are written in bilingual form. Information provided in the exhibitions was also written in bilingual form during 2023-2024.
- Regular official correspondences like reports and other replies were sent from time to time to the Ministry of Home Affairs (Department of Official Language) by the Hindi Cell of the Asiatic Society.

Training & Demonstration:

- Four Fire Lecture-cum-demonstration on the Portable Fire Extinguishing System were conducted during the year in all four quarters.

13

Employees of the Asiatic Society [2023-2024]

1 **Lt. Col. Anant Sinha**
Director (on Deputation)

2 **Dr. Pritam Gurey**
Librarian

3 **Shri Dhiman Chakraborty**
Controller of Finance

4 **Shri Arupratan Bagchi**
Administrative Officer

5 **Shri Pradip Kumar Saha**
Accounts Officer

6 **Shri Sanjoy Roy Choudhury**
Section Officer (Officiating)

7 **Shri Arpan Ghosh**
Security Officer

8 **Smt. Sujata Mishra**
Assistant Librarian [Retired on 31.12.2023]

9 **Smt. Amita Bhattacharya (Ghoshal)**
Assistant Librarian

10 **Shri Shabbir Ahmed**
Assistant Librarian

11 **Shri Ramaprasanna Sinha**
Conservation Officer [Retired on 31.07.2023]

12 **Ms. Arati Kundu**
Reprography-cum-Photography Officer
[Retired on 31.05.2023]

13 **Shri Swarup Manna**
Accountant

14 **Ms. Swarnali Pal**
Accountant (on deputation from 30.06.2023)

15 **Shri Nanda Roy**
Assistant Security Officer

16 **Shri Sushil Kumar Roy**
Assistant Security Officer

17 **Shri Sukhendu Bikash Pal**
Senior Publication Assistant (Publication Officer In-Charge)

18 **Dr. Shakti Mukherjee**
Senior Publication Assistant (Research Officer In-Charge)

19 **Shri Samik Biswas**
Senior Publication Assistant

20 **Smt. Rupa Mukhopadhyay**
Senior Technical Assistant

21 **Shri Jayanta Kumar Sikdar**
Senior Technical Assistant

22 **Shri Amit Ghosh**
Maintenance Engineer

23 **Dr. Keka Adhikari (Banerjee)**
Curator

24 **Smt. Bandana Bhattacharya**
Senior Assistant

25 **Smt. Dipa Ghatak**
Senior Assistant [Retired on 29.02.2024]

26 **Shri Asim Kumar Datta**
Senior Assistant [Retired on 31.08.2023]

27 **Shri Saroj Kumar Maity**
Senior Assistant

28 **Shri Murari Bhattacharyya**
Senior Assistant

29 **Shri Riyaz Ahmed**
Senior Assistant

30 **Shri Debasis Dutta**
Senior Assistant

31 **Shri Murari Majumder**
Senior Assistant

32 **Shri Swapan Kumar Das**
Senior Assistant

33 **Shri Paresh Chakraborty**
Senior Assistant

34 **Shri Anupam Chowdhury**
Senior Assistant

35 **Shri Supravhat Majumder**
Senior Assistant

36 **Shri Rathindranath Bhattacharya**
Stenographer

37 **Shri Palash Kanti Dutta**
Stenographer

38 **Shri S.S.F.I. Alquaderi**
Cataloguer

39 **Dr. Archana Roy**
Cataloguer

40 **Ms. Farhin Saba**
Cataloguer

41 **Shri Tanmay Das**
Assistant Maintenance Engineer

42 **Ms. Salma Khan**
Library Information Assistant

43 **Shri Swapnanil Chatterjee**
Library Information Assistant

44 **Ms. Uma Rakshit**
Library Information Assistant

45 **Smt. Gouri Mitra**
Conservation Assistant (LIA)
(Conservation Officer In-Charge)

46 **Shri Dibakar Maity**
Conservation Assistant (LIA)

47 **Smt. Anita Roy**
Conservation Assistant (LIA)

48 **Shri Tamal Ghosh**
Junior Assistant

49 **Shri Tapas Karmakar**
Junior Assistant

50 **Shri Rampravesh Kumhar**
Junior Assistant

51 **Shri Ashim Krishna Roy**
Junior Assistant

52 **Smt. Mala Chatterjee**
Junior Assistant

53 **Shri Bhaskar Ghosh**
Junior Assistant

54 **Shri Satrughna Manik**
Junior Assistant

55 **Smt. Pranati Mitra**
Junior Assistant

56 **Smt. Chhanda De**
Junior Assistant

57 **Smt. Satarupa Banerjee**
Junior Assistant

58 **Ms. Sudipta Naskar**
Junior Assistant

59 **Shri Krishnendu Dutta Chowdhury**
Junior Assistant

60 **Shri Pranab Kumar Majee**
Junior Assistant

61 **Shri Prasanta Ganguly**
Reprography cum Photography Assistant
(Reprography Officer In-Charge)

62 **Ms. Sagarika Sur**
Publication Assistant cum Proof Reader

63 **Ms. Medhashree Ghosh**
Publication Assistant cum Proof Reader
(Joined on 19.06.2023)

64 **Shri Aloke Dolui**
Data Entry Operator

65 **Shri Tapan Ghatak**
Lower Division Clerk [Retired on 31.01.2024]

66 **Shri Suchand Mukherjee**
Lower Division Clerk [Retired on 30.04.2023]

67 **Shri Kashinath Guin**
Lower Division Clerk

68 **Shri Sandeep Rajoriya**
Lower Division Clerk

69 **Shri Rahul Dolui**
Lower Division Clerk

70 **Shri Akash Das**
Lower Division Clerk

71 **Shri Atim Kumar Mandal**
Lower Division Clerk

72 **Shri Jyotirmoy Tudu**
Lower Division Clerk

73 **Shri Sujoy Bhowmick**
Lower Division Clerk

74 **Ms. Tithi Paul**
Lower Division Clerk

75 **Shri Ritesh Pradhan**
Lower Division Clerk

76 **Shri Rajesh Polai**
Lower Division Clerk

77 **Shri Chandan Hela**
Lower Division Clerk

78 **Shri Bhagyajay Satapathy**
Lower Division Clerk

79 **Shri Subhajit Saha**
Lower Division Clerk

80 **Shri Arpan Chakraborty**
Lower Division Clerk

81 **Shri Sourav Das**
Lower Division Clerk

82 **Shri Surajit Manna**
Lower Division Clerk

83 **Shri Pratyay Dhar**
Lower Division Clerk

84 **Sri Debargha Saha**
Lower Division Clerk

85 **Ms. Soumili Pramanick**
Lower Division Clerk

86 **Shri Amit Biswas**
Lower Division Clerk

87 **Shri Santanu Roy**
Lower Division Clerk

88 **Shri Chakradhar Bera**
Driver

89 **Shri Dulal Chandra Dey**
Driver

90 **Shri Tapan Kumar Dolui**
Driver

91 **Shri Shyamal Chakraborty**
Head Security Guard

92 **Shri Badal Chatterjee**
Head Security Guard

93 **Shri Shivaji Pandey**
Head Security Guard

94 **Shri Sudarshan Behera**
Head Security Guard

95 **Shri Atanu Batabyal**
Head Security Guard

96 **Shri Laxman Chandra Manik**
Carpenter

97 **Shri Rabindranath Dey**
Binder/Mender

98 **Shri Somnath Bhattacharyya (2)**
Binder/Mender [Retired on 04.04.2023]

99 **Shri Sankar Das**
Binder/Mender

100 **Shri Gopal Chandra Sinha**
Binder/Mender

101 **Shri Rakesh Sharma**
Binder/Mender

102 **Shri Rajesh Kumar Pandey**
Binder/Mender

103 **Shri Shyamal Mondal**
Liftman

104 **Shri Arghya Das**
Liftman

105 **Shri Sushil Chanda**
Attendant

106 **Shri Radheshyam Mishra**
Attendant

107 **Shri Kali Charan Shaw**
Attendant

108 **Shri Goutam Das**
Attendant

109 **Smt. Sabitri Dasgupta**
Attendant

110 **Shri Prakash Ghosh**
Attendant

111 **Shri Sanjoy Paridha**
Attendant

112 **Shri Uttam Das**
Security Guard

113 **Shri Tarkeshwar Chaubey**
Security Guard

114 **Shri Bansi Bewra**
Security Guard

115 **Shri Raj Kumar Prasad**
Security Guard

116 **Shri Amal Pal**
Security Guard

117 **Shri Shiboprasad Banerjee**
Security Guard

118 **Shri Manik Mukherjee**
Security Guard

119 **Shri Pradip Chakraborty**
Security Guard

120 **Shri Bibhas Dutta**
Security Guard

121 **Shri Swapan Sarkar**
Security Guard

122 **Shri Rabindranath Das**
Security Guard

123 **Shri Rajkisore Prasad**
Security Guard

124 **Shri Basudeb Das**
Security Guard [Retired on 31.01.2024]

125 **Shri Bidyadhar Sahoo**
Junior Attendant

126 **Shri Tapan Ghorai**
Junior Attendant

127 **Shri Debnarayan Saha**
Junior Attendant

128 **Shri Biswajit Ghosh**
Junior Attendant

129 **Smt. Tultul Dey**
Junior Attendant

130 **Shri Amit Kumar Ghosh**
Junior Attendant

131 **Shri Sanjit Kumar Singh**
Junior Attendant

132 **Shri Ranjit Singh**
Junior Attendant

133 **Smt. Lina Banerjee**
Junior Attendant

134 **Shri Prem Sankar Singh**
Junior Attendant

135 **Smt. Dipali Dey**
Junior Attendant

136 **Shri Kashinath Nandi**
Junior Attendant

137 **Shri Bharat Kumhar**
Junior Attendant

138 **Smt. Sharmistha Laha**
Junior Attendant

139 **Shri Surojit Das**
Junior Attendant

140 **Shri Rakesh Kumhar**
Junior Attendant

141 **Shri Sourav Majee**
Junior Attendant

142 **Ms. Shrabani Dutta Chowdhury**
Junior Attendant

143 **Shri Utpal Ghosh**
Junior Attendant

144 **Shri Prasenjit Bhadra**
Junior Attendant

145 **Ms. Jyoti Sharma**
Junior Attendant (Joined on 12.06.2023)

146 **Shri Chandan Adhikary**
Junior Attendant (Joined on 14.06.2023)

147 **Shri Chhattu Sarkar**
Junior Attendant (Joined on 15.06.2023)

148 **Shri Soumya Kanti Maitra**
Junior Attendant (Joined on 16.06.2023)

149 **Shri Abhijit Das**
Junior Attendant (Joined on 20.06.2023)

150 **Shri Uttam Santra**
Safaiwala

151 **Shri Nihar Ranjan Majumder**
Safaiwala

152 **Shri Bharat Hela**
Safaiwala

153 **Smt. Laxmi Hela**
Safaiwala

154 **Shri Safik Ali Khan**
Safaiwala

155 **Ms. Parul Debi**
Safaiwala

156 **Shri Guddu Prasad**
Generator cum Pump Operator

157 **Shri Banibrata Bhattacharya**
Systems Engineer [Contractual Basis]

158 **Smt Suranjana Choudhury**
Publication Assistant cum Proof-Reader [Contractual Basis]

159 **Shri Ratan Dutta**
Casual Labourer

160 **Shri Ekramul Haque**
Casual Labourer

161 **Shri Bikesh Kumar Singh**
Casual Labourer

162 **Ms. Shilpa Kar**
Casual Labourer

The Asiatic Society
Kolkata

Audit Report
2023-2024

14

Annual Audit Report 2023-2024

SEPARATE AUDIT REPORT ON THE ACCOUNTS OF THE ASIATIC SOCIETY, KOLKATA FOR THE FINANCIAL YEAR ENDED 31 MARCH 2024

We have audited the attached Balance Sheet of The Asiatic Society, Kolkata, as at 31 March 2024, the Income & Expenditure Account and Receipts & Payments Account, for the year ended on that date under Section 19(2) of the Comptroller and Auditor General's (Duties, Powers and Conditions of Service) Act, 1971 , read with Section-5(2) of The Asiatic Society Act, 1984. These financial statements are the responsibility of the Society's management. Our responsibility is to express an opinion on these financial statements, based on our audit.

2. This Separate Audit Report contains the comments of the Comptroller & Auditor General of India (CAG) on the accounting treatment only, with regard to classification, conformity with the best accounting practices, accounting standards and disclosure norms, etc. Audit observations on financial transactions with regard to compliance with the Law, Rules and Regulations (i.e. Propriety and Regularity) and efficiency-cum-performance aspects, etc., if any, are reported through Inspection Reports/CAG's Audit Reports separately.

3. We have conducted our audit in accordance with auditing standards generally accepted in India. These standards require that we plan and perform the audit to obtain reasonable assurance about whether the financial statements are free from material misstatements. An audit includes examining, on a test basis, evidence supporting the amounts and disclosures in the fmancial statements. An audit also includes assessing the accounting principles used and significant estimates made by the Management, as well as evaluating the overall presentation of

financial statements. We believe that our audit provides a reasonable basis for our opinion.

4. Based on our audit, we report that:

   i. We have obtained all the information and explanations, which, to the best of our knowledge and belief, were necessary for the purpose of our audit;

   ii. The Balance Sheet, Income & Expenditure Account and Receipts & Payments Account dealt with by this report have been drawn up in the format prescribed by the Ministry of Finance, Government of India

   iii. In our opinion, proper books of accounts and other relevant records have been maintained by The Asiatic Society, Kolkata, as required, insofar as it appears from our examination of such books.

   iv. We further report that

Comments on Accounts

A. Balance Sheet

1.1 Assets

1.1.1 Fixed Assets (Schedule 8): ₹3.11 crore

The above head was understated by an amount of ₹0.66 crore, due to non-capitalizing the completion cost of the work *viz.* 'Electrical work for Construction of veltical extension by two additional floors on the existing G+ 3 Building of the Asiatic Society' (Completion Cost-₹2.85 crore - already Capitalized by the Society-₹2.19 crore). This also resulted in overstatement of the 'Current Assets, Loans & Advances Etc. ' (Schedule 11), by ₹0.66 crore.

B. Income and Expenditure Accounts

2.1 Expenditure

2.1.1 Depreciation (Schedule 8): ₹4.61 crore

The above head was understated by an amount of ₹0.48 lakh, due to wrong booking of six Computer Desktops valuing ₹2.38 lakh under the 'Fixed Assets' (Schedule 8) in October 2023, instead of booking the same in September 2023, when the computers were installed (Rate of Depreciation to be charged @40% but actual depreciation charged @20%). This further resulted in understatement of the Deficit (being the Excess of Expenditure over the Income), by ₹0.48 lakh.

C. General Comments

3.1 Despite similar observations having been highlighted in the previous year's Audit Report, the Society did not take necessary steps in the following cases:

a) The Society has not made provisions for retirement benefits on actuarial valuation basis in respect of eligible employees, in contravention of the Accounting Standard 15 issued by ICAL

b) The Society had booked an amount of ₹ 19.26 lakh under the head 'Advance Payment of Journal Subscription' . The amounts incorporated therein have, however, been lying unadjusted for more than seven years. This needs to be reviewed.

c) An amount of ₹O.36 lakh was shown against 'Sundry Debtors'. This amount, being more than three years old, needs to be reviewed.

d) In regard to the 'Earmarked/ Endowment Funds' , balance under the 'Liabilities' side, was shown as ₹2.70 crore, whereas the balance, under the 'Assets' side, was shown as ₹2.72 crore (₹2.35 crore + ₹0.37crore) . The discrepancy of ₹0.02 crore could not be verified, due to non-maintenance of a separate bank account in regard to the 'Earmarked Funds'.

e) The Society had shown an amount of ₹1.49 lakh as fund balance of five Earmarked Funds (Sl. No.4, 5, 7 and 8) and an amount of ₹5.33 lakh as fund balance of one Earmarked Fund (Sl. No. 1) under the head 'Earmarked/ Endowment Funds' (Schedule 3) which were inoperative for more than six years and four years respectively. This needs to be reviewed.

3.2 The Society booked an amount of ₹8.82 lakh as Subscription/ Fees in Schedule 14 of Income and Expenditure which includes both capital (Life Membership Fees) and revenue (Annual Fees, Admission Fees etc.) nature of receipts, however, it did not disclose the policies on Fees/ Subscriptions in the Significant Accounting Polices (Schedule 24) in contravention to the Uniform Format of Accounts.

3.3 The Society had deposited various amounts to CPWD for executing different works but an amount of ₹1.16 crore remained pending from CPWD despite the fact that the works are either completed or stopped. This needs to be reviewed.

D. Grants in Aid

The Society is financed by grants received from the Government of India. During the financial year 2023-24, it received grants amounting to ₹20.26 crore (Revenue Grant: ₹20.16 crore (including grants received under Swachhta Action Plan head) and Capital Grant: ₹0.10 crore). It had previous year's unspent balance of ₹2.83 crore (Capital: ₹2.33 crore and Revenue: ₹0.50 crore). Out of the total grants so available, amounting to ₹23.09 crore (including the unspent balance of the financial year 2022-23), it utilized grants of ₹23.47 crore (Capital Expenditure: ₹1.59 crore, Revenue Expenditure: ₹21.88 (including expenditure under Swachhta Action Plan head)), incurring an excess expenditure of ₹0.38 crore, which was met out from its own funds, as at 31 March 2024.

E. Net Effect

The net effect of the comments given in the preceding paragraphs is that the Deficit (being Excess of Expenditure over Income) was understated by ₹0.48 lakh, for the year ended 31 March 2024.

v. Subject to our observations in the preceding paragraphs, we report that the Balance Sheet and Income and Expenditure Account and Receipts and Payments Account dealt with by this report are in agreement with the books of accounts.

vi. In our opinion and to the best of our information and according to the explanations given to us, the said financial statements, read together with the Accounting Policies and Notes on Accounts, and subject to the significant matters stated above and other matters mentioned in Annexure to this Audit Report, give a true and fair view, in conformity with accounting principles generally accepted in India:

a. insofar as it relates to the Balance Sheet, of the state of affairs of The Asiatic Society, Kolkata as at 31 March 2024, and

b. insofar as it relates to Income and Expenditure Account of the *deficit*, for the year ended on that date

For and on behalf of the C&AG of India

Place: Kolkata
Date: 06.09.2024

(Uday Shankar Prasad)
Director General of Audit
(Central) Kolkata

Annexure

A. Adequacy of Internal Control System

The Internal Audit System of the Society is inadequate on account of the following:

i. There is no internal audit system in force.

ii. There is no Internal Audit Manual in use.

iii. No Internal Audit has been conducted by the Society since the Financial Year 2017-18.

B. Adequacy of Internal Control System

The Internal Control System of the Society is inadequate on account of the following:

i. The organizational chart of the Society does not clearly indicate the allocation of duties and responsibilities of its officials and employees.

ii. The heads of accounts are not coded.

iii. There is no chart of account in use.

iv. Cash disbursements is being allowed out of cash receipts of the Society.

v. There is no purchase department in the Society. As a result, purchases are decentralized.

vi. No norms have been fixed in regard to stock levels to be held for consumable stocks, to ensure that the stock levels can be maintained accordingly.

C. System of Physical verification of Fixed Assets and Inventory

The Society did not conduct the Physical Verification of the Fixed Assets and Inventories during the financial year 2023-24.

D. Statutory Liabilities

The Society was regular in payment of its' statutory dues.

THE ASIATIC SOCIETY, KOLKATA

Reply of the Society on the comments on accounts made in the Separate Audit Report on the Accounts of the Asiatic Society, Kolkata for the year 2023-24, audited by the Office of the Director General of Audit (Central), Kolkata Under Section 19 (2) of Comptroller & Auditor General's (Duties, Powers and Conditions of Service) Act of 1971

Item	Comments on Accounts	Reply of The Asiatic Society, Kolkata
A	**Balance Sheet**	
1.1	**Assets**	
1.1.1	**Fixed Assets (Schedule 8): ₹ 23.11 crore** The above head was understated by an amount of ₹ 0.66 crore, due to non-capitalizing the completion cost of the work viz. 'Electrical work for Construction of vertical extension by two additional floors on the existing G+3 Building of the Asiatic Society' (Completion Cost- ₹ 2.85 crore – already Capitalized by the Siciety- ₹ 2.19 crore). This resulted in overstatement of the 'Current Assets, Loans & Advances Etc.' (Schedule 11), by ₹ 0.66 crore.	Necessary accounting entry for capitalization of assets on completion cost of the work amounting to ₹ 0.66 crore under the head 'Freehold Building' out of Capital Advance lying with CPWD against Electrical work for Construction of vertical extension by two additional floors on the existing G+3 Building of The Asiatic Society, Kolkata has been passed in the books of accounts of the Society during the financial year 2024-25 vide Journal Voucher No. 23 dated 11.07.2024
B	**Income and Expenditure Account**	
2.1	**Expenditure**	
2.1.1	**Depreciation (Schedule 8) ₹ 4.61 crore** The above head was understated by an amount of ₹ 0.48 lakh, due to wrong booking of six Computer Desktops valuing ₹2.38 lakh under the 'Fixed Assets' (Schedule 8) in October 2023, instead of booking the same in September 2023, when the computers were installed (Rate of Depreciation to be charged @40% but actual depreciation charged @20%). This further resulted in understatement of the Deficit (being the Excess of Expenditure over the Income) by ₹ 0.48 lakh.	Necessary accounting entry for charging of depreciation on the 'Computers' amounting to ₹0.48 lakh has been passed in the books of accounts of the Society during the financial year 2024-25 vide Journal Voucher No. 24 dated 11.07.2024

Item	Comments on Accounts	Reply of The Asiatic Society, Kolkata
C	**General Comments**	
3.1	Despite similar observations having been highlighted in the previous year's Audit Report, the Society did not take necessary steps in the following cases:	
	a) The Society has not made provisions for retirement benefits on actuarial valuation basis, in contravention of the Accounting Standard 15 issued by ICAI.	a) Since the payment of retirement benefits comprises of Gratuity and Leave Encashment are made on cash basis and provided in budget on year-to-year basis, no such provision is made in the financial year 2023-24. Moreover, the society is fully funded by the Government of India, and it has no corresponding investments / own funds to meet the payment of retirement benefits of the employees, hence no such provision is made in the books of accounts of the Society for the financial year 2023-24. This pattern has been followed uniformly over the years.
	b) The Society had booked an amount of ₹ 19.26 lakh under the head 'Advance Payment of Journal Subscription'. The amounts incorporated therein have, however, been lying unadjusted for more than six years. This needs to be reviewed.	b) Advance payment to journal subscription (schedule-11) included advances for ₹ 19.26 lakh (Prior to 2016-17: ₹ 0.03 lakh, 2016-17: ₹ 10.32 lakh and 2017-18: ₹ .8.91 lakh) lying unadjusted for more than six years.Intimation already given to the Library Section of the Society for checking the records of receipts of the Journals against the unadjusted advances and necessary adjustment will be made accordingly for settlement of the unadjusted advances on receipts of the report from the library section of the society.
	c) An amount of ₹ 0.36 lakh was shown against 'Sundry Debtors'. This amount, being more than three years old, needs to be reviewed.	c) The carry forward balance of ₹ .0.36 lakh shown as "Sundry Debtors" under the head "Current Assets – Schedule-11 (details)" lying outstanding for more than three years will be reviewed and necessary action will be taken accordingly.
	d) In regard to the 'Earmarked/ Endowment Funds', balance under the 'Liabilities' side, was sown as ₹ 2.70	d) The total investments (₹2.72 crore) in form of Term Deposits over the actual liabilities (Rs.2.70 crore) under the head 'Earmarked

Item	Comments on Accounts	Reply of The Asiatic Society, Kolkata
	crore, whereas the balance, under the 'Assets' side, was shown as ₹ 2.72 crore (₹ 2.35 crore + ₹ 0.37 crore). The discrepancy of ₹ 0.02 crore could not be verified, due to non-maintenance of a separate bank account in regard to the 'Earmarked Funds'. e) The Society had shown an amount of ₹ 1.49 lakh as fund balance of five Earmarked Funds (Sl. No.4, 5, 7 and 8) and an amount of ₹ 5.33 lakh as fund balance of one Earmarked Fund (Sl.No. 1) under the head 'Earmarked/ Endowment Funds' (Schedule 3) which were inoperative for more than six years and four years respectively. This needs to be reviewed.	Funds' and 'Endowment Funds' is excess of Rs. 0.02 crore as on 31.03.2024. Since there is no shortfall of investments over the actual liabilities (Endowment Funds + Earmarked Funds) as on 31.03.2024, therefore, the matter is well within the Accounting conventions. e) The carry forward balances of 'Earmarked Funds' involving ₹ 1.49 lakh [serial no.4, 5, 7 & 8) & ₹ 5.33 lakh [Sl.No.1) in schedule 3(b)] lakh remain inoperative without having any transactions and claims since long. However, the same will be reviewed further and necessary action will be taken accordingly.
3.2	The Society booked an amount of ₹ 8.82 lakh as Subscription/ Fees in Schedule 14 of Income and Expenditure which includes both capital (Life Membership Fees) and revenue (Annual Fees, Admission Fees etc.) nature of receipts, however, it did not disclose the policies on Fees/ Subscriptions in the Significant Accounting Polices (Schedule 24) in contravention to the Uniform Format of Accounts.	Agreed with Audit observations regarding the omission of disclosure of fees/ subscription policies in the Significant Accounting Policies (Schedule-24). It is hereby confirmed that the Society's policy is to treat life membership fees as Capital receipts and annual fees, admission fees etc. as Revenue receipts. It is further ensured that the necessary disclosure will be made in the Significant Accounting Policies in the future in compliance with the Uniform Format of Accounts.
3.3	The Society had deposited various amounts to CPWD for executing different works, but an amount of ₹ 1.16 crore remained pending from CPWD despite of the fact that the works are either completed or stopped. This needs to be reviewed.	An amount of ₹ 1.12 crore lying with CPWD remained pending for different completed or stopped works. The Society will immediately review the matter and necessarily follow up with CPWD will be made accordingly. (Breakup of the amount mentioned above : 0.85 Crore + 0.13 Crore +0.005 Crore +0.13 Crore)
D	**Grants-in-Aid** The Society is financed by grants received from the Government of India. During the financial year 2023-24, it received grants amounting to ₹ 20.26 crore (Revenue Grant: ₹ 20.16 crore (including grants received	Unspent balance of Grants-in-Aid (Revenue and Capital) as on 31.03.2023 as per the Utilization Certificate (GFR 12-A) of the Society: ₹ 2.66 crore (Capital: ₹ 0.53 crore and Revenue: ₹ 2.13 crore) *(Refer reply to SAR for the year 2022-23)*

Item	Comments on Accounts	Reply of The Asiatic Society, Kolkata
	under Swachhta Action Plan head) and Capital Grant: ₹ 0.10 crore). It had previous year's unspent balance of ₹ 2.83 crore (Capital: ₹ 2.33 crore and Revenue: ₹ 0.50 crore). Out of the total grants so available, amounting to ₹ 23.09 crore (including the unspent balance of the financial year 2022-23), it utilized grants of ₹ 23.47 crore (Capital Expenditure: ₹ 1.59 crore, Revenue Expenditure: ₹ 21.88 (including expenditure under Swachhta Action Plan head)), incurring an excess expenditure of ₹ 0.38 crore, which was met out from its own funds, as at 31 March 2024.	Add: Grants-in-Aid received during the year 2023-24: **₹ 20.24 Crore** (Revenue Grant: ₹ 20.14 crore and Capital Grant: ₹ 0.10 crore) **Total available Grants-in- Aid for the year 2023-24 including Unspent balance of previous year (2022-23): ₹ 22.90 crore.** **Less:** Expenditure incurred during the year 2023-24 restricted to the maximum limit of actual available grants-in-aid including unspent balance of previous year: **₹22.90 Crore** (Revenue: ₹ 22.27 crore and Capital: ₹ 0.63 crore) Unspent balance of Grants-in-Aid (Revenue and Capital) as on 31.03.2024 as per the Utilization Certificate (GFR 12-A) of the Society: **NIL** Actual expenditure incurred during the year 2023-24 including outstanding expenses against the budget 2023-24 of the Society : **₹ 24.99 Crore** (Revenue: ₹ 23.46 crore and Capital: ₹ 1.53 crore) The Society had incurred excess of expenditure over and above the actual available grants in aid amounting to **₹ 2.09 crore** (Revenue: ₹ 1.19 crore and Capital: ₹ 0.90 crore) from its own fund during the year 2023-24
E	**Net Effect** The net effect of the comments given in the preceding paragraphs is that the Deficit (being Excess of Expenditure over Income) was understated by ₹ 0.48 lakh, for the year ended 31 March 2024.	The suggestions of the Audit have been noted. Corrective actions through Rectification/ Adjustments entries would be taken for some cases as mentioned in the respective paragraphs and appropriate actions for the remaining observations are being taken. Necessary journal entries have been passed in the books of accounts for the year 2024-25 to adjust for the understatement of deficit by [1] 0.48 lakh for the year ended 31 March 2024, as per the findings of the audit against item no. 2.1.1 as above. The entry has been made to ensure accurate financial reporting and to reflect the correct deficit figure.

	Sd/-	Sd/-	Sd/-
Place: Kolkata	**(Pradip Kumar Saha)**	**(Dhiman Chakraborty)**	**(Anant Sinha)**
Date: 9th September 2024	Accounts Officer	Controller of Finance	Lieutenant Colonel Administrator

The Asiatic Society
Kolkata

Audited Annual Accounts for the year 2023-2024

THE ASIATIC SOCIETY
KOLKATA

BALANCE SHEET AS AT 31ST MARCH 2024

	Schedule	Current Year ₹	Previous Year ₹
FUNDS & LIABILITIES			
CAPITAL FUND	1	348486205.92	415584340.23
RESERVES & SURPLUS	2	0.00	0.00
EARMARKED / ENDOWMENT FUNDS	3	27022699.99	25933944.99
SECURED LOANS AND BORROWINGS	4	0.00	0.00
UNSECURED LOANS AND BORROWINGS	5	0.00	0.00
DEFERRED CREDIT LIABILITIES	6	0.00	0.00
CURRENT LIABILITIES AND PROVISIONS	7	15464747.39	9946372.39
TOTAL		**390973653.30**	**451464657.61**
ASSETS			
FIXED ASSETS	8	231086232.07	253053822.84
INVESTMENTS - FROM EARMARKED / ENDOWMENT FUNDS	9	23488423.00	22088423.00
INVESTMENT- OTHERS	10	500.00	3789500.00
CURRENT ASSETS, LOANS & ADVANCES, ETC.	11	136398498.23	172532911.77
"MISCELLANEOUS EXPENDITURE" [to the extent not written off or adjusted]"		0.00	0.00
TOTAL		**390973653.30**	**451464657.61**

SIGNIFICANT ACCOUNTING POLICIES	24
CONTINGENT LIABILITIES & NOTES ON ACCOUNTS	25

Place: Kolkata
Date: 15th May, 2024

Sd/-
[Sujit Kumar Das]
Treasurer

Sd/-
[S.B.Chakrabarti]
General Secretary

THE ASIATIC SOCIETY
KOLKATA

INCOME & EXPENDITURE ACCOUNT FOR THE YEAR ENDED 31ST MARCH 2024

INCOME	Schedule	Current Year ₹	Previous Year ₹
Income from Sales / Service	12	0.00	0.00
Grants / Subsidies	13	201423000.00	215056000.00
Fees / Subscriptions	14	881949.00	921326.00
Income from Investments	15	2168796.00	2168796.00
Income from Roylty, Publication, etc.	16	1919742.00	1809245.00
Interest Earned	17	404690.00	2124660.00
Other Income	18	1086441.00	381236.64
Increase / (Decrease) in Stock of Finished Goods & Work-in-Progress	19	(2360945.00)	1915170.00
Total [A]		**205523673.00**	**224376433.64**
EXPENDITURE			
Establishment Expenses	20	191231894.00	178247232.00
Other Administrative Expenses, etc.	21	36845241.31	40807610.43
Expenditure on Grants, Subsidies, etc.	22	0.00	0.00
Interest	23	0.00	36471.00
Depreciation [Net total at the year end corresponding to schedule 8]	8	46108135.00	15037999.00
TOTAL [B]		**274185270.31**	**234129312.43**
Balance being excess of Income over Expenditure (A-B)		**(68661597.31)**	**(9752878.79)**
Prior Period Adjustments		(53830054.00)	44860.00
Transfer to Special Reserve		0.00	0.00
Transfer to / from General Reserve		0.00	0.00
Balance being Surplus / (Deficit) Carried forward to Corpus / Capital Funds		**(122491651.31)**	**(9708018.79)**
SIGNIFICANT ACCOUNTING POLICIES	24		
CONTINGENT LIABILITIES & NOTES ON ACCOUNTS	25		

Place: Kolkata
Date: 15th May, 2024

Sd/-
[Sujit Kumar Das]
Treasurer

Sd/-
[S.B.Chakrabarti]
General Secretary

THE ASIATIC SOCIETY
KOLKATA

RECEIPTS & PAYMENTS ACCOUNT FOR THE YEAR ENDED 31ST MARCH 2024

(Amount in ₹)

RECEIPTS	Current Year	Previous Year	PAYMENTS	Current Year	Previous Year
Opening Balance			**Expenses**		
Cash in Hand	**123817.00**	**151913.00**	Establishment Expenses	186009079.00	177936869.00
			Expenses on Programmes & Activities	11445418.20	13112000.00
Cash at Bank			Other Administrative Expenses	19642717.11	21234154.51
In Curent Accounts	8543468.48	4465908.91	Payment against Outstanding Expenses & Provisions	1463946.00	2500520.00
In Deposit Accounts	0.00	0.00	Prior Period Expenses	5015437.00	0.00
In Savings Accounts	54443181.14	56917858.14			
			Payments made against Funds		
Grants Received			Endowment Funds	317984.00	343570.00
From Govt. of India [MoC]	202423000.00	215056000.00	Earmarked Funds	364600.00	850000.00
For External Project	145000.00	1270000.00			
			Investments & Deposits made		
Income on Investments from			Out of Earmarked/ Endowment Funds [Net]	1400000.00	0.00
Earmarked/Endowment Funds	421759.00	431873.00	Out of Own Funds [other Investments]	0.00	0.00
Own Funds [other Investments]	1446119.00	0.00			
			Expenditure on Fixed Assets & CWIP		
Interest received			Purchase of Fixed Assets	15919512.00	6695432.00
On Savings Account	1137985.00	1766822.00	Expenditure on Capital Work in Progress	0.00	0.00
On Staff Loan	201085.00	130611.00			
			Finance Charges		
Other Income			Interest on Overdraft	0.00	0.00
Sale of Publications	1734042.00	1446695.00			
Membership Fees	1104663.00	603326.00	**Other payments**		
Sale of Photo Albums, Souvenir items & Mementos	148355.00	198925.00	Statutory Deductions from Employees	35622750.00	32187586.00
Rent	1996836.00	2036836.00	Statutory Deductions from Contractors & Professiolas	673427.00	756561.00
Royalties	37345.00	163625.00	Refund of Reserve Money	524733.00	695866.00

THE ASIATIC SOCIETY
KOLKATA

RECEIPTS & PAYMENTS ACCOUNT FOR THE YEAR ENDED 31ST MARCH 2024

(Amount in ₹)

RECEIPTS	Current Year	Previous Year	PAYMENTS	Current Year	Previous Year
Refund of TDS from Income Tax			Refund of Earnest Money Deposit	900000.00	40000.00
Department	195090.00	0.00	Advance to Parties & Others	668033.00	602725.00
Others	1593550.00	384241.08	Advance to Employees	4168984.00	4229313.00
Encashment of Investments & Deposits			Refund of Interest earned on Grants-in-Aid to Ministry of Culture, Government of India	3089605.00	0.00
Out of Own Funds [other Investments]	3789000.00	0.00	Refund of Security Deposit	542540.00	291162.00
			Advance for Journal Subscription	960627.00	1781086.00
Receipts made against Fund			TDS paid on Term Deposits, Royalties & others.	86993.00	59416.00
Earmarked Funds (S.R Das Memorial Fund)	500000.00	0.00	Prepaid expenses for Dress Allowances & others.	81346.00	72604.00
Other Receipts			Advance payment for Postage & Stamp	50000.00	130000.00
			Refund against excess of Membership Fee		
Earnest Money Deposit from Contractors	225000.00	950000.00	received on conversion of Ordinary Members		
Statutory deductions from Employees	34706418.00	34955782.00	to Life Members	13150.00	0.00
Statutory deductions from Contractors & Professionals	670148.00	781161.00	**Closing Balance**		
Security Deposits	1047266.00	424136.00	**Cash in Hand**	76659.00	123817.00
Retension of Reserve Money from Fellowship	516844.00	396945.00			
Advance Recovered from Parties	79483.00	454385.00	**Cash at Bank**		
Advance Recovered from Employees	1687856.00	3524941.00	In Curent Accounts	6015513.07	8543468.48
Recovery against Advance Payment for Journal Subscriptions	17321.00	117347.00	In Deposit Accounts	0.00	0.00
Misc Liabilities	16798.00	0.00	In Savings Accounts	23898376.24	54443181.14
Total	**318951429.62**	**326629331.13**	**Total**	**318951429.62**	**326629331.13**

Place: Kolkata
Date: 15th May, 2024

Sd/-
[Sujit Kumar Das]
Treasurer

Sd/-
[S.B.Chakrabarti]
General Secretary

THE ASIATIC SOCIETY
KOLKATA

SCHEDULES FORMING PART OF BALANCE SHEET AT AT 31ST MARCH 2024

SCHEDULE 1. CAPITAL FUND	Current Year		Previous Year	
	₹	₹	₹	₹
Balance as at the beginning of the year		415584340.23		424078947.94
Add: Adjustments during the year		54393517.00		1213411.08
"Add: Contributions towards Corpus/ Capital Fund“[Grants-in-Aid : Creation of Capital Assets]"		1000000.00		0.00
"Add/ (Deduct) : Balance of net income (expenditure)“ transferred from the Income & Expenditure Account"		(122491651.31)		(9708018.79)
Balance at the year end		**348486205.92**		**415584340.23**

SCHEDULE 2. RESERVES & SURPLUS	Current Year		Previous Year	
	₹	₹	₹	₹
1 **Capital Reserve**				
As per Last Account	0.00		0.00	
Additions during the year	0.00		0.00	
Less: Deductions during the Year	0.00	0.00	0.00	0.00
2 **Revaluation Reserve**				
As per Last Account	0.00		0.00	
Additions during the year	0.00		0.00	
Less: Deductions during the Year	0.00	0.00	0.00	0.00
3 **Special Reserve**				
As per Last Account	0.00		0.00	
Additions during the year	0.00		0.00	
Less: Deductions during the Year	0.00	0.00	0.00	0.00
4 **General Reserve**				
As per Last Account	0.00		0.00	
Additions during the year	0.00		0.00	
Less: Deductions during the Year	0.00	0.00	0.00	0.00
Total		**0.00**		**0.00**

THE ASIATIC SOCIETY
KOLKATA

SCHEDULES FORMING PART OF THE BALANCE SHEET AS AT 31ST MARCH 2024

(Amount in ₹)

SCHEDULE 3. ENDOWMENT FUNDS & EARMARKED FUNDS

Sl. No.	Fund Category	Opening Balance	Additions to the fund			Total	Utilization / Expenditure towards objectives of funds					Total	Refund, if any	Net Balance as at the year end
		A	B			[A+B]	C[I]					C	D	[A+B-C+D]
			Donnations/ Grants/ Contribu-tions	Income from Investments made on account of fund	Other addi-tions		Capital Expenditure [i]		Revenue Expenditure [ii]			C [i] + C [ii]		
							Fixed Assets	Others	Salaries, Wages & Allowances, etc.	Rent	Other Adminis-trative Expenses			
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15
a	ENDOWMENT FUNDS [Fund wise break up in Schedule 3 (a)]	24336793.74	500000.00	1206467.00	0.00	26043260.74	0.00	0.00	0.00	0.00	394160.00	394160.00	0.00	25649100.74
b	EARMARKED FUNDS [Fund wise break up in Schedule 3 (b)]	1597151.25	145000.00	0.00	0.00	1742151.25	0.00	0.00	270000.00	0.00	53552.00	323552.00	45000.00	1373599.25
	Total [a + b]	25933944.99	645000.00	1206467.00	0.00	27785411.99	0.00	0.00	270000.00	0.00	447712.00	717712.00	45000.00	27022699.99
	Previous Year	24886219.99	870000.00	1055350.00	0.00	26811569.99	0.00	0.00	850000.00	0.00	427625.00	1277625.00	0.00	25533944.99

THE ASIATIC SOCIETY
KOLKATA

SCHEDULES FORMING PART OF THE BALANCE SHEET AS AT 31ST MARCH 2024

(Amount in ₹)

SCHEDULE 3(A)- ENDOWMENT FUNDS - FUND WISE BREAK UP

Sl. No.	Title of the Endowment Fund	Opening Balance	Additions to the fund			Total	Utilization / Expenditure towards objectives of funds					Total	Net Balance as at the year end
		A	B			[A+B]	C[I]					C	[A+B-C]
			Donnations/ Grants/ Contribu-tions	Income from Investments made on account of fund	Other addi-tions		Capital Expenditure [i]		Revenue Expenditure [ii]			C [i] + C [ii]	
							Fixed Assets	Others	Salaries, Wages & Allowan-ces, etc.	Rent	Other Adminis-trative Expenses		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14
1	Abha Maity Lecture Fund	472620.20	0.00	23429.57	0.00	496049.77	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	496049.77
2	Annadale Medal Fund	580492.91	0.00	28777.23	0.00	609270.14	0.00	0.00	0.00	0.00	2242.00	2242.00	607028.14
3	B B Majumder Lecture Fund	413448.64	0.00	20496.21	0.00	433944.85	0.00	0.00	0.00	0.00	10750.00	10750.00	423194.85
4	Barclay Medal Fund	588859.51	0.00	29192.00	0.00	618051.51	0.00	0.00	0.00	0.00	3422.00	3422.00	614629.51
5	Bimala Charan Law Coll. Fund	21086.41	0.00	1045.33	0.00	22131.74	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	22131.74
6	Bimala Charan Law Medal Fund	552269.90	0.00	27378.11	0.00	579648.01	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	579648.01
7	Biren Roy Medal Fund	71542.86	0.00	3546.65	0.00	75089.51	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	75089.51
8	D P Khaitan Medal Fund	578432.79	0.00	28675.10	0.00	607107.89	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	607107.89
9	Dr Prabhati Mukherjee Medal Fund	470386.53	0.00	23318.84	0.00	493705.37	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	493705.37
10	Hem Ch. Roy Chowdhury Medal Fund	107516.72	0.00	5330.01	0.00	112846.73	0.00	0.00	0.00	0.00	29249.00	29249.00	83597.73
11	Indian Science Congress Fund	604316.73	0.00	29958.27	0.00	634275.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	634275.00

THE ASIATIC SOCIETY
KOLKATA

SCHEDULES FORMING PART OF THE BALANCE SHEET AS AT 31ST MARCH 2024

(Amount in ₹)

SCHEDULE 3(A)- (Continued)

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14
12	**Indira Gandhi Medal Fund**	555296.59	0.00	27528.15	0.00	582824.74	0.00	0.00	0.00	0.00	1000.00	1000.00	581824.74
13	**Indira Gandhi Lecture Fund**	725536.44	0.00	35967.59	0.00	761504.03	0.00	0.00	0.00	0.00	12550.00	12550.00	748954.03
14	**Joy Govinda Law Medal Fund**	605115.40	0.00	29997.86	0.00	635113.26	0.00	0.00	0.00	0.00	17642.00	17642.00	617471.26
15	**Maya Deb Medal Fund**	422480.07	0.00	20943.94	0.00	443424.01	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	443424.01
16	**Meghnad Saha Memorial Fund**	563383.30	0.00	27929.04	0.00	591312.34	0.00	0.00	0.00	0.00	21239.00	21239.00	570073.34
17	**N N Chatterjee Medal Fund**	560487.79	0.00	27785.50	0.00	588273.29	0.00	0.00	0.00	0.00	3065.00	3065.00	585208.29
18	**Naresh Ch. Sengupta Medal Fund**	552644.16	0.00	27396.66	0.00	580040.82	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	580040.82
19	**Panchanan Mitra Lecture Fund**	160171.31	0.00	7940.30	0.00	168111.61	0.00	0.00	0.00	0.00	50830.00	50830.00	117281.61
20	**Paul Jones Bruhl Medal Fund**	544645.08	0.00	27000.12	0.00	571645.20	0.00	0.00	0.00	0.00	2478.00	2478.00	569167.20
21	**Pramathanath Bose Medal Fund**	558545.52	0.00	27689.22	0.00	586234.74	0.00	0.00	0.00	0.00	2478.00	2478.00	583756.74
22	**Prasanta Roy & Gita Roy Medal Fund**	221149.36	0.00	10963.21	0.00	232112.57	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	232112.57
23	**Priyabrata Roy Medal Fund**	253520.34	0.00	12567.96	0.00	266088.30	0.00	0.00	0.00	0.00	4889.00	4889.00	261199.30
24	**Pt Iswarchandra Vidyasagar Lec Fund**	1344023.72	0.00	66628.34	0.00	1410652.06	0.00	0.00	0.00	0.00	12211.00	12211.00	1398441.06
25	**Rajasthani Fund**	627770.79	0.00	31120.97	0.00	658891.76	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	658891.76
26	**Ramaprasad Chandra Medal Fund**	472634.36	0.00	23430.27	0.00	496064.63	0.00	0.00	0.00	0.00	2242.00	2242.00	493822.63
27	**Ranadhir Roy Medal Fund**	270718.68	0.00	13420.55	0.00	284139.23	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	284139.23

THE ASIATIC SOCIETY
KOLKATA

SCHEDULES FORMING PART OF THE BALANCE SHEET AS AT 31ST MARCH 2024

(Amount in ₹)

SCHEDULE 3(A)- (Continued)

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14
28	Sarat Chandra Roy Medal Fund	562636.39	0.00	27892.02	0.00	590528.41	0.00	0.00	0.00	0.00	2478.00	2478.00	588050.41
29	Suniti Kumar Chatterjee Lecture Fund	420922.47	0.00	20866.72	0.00	441789.19	0.00	0.00	0.00	0.00	44615.00	44615.00	397174.19
30	S C Chakraborty Medal Fund	560131.81	0.00	27767.85	0.00	587899.66	0.00	0.00	0.00	0.00	19341.00	19341.00	568558.66
31	S N Dey & Manjula Dey Medal Fund	581571.30	0.00	28830.69	0.00	610401.99	0.00	0.00	0.00	0.00	19434.00	19434.00	590967.99
32	S N Sen Lecture Fund	272533.84	0.00	13510.53	0.00	286044.37	0.00	0.00	0.00	0.00	47624.00	47624.00	238420.37
33	Saratlal Biswas Medal Fund	557338.80	0.00	27629.39	0.00	584968.19	0.00	0.00	0.00	0.00	6904.00	6904.00	578064.19
34	Sir Jadunath Sarkar Medal Fund	544855.10	0.00	27010.53	0.00	571865.63	0.00	0.00	0.00	0.00	200.00	200.00	571665.63
35	Sir Willam Jones Medal Fund	405390.44	0.00	20096.74	0.00	425487.18	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	425487.18
36	Sudha Basu Memorial Lecture Fund	425550.17	0.00	21096.13	0.00	446646.30	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	446646.30
37	Sukumar Sen Medal Fund	565935.53	0.00	28055.57	0.00	593991.10	0.00	0.00	0.00	0.00	2950.00	2950.00	591041.10
38	Surit C Mitra Medal Fund	542682.16	0.00	26902.81	0.00	569584.97	0.00	0.00	0.00	0.00	21543.00	21543.00	548041.97
39	Swami Pranabananda Medal Fund	375856.31	0.00	18632.62	0.00	394488.93	0.00	0.00	0.00	0.00	11900.00	11900.00	382588.93
40	GSI Sesquicent Com L/M Fund	1038698.68	0.00	51492.23	0.00	1090190.91	0.00	0.00	0.00	0.00	40884.00	40884.00	1049306.91
41	Tagore Peace Award Fund	427769.94	0.00	21206.18	0.00	448976.12	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	448976.12
42	S R Das Memorial Fund	0.00	500000.00	0.00	0.00	500000.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	500000.00
43	Foreign Donation - Japan	4155824.69	0.00	206019.99	0.00	4361844.68	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	4361844.68
	Total	**24336793.74**	**500000.00**	**1206467.00**	**0.00**	**26043260.74**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**394160.00**	**394160.00**	**25649100.74**

THE ASIATIC SOCIETY
KOLKATA

SCHEDULES FORMING PART OF THE BALANCE SHEET AS AT 31ST MARCH 2024

(Amount in ₹)

SCHEDULE 3(B)- EARMARKED FUNDS - FUND WISE BREAK UP

Sl. No.	Title of the Earmarked Fund	Opening Balance	Additions to the fund			Total	Utilization / Expenditure towards objectives of funds					Total	Refund, if any	Net Balance as at the year end
		A	B			[A+B]	C[I]					C		[A+B-C]+D
							Capital Expenditure		Revenue Expenditure [ii]			C [i] + C [ii]		
			Donnations/ Grants/ Contribu-tions	Income from Investments made on account of fund	Other addi-tions		Fixed Assets	Others	Salaries, Wages & Allowan-ces, etc.	Rent	Other Adminis-trative Expenses			
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15
1	Manuscript Recource Centre (ASK-MRC)	533494.50	0.00	0.00	0.00	533494.50	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	533494.50
2	Bharatiya Rastriya Bigyan Academy (INSA)	229242.60	0.00	0.00	0.00	229242.60	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	229242.60
3	Indian Council of Social Science Research	240463.00	145000.00	0.00	0.00	385463.00	0.00	0.00	270000.00	0.00	40000.00	310000.00	0.00	75463.00
4	Govt of WB Grant for Publication	25000.00	0.00	0.00	0.00	25000.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	25000.00
5	GoI Grant for Seminar on Ayurvedic Medicine	63365.10	0.00	0.00	0.00	63365.10	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	63365.10
6	Indira Gandhi Manab Sangrahalaya	45000.00	0.00	0.00	0.00	45000.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	45000.00	0.00
7	Indian Council for Philosohical Research	63.20	0.00	0.00	0.00	63.20	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	63.20
8	Indian Council for Historical Research	60522.85	0.00	0.00	0.00	60522.85	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	60522.85
9	Indira Gandhi National Centre for the Arts (IGNCA ASK-MCC)	400000.00	0.00	0.00	0.00	400000.00	0.00	0.00	0.00	0.00	13552.00	13552.00	0.00	386448.00
	Total	1597151.25	145000.00	0.00	0.00	1742151.25	0.00	0.00	270000.00	0.00	53552.00	323552.00	45000.00	1373599.25

THE ASIATIC SOCIETY
KOLKATA

SCHEDULES FORMING PART OF BALANCE SHEET AT AT 31ST MARCH 2024

SCHEDULE 3(C). ALLOCATION OF INCOME FROM INVESTMENTS MADE ON ACCOUNT OF ENDOWMENT FUNDS

Amount in Rupees

Sl. No.	Title of the Endowment Fund	Opening Balance (OB)	Weightage of OB as % of Total opening value of fund	Interest Allocation (see note below)
A	B	C	D	E
1	Abha Maity Lecture Fund	472620.20	1.94	23429.57
2	Annadale Medal Fund	580492.91	2.39	28777.23
3	B B Majumder Lecture Fund	413448.64	1.70	20496.21
4	Barclay Medal Fund	588859.51	2.42	29192.00
5	Bimala Charan Law Coll. Fund	21086.41	0.09	1045.33
6	Bimala Charan Law Medal Fund	552269.90	2.27	27378.11
7	Biren Roy Medal Fund	71542.86	0.29	3546.65
8	D P Khaitan Medal Fund	578432.79	2.38	28675.10
9	Dr Prabhati Mukherjee Medal Fund	470386.53	1.93	23318.84
10	Hem ch. Roy Chowdhury Medal Fund	107516.72	0.44	5330.01
11	Indian Science Congress Fund	604316.73	2.48	29958.27
12	Indira Gandhi Medal Fund	555296.59	2.28	27528.15
13	Indira Gandhi Lecture Fund	725536.44	2.98	35967.59
14	Joy Govinda Law Medal Fund	605115.40	2.49	29997.86
15	Maya Deb Medal Fund	422480.07	1.74	20943.94
16	Meghnad Saha Memorial Fund	563383.30	2.31	27929.04
17	N N Chatterjee Medal Fund	560487.79	2.30	27785.50
18	Naresh Ch. Sengupta Medal Fund	552644.16	2.27	27396.66
19	Panchanan Mitra Lecture Fund	160171.31	0.66	7940.30
20	Paul Jones Bruhl Medal Fund	544645.08	2.24	27000.12
21	Pramathanath Bose Medal Fund	558545.52	2.30	27689.22
22	Prasanta Roy & Gita Roy Medal Fund	221149.36	0.91	10963.21

THE ASIATIC SOCIETY
KOLKATA

SCHEDULES FORMING PART OF BALANCE SHEET AT AT 31ST MARCH 2024

SCHEDULE 3(C). CONTD....

23	Priyabrata Roy Medal Fund	253520.34	1.04	12567.96
24	Pt Iswarchandra Vidyasagar Lec Fund	1344023.72	5.52	66628.34
25	Rajasthani Fund	627770.79	2.58	31120.97
26	Ramaprasad Chandra Medal Fund	472634.36	1.94	23430.27
27	Ranabir Roy Medal Fund	270718.68	1.11	13420.55
28	Sarat Chandra Roy Medal Fund	562636.39	2.31	27892.02
29	Suniti Kumar Chatterjee Lecture Fund	420922.47	1.73	20866.72
30	S C Chakraborty Medal Fund	560131.81	2.30	27767.85
31	S N Dey & Manjula Dey Medal Fund	581571.30	2.39	28830.69
32	S N Sen Lecture Fund	272533.84	1.12	13510.53
33	Saratlal Biswas Medal Fund	557338.80	2.29	27629.39
34	Sir Jadunath Sarkar Medal Fund	544855.10	2.24	27010.53
35	Sir Willam Jones Medal Fund	405390.44	1.67	20096.74
36	Sudha Basu Memorial Lecture Fund	425550.17	1.75	21096.13
37	Sukumar Sen Medal Fund	565935.53	2.33	28055.57
38	Surit C Mitra Medal Fund	542682.16	2.23	26902.81
39	Swami Pranabananda Medal Fund	375856.31	1.54	18632.62
40	GSI Sesquicent Com L/M Fund	1038698.68	4.27	51492.23
41	Tagore Peace Award Fund	427769.94	1.76	21206.18
42	S R Das Memorial Fund	0.00	0.00	0.00
43	Foreign Donation - Japan	4155824.69	17.08	206019.99
	Total	**24336793.74**	**100.00**	**1206467.00**

Note: Income from Investements allocated on the ratio of Opening Balance of Fund to Total Fund Value

Total Value of Endowment Funds (Opening Balance)	**24336793.74**
Total Interest Earned on Investments made against Endowment Funds	**1206467.00**

THE ASIATIC SOCIETY
KOLKATA

SCHEDULES FORMING PART OF BALANCE SHEET AT AT 31ST MARCH 2024

SCHEDULE 4. SECURED LOANS AND BORROWINGS		Current Year		Previous Year	
		₹	₹	₹	₹
1	Central Government		0.00		0.00
2	State Government (Specify)		0.00		0.00
3	Financial Institutions		0.00		0.00
4	Banks		0.00		0.00
5	Other Institutions & Agencies		0.00		0.00
6	Debentures & Bonds		0.00		0.00
7	Others (Specify)		0.00		0.00
	Total		**0.00**		**0.00**

SCHEDULE 5. UNSECURED LOANS AND BORROWINGS		Current Year		Previous Year	
		₹	₹	₹	₹
1	Central Government		0.00		0.00
2	State Government (Specify)		0.00		0.00
3	Financial Institutions		0.00		0.00
4	Banks		0.00		0.00
5	Other Institutions & Agencies		0.00		0.00
6	Debentures & Bonds		0.00		0.00
7	Fixed Deposits		0.00		0.00
8	Others (Specify)		0.00		0.00
	Total		**0.00**		**0.00**

SCHEDULE 6. DEFERRED CREDIT LIABILITIES		Current Year		Previous Year	
		₹	₹	₹	₹
a	Acceptances secured by hypothecation of capital equipment and other assets		0.00		0.00
b	Others		0.00		0.00
	Total		**0.00**		**0.00**

THE ASIATIC SOCIETY
KOLKATA

SCHEDULES FORMING PART OF BALANCE SHEET AT AT 31ST MARCH 2024

SCHEDULE 7. CURRENT LIABILITIES & PROVISIONS		Current Year		Previous Year	
		₹	₹	₹	₹
A	**Current Liabilities**				
1	Acceptances		0.00		0.00
2	**Sundry Creditors**				
	i] For Goods	0.00		0.00	
	ii] Others	0.00	0.00	0.00	0.00
3	**Advance Received [Subscrption]**		0.00		16100.00
4	**Interest Accrued but not due on Loans/Borrowings**		0.00		0.00
5	**Statutory Liabilities**				
	i] For Goods	0.00		0.00	
	ii] Others	2125849.00	2125849.00	3088256.00	3088256.00
6	Other Current Liabilitis		5259651.39		5378070.39
Total [A]			**7385500.39**		**8482426.39**
B	**Provisions**				
1	For Taxation		0.00		0.00
2	Gratuity		0.00		0.00
3	Superannuation / Pension		0.00		0.00
4	Accumulated Leave Encashment		0.00		0.00
5	Trade Warranties / Claims		0.00		0.00
6	Others		8079247.00		1463946.00
	Total [B]		**8079247.00**		**1463946.00**
	Total [A + B]		**15464747.39**		**9946372.39**

THE ASIATIC SOCIETY
KOLKATA

SCHEDULES FORMING PART OF BALANCE SHEET AT AT 31ST MARCH 2024

SCHEDULE 7. (DETAILS) CURRENT LIABILITIES & PROVISIONS		Current Year		Previous Year	
		₹	₹	₹	₹
A	**CURRENT LIABILITIES**				
2	(ii) **Sundry Creditors - Others**				
	Pmt received in adv for supply of publications		0.00		0.00
3	Advance Received				
	Subscription from Ordinary Members		0.00		16100.00
5	(ii) **Statutory Liabilities - Others**				
a	Profession Tax [2022-23]	28870.00		29880.00	
b	TDS from Contractors [2023-24]	59831.00		60790.00	
c	TDS from Professionals (on Prof. Fees) [2023-24]	85510.00		87830.00	
d	TDS from Employees (on Salaries) [2023-24]	772106.00		860500.00	
e	EPF [Employees' Share]	811960.00		1696428.00	
f	NPS [Employees' Share]	220184.00		186048.00	
g	LICI [Salary Savings]	68144.00		77536.00	
h	General Provident Fund	0.00		0.00	
i	Army Group Insurance Fund	0.00		10000.00	
j	DSOP Fund Contribution	75000.00		75000.00	
k	Postal Life Insurance	4244.00	2125849.00	4244.00	3088256.00
6	**Other Current Liabilitis**				
a	Earnest Money	494763.60		1169763.60	
b	Security Deposit (Liability)	1499568.54		994842.54	
c	ASECCS (Co-operative)	911901.00		869105.00	
d	Reserve Scholarship Money	1766727.25		1774616.25	
e	Advance for Seminer (Credit Balance)	569743.00		569743.00	
f	Misc. Liabilities:				
	(i) Misc. Liabilities	16798.00		0.00	
	(ii) Member Subscription Payable	150.00		0.00	
	(iii) Outside Project	0.00		0.00	
	(iv) Excess Recovery	0.00	5259651.39	0	5378070.39
B	**Provisions**				
6	**Provisions-Others (Outstanding Expenses)**				
a	Outstanding Expenses	7429247.00		813946.00	
b	Auditors' Remuneration	650000.00	8079247.00	650000.00	1463946.00

THE ASIATIC SOCIETY
KOLKATA

SCHEDULES FORMING PART OF BALANCE SHEET AT AT 31ST MARCH 2024

(Amount in ₹)

SCHEDULE 8. FIXED ASSETS

Asset Category		GROSS BLOCK				DEPRECIATION				NET BLOCK	
	Rate of Deprecia-tion	Cost/ Valuation as at beginning of the year	Additions at during the Year	Adjustments during the Year	Cost/ Valuation at the year end	As at the beginning of the year	Additions during the Year	Deductions during the Year	Total up to the year end	As at the current year end	As at the previous year end
		[1]	[2]	[3]	[4=1+2-3]	[5]	[6]	[7]	[8=5+6-7]	[9=4-8]	10
A. Fixed Assets :											
1. Land :											
a] Freehold	0%	5371000.00	0.00	0.00	5371000.00	0.00	0.00	0.00	0.00	5371000.00	5371000.00
b] Leasehold	0%	59100.00	0.00	0.00	59100.00	354.96	0.00	0.00	354.96	58745.04	58745.04
2. Building											
a] on Freehold Land	10%	134287947.05	59772760.00	0.00	194060707.05	51101074.67	11307325.00	0.00	62408399.67	131652307.38	83186872.38
b] on Leasehold Land	10%	232764.00	0.00	0.00	232764.00	179515.70	5325.00	0.00	184840.70	47923.30	53248.30
3. Plant & Machinery	15%	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
4. Vehicles	15%	3651417.00	0.00	0.00	3651417.00	2736165.03	137288.00	0.00	2873453.03	777963.97	915251.97
5. Furniture & Fixture	10%	37211116.34	11940065.00	-637833.00	48513348.34	24645485.83	1852861.00	-609542.00	25888804.83	22624543.51	12565630.51
6. Office Equipment	15%	51176769.66	13157.00	-6506746.00	44683180.66	36632879.27	2146485.00	-6227028.00	32552336.27	12130844.39	14543890.39
7. Computer, Software & Networking	40%	22929069.20	410722.00	-96592.00	23243199.20	21849869.47	512451.00	-90082.00	22272238.47	970960.73	1079199.73
8. Electrical Installations	10%	16683007.21	0.00	-373000.00	16310007.21	9446702.50	722903.00	-364711.00	9804894.50	6505112.71	7236304.71
9. Library Books & Journals	40%	120927741.63	695903.23	0.00	121623644.86	0.00	29165848.00	48369255.00	77535103.00	44088541.86	120927741.63

THE ASIATIC SOCIETY
KOLKATA

SCHEDULES FORMING PART OF BALANCE SHEET AT AT 31ST MARCH 2024

(Amount in ₹)

SCHEDULE 8. FIXED ASSETS (contdss)

Asset Category		GROSS BLOCK				DEPRECIATION				NET BLOCK	
	Rate of Deprecia-tion	Cost/ Valuation as at beginning of the year	Additions at during the Year	Adjustments during the Year	Cost/ Valuation at the year end	As at the beginning of the year	Additions during the Year	Deductions during the Year	Total up to the year end	As at the current year end	As at the previous year end
		[1]	[2]	[3]	[4=1+2-3]	[5]	[6]	[7]	[8=5+6-7]	[9=4-8]	10
10. Tubewell & Water Supply	10%	6221925.85	0.00	0.00	6221925.85	3645437.67	257649.00	0.00	3903086.67	2318839.18	2576488.18
11. Other Assets											
a] Microfilm & Documentation	0%	5930073.86	0.00	0.00	5930073.86	5930073.86	0.00	0.00	5930073.86	0.00	0.00
b] Mss & Art Objects-Museum	0%	4539450.00	0.00	0.00	4539450.00	0.00	0.00	0.00	0.00	4539450.00	4539450.00
Total of Current Year [A]		409221381.80	72832607.23	-7614171.00	474439818.03	156167558.96	46108135.00	41077892.00	243353585.96	231086232.07	253053822.84
Previous Year		399724882.83	6695432.00	2801066.97	409221381.80	141129559.96	15037999.00	0.00	156167558.96	253053822.84	
B. Capital Work in Progress :											
Salt Lake Campus		0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
Park Street Building		0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
Total of Current Year [B]		0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
Previous Year		0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	
Total [A+B]		409221381.80	72832607.23	-7614171.00	474439818.03	156167558.96	46108135.00	41077892.00	243353585.96	231086232.07	253053822.84
Previous Year		399724882.83	6695432.00	2801066.97	409221381.80	141129559.96	15037999.00	0.00	156167558.96	253053822.84	

THE ASIATIC SOCIETY
KOLKATA

CALCULATION OF DEPRECIATION ON FIXED ASSETS FOR THE YEAR 2023-24

(Amount in ₹)

[ANNEXURE- 8 (A)]

Asset Category	Rate of Depreciation	Opening Balance	Adjustments during the year 2023-24	Purchase during 01.04.2023 to 30.09.2023	Depreciation up to 30.09.2023	Purchase during 01.10.2023 to 31.03.2024	Depreciation from 01.10.2023 to 31.03.2024	Total Purchase during 2023-24	Depreciation Adjustments during 2023-24	Total Depreciation	Total Depreciation Rounded Off
Freehold Land	0%	5371000.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
Leasehold Land	0%	58745.04	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
Building on Freehold Land	10%	83186872.38	0.00	0.00	8318687.24	59772760.00	2988638.00	59772760.00	0.00	11307325.24	11307325.00
Building on Leasehold Land	10%	53248.30	0.00	0.00	5324.83	0.00	0.00	0.00	0.00	5324.83	5325.00
Plant & Machinery	15%	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
Vehicles	15%	915251.97	0.00	0.00	137287.80	0.00	0.00	0.00	0.00	137287.80	137288.00
Furniture & Fixture	10%	12565630.51	-30044.00	10917.00	1254650.35	11929148.00	596457.40	11940065.00	1753.00	1852860.75	1852861.00
Office Equipment	15%	14543890.39	-285466.00	13157.00	2140737.21	0.00	0.00	13157.00	5748.00	2146485.21	2146485.00
Computer, Software & Networking	40%	1079199.73	-7512.00	3150.00	429935.09	407572.00	81514.40	410722.00	1002.00	512451.49	512451.00
Electrical Installations	10%	7236304.71	-8402.00	0.00	722790.27	0.00	0.00	0.00	113.00	722903.27	722903.00
Library Books & Journals	40%	120927741.63	-48369255.00	16362.00	29029939.45	679541.23	135908.25	695903.23	0.00	29165847.70	29165848.00
Tubewell & Water Supply	10%	2576488.18	0.00	0.00	257648.82	0.00	0.00	0.00	0.00	257648.82	257649.00
Microfilm & Documentation	0%	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
Mss & Art Objects- Museum	0%	4539450.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
Total		253053822.84	-48700679.00	43586.00	42297001.06	72789021.23	3802518.05	72832607.23	8616.00	46108135.10	46108135.00

THE ASIATIC SOCIETY
KOLKATA

STATEMENT OF PURCHASE/ ADDITIONS OF ASSETS DURING THE YEAR 2023-24 FOR PERIOD CLASSIFICATION FOR DEPRECIATION CALCULATION

[ANNEXURE- 8 (B)]

Asset Category	(01.04.2023 - 30.09.2023)				(01.10.2023 - 31.03.2024)				Year Total (Rs.)
	Date of Purchase	Voucher Number	Amount (Rs.)	1st Half Year Total (Rs.)	Date of Purchase	Voucher Number	Amount (Rs.)	2nd Half Year Total (Rs.)	
Computer, Software & Networking	23.05.2023	P-227	3150.00	3150.00	16.10.2023	P-895	238098.00	407572.00	410722.00
					17.11.2023	P-1029	160480.00		
					31.03.2024	JV-283	8994.00		
Furniture“ & “Fixture	01.08.2023	P-565	10917.00	10917.00	09.11.2023	P-996	11929148.00	11929148.00	11940065.00
Freehold Building				0.00	31.03.2024	JV-211	59772760.00	59772760.00	59772760.00
Library Books & Journals	13.07.2023	P-445	764.00	16362.00	16.11.2023	P-1013	23112.00	0679541.23	695903.23
	13.07.2023	P-458	2039.00		16.11.2023	P-1020	964.00		
	01.08.2023	P-563	8050.00		28.11.2023	P-1052	1330.00		
	01.08.2023	P-564	525.00		04.12.2023	P-1069	24621.00		
	11.09.2023	P-741	4984.00		04.12.2023	P-1073	29581.00		
					14.12.2023	P-1141	2560.00		
					14.12.2023	P-1142	4600.00		
					09.02.2024	P-1421	12627.00		
					09.02.2024	P-1422	16609.0		
					09.02.2024	P-1423	1396.00		
					22.03.2024	P-1660	2631.00		
					22.03.2024	P-1661	4788.00		
					22.03.2024	P-1662	7380.00		
					26.03.2024	P-1673	12276.00		
					26.03.2024	P-1693	4443.00		
					28.03.2024	P-1722	16389.00		
					31.03.2024	JV-296	14328.00		
					31.03.2024	JV-293	6056.00		
					31.03.2024	JV-294	8324.00		
					31.03.2024	JV-222	485526.23		
Office“ Equipment	01.08.2023	P-557	13157.00	13157.00				0.00	13157.00

THE ASIATIC SOCIETY
KOLKATA

SCHEDULES FORMING PART OF BALANCE SHEET AT AT 31ST MARCH 2024

SCHEDULE 9. INVESTMENTS FROM EARMARKED / ENDOWMENT FUNDS		Current Year		Previous Year	
		₹	₹	₹	₹
1	In Government Securities		0.00		0.00
2	Other Approved Securities		0.00		0.00
3	Shares		0.00		0.00
4	Debentures & Bonds		0.00		0.00
5	Subsidiaries and Joint Ventures		0.00		0.00
6	ENDOWMENT FUNDS: TDRs with SBI Park Street		22488423.00		21088423.00
7	EARMARKED FUNDS: “TDRs with SBI Park Street		1000000.00		1000000.00
	Total		**23488423.00**		**22088423.00**

SCHEDULE 10. INVESTMENTS - OTHERS		Current Year		Previous Year	
		₹	₹	₹	₹
1	In Government Securities		500.00		500.00
2	Other Approved Securities		0.00		0.00
3	Shares		0.00		0.00
4	Debentures & Bonds		0.00		0.00
5	Subsidiaries and Joint Ventures		0.00		0.00
6	Others: TDRs with SBI Park Street		0.00		3789000.00
	Total		**500.00**		**3789000.00**

THE ASIATIC SOCIETY
KOLKATA

SCHEDULES FORMING PART OF BALANCE SHEET AT AT 31ST MARCH 2024

SCHEDULE 9. DETAILS - INVESTMENTS FROM EARMARKED / ENDOWMENT FUNDS		Current Year		Previous Year	
		₹	₹	₹	₹
6	**ENDOWMENT FUNDS: TDRs with SBI Park Street**				
a	FDR No. 30156925049 with SBI, Park St.	7452309.00		7452309.00	
b	FDR No. 31646744605 with SBI, Park St.	200000.00		200000.00	
c	FDR No. 31012557683 with SBI, Park St.	299099.00		299099.00	
d	FDR No. 30156923416 with SBI, Park St.	1897.00		1897.00	
e	FDR No.37327671181 with SBI, Park St.	5000000.00		5000000.00	
f	FDR No.37327671012 with SBI, Park St.	5000000.00		5000000.00	
g	FDR No.37327546150 with SBI, Park St.	1135118.00		1135118.00	
h	FDR No.42206427039 with SBI, Park St.	900000.00		0.00	
i	FDR No.42206428373 with SBI, Park St.	500000.00		0.00	
j	FDR No.40885332292 with SBI, Park St.	2000000.00	22488423.00	2000000.00	21088423.00
7	**EARMARKED FUNDS: TDRs with SBI Park Street**				
a	FDR No.40887303097 with SBI, Park St.	1000000.00	1000000.00	1000000.00	1000000.00

SCHEDULE 10. DETAILS - INVESTMENTS - OTHERS		Current Year		Previous Year	
		₹	₹	₹	₹
6	**Others: TDRs with SBI Park Street**				
a	FDR No.36729902563 with SBI, Park St.	0.00		1200000.00	
b	FDR No. 36729866817 with SBI, Park St.	0.00	0.00	2589000.00	3789000.00

THE ASIATIC SOCIETY
KOLKATA

SCHEDULES FORMING PART OF BALANCE SHEET AT AT 31ST MARCH 2024

SCHEDULE 11. CURENT ASSETS, LOANS & ADVANCES, ETC.			Current Year		Previous Year	
			₹	₹	₹	₹
A	**Current Assets**					
1	**Inventories**					
	a	Stores & Spares	0.00		0.00	
	b	Loose Tools	0.00		0.00	
	c	Stock in Trade				
	(i)	Finished Goods [Printed Publications]	30100982.00		32374478.00	
	(ii)	Work in Progress	0.00		0.00	
	(iii)	Raw Materials [Preservation Materials]	17342.00	30118324.00	104791.00	32479269.00
2	**Sundry Debtors**					
	a	Debts outstanding for a period exceeding six months	35881.22		35881.22	
	b	Others	0.00	35881.22	0.00	35881.22
3	**Cash Balances in Hand**			76659.00		123817.00
4	**Bank Balances**					
	a	With Scheduled Banks				
	(i)	On Current Account	6015513.07		8543468.48	
	(ii)	On Deposit Account	0.00		0.00	
	(iii)	On Savings Account	23898376.24	29913889.31	54443181.14	62986649.62
	b	With Non-Scheduled Banks				
	(i)	On Current Account	0.00		0.00	
	(ii)	On Deposit Account	0.00		0.00	
	(iii)	On Savings Account	0.00	0.00	0.00	0.00
5	**Post Office Savings Account**			0.00		0.00
Total [A]				**60144753.53**		**95625616.84**

THE ASIATIC SOCIETY
KOLKATA

SCHEDULES FORMING PART OF BALANCE SHEET AT AT 31ST MARCH 2024

SCHEDULE 11. CURENT ASSETS, LOANS & ADVANCES, ETC. (contds...)			Current Year		Previous Year	
			₹	₹	₹	₹
B	**Loan, Advances & Other Assets**					
1	**Loans**					
	a	Employees	134465.00		170832.00	
	b	Others	0.00	134465.00	0.00	170832.00
2	**Advances and other amounts recoverable in cash or kind or for value to be received**					
	a	On Capital Account	50764579.00		50764579.00	
	b	Adv. Payment to Journal Subscription	2593465.37		2135685.60	
	c	Security Deposits	1445589.84		1445589.84	
	d	Earnest Money	0.00		0.00	
	e	With Dept. of Income Tax [TDS]	0.00		0.00	
	f	Others [Employees / Scholars/ Suppliers]	11501577.29	66305211.50	11721542.29	66067396.73
3	**Income Accrued**					
	a	On Investments from Earmarked/ Endowment Fund	3690988.00		3003258.00	
	b	On Investments- Others	0.00		1284810.00	
	d	Rent Receivable	3461825.40		3289865.40	
	e	Subscription Receivable	2174864.80		2599539.80	
	f	TDS Receivable	483822.00		489025.00	
	g	Institutional Membership Fee Receivable	2568.00	9814068.20	2568.00	10669066.20
Total [B]				**76253744.70**		**76907294.93**
Total [A+B]				**136398498.23**		**172532911.77**

THE ASIATIC SOCIETY
KOLKATA

SCHEDULES FORMING PART OF BALANCE SHEET AT AT 31ST MARCH 2024

SCHEDULE 11. DETAILS			Current Year		Previous Year	
CURENT ASSETS, LOANS & ADVANCES, ETC.			₹	₹	₹	₹
A		**Current Assets**				
1 c	(i)	Finished Goods - Stock of Printed Publications		30100982.00		32374478.00
1 c	(iii)	Raw Materials - Stock of Preservation Materials Materials		17342.00		104791.00
2	(a)	Sundry Debtors - Publication Sale		35881.22		35881.22
B		**Loan, Advances & Other Assets**				
1	(a)	Loans - Employees				
	(i)	House Building Advance	0.00		0.00	
	(ii)	Computer Advance	134465.00	134465.00	170832.00	170832.00
2	**(a)**	**On Capital Account**		50764579.00		50764579.00
2	**(b)**	**Advance Pmt. to Journal Subscription**				
	(i)	Subscription to Journal Prior to FY 2016-17	3042.03		3042.03	
	(ii)	Subscription to Journal [2016-17]	1032297.98		1036697.98	
	(iii)	Subscription to Journal [2017-18]	890887.26		890887.26	
	(iv)	Subscription to Journal [2021-22]	0.00		17321.06	
	(v)	Subscription to Journal [2022-23]	20467.20		0.00	
	(vi)	Subscription to Journal [2023-24]	646770.90	2593465.37	187737.27	2135685.60
2	**(c)**	**Security Deposits**		1445589.84		1445589.84
2	**(d)**	**Earnest Money**				
	(i)	With CESC Limited	0.00		0.00	
	(ii)	With DMP Nirman Pvt. Ltd.	0.00	0.00	0.00	0.00
2	**(e)**	**With Dept. of Income Tax [TDS]**		0.00		0.00

THE ASIATIC SOCIETY
KOLKATA

SCHEDULES FORMING PART OF BALANCE SHEET AT AT 31ST MARCH 2024

SCHEDULE 11. CURENT ASSETS, LOANS & ADVANCES, ETC. (contds...)			Current Year		Previous Year	
			₹	₹	₹	₹
2	**(f)**	**Others [Employees / Scholars/ Suppliers]**				
	(i)	Advance to Parties	7468909.70		7518909.70	
	(ii)	LTC Advance	121000.00		0.00	
	(iii)	Festival Advance	860.00		860.00	
	(iv)	Staff Advance	101564.00		194618	
	(v)	Advance to Project Invesstigators for External Projects	545032.94		543032.94	
	(vi)	Medical Advance	308165.00		651212.00	
	(vii)	Advance for NER Programme	2635195.00		2635195.00	
	(viii)	Advance for Seminar-NE [Nagaland University]	135000.00		0.00	
	(ix)	INSA RF (Misc. Advance)	3.00		3.00	
	(x)	DST Project (Misc. Advance)	13890.65		13890.65	
	(xi)	Advance for Postage & stamp	90611.00		91217.00	
	(xii)	Prepaid Expenses	81346.00	11501577.29	72604.00	11721542.29
3		**Income Accrued**				
	a	On Investments from“Endowment / [Earmarked Funds [WD-01]	3690988.00		3003258.00	
	b	On Investments- Others [WD-01]	0.00		1284810.00	
	c	Rent Receivable [WD-02]	3461825.40		3289865.40	
	d	Subscription Receivable [WD-03]	2174864.80		2599539.80	
	e	TDS Receivable	483822.00		489025.00	
	f	Institutional Membership Fee Receivable	2568.00	9814068.20	2568.00	10669066.20

THE ASIATIC SOCIETY
KOLKATA

Schedules forming part of Income & Expenditure Account for the year ended 31st March 2024

SCHEDULE 12. INCOME FROM SALES / SERVICES		Current Year		Previous Year	
		₹	₹	₹	₹
1	Income from Sale		0.00		0.00
2	Income from Services		0.00		0.00
	Total		**0.00**		**0.00**

SCHEDULE 13. GRANTS / SUBSIDIES		Current Year		Previous Year	
		₹	₹	₹	₹
	(Irrevocable Grants & Subsidies received)				
1	Central Government		201423000.00		215056000.00
2	State Government (specify)		0.00		0.00
3	Government Agencies		0.00		0.00
4	Institutions / Welfare Bodies		0.00		0.00
5	International Organizations		0.00		0.00
6	Others		0.00		0.00
	Total		**201423000.00**		**215056000.00**

Sl. No.	Grants-in-Aid received from Ministry of Culture, Government of India	Amount ₹	Remarks
1	Grant-in-Aid : General	27500000.00	
2	Grant-in-Aid : Salaries	173723000.00	Revenue Grants (treated as Income)
3	Grant-in-Aid : Swachhwata Action Plan	200000.00	
	Total	**201423000.00**	

SCHEDULE 14. FEES / SUBSCRIPTIONS		Current Year		Previous Year	
		₹	₹	₹	₹
1	Membership card issue fees		11800.00		0.00
2	Annual Fees / Subscriptions		0.00		451900.00
3	Life Membership Fees		684638.00		134626.00
4	Seminar / Workshop Fees		147500.00		15900.00
5	Admission Fees for membership		7500.00		294000.00
6	License Fee (Govt. Accommodation)		30511.00		0.00
7	Application Fees for vacancy Notification		0.00		24900.00
	Total		**881949.00**		**921326.00**

THE ASIATIC SOCIETY
KOLKATA

Schedules forming part of Income & Expenditure Account for the year ended 31st March 2024

SCHEDULE 15. INCOME FROM INVESTMENTS		Current Year		Previous Year	
		₹	₹	₹	₹
(Income from Investment from Earmarked / Endowment Funds transferred to Funds)					
1	Interest on Investments against Endowment Funds **[WD-01]**		1206467.00		1055350.00
2	Dividend		0.00		0.00
3	Rent [WD-02]		2168796.00		2168796.00
	Total		**3375263.00**		**3224146.00**
Transferred to Endowment Funds			**1206467.00**		**1055350.00**
Net Income from Investments			**2168796.00**		**2168796.00**

SCHEDULE 16. INCOME FROM ROYALTY, PUBLICATION, ETC.		Current Year		Previous Year	
		₹	₹	₹	₹
1	Income from Royalty		37345.00		163625.00
2	Income from Publications		1734042.00		1446695.00
3	Others : Sale of Mementos/ Souvenir items/ Photo album		148355.00		198925.00
	Total		**1919742.00**		**1809245.00**

THE ASIATIC SOCIETY
KOLKATA

Schedules forming part of Income & Expenditure Account for the year ended 31st March 2024

SCHEDULE 17. INTEREST EARNED		Current Year		Previous Year	
		₹	₹	₹	₹
1	**On Term Deposits**				
(a)	With Scheduled Banks [WD-01]	167225.00		227227.00	
(b)	With Non- Scheduled Banks	0.00		0.00	
(c)	With Institutions	0.00	167225.00	0.00	227227.00
2	**On Savings Accounts**				
(a)	With Scheduled Banks	36380.00		1766822.00	
(b)	With Non- Scheduled Banks	0.00		0.00	
(c)	With Institutions	0.00	36380.00	0.00	1766822.00
3	**On Loans**				
(a)	Employees / Staff				
	(i) Interest on H.B.Loan	60984.00		27722.00	
	(ii) Interest on Computer Loan	136361.00		98809.00	
	(iii) Interest on Scooter Loan	3740.00		4080.00	
(b)	Others	0.00	201085.00	0.00	130611.00
4	**Interest on Debtors and Other Receivables**		0.00		0.00
	Total		**404690.00**		**2124660.00**

SCHEDULE 18. OTHER INCOME		Current Year		Previous Year	
		₹	₹	₹	₹
1	Profit on sale / Disposal of Assets		657492.00		0.00
2	Export Incentives Realized		0.00		0.00
3	Miscellaneous Receipts		428949.00		381236.64
	Total		**1086441.00**		**381236.64**

SN	**Miscellaneous Receipts [Break-up of Item No.3]**	**Current Year ₹**
a	Micro Film / Xerox	16815.00
b	Sale of e-waste/ scrap materials	98887.00
c	Scanning Charges	298574.00
d	Others	14673.00
	Total	**428949.00**

THE ASIATIC SOCIETY
KOLKATA

Schedules forming part of Income & Expenditure Account for the year ended 31st March 2024

SCHEDULE 19. INCREASE / (DECREASE) IN STOCK OF FINISHED GOODS / WORK-IN-PROGRESS & RAW MATERIALS	Current Year		Previous Year	
	₹	₹	₹	₹
1 Closing Stock				
(a) Finished Goods“[Printed Publications]	30100982.00		32374478.00	
(b) Work-in-Progress	0.00		0.00	
(c) Raw Materials [Preservation Materials]	17342.00	30118324.00	104791.00	32479269.00
2 Less: Opening Stock				
(a) Finished Goods [Printed Publications]	32374478.00		30531652.00	
(b) Work-in-Progress	0.00		0.00	
(c) Raw Materials [Preservation Materials]	104791.00	32479269.00	32447.00	30564099.00
Total		**(2360945.00)**		**1915170.00**

THE ASIATIC SOCIETY
KOLKATA

Schedules forming part of Income & Expenditure Account for the year ended 31st March 2024

SCHEDULE 20. ESTABLISHMENT EXPENSES		Current Year		Previous Year	
		₹	₹	₹	₹
1	Salary & Wages		144656504.00		139901266.00
2	Allowances & Bonus		1265029.00		1069943.00
3	Employer's Contribution to EPF		11971821.00		9119351.00
4	Administrative Charges on EPF		608729.00		469998.00
5	Employer's Contribution to NPS		3590120.00		2282678.00
6	CRA & Registration charges on NPS		12269.00		21254.00
7	Special License Fee (Govt. Accommodation)		515508.00		35634.00
8	Staff Welfare Expenses		120616.00		64530.00
9	Expenses on Employees' Retirement & Terminal Benefits		21484773.00		18712370.00
10	Leave Travel Concession (LTC)		326994.00		1500462.00
11	Leave Encashment (LE)		333324.00		706191.00
12	Reimbursement of Medical Expenses (Indoor)		2683191.00		2750942.00
13	Reimbursement of Medical Expenses (Outdoor)		2642103.00		1508145.00
14	Honorarium (Staff)		31600.00		19200.00
15	Leave salary & Pension Contribution		886795.00		0.00
16	Reimbursement of News Paper & Telephone Charges		102518.00		85268.00
	Total		**191231894.00**		**178247232.00**

SN	Salary & Wages [Break-up of Item No.1]	₹
a	Salaries & Wages to Regular Employees	142327052.00
b	Salaries & Wages to Contractual Employees	2329452.00
	Total	**144656504.00**

THE ASIATIC SOCIETY
KOLKATA

Schedules forming part of Income & Expenditure Account for the year ended 31st March 2024

SCHEDULE 21. OTHER ADMINISTRATIVE EXPENSES, ETC.		Current Year		Previous Year	
		₹	₹	₹	₹
A	**Travelling & Conveyance Expenses:**				
A	Travelling & Conveyance Expenses:				
1	Travelling Allowance [TA/DA]	332997.20		155710.60	
2	Local Conveyance (staff)	93996.00		70561.00	
3	Local Conveyance (others)	106850.00		67700.00	
4	Traveling Allowance [Transfer]	0.00	533843.20	172750.00	466721.60
B	**Communication Charges:**				
1	Telephone Expenses	91182.00		73603.00	
2	Postage & Communication Charges	107191.00		259719.00	
3	Network & Allied work	0.00		7080.00	
4	Internet Charges	176999.00	375372.00	192080.00	532482.00
C	**Repairs & Maintenance:**				
1	Repairs & Maintenance- Building	353440.00		72013.00	
2	Repairs & Maintenance- Lift	349226.00		399616.34	
3	Repairs & Maintenance- AC Machine	1972985.00		2516647.17	
4	Repairs & Maintenance- Generator	52825.00		35991.00	
5	Repairs & Maintenance- Furniture	16233.00		364229.00	
6	Repairs & Maintenance- Computer	41668.00		82899.36	
7	Repairs & Maintenance- Electrical	102685.00		111980.00	
8	Repairs & Maintenance- Equipment	140999.00		342712.01	
9	Repairs & Maintenance- CCTV	1073644.00		1060844.00	
10	Repairs & Maintenance- Others	154410.00	4258115.00	300348.04	5287279.92
D	**Other Administrative Expenses:**				
1	Advertisement & Publicity	24968.00		148585.00	
2	Printing & Stationery	634123.00		573043.00	
3	Rent, Rates & Taxes	154657.00		117.00	
4	Vehicle Running & Maintenance	578267.00		701165.00	
5	Electricity & Power	3002588.00		2888057.00	
6	E-Filing Fees	49300.00		49200.00	

THE ASIATIC SOCIETY
KOLKATA

Schedules forming part of Income & Expenditure Account for the year ended 31st March 2024

SCHEDULE 21. OTHER ADMINISTRATIVE EXPENSES, ETC. (contd...)	Current Year		Previous Year	
	₹	₹	₹	₹
7 Water Charges	3840.00		5280.00	
8 Insurance	113198.39		126818.61	
9 Auditors' Remuneration	650000.00		703100.00	
10 Security & Housekeeping Expenses	10149464.00		9444709.00	
11 Meeting Expenses	729675.00		782968.00	
12 Cleaning & Washing	103433.00		129072.00	
13 Staff Training	0.00		25533.00	
14 Contingencies	112116.00		104907.00	
15 Legal Expenses	393887.00		136175.00	
16 Medal/Awards	5074.00		10000.00	
17 Awards & Incentives	12600.00		0.00	
18 MSTC Ltd (IT & Sevice Charges)	39979.00		0.00	
19 Office Supplies	94263.00		4581.00	
20 Professional Fees	29710.00		20038.00	
21 Election Expenses	203168.00		275379.00	
22 Bank Charges	24115.52		25178.76	
23 Website Development, Maint & Email Account	85200.00		180907.00	
24 License Fees	300.00		3300.00	
25 Annual General Meeting	315104.00		0.00	
26 Recruitment Expenses	190983.00		1328362.54	
27 Repographic Expenses	38806.00		117207.00	
28 Horticulture Expenses	5334.00		7380.00	
29 Expenses for physical verification of Manuscripts & Art Objects at Museum	57586.00		0.00	
30 Shifting & Rearrangement Works	441084.00		197488.00	
31 Rent receivable written off	0.00		1980000.00	
32 Expenditure on retention of Assets	6510.00		0.00	
33 Honorarium (others)	9500.00	18258832.91	1000.00	19969550.91

THE ASIATIC SOCIETY
KOLKATA

Schedules forming part of Income & Expenditure Account for the year ended 31st March 2024

SCHEDULE 21. OTHER ADMINISTRATIVE EXPENSES, ETC. (contd...)		Current Year		Previous Year	
		₹	₹	₹	₹
E	**Publication & Sales Expenses:**				
1	Publication of Books,Journals & Bulletin	3167727.00		5501513.00	
2	Promotion of Publications	40657.00		64000.00	
3	Book Fairs & Book Exhibitions	389144.00	3597528.00	494386.00	6059899.00
F	**Academic Programme Expenses:**				
1	Seminar / Workshop / Lecture	1645221.00		349366.00	
2	Dr. Raja Rajendralala Mitra M. Lecture	43099.00		10000.00	
3	Documentation of Programmes	0.00		16120.00	
4	R N Tagore Birth Centenary Plaque	1371.00	1689691.00	6136.00	381622.00
G	**Other Programme Expenses:**				
1	Celebration of Important Days	183663.00		156256.00	
2	Exhibition	1063927.40		562838.00	
3	Hindi Programme	32908.00		13278.00	
4	Celebration of Foundation Day	304570.00		270428.00	
5	Azadi ka Amrit Mahotsab	0.00	1585068.40	1369531.00	2372331.00
H	**Library & Museum Development:**				
1	Consv. & Binding of Books & Mss	271802.00		91587.00	
2	Library Automation Programme/ Stipend (Library Trainee)	970200.00		483650.00	
3	Digitization of Mss & Rare Books	576300.00		726088.00	
4	Purchase of Preservation Materials	187377.00		179954.00	
5	Purchase of Newspapers & Periodicals	19719.00		19243.00	
6	Institutional Membership Fees	0.00		13570.00	
7	Remuneration for Cataloguing Assistant	195050.00		0.00	
8	Trans-Col & Conveyance (Vivadarnavasetu)	0.00	2220448.00	42023.00	1556115.00

THE ASIATIC SOCIETY
KOLKATA

Schedules forming part of Income & Expenditure Account for the year ended 31st March 2024

SCHEDULE 21. OTHER ADMINISTRATIVE EXPENSES, ETC. (contd...)		Current Year		Previous Year	
		₹	₹	₹	₹
I	**Academic & Research Expenses:**				
1	Post Doctoral Fellowship	360000.00		360000.00	
2	Fellowship to Research Fellows	2740839.00		2021499.00	
3	Contingency to Research Fellows	180652.00		106510.00	
4	Remuneration to Research Assistants	271232.00		819871.00	
5	Contingecy to PI/RA	381723.00	3934446.00	483207.00	3791087.00
J	**Cost of Replicas (Museum):**				
1	Cost of Souvenir (Museum)	117115.00		116732.00	
2	Printing of Posters (Museum)	3100.00	120215.00	0.00	116732.00
K	**Expenses -North Eastern Region:**				
1	Seminar, Workshop for NER	42003.80		110000.00	
2	NER- Internal Project Expenses	0.00		0.00	
3	NER- External Project Expenses	0.00	42003.80	0.00	110000.00
L	**Expenses- Swatchhwata Action Plan**	229678.00	229678.00	163790.00	163790.00
	Total		**36845241.31**		**40807610.43**

THE ASIATIC SOCIETY
KOLKATA

Schedules forming part of Income & Expenditure Account for the year ended 31st March 2024

SCHEDULE 22. EXPENDITURE ON GRANTS, SUBSIDIES, ETC.	Current Year		Previous Year	
	₹	₹	₹	₹
1 Grants given to Institutions / Organisations		0.00		0.00
2 Subsidies given to Institutions / Organisations		0.00		0.00
Total		**0.00**		**0.00**

SCHEDULE 23. INTEREST	Current Year		Previous Year	
	₹	₹	₹	₹
1 On Fixed Loans		0.00		0.00
2 On Other Loans		0.00		0.00
3 Others		0.00		36471.00
Total		**0.00**		**36471.00**

PRIOR PERIOD ADJUSTMENTS	Current Year		Previous Year	
	₹	₹	₹	₹
1 Provisions Written Back		0.00		44860.00
2 Others		(53830054.00)		0.00
Total		**(53830054.00)**		**44860.00**

Place: Kolkata
Date: 15th May, 2024

Sd/-
[Sujit Kumar Das]
Treasurer

Sd/-
[S.B.Chakrabarti]
General Secretary

THE ASIATIC SOCIETY
KOLKATA

Significant Accounting Policies, Contingent Liabilities & Notes on Accounts forming part of Accounts for the year ended 31st March 2024

SCHEDULE – 24

SIGNIFICANT ACCOUNTING POLICIES

1. Accounting Convention

The financial statements of accounts are prepared under historical cost convention, in accordance with the applicable Accounting Standards in India and on the accrual method of accounting, unless otherwise stated.

2. Inventory Valuation

a) The closing stock of Publications of the Society has been valued on the basis of print price of the publications, keeping uniformity with that of previous year.

b) Conservation & Preservation Materials have been valued at cost.

3. Investments

Deposits with Banks in the form of TDRs (Fixed deposits) are stated at cost. Interest accrued on such deposits but not due at the year end is shown separately in Balance Sheet under "Loans, Advances & Other Current Assets".

4. Fixed Assets

a) Fixed Assets have been accounted at cost of acquisition inclusive of inward freight, duties & taxes and incidental & direct expenses related to such acquisitions;

b) Fixed Assets are stated at written down value after charging for depreciation.

5. Depreciation

Depreciation on Fixed Assets have been calculated and provided in the accounts on the basis of written down value of the fixed assets at the rates specified in the Income Tax Act, 1961 and as applicable for the financial year 2023-24

THE ASIATIC SOCIETY
KOLKATA

Significant Accounting Policies, Contingent Liabilities & Notes on Accounts forming part of Accounts for the year ended 31st March 2024

6. Government Grants

Grants-in-aid are recognized in accounts as and when the same is realized. A year's unutilized grant due to underutilization is carried forward and adjusted with next year's grants-in-aid. Expenditure in excess of grants-in-aid received under a particular head, wherever the case may be, have been met out of own resources. Grants-in-aid received under the head "Creation of Capital Assets" has been treated as contributions towards Capital Fund while Grants-in-aid received under other heads (viz. General, Salaries& SAP) have been treated as Income, being grants of revenue nature, in consistency with that of previous year.

7. Accounting for interest on Staff Loan

Interest on Staff Loan has been considered as earning based on realization during the year.

8. Accounting for Interest on Investments

Interest earned on investments has been provided on accrual basis

9. Retirement Benefit

Payments to the retirees during 2023-24 towards retirement benefits (gratuity &leave encashment) have been accounted for on actual payment basis.

	Sd/-	**Sd/-**
Place: Kolkata	**[Sujit Kumar Das]**	**[S.B.Chakrabarti]**
Date: 15th May, 2024	Treasurer	General Secretary

THE ASIATIC SOCIETY
KOLKATA

Significant Accounting Policies, Contingent Liabilities & Notes on Accounts forming part of Accounts for the year ended 31st March 2024

SCHEDULE – 25

CONTINGENT LIABILITIES & NOTES ON ACCOUNTS

A. CONTINGENT LIABILITIES

1. Bank Guarantee given by / on behalf of the Society: Nil (Previous Year: Nil)

2. Letters of Credit opened by Bank on behalf of the Society: Nil (Previous Year: Nil)

B. NOTES ON ACCOUNTS

1. The Society has been set up as an autonomous organization under the Ministry of Culture, Government of India and is wholly financed by the Government of India.

2. The Annual Accounts for 2023-24 have been prepared in the Uniform Format of Accounts prescribed for Central Autonomous Bodies in consistency with that of previous years.

3. The Society has been registered u / s 12 AA of the Income Tax Act, 1961 and hence its entire income is exempt from Income Tax.

4. The property belonging to S.D. Chatterjee Research Foundation, situated at 91, Ballygunge Place, Kolkata-700019 gifted in favour of the Asiatic Society vide a Deed of Gift made on 08.02.2024 (Deed No. 1609/2024) has been registered at the office of the District Sub-Registrar – IV, Alipore South 24 Parganas on 11.02.2024 and the title of the property has been transferred in the name of Asiatic Society, Kolkata.

   The market value of the gifted property of Rs.5,63,89,867/- along with Stamp Duty paid for Rs.28,18,994/- and Registration fee paid for Rs.5,63,899/- towards transfer of title of the said property have been capitalized and the amount totaling of Rs.5,97,72,760/- has also been included in the value of the' Freehold Building' under fixed assets.

5. The overdraft facility against three Term Deposits totaling Rs.79,51,408.00 with State Bank of India, Park Street branch as collateral security has been withdrawn during 2023-24.

6. Pending the audit for the year 2023-24, the claim for audit fees for the year 2023-24 is yet to be received from the office of the Director General of Audit (central), Kolkata. Under

THE ASIATIC SOCIETY
KOLKATA

Significant Accounting Policies, Contingent Liabilities & Notes on Accounts forming part of Accounts for the year ended 31st March 2024

such circumstances, an amount of Rs.6,50,000.00 in lump sum (estimated on the basis of last year's audit fees) has been provided for in the accounts for the year 2023-24.

7. Accrued Interest on Fixed Deposits against Endowment Funds & Others as on 31.03.2024 have been accounted for in 2023-24 after reconciliation with FDR statements.

8. The amount of subscription receivable from the Ordinary Members of the Society for the year 2023-24 could not be accounted for due to a technical error of the membership software detected at the time of finalization of annual accounts. However, the same will be adjusted in the subsequent financial year.

9. Corresponding figures for the previous year have been rearranged and regrouped wherever necessary.

	Sd/-	**Sd/-**
Place: Kolkata	**[Sujit Kumar Das]**	**[S.B.Chakrabarti]**
Date: 15th May, 2024	Treasurer	General Secretary

GFR 12-A

[(See Rule 238 (1)]

FORM OF UTILIZATION CERTIFICATE FOR AUTONOMOUS BODIES OF THE GRANTEE ORGANIZATION

UTILIZATION CERTIFICATE FOR THE YEAR 2023-24
In respect of recurring / non-recurring
GRANTS-IN-AID / SALARIES / CREATION OF CAPITAL ASSETS

1. Name of the Scheme : **Grants-in-aid under Revenue for The Asiatic Society, Kolkata**
2. Whether recurring or non-recurring grants : Recurring Grants
3. Grants position at the beginning of the Financial Year 2023-24 (i.e. 01.04.2023)
   - (i) Cash in Hand / Bank : **Rs. 2,65,59,050**
   - (ii) Unadjusted advances : **Rs. NIL**
   - (iii) Total : **Rs. 2,65,59,050**
4. Details of grants received, expenditure incurred and closing balances: (Actual)

[Amount in Rupees]

Unspent Balances of Grants received Years [figure as at Sl.No.3 (iii)]	Interest Earned thereon	Interest deposited back to the Govern-ment	Grants received during the year			Total Available funds [(1+2)-3]+4	Expendi-ture incurred	Closing Balances (5-6)
1	2	3	4			5	6	7
			Sanction No.(i)	Date (ii)	Amt. in Rs.(iii)			
Grants-in-Aid : General (31) : 2205.00.105.19.01								
NIL	NIL	NIL	F.No.20-8/	26.04.2023	22,92,000	2,75,00,000	2,75,00,000	NIL
			2023-A&A	15.05.2023	22,92,000			
			(General)	05.06.2023	22,91,000			
				28.07.2023	22,92,000			
				07.08.2023	22,92,000			
				11.09.2023	22,91,000			
				22.12.2023	68,75,000			
				16.01.2024	22,92,000			
				08.02.2024	45,83,000			
			Total		**2,75,00,000**			

Grants-in-Aid : Salaries (36) : 2205.00.105.19.01								
NIL	NIL	NIL	F.No.20-8/	15.05.2023	1,44,24,000	19,50,00,095	19,50,00,095	NIL
			2023- A&A	05.06.2023	1,79,17,000			
			(Salaries)	28.07.2023	1,79,60,000			
				07.08.2023	1,79,60,000			
				11.09.2023	1,79,62,000			
				22.12.2023	4,14,19,000			
				16.01.2024	1,53,60,000			
				08.02.2024	3,07,21,000			
			Total		17,37,23,000			
Creation of Capital Assets (35) : 2205.00.105.19.01								
52,81,955	NIL	NIL	F.No.20-8/	16.01.2024	3,34,000	62,81,955	62,81,955	NIL
			2023-A&A (CCA)	08.02.2024	6,66,000			
			Total		10,00,000			
Grants-in-Aid : - General – Swachhwata Action Plan (96-31) : 2205.00.105.19.01								
NIL	NIL	NIL	F.No.20-8/	26.04.2023	17,000	2,00,000	2,00,000	NIL
			2023- A&A	15.05.2023	17,000			
			(SAP-	05.06.2023	16,000			
			General)	28.07.2023	17,000			
				07.08.2023	17,000			
				11.09.2023	16,000			
				22.12.2023	50,000			
				16.01.2024	17,000			
				08.02.2024	33,000			
			Total		**2,00,000**			
2,65,59,050	**NIL**	**NIL**			**20,24,23,000**	**22,89,82,050**	**22,89,82,050**	**NIL**

5. **Component wise utilization of grants:**

[Amount in Rupees]

Grant-in-aid-General	Grant-in-aid-Salaries	Grant-in-aid-Creation of Capital Assets	Grant-in-aid-General-Swachhwata Action Plan (SAP)	Total
2,75,00,000	19,50,00,095	62,81,955	2,00,000	**22,89,82,050**

6. Details of grants position at the end the Financial Year 2023-24 (i.e., 31.03.2024)

(i)	Cash in Hand / Bank	:	Rs. NIL
(ii)	Unadjusted Advances	:	Rs. NIL
(iii)	Total	:	**Rs. NIL**

7. Certified that I have satisfied myself that the conditions on which grants were sanctioned have been duly fulfilled / are being fulfilled and that I have exercised following checks to see that the money has been actually utilized for the purpose for which it was sanctioned:

   (i) The main accounts and other subsidiary accounts and registers (including assets registers) are maintained as prescribed in the relevant Act/ Rules / Standing instructions (mention the Act/ Rules) and have been duly audited by designated auditors. The figures depicted above tally with the audited figures mentioned in financial statements / accounts.

   (ii) There exist internal controls for safeguarding public funds / assets, watching outcomes and achievements of physical targets against the financial inputs, ensuring quality in asset creation etc. and the periodic evaluation of internal controls is exercised to ensure their effectiveness.

   (iii) To the best of our knowledge and belief, no transactions have been entered that are in violation of relevant Act/ Rules/ Standing instructions and scheme guidelines.

   (iv) The responsibilities among the key functionaries for execution of the scheme have been assigned in clear terms and are not general in nature.

   (v) The benefits were extended to the intended beneficiaries and only such areas / districts were covered where the scheme was intended to operate.

   (vi) The expenditure on various components of the scheme was in the proportions authorized as per the scheme guidelines and terms and conditions of the grants-in-aid.

   (vii) It has been ensured that the physical and financial performance under **Grants-in-aid under revenue for The Asiatic Society, Kolkata** (name of the scheme) has been according to the requirements, as prescribed in the guidelines issued by Govt. of India and the performance / targets achieved statement for the year to which the utilization of the fund resulted in outcomes given at Annexure – I duly enclosed.

   (viii) The utilization of the fund resulted in outcomes given at Annexure- II duly enclosed (to be formulated by the Ministry / department concerned as per their requirements / specifications).

   (ix) Details of various schemes executed by the agency through grants-in-aid received from the same Ministry or from other Ministries is enclosed at Annexure-II (to be formulated by the Ministry / department concerned as per their requirements / specifications).

	Sd/-	**Sd/-**
Place: Kolkata	**[Sujit Kumar Das]**	**[S.B.Chakrabarti]**
Date: 15th May, 2024	Treasurer	General Secretary

Glimpses

(दृश्य-सामग्री)

Dr. C.V. Ananda Bose, Hon'ble Governor of West Bengal and Patron of the Asiatic Society is delivering his speech during the 239th Annual General Meeting and Awards Giving Ceremony on 1st May 2023. Smt. Lakshmi Ananda Bose, First Lady, West Bengal, Dr. S.B. Chakrabarti, General Secretary, Professor Swapan Kumar Pramanick and Dr. Sujit Kumar Das, Treasurer of the Society were present on the dias.

Professor Ranjit Kumar Dev Goswami, former Professor and Head, Department of English, Gauhati University is delivering his speech during 241st Foundation Day Celebration of the Asiatic Society, Kolkata on 15th January 2024.
Dr. S.B. Chakrabarti, General Secretary, Professor Swapan Kumar Pramanick, President, Professor J. B. Bhattacharjee, Guest-in-chief, Professor Subhash Ranjan Chakraborty, Vice President of the Society were present on the dias.

Nobel Laureate Dr. Avijit Binayak Bandyopadhyay is awarded the *Rabindranath Tagore Birth Centenary Plaque for the year 2022* by the Society at his residence on 10th January 2024.
Professor Swapan Kumar Pramanick, President, Professor Tapati Mukherjee, Vice President, Dr. Sujit Kumar Das, Treasurer and Dr. S.B. Chakrabarti, General Secretary of the Society were present.

A book release program is held on 19th May 2023 during a five-day workshop on "History of Science". Dr S.B. Chakrabarti, General Secretary, Professor Swapan Kumar Pramanick, President, Professor Rajkumar Roy Choudhury, Physical Science Secretary, Professor Syamal Chakrabarti, Publication Secretary and Professor Deepak Kumar, former Professor Jawaharlal Nehru University were present during the program.

Shri Samik Bandyopadhyay, Theatre Critic is delivering a speech during the Birth Centenary year celebration of Eminent Film Director Sri Mrinal Sen on 24th June 2023 at Rajendralala Mitra Bhavan, Salt Lake. A collaborative program of the Asiatic Society, Kolkata with Rekha Chitram, Salt Lake and Eisenstein Cine Club, Gorky Sadan.

Swami Suparnananda Maharaj, Secretary, Ramakrishna Mission Institute of Culture is being felicitated by Dr. S.B. Chakrabarti, General Secretary of the Society on 22nd June 2023. He delivered the *Indira Gandhi Memorial Lecture 2022*.

Professor Ashok Kanti Sanyal, Biological Science Secretary is delivering a speech in the program "Tribal and Indigenous People" on 29th August 2023 at Rajendralala Mitra Bhavan, Salt Lake Dr S.B. Chakrabarti, General Secretary, Mr Kevin Goh, Deputy Consul-General, Consulate of Australia, Kolkata and Professor Swapan Kumar Pramanick, President of the Society were present in the program.

Observance of World Yoga Day on 21st June 2023.
Dr. S.B. Chakrabarti, General Secretary and Lt. Col. Anant Sinha, Director are performing yoga in the occasion along with the staff members of the Society.

Lt. Col. Anant Sinha, Director is delivering a speech in the inaugural program of *Hindi Pakhwara 2023* on 1st September 2023.
Dr. S.B. Chakrabarti, General Secretary, Shri Shyam Sundar Bhattacharya, Philological Secretary of the Society and Smt. Rita Bhattacharya, former Chief Manager (Raj Bhasha), Punjab National Bank were present on the dias.

Professor Junji Koizumi, President of IUAES is delivering his speech in Post-Congress Seminar in connection with the 19th IUAES-WAU World Anthropology Congress (Treasures of Knowledge) on 28th October 2023. Professor Sukanta Chaudhuri, Professor Kalyan K Chakraborty, Professor Soumendra Mohan Patnaik, Professor Basudeb Barman, Vice President of the Society and Dr. Sumita Chaudhuri were present in the dias.

Professor Vijoy S Sahay, Professor Emeritus & former Head, Department of Anthropology, University of Allahabad is being welcomed by Dr. S.B. Chakrabarti, General Secretary. He delivered *Dr. Panchanan Mitra Memorial Lecture 2022* on 4th October 2023.
Professor Swapan Kumar Pramanick, President and Professor Ranjana Roy, Anthropological Secretary of the Society were present.

A team of Hungarian delegates are visiting the Museum of the Society on 22nd November 2023.

Eminent Singer Pandit Ajay Chakraborty is delivering speech on 'A Memorial Meeting in Memory of Sri Gautam Halder' at Rajendralala Mitra Bhavan, Salt Lake on 20th December 2023.

Professor Satyabati Giri, former Professor, Department of Bengali, Jadavpur University is delivering her speech in a six-day workshop on 'Manuscriptology and Palaeography'.
Professor Tapati Mukherjee, Vice-President of the Society and Professor Jyotsna Chattopadhyay are also on the dias.

Professor Chinmoy Guha, former Professor and Head, Department of English, University of Calcutta is being felicitated by Professor Arun Bandyopadhyay, Historical and Archaeological Secretary of the Society on 5th January 2024 at the occasion of 5th *Professor Sabyasachi Bhattacharya Memorial Lecture 2024*.

Professor N. K. Sundareswaran, Professor of Department of Sanskrit, University of Calicut, is present to deliver his speech in 9th *K. K. Handique Memorial Lecture* on 29th February 2024.
Professor Basudeb Barman, Vice President, Professor Swapan Kumar Pramanick, President, Shri Shyam Sundar Bhattacharya, Philological Secretary, Professor Nabanarayan Bandyopadhyay and Professor Mahidas Bhattacharya were present.

Dr. Ramkumar Mukhopadhyay is being felicitated on the 203rd Birth Anniversary Celebration of Raja Rajendralala Mitra on 16th February 2024. He delivered a speech on the occasion.
Dr. S.B. Chakrabarti, General Secretary, Professor Swapan Kumar Pramanick, President of the Society and Professor Abhra Ghosh were present in the program.

A Fire Fighting Training Program was organized for the staff members of the Society on 26th March 2024.

A drama '*Dampati*' was organised by the Society's Recreation Club and participated by the staff members on 9th October 2023.

The Asiatic Society
Kolkata
1, Park Street, Kolkata - 700016